

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल

तेलंगाना - 506004

वार्षिक रिपोर्ट एवं वार्षिक लेखा
2021-2022



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
वारंगल - 506004
तेलंगाना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल
शासी मंडल *(बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)* की सूची

प्रोफे. एन. वी. रमना राव प्रभारी अध्यक्ष, शासी मंडल, एनआईटीडबल्यू एवं निदेशक,राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	
सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस संयुक्त सचिव (एनआईटीs) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली	
सुश्री दर्शना एम. डबराल, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	
प्रोफे. बी.एस. मूर्ति निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, कंडी, संगारेड्डी	
प्रोफे. एन. वी. उमामहेश (01.11.2021 से) प्रोफेसर सिविल अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	
डॉ. के. रमेश एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	
श्री एस. गोवर्धन राव सचिव शासी मंडल एवं कुल सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	

प्राक्कथन



प्रोफे. एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटी वारंगल

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में से एक है जो उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। सभी सहभागियों के सहयोग से, संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में सभी क्षेत्रों में यथोचित रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। इस पश्च-कोविड समय के दौरान संस्थान अपने मानकों को बनाए रखने और उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। संस्थान ने पिछले शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में भी सभी क्षेत्रों में अच्छी प्रगति की है।

यद्यपि एलएमएस के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण हम सभी के लिए एक नया अनुभव था, संस्थान की एलएमएस टीम ने आवश्यक एलएमएस इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जिससे शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के दूसरे सेमेस्टर के दौरान ऑनलाइन/ऑफलाइन (हाइब्रिड) मोड में शैक्षणिक गतिविधियां बिना किसी अवरोध के सुचारू रूप से संचालित की जा सकी। सभी सहभागियों के सहयोग से शैक्षणिक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा हुआ। मैं सभी शिक्षण संकाय को "ऑनलाइन" मोड से पश्च-कोविड हाइब्रिड व ऑफलाइन मोड में उल्लेखनीय परिवर्तन के लिए बधाई देता हूं। मुझे यकीन है कि यह अनुभव हमारे आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाने में मदद करेगा और मिश्रित हाइब्रिड मोड हमारी टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया का एक हिस्सा बन जाएगा।

कोविड काल के बाद संस्थान का 20वां दीक्षांत समारोह दो दिनों के लिए 3, सितंबर (यूजी) और 4 सितंबर, (पीजी एवं पीएच.डी.) 2022 को ऑफ़लाइन मोड में आयोजित किया गया। यह एनआईटी वारंगल के दीक्षांत समारोह के इतिहास में अपने प्रकार का पहला कार्यक्रम है जिसे दो दिनों में आयोजित किया गया। प्रोफे. सुधीर के. जैन, कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी, भारत, दीक्षांत समारोह के पहले दिन के मुख्य अतिथि थे। डॉ. एन. कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर, भारत सरकार, इस अवसर पर दूसरे दिन के मुख्य अतिथि थे।

एनआईटीडबल्यू एलुमनाई एसोसिएशन संस्थान के विकास के लिए विभिन्न तरीकों से योगदान देकर शानदार कार्य कर रहा है। अनुसंधान, प्रकाशन और पेटेंट हमारे संस्थान की कार्य संस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हमारे फ़ैकल्टी सहकर्मियों की बड़ी संख्या को हाल ही में प्रतिष्ठित बाह्य प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं स्वीकृत की गई थी। मैं उन सभी को बधाई देता हूं। इस शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में बड़ी संख्या में पेटेंट दाखिल किए गए हैं। मैं उन सभी फ़ैकल्टी सहकर्मियों को विशेष रूप से बधाई देता हूं जिन्हें पेटेंट प्रदान किए गए हैं। मैं आश्वस्त हूं कि "परियोजनाओं, प्रकाशनों और पेटेंट मिश्रित शिक्षाविदों" की यह कार्य संस्कृति संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। मुझे विश्वास है कि इसका देश के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के बीच एनआईटीडब्ल्यू की एनआईआरएफ रैंकिंग पर आगामी एनआईआरएफ रैंक में पिछले रैंक से आगे बढ़ने के लिए निश्चित रूप से प्रभाव होगा।

संस्थान समय-समय पर संस्थान में उपलब्ध विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए और समाज की मांगों के अनुरूप नए कार्यक्रम शुरू कर रहा है। सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को एनईपी-2020 के प्रावधानों को शामिल कर संशोधित किया जा रहा है। संशोधित पाठ्यक्रम इसी शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से कार्यान्वित कर दिया गया है। इस शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से एक नया 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह केवल शुरुआत है, लेकिन एनईपी-2020 के सभी प्रावधानों को पूरी तरह से कार्यान्वित करने से पहले हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

संस्थान के छात्र ने सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह जानकर खुशी हो रही है कि हमारे संस्थान ने परिसर नियोजन *(कैंपस प्लेसमेंट)* में बहुत अच्छा कार्य-निष्पादन किया है। पिछले शैक्षणिक वर्ष की तुलना में शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड संख्या में यूजी और पीजी छात्रों का आकर्षक पैकेज के साथ चयन हुआ था।

अकादमिक रिपोर्ट-2021-22 संस्थान की सभी उपलब्धियों, अकादमिक व शोध गतिविधियों, प्रशिक्षण व नियोजन *(प्लेसमेंट)* गतिविधियों और संस्थान में होने वाले विभिन्न विकासों के विवरण का संकलन है। मैं इस अकादमिक रिपोर्ट को तैयार करने में शामिल सभी लोगों की सराहना करता हूं। मैं इस अवसर पर संस्थान के फ़ैकल्टी सदस्यों, शिक्षणेतर स्टॉफ, छात्रों और भूतपूर्व छात्रों को भी धन्यवाद देता हूं, जो संस्थान की बेहतरी के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

(हस्ताक्षरित)

प्रोफे. एन.वी. रमना राव
निदेशक
एनआईटी वारंगल

विषय सूची

क्रम संख्या	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
भाग - I		
	शासी मंडल *(बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)*	I
	निदेशक का प्राक्कथन	II
	विषय सूची	IV
	परिदृष्टि वक्तव्य (*विज़न स्टेटमेंट*)	V
	लक्ष्य वक्तव्य (*मिशन स्टेटमेंट*)	V
	उद्देश्य	VI
	संस्थान का संक्षिप्त विवरण	VIII
	प्रस्तावना	
1.	शिक्षा प्रणाली	1
2.	नई पहल	1
	सिंहावलोकन	
3.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	2
4.	अवस्थिति (*लोकेशन*)	4
5.	परिसर	4
6.	प्रशासन	5
7.	अकादमिक कार्यक्रम	18
8.	संचालित पाठ्यक्रम	18
9.	प्रवेश प्रक्रिया	22
10.	विद्यार्थी	26
11.	परीक्षा एवं मूल्यांकन	27
12.	प्रदान की गई उपाधियां	30
13.	फ़ैकल्टी विवरण	32
14.	छात्र प्रवेश *(एडमिशन)* विवरण	33
15.	नियोजन (*प्लेसमेंट*) रिपोर्ट	34
16.	केंद्रीय पुस्तकालय	38
17.	नवाचार एवं उद्भवन केंद्र *(इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर)*	48
18.	सिविल अभियांत्रिकी	50
19.	विद्युत अभियांत्रिकी	64
20.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	74
21.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	87
22.	धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	97

23.	रासायनिक अभियांत्रिकी	107
24.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	119
25.	जैव-प्रौद्योगिकी	122
26.	गणित शास्त्र	130
27.	भौतिक विज्ञान	138
28.	रसायन विज्ञान	147
29.	प्रबंधन विद्यालय *(स्कूल ऑफ मैनेजमेंट)*	158
30.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	160
31.	शारीरिक शिक्षा	163
32.	अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं भूतपूर्व छात्र गतिविधियां	166
33.	केंद्रीय अनुसंधान इन्स्ट्रूमेंटेशन सुविधा	172
34.	फोटो गैलरी एवं न्यूज़ कवरेज	176
35.	संस्थान सूचना सलाहकार समिति के सदस्यगण	181
भाग - II		
36.	वार्षिक लेखा	182
37.	लेखापरीक्षा रिपोर्ट	218

परिदृष्टि वक्तव्य (विज़न स्टेटमेंट)

एक वैश्विक ज्ञान केंद्र हेतु समाज के लिए शिक्षा, शोध, उद्यमिता और प्रौद्योगिकी सेवाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए लगातार प्रयासरत रहना।



लक्ष्य वक्तव्य (मिशन स्टेटमेंट)

- "वैश्विक प्रतिस्पर्धी परिवेश के अनुरूप अभिनव, उद्यमशील और नैतिक भावी पेशेवर विकसित करने के लिए समग्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना"।
- "तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में पारस्परिक संवर्धन के लिए हितधारियों को हमारे शिक्षा एवं ज्ञान के खजाने को साझा करने देना"।
- "सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक आत्मनिर्भर और संपदा सृजन केंद्र स्थापित करने के लिए उत्पादोन्मुखी शोध को बढ़ावा देना"।

उद्देश्य (ऑब्जेक्टिव्स)

- छात्रों को निम्नलिखित से लैस करते हुए उन्हें आधुनिक उद्योग एवं समाज की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने के लिए अनुकूल शैक्षिक वातावरण निर्मित करना -
    - नवीनतम तकनीकी ज्ञान
    - विश्लेषणात्मक व व्यावहारिक कौशल
    - प्रबंधन सक्षमता
    - कार्य करने के लिए एक रचनात्मक एवं अभिनव दृष्टिकोण
- इन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, स्थायी साझेदारी के माध्यम से उद्योग एवं वाणिज्य के साथ संबंधों को मजबूत करना -
    - पाठ्यचर्या विकास
    - प्रशिक्षण एवं नियोजन (प्लेसमेंट)
    - परामर्श एवं अन्य सेवाएं
    - शोध व विकास
- संस्थान में एक ऐसा वातावरण बनाना जहां कर्मचारियों को, बौद्धिक जिज्ञासा बनाए रखने एवं कर्मचारियों के सतत विकास कार्यक्रमों के द्वारा तकनीकी विशेषज्ञता में सुधार करने के लिए, प्रोत्साहित किया जाता है।
- ऐसी स्थितियां निर्मित करना जिसमें संस्थान को तकनीकी शिक्षा में स्व-विनियमित प्रधान केंद्र के रूप में मान्यता मिले।



संस्थान का संक्षिप्त विवरण

आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश में तकनीकी प्रगति एवं राष्ट्रीय एकता की समृद्धि के लिए क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों की अवधारणा की कल्पना की और उसे कार्यान्वित किया था। उन्होंने 10 अक्टूबर 1959 को आरईसी वारंगल की आधारशिला रखी थी। आरईसी वारंगल को देश में स्थापित आरईसी श्रृंखला में प्रथम होने का गौरव प्राप्त है। अब एनआईटी के दर्जे में क्रमोन्नत, इस संस्थान को सभी एनआईटी में सर्वाधिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने का गौरव प्राप्त है।

अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान अकादमिक व प्रशासनिक नए अनुभवों को आत्मसात करते हुए और अभी तक अपने मौलिक पहचान और महान उद्देश्यों को बनाए रखते हुए यह प्रतिष्ठित संस्थान कई चरणों से गुजरा है। उस्मानिया विश्वविद्यालय) 1959) के एक संबद्ध महाविद्यालय के रूप में स्थापित, आरईसी वारंगल *पूर्ण अकादमिक स्वायत्तता* के साथ जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) 1972) के क्षेत्राधिकार में आया, वह दर्जा जो तत्कालीन समय में देश के कुछ आरईसी को ही प्राप्त था। यह ककातीय विश्वविद्यालय) 1976) का एक संबद्ध महाविद्यालय था और फिर विश्वविद्यालय के दर्जे की ओर तेजी से अग्रसित हुआ। वर्ष 2002 में इसे समतुल्य विश्वविद्यालय) डीम्ड यूनिवर्सिटी (घोषित किया गया। बाद में इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया और इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल कर दिया गया।

अपने अस्तित्व के 62 वर्षों की इस अवधि के दौरान यह प्रौद्योगिकी की विभिन्न शाखाओं में 19623 स्नातकों, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी में 12785 स्नातकोत्तरों व 837 डॉक्टरेट्स से अधिक अध्येताओं के लिए एक गौरवशाली मातृ संस्था (*एल्मा मेटर*) बन गया। संस्थान के भूतपूर्व छात्र दुनिया भर में अकादमिक, उद्योग, राजनीति, प्रशासन, शोध और उद्यमिता में बहुत उच्च पदों को सुशोभित करते हुए मिल सकते हैं, जो संस्थान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बनाते हैं। आज अपनी प्रवेश नीतियों के कारण, यह संस्थान अपने यूजी, पीजी और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए विदेशी छात्रों को प्रत्यक्ष प्रवेश (डीएएसए) और भारत सरकार की अन्य योजनाओं के तहत दुनिया के विभिन्न हिस्सों से छात्रों को आकर्षित करता है। इस प्रकार यह गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाला उत्कृष्टता एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान बन गया है। अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप के अनुरूप एक ब्रांड इमेज स्थापित करने की लालसा में यह कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयासरत है।

यह संस्थान वर्तमान में सिविल, विद्युत व इलेक्ट्रॉनिक्स, यान्त्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार (*कम्युनिकेशन*), धातुकर्म व पदार्थ (मेटलर्जिकल एंड मटेरियल्स), रासायनिक (केमिकल), कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और जैवप्रौद्योगिकी शाखाओं में आठ स्नातक कार्यक्रम; और अभियांत्रिकी, विज्ञान, एमबीए व एमसीए की विविध शाखाओं में तीस स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाता है। यह संस्थान अभियांत्रिकी, विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी विषयों में पीएच.डी. कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

अकादमिक वर्ष 2021-22 में बड़ी संख्या में पेटेंट फ़ाइल किए गए हैं । तकनीकी शिक्षा, शोध एवं परामर्श सेवा प्रदान करने में यह संस्थान अपने लिए उच्च मानक निर्धारित करने में प्रयासरत है । इस दिशा में, कई पाठयक्रम संबंधी और प्रशासनिक सुधार किए गए हैं, जिनमें शिक्षा के चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) लागू करना उल्लेखनीय है ।

संस्थान समय-समय पर संस्थान में उपलब्ध विशेषज्ञता और समाज की मांगों के अनुसार नए कार्यक्रम शुरू कर रहा है । एनईपी-2020 के प्रावधानों को शामिल कर सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया जा रहा है । इसी शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से संशोधित पाठ्यक्रम लागू किया गया है । इस शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से एक नया 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह केवल शुरुआत है, लेकिन एनईपी-2020 के सभी प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने से पहले हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है ।

इस संस्थान के पास सीएसआईआर, डीएसटी, डीआईटी, डीआरडीओ, एनआरबी, बीआरएनएस आदि एजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध परियोजनाएं हैं ।

इस संस्थान में अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसे विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी चरण III) के तहत ओर बेहतर किया जा रहा है । वर्ष 2020-21 के दौरान परिसर साक्षात्कार *(कैम्पस इंटरव्यू)* के माध्यम से छात्रों का प्लेसमेंट उत्कृष्ट रहा है । 200 से अधिक संगठनों ने परिसर का दौरा किया और कुल 1111 प्लेसमेंट किए गए । छात्रों में 646 बी.टेक. छात्र थे, 465 एम.टेक., एम.एससी. (टेक), एम.एससी., एमसीए व एमबीए छात्र थे ।

सभी छात्रों और अधिकांश स्टॉफ सदस्यों के लिए आवास के साथ एक आवासीय परिसर के थ संस्थान एक विशाल क्षेत्र में स्थित है । नए छात्रावासों के निर्माण एवं मौजूदा छात्रावासों के नवीनीकरण द्वारा छात्रावास सुविधा को ओर अधिक सुदृड़ किया जा रहा है । खेल सुविधाओं में विशाल खेल मैदान, क्रिकेट के लिए टर्फ विकेट के साथ एक प्रभावशाली आधुनिक स्टेडियम और एक राष्ट्रीय स्तर का 400 मीटर ट्रैक शामिल है । संस्थान में 28 छात्र क्लब और 12 विभागीय एसोसिएशन हैं, जो छात्रों के बीच समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन करते हैं ।

इस संस्थान का भूतपूर्व छात्र संघ *(एलुमनाई एसोसिएशन)* देश के विभिन्न शहरों में पंद्रह शाखाओं *(चैप्टर्स)* और संयुक्त राज्य अमेरिका में एक शाखा के साथ बहुत सक्रिय है। संस्थान की प्रगति से संबंधित सभी मामलों में संस्थान भूतपूर्व छात्रों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखता है ।

परिचय

1. शिक्षा प्रणाली

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (*च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम* - सीबीसीएस) : यूजी व पीजी दोनों पाठ्यक्रम अध्यापन एवं मूल्यांकन की चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली अपनाते हैं । शैक्षिक वर्ष को सम व विषम दो सेमेस्टरों में बांटा गया है ।

उपस्थिति : सभी कक्षाओं (व्याख्यानों/ट्यूटोरियल, प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं आदि) में उपस्थिति अनिवार्य है । किसी छात्र को असंतोषप्रद उपस्थिति के आधार पर परीक्षा में बैठने से रोका जा सकता है, जो पीजी स्तर पर प्रत्येक पाठ्यक्रम में आयोजित कक्षाओं की संख्या का 80% से कम है और यूजी पाठ्यक्रमों के मामले में 75% से कम है ।

पंजीकरण : प्रत्येक छात्र को प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारंभ में अकादमिक कैलेंडर में अधिसूचित दिवस पर उपस्थित होना और पंजीकृत करना आवश्यक है ।

- बी.टेक. कार्यक्रम के पहले दो सेमेस्टरों के दौरान सभी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है और किसी छात्र को प्रथम वर्ष में प्रवेश दिए जाने पर यह स्वतः हो जाता है ।
- तीसरे सेमेस्टर के बाद से पंजीकरण, विभागाध्यक्ष की देखरेख में, विभाग द्वारा किया जाता है ।
- सिर्फ उन्हीं छात्रों को पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी जो निम्नलिखित आवश्यकताएं पूरी करते हैं :
  - पिछले सेमेस्टरों में संस्थान व छात्रावास की सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है ।
  - वर्तमान सेमेस्टर के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है, और
  - अनुशासनात्मक या किसी अन्य आधार पर निर्दिष्ट अवधि हेतु पंजीकरण से वर्जित नहीं किया गया है
  - अकादमिक आवश्यकताएं :
    - द्वितीय वर्ष में पंजीकरण व पहले वर्ष के अंत में संस्थान में अपना अध्ययन जारी रखने की पात्रता हेतु, किसी छात्र को संतोषप्रद रूप से कम से 30 क्रेडिट (पूरक परीक्षाओं के बाद) पूरी करना चाहिए, एवं
    - तृतीय वर्ष में पंजीकरण की पात्रता के लिए, किसी छात्र को संतोषप्रद रूप से द्वितीय वर्ष के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर मिलाकर कम से कम 30 क्रेडिट (पूरक परीक्षाओं के बाद) पूरी की जाना चाहिए व प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों को संतोषप्रद रूप से पूरा किया जाना चाहिए ।
    - चतुर्थ वर्ष में पंजीकरण की पात्रता के लिए, किसी छात्र को संतोषप्रद रूप से तृतीय वर्ष के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर मिलाकर कम से कम 30 क्रेडिट (पूरक परीक्षाओं के बाद) पूरी करना चाहिए और द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों को संतोषप्रद रूप से पूरा किया जाना चाहिए ।

यह संस्थान, सेमेस्टर पैटर्न, पाठ्यक्रम अद्यतिकरण और चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के मामले में आईआईटी में अपनाई गई शिक्षा प्रणाली को अपना रहा है ।

2. नई पहल

संस्थान अध्यापन, अध्ययन व शोध की गुणवत्ता में अभिवृद्धि के उद्देश्य से शिक्षण, अनुसंधान व विकास हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ सुविधाओं का विकास कर रहा है । शोध के लिए उत्कृष्टता के निम्नलिखित केंद्र स्थापित किए गए हैं ।

- उन्नत पदार्थ केंद्र (सीएएम)
- स्वचालन और इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र (सीएआई)
- शहरी परिवहन अध्ययन केंद्र (सीयूटीएस)

स्थापित किए जा रहे नए केंद्र -

- चिरस्थायी (सस्टेनेबल) और वैकल्पिक ऊर्जा केंद्र (सीएसएई)
- अध्यापन अध्ययन केंद्र (टीचिंग लर्निंग सेंटर)

सिंहावलोकन

3. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, जो पूर्व में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय के रूप में जाना जाता था, ने अपने विजयी मार्च के दौरान कुछ अविस्मरणीय उपलब्धियां हासिल की हैं :

10 अक्टूबर 1959	पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस महाविद्यालय की आधारशिला रखी, जो देश में एनआईटी (पूर्व आरईसी) श्रृंखला में पहला था।
10 नवंबर 1959	क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, वारंगल की सोसायटी का पंजीकरण।
अगस्त, 1965	यूनेस्को सहायता परियोजना की शुरुआत।
अक्टूबर, 1972	महाविद्यालय की संबद्धता का उस्मानिया विश्वविद्यालय से जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में परिवर्तन। महाविद्यालय को अकादमिक स्वायत्तता दी गई।
अगस्त 19, 1976	महाविद्यालय की संबद्धता का जेएनटीयू से ककातीया विश्वविद्यालय में परिवर्तन।
जुलाई, 1978	एआईसीटीई ने पीएच.डी. व एम.टेक. कार्यक्रमों के लिए सिविल अभियांत्रिकी विभाग को क्यूआईपी (गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम) केंद्र का दर्जा प्रदान किया।
अगस्त, 1981	आंध्र प्रदेश के छात्रों को कॉमन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से बी.टेक. में प्रवेश।
जनवरी, 1990	यूके-इंडिया परियोजना के अंतर्गत सहायता के लिए महाविद्यालय का चयन हुआ।
अप्रैल, 1994	यूके-इंडिया आरईसी परियोजना की शुरुआत।
अक्टूबर, 1996	वीसैट डिश के माध्यम से एक समर्पित इंटरनेट कनेक्टिविटी का कमीशनन।
अक्टूबर 23-24, 1999	40वां स्थापना दिवस समारोह। महामहिम डॉ. सी. रंगराजन, आ.प्र. के राज्यपाल व जनरल के.वी. कृष्णा राव (सेवानिवृत्त सेनाध्यक्ष) की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।
जुलाई 20, 2001	एआईसीटीई ने निम्नलिखित विभागों को क्यूआईपी केंद्र (गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम) का दर्जा दिया : पीएच.डी. कार्यक्रम - यांत्रिक अभियांत्रिकी, रासायनिक अभियांत्रिकी और गणित विभाग एम.टेक. कार्यक्रम - विद्युत अभियांत्रिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी विभाग
सितंबर, 2001	फाइबर ऑप्टिक कैम्पस लैन स्थापित किया गया।
जुलाई, 2002	शासी मंडल *(बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)* ने क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, वारंगल को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) वारंगल में बदलने के लिए नए मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) का प्रस्ताव पारित किया।
सितंबर, 2002	संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल किया और समतुल्य विश्वविद्यालय *(डीम्ड यूनिवर्सिटी)* का दर्जा दिया गया।
जुलाई, 2003	एआईईईई स्ट्रीम के माध्यम से बी.टेक. में छात्रों के प्रवेश की शुरुआत।
अगस्त, 2003	पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन विधि का **आईआईटी पैटर्न में परिवर्तन**।
जून, 2004	टीईक्यूआईपी (तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम) के तहत संस्थान को विश्व बैंक से 11.41 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त हुई ।
मार्च 1, 2004	**एनआईटी वारंगल का प्रथम दीक्षांत समारोह**। प्रोफे. एस.के. जोशी, अध्यक्ष, शासी मंडल, IIT, रुड़की व पूर्व-महानिदेशक, सीएसआईआर ने प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।
जून 5, 2007	संसद के एनआईटी अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी।

जनवरी 25, 2008	पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का टेक्नोजियोन के दौरान कैम्पस दौरा ।
	एमएचआरडी की माननीया मंत्री, श्रीमती पुरंदेश्वरी ने नए कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन किया और अल्ट्रा मेगा हॉस्टल की आधारशिला रखी ।
अक्टूबर 10, 2008	एनआईटी (आरईसी) स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह
दिसंबर 28, 2009	नवाचार एवं उद्भवन केंद्र *(सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन)* का उद्घाटन ।
अक्टूबर, 2012	एनआईटी वारंगल ने "हेरिटेज" नामक कार्यक्रम, इरासमस मुंडस (इंडो- यूरोप अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम) योजना पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया । इस कार्यक्रम में 8 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचईआई) व 12 यूरोपीय उच्च शिक्षा संस्थान (ईएचईआई) प्रमुख साझेदार हैं ।
अक्टूबर 15, 2013	11वां दीक्षांत समारोह 15 अक्टूबर 2013 को आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. कृष्णा एम. एला, अध्यक्ष, बीओजी, एनआईटी वारंगल मुख्य अतिथि थे ।
अगस्त 9, 2014	12वां दीक्षांत समारोह 9 अगस्त 2014 को आयोजित किया गया, जिसमें पद्मश्री अविनाश चंद्र, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, सचिव रक्षा आर&डी विभाग व डीजी डीआरडीओ, भारत सरकार; मुख्य अतिथि थे ।
दिसंबर 13, 2015	13वां दीक्षांत समारोह 13 दिसंबर 2015 को आयोजित किया गया, पद्मश्री ए.एस. किरण कुमार, सचिव अंतरिक्ष विभाग, अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग व अध्यक्ष, इसरो मुख्य अतिथि थे ।
अक्टूबर 8, 2018	भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा स्वर्ण जयंती उद्घाटन ।
अगस्त 17, 2019	17वां दीक्षांत समारोह 17 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफे. नितिन कुमार त्रिपाठी, निदेशक, विशेष डिग्री कार्यक्रम, एआईटी बैंकॉक, थाईलैंड; मुख्य अतिथि थे ।
अक्टूबर 22, 2020	रुद्रमा देवी महिला छात्रावास परिसर की आधारशिला रखी गई ।
अक्टूबर 22, 2020	कौशल विकास के लिए विश्वेश्वरैया केंद्र का उद्घाटन ।
अक्टूबर 22, 2020	सरदार वल्लभभाई पटेल अतिथि गृह का उद्घाटन ।
अक्टूबर 22, 2020	18वां दीक्षांत समारोह वर्चुअल मोड में आयोजित हुआ ।
जुलाई 21, 2021	एनईपी-2020 के अनुसार पाठ्यक्रम संशोधन ।
अक्टूबर 01, 2021	केंद्रीय अनुसंधान इन्स्ट्रुमेंटेशन सुविधा स्थापित हुई ।
अक्टूबर 01, 2021	एनआईटीडब्ल्यू- सीमेंस उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन ।
अक्टूबर 19, 2021	मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी गई ।
अक्टूबर 19, 2021	शैक्षणिक भवनों (सिविल और यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग) की आधारशिला रखी गई ।
अक्टूबर 19, 2021	एनआईटीडब्ल्यू - हिताची एनर्जी स्मार्ट इलेक्ट्रिक ग्रिड प्रयोगशाला का उद्घाटन ।
अक्टूबर 19, 2021	19वां दीक्षांत समारोह वर्चुअल मोड में आयोजित हुआ ।
2021 - 2022	गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी. की शुरुआत हुई ।
सितंबर 03-04 2022	20वां दीक्षांत समारोह ऑफलाइन मोड में आयोजित हुआ ।

4. अवस्थिति *(लोकेशन)*

वारंगल 18.01 के अक्षांश (लैटीट्यूड) एवं 79.58 के देशांतर (लॉन्जिट्यूड) में स्थित है।

यह संस्थान हैदराबाद - वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर 248 एकड़ भूमि पर काजीपेट रेलवे स्टेशन से 3 किलोमीटर की दूरी पर और वारंगल रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह हैदराबाद से 140 किलोमीटर दूर है। वारंगल को राज्य के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक मानचित्र में एक अनूठा स्थान प्राप्त है। रामप्पा, हजार स्तंभ मंदिर, भद्रकाली मंदिर और वारंगल किले की उत्तम और जटिल वास्तुकला आकर्षण का केंद्र रही है। मनोहर उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, आसपास के क्षेत्र में झीलें व चट्टानें छात्रों और आगंतुकों के लिए रुचि के अन्य स्थान रहे हैं। मई-जून के दौरान गर्म ग्रीष्मकाल कि अवधि को छोड़कर इस स्थान पर वर्षभर सुखद मौसम रहता है।

5. परिसर *(कैम्पस)*

यह एक आवासीय परिसर है जिसमें छात्रों, फ़ैकल्टी और अन्य स्टॉफ के लिए परिसर में रहने के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं मौजूद हैं। निम्नलिखित सांख्यिकीय आंकड़े परिसर में भवनों के बारे में अंदाजा दे सकते हैं। परिसर में विभिन्न भवनों के प्लिंथ क्षेत्रफल हैं : प्रशासनिक भवन (3,331 वर्गमीटर), अकादमिक भवन (34,448 वर्गमीटर), पुस्तकालय भवन (3,610 वर्गमीटर), छात्र हॉस्टल (32,642 वर्गमीटर), स्पोर्ट्स पैविलियन व गैलरी (784 वर्गमीटर), निदेशक बंगला, स्टाफ क्वार्टर और गेस्ट हाउस (31,598 वर्गमीटर)। परिसर में 12 कि.मी. लंबा सड़क नेटवर्क है। ऊपर संदर्भित विभिन्न प्रयोजनों के लिए और अधिक स्थान बनाने और सड़कों के नेटवर्क के निर्माण का कार्य, जो रास्ते में व्यस्त निर्माण को देखते हुए आवश्यक हो गया है , का कार्य प्रगति पर है।

6. प्रशासन

शासी मंडल *(द बोर्ड ऑफ गवर्नर्स,* बीओजी)

1.	प्रोफे. एन. वी. रमना राव, प्रभारी अध्यक्ष, शासी मंडल, एनआईटीडबल्यू एवं निदेशक, एनआईटी, वारंगल	अध्यक्ष
2.	सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस संयुक्त सचिव (एनआईटीs) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली	
3.	सुश्री दर्शना एम. डबराल, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, एमएचआरडी, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रोफे. बी.एस. मूर्ति निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद; कंडी, संगारेड्डी	सदस्य
5.	प्रोफे. एम. सिड्डुलु विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (30.10.2021 तक)
6.	प्रोफे. एन. वी. उमामहेश सिविल अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (01.11.2021 से)
7.	डॉ. के. रमेश एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (25.07.2020 से)
8.	श्री एस. गोवर्धन राव कुल सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सचिव

वित्त समिति (द फाइनेंस कमिटी - एफ़सी)

1.	प्रोफे. एन. वी. रमना राव, प्रभारी अध्यक्ष, वित्त समिति, एनआईटीडबल्यू एवं निदेशक, एनआईटी, वारंगल	अध्यक्ष
2.	सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस संयुक्त सचिव (एनआईटीs) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली	
3.	सुश्री दर्शना एम. डबराल संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार उच्च शिक्षा विभाग, एमएचआरडी, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रोफे. एम. सिडुलु विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (30.10.2021 तक)
5.	प्रोफे. एन. वी. उमामहेश सिविल अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (01.11.2021 से)
6.	श्री एस. गोवर्धन राव कुल सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य सचिव

भवन कार्य समिति (बिल्डिंग वर्क्स कमिटी - बीडबल्यूसी)

1.	प्रोफे. एन. वी. रमना राव, अध्यक्ष एवं निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	अध्यक्ष
2.	श्री अनिल कुमार निदेशक, (वित्त), एकीकृत वित्त प्रभाग उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
3.	प्रोफे. पी. बंगारू बाबू डीन (योजना एवं विकास), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (08.02.2022 तक)
4.	प्रोफे. एम. चन्द्रशेखर डीन (योजना एवं विकास), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य (09.02.2022 से)
5.	श्री एन. नागा संबाशिवा राव मुख्य अभियन्ता केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, सुल्तान बाजार, हैदराबाद	सदस्य
6.	श्री के. किशन मुख्य महाप्रबंधक (प्रचालन- II) (विद्युत), टीएसएनपीडीसीएल,वारंगल	सदस्य
7.	श्री एस. गोवर्धन राव कुल सचिव, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल	सदस्य सचिव

निदेशक *(द डायरेक्टर)* समग्र वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों के साथ निदेशक, संस्था के प्रमुख हैं ।

अधिसभा *(द सीनेट)*

अध्यक्ष

प्रोफे. एन. वी. रमना राव

श्री एस. गोवर्धन राव

कुल सचिव, एनआईटीडबल्यू एवं सचिव, सीनेट

सदस्य (आंतरिक)

1. डॉ. के.वी. जयकुमार
2. डॉ. एन.वी. उमामहेश
3. डॉ. सी.एस.आर.के. प्रसाद
4. डॉ. एम. चंद्रशेखर
5. डॉ. सी.बी. कामेश्वर राव
6. डॉ. पी. आनंद राज
7. डॉ. डी. रामासेशु
8. डॉ. जी. राजेश कुमार
9. डॉ. देवा प्रताप
10. डॉ. पी. रतिश कुमार, एचओडी, सिविल
11. डॉ. गुन्नेश्वरा राव टी.डी.
12. डॉ. वी.रमना मूर्ति
13. डॉ. सिडुलु महेश्वरापु
14. डॉ. डी.एम. विनोद कुमार
15. डॉ. डी.वी.एस.एस. शिवा शर्मा
16. डॉ. भगवान के. मूर्ति
17. डॉ. एन. सुब्रह्मण्यम
18. डॉ. एन. विश्वनाथन
19. डॉ. वी.टी.सोमशेखर
20. डॉ. एस. श्रीनिवासा राव
21. डॉ. एम. शैलजा कुमारी, एचओडी, ईईडी
22. डॉ. के. मधु मूर्ति
23. डॉ. सी.एस.पी. राव (प्रतिनियुक्ति पर)
24. डॉ. एस. श्रीनिवासा राव
25. डॉ. पी. बंगारू बाबू
26. डॉ. ए. वेणु गोपाल
27. डॉ. एन. सेल्वा राज
28. डॉ. पी. रवि कुमार
29. डॉ. जी. अम्बा प्रसाद राव
30. डॉ. एल. कृष्णानंद
31. डॉ. ए. नीलकंठेश्वर राव
32. डॉ. के.वी. साई श्रीनाध
33. डॉ. आर. नरसिम्हा राव
34. डॉ. अदेपु कुमार, एचओडी, एमईडी
35. डॉ. वी. सुरेश बाबू
40. डॉ. सी.बी. रामाराव
41. डॉ. जी.वी.एस. नागेश्वर राव
42. डॉ. एन. नरसैय्या
43. डॉ.असित कुमार खानरा, एचओडी,एमएमईडी (7.12.21 तक)
44. डॉ. टी. महेश कुमार, एचओडी,एमएमईडी (8.12.21 से)
45. डॉ. सोनावणे शिरीष हरि
46. डॉ. ए. वेणु विनोद
    डॉ. ए. शरत बाबू
47. डॉ. के. आनंद किशोर
48. डॉ. डी.वी.एल.एन. सौमयाजूलु (प्रतिनियुक्ति पर)
49. डॉ. बी.बी. अंबेरकर
50. डॉ. एस.जी. संजीवी
51. डॉ. आर.बी.वी. सुब्रह्मण्यम
52. डॉ. पी. राधा कृष्णा
53. डॉ. आर. सतीश बाबू, एचओडी, जैवप्रौद्योगिकी (3.8.21 तक)
54. डॉ. के. नरसिम्हुलु, एचओडी, जैवप्रौद्योगिकी (4.8.21 से)
55. डॉ. जे.वी. रमना मूर्ति
56. डॉ. वाई.एन. रेड्डी
57. डॉ. के.एन.एस. काशीविश्वनाधम
58. डॉ. देबाशीश दत्ता
59. डॉ. डी. श्रीनिवासाचार्या
60. डॉ. पी. मुथु, एचओडी, गणितशास्त्र
61. डॉ. एल. रामगोपाल रेड्डी
    डॉ. आर.एल.एन. साई प्रसाद
62. डॉ. के. वेणुगोपाल रेड्डी
63. डॉ.डी. दिनकर, एचओडी, भौतिकी
64. डॉ. ए. रामचंद्रैय्या
65. डॉ. के. लक्ष्मा रेड्डी
66. डॉ. वी. राजेश्वर राव
67. डॉ. के.वी. गोबी
68. डॉ. पी. वेंकटा श्री लक्ष्मी
69. डॉ. विष्णु शंकर, एचओडी, रसायन विज्ञान
70. डॉ. एम. रविन्द्र रेड्डी, एचओडी, एसओएम (8.7.21 से)
71. डॉ. वी. रमा देवी, एचओडी, एसओएम (7.7.21 तक)
72. डॉ. के. माधवी, एचओडी, एच&एसएस

36. डॉ. एन.वी.एस.एन. शर्मा (प्रतिनियुक्ति पर)
37. डॉ. टी. किशोर कुमार
38. डॉ. एल.अंजनेयुलु, एचओडी, ईसीई
39. डॉ. एन. भीमा राव
73. डॉ. पी. रवि कुमार, एचओडी, शारीरिक शिक्षा
74. डॉ. आर. दयानिधि
75. डॉ. पी.मधुसुधन रेड्डी

बाह्य सदस्य (20.08.2021 तक)

1. प्रोफे..टी. सुंदरराजन
2. डॉ. (श्रीमती) कीर्ति श्रीवास्तव
3. प्रोफे. देबाशीष आचार्य

बाह्य सदस्य (21.08.2021 से)

1. प्रोफे. के.वी.एल. सुब्रमण्यम, आईआईटी हैदराबाद
2. प्रोफे. सुजाता मुकिरी, ईएफएलयू, हैदराबाद
3. प्रोफे. चौ. सुब्रह्मण्यम, आईआईटी हैदराबाद

डीन की समिति

डीन की समिति दैनंदिनी प्रशासन में निर्णय लेने में निदेशक की सहायता करती है।

द डीन्स

6 डीन निदेशक की सहायता करते हैं, नामतः डीन (शोध व परामर्श), डीन (अकादमिक), डीन (फ़ैकल्टी कल्याण), डीन (आयोजना व विकास), डीन (छात्र कल्याण) और डीन (अंतरराष्ट्रीय संबंध व भूतपूर्व छात्र मामलें)। दैनंदिनी गतिविधियों में डीन की सहायता करने के लिए एसोसिएट डीन होते हैं।

विभागों के अध्यक्ष : विभागाध्यक्ष अपने विभाग से संबंधित सभी मामलें संभालते हैं।

कुल सचिव *(द रजिस्ट्रार)*

कुल सचिव, संस्थान के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के प्रमुख हैं। उन्हें उप कुल सचिवों से सहायता मिलती है जिनकी मदद सहायक कुल सचिव करते हैं।

मुख्य छात्रावास अधीक्षक *(चीफ वार्डन)*

चीफ वार्डन छात्रों के छात्रावासों के प्रमुख होते हैं। उन्हें वार्डन की एक टीम द्वारा सहायता दी जाती है।

अन्य समितियां

a). डीन की समिति : निदेशक समिति के अध्यक्ष, रजिस्ट्रार सचिव एवं सभी डीन इसके सदस्य होते हैं।

b). छात्रावास परामर्श परिषद / *द हॉस्टल एडवाइजरी कॉउन्सिल* (एचएसी) :

1. निदेशक	:	अध्यक्ष
2. कुल सचिव	:	सदस्य
3. डीन (छात्र कल्याण)	:	सदस्य
4. डीन (फ़ैकल्टी कल्याण)	:	सदस्य
5. डीन (अंतरराष्ट्रीय संबंध व भूतपूर्व छात्र मामलें)	:	सदस्य
6. डीन (आयोजना व विकास)	:	सदस्य
7. डीन (अकादमिक)	:	सदस्य
8. चीफ वार्डन	:	संयोजक

वार्डन प्रतिनिधि :

1. उप मुख्य वार्डन	:	सदस्य
2. उप मुख्य वार्डन (प्रियदर्शिनी मेस)	:	सदस्य
3. उप मुख्य वार्डन (वार्डन मेस-I)	:	सदस्य
4. वार्डन आईएफ़सी-सी	:	सदस्य
5. वार्डन (ब्लॉक - 1.8 के)	:	सदस्य
6. वार्डन (ब्लॉक – 11)	:	सदस्य
7. वार्डन (ब्लॉक - 1 के)	:	सदस्य
8. वार्डन (न्यू एलएच)	:	सदस्य
9. वार्डन (ब्लॉक – 1 के)	:	सदस्य

छात्र प्रतिनिधि :

1. मेस सचिव	:	सदस्य
2. एलएच प्रतिनिधि	:	सदस्य

विशेष आमंत्रित :

1. प्रोफेसर प्रभारी ई&एमयू	:	सदस्य
2. चिकित्सा अधिकारी	:	सदस्य
3. कार्यकारी अभियंता (ई&एमयू)	:	सदस्य

c). विभागीय अकादमिक समिति - पूर्वस्नातक (*अंडरग्रेजुएट)* (डीएसी यूजी) :

1. विभागाध्यक्ष	:	अध्यक्ष
2. विभाग के दो प्रोफेसर (बारी-बारी से 2 वर्ष हेतु)	:	सदस्य
3. विभाग के दो एसोसिएट प्रोफेसर	:	सदस्य
4. दो असिस्टेंट प्रोफेसर (बारी-बारी से 2 वर्ष हेतु)	:	सदस्य

टिप्पणी :

1. विभागाध्यक्ष किसी एक सदस्य को सचिव मनोनीत करेंगे ।
2. बी.टेक. पाठ्यक्रम के शिक्षण में शामिल प्रत्येक विभाग के लिए एक डीएसी यूजी होगा ।
3. पाठ्यचर्या तैयार करते समय / अथवा पाठ्यचर्या में संशोधन करते समय, अध्यक्ष बाह्य विशेषज्ञों सहित अधिक सदस्यों को सहयोजित और / अथवा आमंत्रित कर सकते हैं ।

कार्य :

1. विभाग द्वारा संचालित सभी स्नातक पाठ्यक्रमों व यूजी प्रोग्राम के कोर्स कार्य को मॉनिटर करना ।
2. विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के अकादमिक मानकों व उत्कृष्टता को सुनिश्चित करना ।
3. विभाग द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विकसित करना व इसकी अनुशंसा बोर्ड ऑफ स्टडीज को करना ।
4. ग्रेड्स की समीक्षा और अनुमोदन करना ।
5. छात्रों के पंजीकरण को समेकित करना एवं कोर्स प्रशिक्षकों व डीन (अकादमिक मामलें) को इसकी जानकारी देना ।
6. विभाग के स्नातक कार्यक्रम (मों) से संबंधित किसी भी मामले पर विचार करना ।
7. सीनेट या सीनेट के अध्यक्ष या अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा सौंपे गए किसी भी दायित्व या कार्य को करना ।
8. परीक्षाओं में कदाचार की जांच करना और डीन, अकादमिक मामलें को उपयुक्त अनुशंसा प्रस्तुत करना ।

d). विभागीय अकादमिक समिति - स्नातकोत्तर व शोध (डीएसी पीजी&आर) :

1. विभागाध्यक्ष	:	अध्यक्ष
2. विभाग के दो प्रोफेसर (बारी-बारी से दो वर्ष के लिए)	:	सदस्य
3. विभाग के 2 एसोसिएट प्रोफेसर (बारी-बारी से 2 वर्ष हेतु):		सदस्य
4. पीएच.डी. उपाधि धारक विभाग के दो असिस्टेंट प्रोफेसर	:	सदस्य

टिप्पणी :

1. विभागाध्यक्ष किसी एक सदस्य को सचिव मनोनीत करेंगे ।
2. किसी भी पीजी डिग्री पाठ्यक्रम के शिक्षण में शामिल प्रत्येक विभाग हेतु एक डीएसी पीजी&आर होगा ।
3. पाठ्यचर्या तैयार करते समय / अथवा पाठ्यचर्या में संशोधन करते समय, अध्यक्ष बाह्य विशेषज्ञों सहित अधिक सदस्यों को सहयोजित *(को-ऑप्ट)* और / अथवा आमंत्रित कर सकते हैं ।

कार्य :

1. विभाग द्वारा संचालित सभी स्नातक पाठ्यक्रमों व यूजी प्रोग्राम के कोर्स कार्य को मॉनिटर करना ।
2. विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के अकादमिक मानकों व उत्कृष्टता को सुनिश्चित करना ।
3. विभाग द्वारा संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विकसित करना एवं इसकी अनुशंसा बोर्ड ऑफ स्टडीज को करना ।
4. ग्रेड्स की समीक्षा और अनुमोदन करना ।
5. स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों के पंजीकरण को समेकित करना एवं कोर्स प्रशिक्षकों व डीन (अकादमिक मामलें) को सूचित करना ।
6. विभाग के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (मों) व पीएच.डी. कार्यक्रम से संबंधित किसी भी मामले पर विचार करना एवं बोर्ड ऑफ स्टडीज को उपयुक्त अनुशंसा प्रस्तुत करना ।
7. विभाग के सभी अभ्यर्थियों के शोध कार्य की प्रगति को मॉनिटर करना ।
8. डॉक्टरेट संवीक्षा समिति की अनुशंसाओं एवं डीएससी द्वारा अनुशंसित बाह्य परीक्षकों के पैनल को डीन (अकादमिक मामलों) को अग्रेषित करना ।
9. सीनेट या सीनेट अध्यक्ष या बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए किसी भी दायित्व या कार्य करना ।

e). डॉक्टरेट संवीक्षा समिति (*डॉक्टरल स्क्रूटिनी कमिटी* - डीएससी) :

1. विभागाध्यक्ष	:	अध्यक्ष
2. शोध पर्यवेक्षक	:	सदस्य एवं सचिव
3. सह-पर्यवेक्षक (यदि कोई है)	:	सदस्य
4. विभाग के दो फ़ैकल्टी सदस्य	:	सदस्य
5. संबद्ध विभाग का एक फ़ैकल्टी सदस्य	:	सदस्य

टिप्पणी :

यदि विभागाध्यक्ष शोध पर्यवेक्षक हैं, तो विभाग के एक अन्य फ़ैकल्टी सदस्य को डीएससी में शामिल किया जाना चाहिए।

कार्य :

1. अभ्यर्थी के कोर्स कार्य को तैयार करना ।
2. शोध पर्यवेक्षक (कों) द्वारा तैयार स्व-अध्ययन के पाठ्यविवरणों/सिलेबाई (यदि कोई हो) की की जांच करना और इसे डीन (अकादमिक मामलें) को भेजना ।
3. प्रत्येक कोर्स में अभ्यर्थी की ग्रेड को अंतिम रूप देना व इसे डीन (अकादमिक मामलें) को अग्रेषित करना ।
4. अभ्यर्थी की प्रगति की हर 6 माह में एक बार समीक्षा करना व प्रगति रिपोर्ट डीन (अकादमिक मामलें) को भेजना।
5. अभ्यर्थी के शोध प्रस्ताव का आकलन और अनुमोदन करना ।
6. पूर्व-शोधरूपरेखा (प्री-सिनोप्सिस) संगोष्ठी में कार्य की पर्याप्तता का आकलन और अनुमोदन करना और विभागीय अनुसंधान समिति के माध्यम से डीन (अकादमिक मामलें) को सूचित करना ।
7. बाह्य परीक्षक के साथ मौखिक परीक्षा बोर्ड (विवा वोस बोर्ड) के सदस्यों के रूप में कार्य करना और मौखिक परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करना ।

f). भंडार क्रय समिति *(स्टोर्स परचेस कमिटी)* :

1. डीन (शोध एवं परामर्श)	:	अध्यक्ष
2. बोर्ड सदस्य (आंतरिक) - दो	:	सदस्य
3. कुल सचिव	:	सदस्य
4. संबंधित विभागाध्यक्ष	:	सदस्य
5. प्रधान अन्वेषक, परियोजना के मामलों में	:	सदस्य
6. उप कुल सचिव (केंद्रीय भंडार)	:	संयोजक

g). अनुशासनात्मक समिति :

1. निदेशक	:	अध्यक्ष
2. डीन (आर&सी)	:	सदस्य
3. डीन (एए)	:	सदस्य
4. डीन (एफ़डबल्यू)	:	सदस्य
5. डीन (एसडबल्यू	:	सदस्य
6. डीन (पी&डी)	:	सदस्य
7. कुल सचिव	:	सदस्य व सचिव

h). आवास समिति :

1. कुल सचिव एवं सम्पदा अधिकारी	:	अध्यक्ष
2. एसोसिएट डीन (वर्क्स)	:	सदस्य
3. उप कुल सचिव (प्रशासन)	:	सदस्य

i). पुस्तकालय सलाहकार समिति (*लायब्रेरी एडवाइजरी कमिटी*):

1. डीन (अकादमिक)	:	अध्यक्ष
2. कुल सचिव	:	सदस्य
3. प्रत्येक अकादमिक विभाग से विभागाध्यक्ष द्वारा मनोनीत एक फ़ैकल्टी सदस्य	:	सदस्य
4. यूजी, पीजी व पीएच.डी. से डीन (एसडबल्यू) द्वारा मनोनीत एक-एक छात्र	:	सदस्य
5. पुस्तपाल (लायब्रेरियन)	:	सदस्य-सचिव

j). संस्थान डिस्पेंसरी :

डीन (अकादमिक)	:	प्रभारी

k). खेल समिति *(गेम्स कमिटी)* :

डॉ. एम. रविंदर रेड्डी	:	अध्यक्ष

l). एससी / एसटी प्रकोष्ठ

डॉ. जे. रवि कुमार	:	समन्वयक

m). अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ

डॉ. आरिफ़ अली बेग मोगल	:	समन्वयक

n). आंतरिक शिकायत समिति

1. डॉ. डी. वकुला : अध्यक्षा
2. डॉ. पी. हरि कृष्णा : सदस्य
3. डॉ. एस. अनुराधा : सदस्य
4. डॉ. वी. रमादेवी सदस्य : सदस्य
5. डॉ. उषा रानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजिस्ट,केएमसी वारंगल : सदस्य
6. तीन छात्र परिषद सदस्य (अकादमिक, छात्रावास और छात्राओं से) (छात्रों से संबंधित शिकायत के मामले में) : सदस्य

o). दिव्यांग जन प्रकोष्ठ

डॉ. वी. रामा : समन्वयक

p). ओबीसी प्रकोष्ठ

डॉ. वी. रामा : समन्वयक

q). कानूनी प्रकोष्ठ

कुल सचिव : प्रभारी

r). प्रशासनिक एवं अन्य अधिकारी

क्रम सं.	नाम	पदनाम	विभाग / अनुभाग
1.	श्री गोवर्धन राव	कुल सचिव	कुल सचिव कार्यालय
2.	प्रोफे. ए. वेणु गोपाल	डीन (अकादमिक) (23.01.2022 तक)	डीन का कार्यालय
3.	प्रोफे. के.एन.एस. काशी विश्वनाथन	डीन (अकादमिक) (24.01.2022 से 21.03.2022 तक)	डीन का कार्यालय
4.	प्रोफे. एन.वी. उमा महेश	डीन (अकादमिक) (22.03.2022 से)	डीन का कार्यालय
5.	प्रोफे. जे.वी. रमना मूर्ति	डीन (छात्र कल्याण) (23.12.2021 तक)	डीन का कार्यालय
6.	प्रोफे. पूली रवि कुमार	डीन (छात्र कल्याण) (24.12.2021 से)	डीन का कार्यालय
7.	प्रोफे. पी. बंगारू बाबू	डीन (योजना व विकास) (10.02.2022 तक)	डीन का कार्यालय
8.	प्रोफे. एम. चन्द्रशेखर	डीन (योजना एवं विकास) (11.02.2022 से)	डीन का कार्यालय
9.	प्रोफे. वी. राजेश्वर राव	डीन (शोध व परामर्श)	डीन का कार्यालय
10.	प्रोफे. जी. अम्बा प्रसाद राव	डीन (संकाय कल्याण)	डीन का कार्यालय
11.	प्रोफे. एन. सेल्वराज	डीन (आईआर&एए) (30.01.2022 तक)	डीन का कार्यालय
12.	प्रोफे. एन. सुब्रमण्यम	डीन (आईआर&एए) (31.01.2022 से)	डीन का कार्यालय
13.	डॉ. के. वीरन्जनेयूलू	लाइब्रेरियन	केंद्रीय पुस्तकालय
14.	श्री टी. कृष्णा साई	प्रिन्सिपल एसओ (20.09.2021 से)	सीआरआईएफ़
15.	श्री वेणुगोपाल रेड्डी तम्मा	अधीक्षण अभियंता (10.06.2021 से)	ई&एमयू
16.	श्री एस. वेंकटेश्वरण	उप कुल सचिव	प्रशासन

17.	श्री सौमेन कर्माकर	उप कुल सचिव	अकादमिक अनुभाग
18.	श्री सुदाम दामु अडलिंगे	उप कुल सचिव (07.05.2021 से)	क्रय एवं भंडार
19.	श्री विजय अनवरथम सी.	उप कुल सचिव (07.05.2021 से)	लेखा अनुभाग
20.	श्री इरन्ना मल्लप्पा शेट्टार	उप पुस्तपाल (18.10.2021 से)	केंद्रीय पुस्तकालय
21.	श्री प्रशांथ पी.	वरिष्ठ एसएएस अधिकारी (08.10.2021 से)	शारीरिक शिक्षा
22.	श्री पी. भार्गव रेड्डी	तकनीकी अधिकारी	सीआईएसएस/एमआईएस
23.	श्री डी. गोविंदा राव	तकनीकी अधिकारी (14.09.2021 से)	सीआईएसएस/एमआईएस
24.	श्री वी. सुधाकर	तकनीकी अधिकारी (14.09.2021 से)	सीआरआईएफ़
25.	श्री मदुपु हरीश	तकनीकी अधिकारी (21.09.2021 से)	सीआरआईएफ़
26.	श्री डी. रवि कुमार	तकनीकी अधिकारी (14.12.2021 से)	तकनीकी सेवा केंद्र
27.	श्रीमती गोल्लापल्ली श्री रामा संजीविनी	तकनीकी अधिकारी (04.02.2022 से)	तकनीकी सेवा केंद्र (सीटीएस)
28.	डॉ. च. कार्तिक चिंताला	चिकित्सा अधिकारी	संस्थान स्वास्थ्य केंद्र
29.	डॉ. प्रदीप डोड्डा	चिकित्सा अधिकारी	संस्थान स्वास्थ्य केंद्र
30.	डॉ. अन्चूरी कार्तिक	चिकित्सा अधिकारी	संस्थान स्वास्थ्य केंद्र
31.	श्री जी. रमेश	कार्यकारी अभियंता	ई&एमयू
32.	श्री पेल्लुरु सुरेश	कार्यकारी अभियंता	ई&एमयू
33.	श्री गरदासू बालाकृष्णा	सहायक पुस्तपाल	केंद्रीय पुस्तकालय
34.	श्री हरी देवसोथ	एसएएस अधिकारी (15.09.2021 से)	शारीरिक शिक्षा

s). शिक्षणेतर स्टॉफ

क्रम सं. नाम व पदनाम

अधीक्षक एसजी-II

1. राजू जी.

अधीक्षक

1. कुरैशी ए.ए.
2. प्रकाश एस.एस.
3. कौमर पाशा एस.ए.
4. शमशुल हुसैन मौहम्मद

सहायक (एसजी-II)

1. श्रीधर राव एम.
2. भास्कर जे.
3. जय सिंह ए.
4. दिलीप कुमार टी.
5. प्रेम कुमार पी.
6. नरेन्द्र वी.
7. श्रीनिवास राव के.
8. सुरेश वी.

क्रम सं. नाम व पदनाम

वरिष्ठ अधीक्षक

1. साम्बा मूर्ति एम.
2. जफर मौहम्मद
3. गोपीनाथ आर.

सहायक (एसजी-I)

1. बाला सुब्रमण्यम जी.
2. शिव कुमार पी.
3. रामाराव ए. (31.7.2021 को सेवानिवृत्त)
4. श्रीनिवास रेड्डी एम.
5. संजीवा एम.
6. किरण कुमार टी.
7. सदर लाल एम.
8. अफजल मौहम्मद
9. नागेंदर राव के.
10. श्यामला जे.
11. वैंकटेश्वरलु एस.

9. अलीउल्लाशा खादर मौहम्मद
10. महेश कुमार वाई.
11. हाइमावती पी.
12. वेद प्रकाश जी.
13. श्रीनिवास आर.
14. दयाकर पी.
15. इंदिरा प्रियदर्शनी बी.

कनिष्ठ सहायक

1. जफर मौहम्मद
2. अकबर मौहम्मद
3. हीरुलाल पी.
4. किशोर कुमार एन.
5. इंकशाफ आली मौहम्मद
6. श्रीधर कुमार जी.
7. संबैया जी.
8. श्रीकांत पी.

वैयक्तिक सहायक

1. रेणुका डी.
2. अशोक कुमार पी.

तकनीकी सहायक एसजी-II

1. रमीजा बी के.
2. रांगीलाल बी.

तकनीकी सहायक

1. वीरन्ना टी.
2. श्रीनिवास बी.
3. सूर्यनारायण टी.
4. हरिनाथ एन.
5. नागभूषणम ए.
6. लक्ष्मण ए.
7. नरसिंहा एम.
8. रमेश के. (जूनियर)
9. के. रविंदर
10. सुधाकर वी. (13.09.2021 से)

तकनीशियन (एसजी- II)

1. आनंद सिंह के.
2. सुनील कुमार डी.
3. देवेंदर बी.
4. वीरैय्या डी.
5. सम्बय्या वी.
12. परसुरामुलू आर.

वरिष्ठ सहायक

1. भास्कर टी.
2. सोमेश्वर राव ए.
3. सुश्री हुस्ना
4. पद्मजा जी.
5. किरण कुमार ए.
6. अश्विन कुमार डी.
7. डॉ नानू लूणावत
8. श्रीनिवास टी.
9. डॉ मांगीलाल बी.
10. राजन्ना एम.
11. जगदीश कुमार ए.
12. रमेश डी.
13. वारा प्रसाद ए.
14. भास्कर पी.
15. शौकत अली मौहम्मद
16. राजेंद्र प्रसाद पी.
17. सुरेश कुमार एम.
18. श्रीनिवास जे.

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

1. करुणा रानी एम.
2. अपर्णा टी. (1.11.21 को ऐच्छिक सेवानिवृत्त)
3. गोविंदा राव डी. (13.09.2021 तक)
4. पद्मा श्री के. एस. एस. एस.
5. रमेश के.

सहायक अभियंता

1. सरदार सिंह एम.

तकनीशियन (एसजी-I)

1. पुरुषोत्तम के.
2. रामचंदर वाई.
3. परसु रामुलु के.
4. सुधाकर एन.
5. वेणुगोपाल एस.
6. श्रीनिवासुलु एन.
7. रविंदर आर.
8. रवि एस.
9. वीरन्ना टी.
10. वीरेंदर वी.

6. रमेश एम.
7. राजामौली ए.
8. रामुलु बी.
9. कुमारस्वामी एम.
10. शंकरैय्या एम.
11. शंकरैय्या जी.

कनिष्ठ सहायक (उन्नयित / *अपग्रेडेड*)

1. रमेश बाबू च.
2. बिक्षापति वाई.
3. फारूक आजम मौहम्मद
4. नारायणा जी.
5. कमला के.
6. कुमार स्वामी एम.
7. कृष्णा वेनी पी.
8. गौरी शंकर जी. (06.03.2022 को देहांत)
9. सम्बैय्या जी.
10. श्रीहरि जी. (31.01.2022 को सेवानिवृत्त)
11. रमेश वी.
12. रविंदर एम.
13. ईश्वर पी.
14. बिक्षापति ए.
15. नरसैय्या जे.
16. अरुणा मेरी डी.
17. शाहीन बेगम
18. जहीरुद्दीन मौहम्मद

केयरटेकर / *अवधायक* (एसजी-I)

1. वैंकटेश्वरलु ई. (31.8.2021 को सेवानिवृत्त)
2. दास्तागिर मौह.(30.6.22 को सेवानिवृत्त)
3. कोमरैय्या जे.
4. बीरैय्या जी.
5. वेंकटस्वामी एन. (30.6.21 को सेवानिवृत्त)
6. सम्मैय्या पी.
7. रामुलु एन. (30.6.21 को सेवानिवृत्त)

केयरटेकर / *अवधायक* (एसजी-II)

1. इलैय्या जी.
2. कृष्णा स्वामी एन.
3. सम्बैय्या जी.
4. चंद्रु जी. (10.10.2021 को देहांत)
5. सदानंदम बी.
6. कुमारा स्वामी बी.
11. चंद्र नारायण ए.
12. विजय कुमार के.
13. महेंद्र कुमार के.

तकनीशियन / कार्य सहायक

1. संतोष जी.
2. आनंदम जी. (14.05.2021 को देहांत)
3. रमेश ए.
4. रमेश ए.
5. राजेंदर के.
6. अब्दुल गफ्फार मौहम्मद
7. मल्लिकार्जुन के.
8. महबूब मौहम्मद

तकनीशियन (उन्नयित / *अपग्रेडेड*)

1. राजैय्या के.
2. श्रीनिवास ए.
3. दयाकर वाई.
4. सरैय्या पी.
5. यादिमल्लू पी.
6. मुरली कृष्णा के.
7. लक्ष्मी टी.
8. वेंकटम्मा के.
9. राजम्मा जे.
10. राजन्ना जे. (13.05.2021 को देहांत)
11. इलैय्या आर.
12. सुरैय्या बी.
13. जयश्री बी.
14. प्रताप जी.
15. मुरली जी.
16. याकैय्या जे. (30.06.2021 को सेवानिवृत्त)
17. कुमारा स्वामी ए.

सीनियर केयरटेकर *(वरिष्ठ अवधायक)*

1. रवि एम.
2. तिरुपति टी.
3. लाल जी.
4. कुमारा स्वामी के.
5. कुमार पी.
6. कुमार बी.
7. कुमारा स्वामी जी.
8. सदानंदम बी.
9. सम्मैय्या एन.

7. येलैय्या एस.
8. अजीज़ खान मौहम्मद
9. राजू के.
10. सम्बैय्या गिल्लापल्ली
11. रामुलु एन.
12. अफजल पाशा मौहम्मद
13. जयराजू के.

10. चिरालू एम.
11. वीरैय्या के.
12. प्रसाद एस.
13. वैंकटैय्या के.
14. दामोदर रेड्डी वी. (को सेवानिवृत्त)
15. निर्मला आर.
16. रमेश टी

वरिष्ठ परिचारक / *सीनियर अटेंडेंट*

1. अशोक के.

7. अकादमिक कार्यक्रम

संस्थान निम्नलिखित स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट पाठ्यक्रम संचालित करता है -

बी.टेक., पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी. एम.टेक. (नियमित व स्व-वित्तपोषित), एम.एससी., एम.एससी. (टेक), एमसीए, एमबीए, पीजी डिप्लोमा(एक वर्षीय पूर्ण कालिक) एवं पीएच.डी. (नियमित व स्व-वित्तपोषित)

8. संचालित पाठ्यक्रम

a). स्नातक पाठ्यक्रम (बी.टेक. अभियांत्रिकी एवं पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी.)

स्नातक (बी.टेक. अभियांत्रिकी एवं पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी.) कार्यक्रम निम्नलिखित विषयों में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संबंधित विभाग द्वारा चलाए जाते हैं :

शाखा	वर्तमान वर्ष की स्वीकृत प्रवेश संख्या (जेओएसएए)	डीएएसए	भारत में अध्ययन	आईसीसीआर	कॉम्पेक्स (नेपाल)	कुल प्रवेश	आरंभ होने का वर्ष
सिविल अभियांत्रिकी	115	22	10	4	2	153	1959
विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	136	24	10	5	2	177	1959
यांत्रिक अभियांत्रिकी	135	23	10	5	2	175	1959
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	136	24	14	5	2	181	1971
धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	78	5	5	1	2	91	1965
रासायनिक अभियांत्रिकी	115	11	10	4	2	142	1964
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	136	24	16	5	2	183	1983
जैव प्रौद्योगिकी	78	5	5	1	2	91	2006
पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी., गणित शास्त्र	20	0	0	0	0	20	2021
पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी., भौतिकी	20	0	0	0	0	20	2021
पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी., रसायन शास्त्र	20	0	0	0	0	20	2021
कुल सीटें	**989**	**138**	**80**	**30**	**16**	**1253**	

b). अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : एम.टेक. (नियमित व स्व-वित्तपोषित), विज्ञान एवं प्रबंधन

अकादमिक वर्ष 2021-22 के लिए पीजी छात्रों के कुल नामांकन का विवरण

क्रम संख्या	अभियांत्रिकी	भारतीय - नियमित			भारतीय - स्व-वित्तपोषित (22021-22 से शुरू)			आईसीसीआर			कुल (आईसीसीआर सहित)	आरंभ होने का वर्ष
		प्रवेश	छात्र	छात्राएं	प्रवेश	छात्र	छात्राएं	प्रवेश	छात्र	छात्राएं		
	सिविल अभियांत्रिकी											
1.	अभियांत्रिकीय संरचनाएं	30	26	4	5	2	2	2	1	0	35	1967
2.	भू-तकनीकी अभियांत्रिकी	30	21	9	5	3	0	2	0	0	33	1964
3.	परिवहन अभियांत्रिकी	30	25	4	5	2	1	2	0	0	32	1968
4.	जल संसाधन अभियांत्रिकी	30	18	12	5	0	1	2	0	0	31	1964
5.	सुदूर संवेदन एवं जीआईएस	20	12	6	5	0	0	2	0	0	18	2000
6.	पर्यावरण अभियांत्रिकी	30	24	6	5	2	3	2	0	0	35	2004
7.	निर्माण तकनीक एवं प्रबंधन	30	27	2	5	4	1	2	0	0	34	2008
8.	अपशिष्ट प्रबंधन	20	13	6	5	0	0	2	0	0	19	2020
	विद्युत अभियांत्रिकी											
1.	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव	33	28	4	5	2	0	2	0	0	34	1964
2.	पॉवर सिस्टम्स अभियांत्रिकी	32	25	7	5	0	1	2	0	0	33	1964
3.	स्मार्ट इलेक्ट्रिक ग्रिड	30	20	10	5	1	2	2	0	0	33	2020
	यांत्रिक अभियांत्रिकी											
1.	तापीय अभियांत्रिकी	22	22	0	5	5	0	2	0	0	27	1964
2.	विनिर्माण अभियांत्रिकी	22	22	0	5	1	1	2	0	0	24	1966
3.	कंप्यूटर समेकित विनिर्माण	20	18	2	5	1	0	2	0	0	21	2000
4.	मशीन डिजाइन	22	22	0	5	2	1	2	0	0	25	2000
5.	ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी	20	18	1	5	1	2	2	0	0	22	2008

6.	पदार्थ व तंत्र अभियांत्रिकी डिजाइन	15	13	1	5	0	0	2	0	0	14	2013
7.	योजक विनिर्माण	12	7	2	5	3	0	2	0	0	12	2014
	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी											
1.	इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंटेशन व इम्बेडेड तंत्र	26	20	6	5	1	4	2	0	0	31	1966 2020
2.	वीएलएसआई तंत्र डिजाइन	24	18	6	5	3	1	2	1	0	29	2001
3.	उन्नत संचार प्रणाली	30	29	1	5	3	1	2	0	0	34	2006
	धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी											
1.	औद्योगिक धातुकर्म	20	9	0	5	0	0	2	0	0	9	1983
2.	पदार्थ प्रौद्योगिकी	20	16	1	5	1	0	2	0	0	18	2008
	रासायनिक अभियांत्रिकी											
1.	रासायनिक अभियांत्रिकी	25	12	5	5	4	1	2	0	0	22	1968
2.	प्रणालियां व नियंत्रण अभि.	25	12	0	5	0	1	2	0	0	13	2016
	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी											
1.	कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	25	19	6	5	0	0	2	1	0	26	1987
2.	कंप्यूटर विज्ञान व सूचना सुरक्षा	25	19	6	5	1	0	2	0	0	26	2008
	जैव-प्रौद्योगिकी											
1.	जैव-प्रौद्योगिकी	20	6	12	5	1	4	2	0	0	23	2020
	अभियांत्रिकी कोर्स योग	**688**	**521**	**119**	**140**	**43**	**27**	**56**	**3**	**0**	**713**	
	विज्ञान											
1.	एम.एससी. गणित (अनुप्रयुक्त गणित)	30	15	15	0	0	0	0	0	0	30	1970
2.	एम.एससी. गणित (गणित व वैज्ञानिक संगणनाएं)	30	21	9	0	0	0	0	0	0	30	2001
3.	एम.एससी.	60	37	19	0	0	0	0	0	0	56	1970

	तकनीकी अभि. भौतिकी											
4.	एम.एससी. रसायन विज्ञान (कार्बनिक रसायन)	30	18	11	0	0	0	0	0	0	29	1977
5.	एम.एससी. रसायन विज्ञान (वैश्लेषिक रसायन)	30	15	15	0	0	0	0	0	0	30	1999
	विज्ञान कोर्स योग	**180**	**106**	**69**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**175**	
	एमसीए											
1.	मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स	58	40	18	0	0	0	0	0	0	58	1986
	प्रबंध विद्यालय											
1.	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन	77	13	13	0	0	0	0	0	0	26	2000
	कुल योग	**1003**	**680**	**219**	**140**	**43**	**27**	**56**	**3**	**0**	**972**	

डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएच.डी. नियमित व स्व-वित्तपोषित डिग्री के लिए) इन विषयों में उपलब्ध हैं :

a. अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी की सभी शाखाएं
b). विज्ञान (गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान)
a. मानविकी और सामाजिक विज्ञान
c). प्रबंधन

9. प्रवेश प्रक्रिया

बी.टेक. में प्रवेश

बी. टेक. में प्रवेश, भारतीय नागरिकों के लिए जेईई मुख्य परीक्षा में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर और प्रवासी भारतियों के लिए डीएएसए योजना के तहत सीसीबी (केंद्रीय परामर्श बोर्ड) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दिए जाते हैं। सीसीबी, एमएचआरडी भारत सरकार के निर्देशन में और राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एनआईसी), सीबीएसई व प्रतिभागी संस्थानों (PIs) के पूर्ण सहयोग के साथ कार्य करता है। प्रवेश के नियम एवं विनियम समय-समय पर बदलते रहते हैं। प्रक्रिया में मुख्य चरण प्रवेश परीक्षा (जेईई मुख्य), ऑफ-लाइन काउंसलिंग, ऑन-लाइन काउंसलिंग व प्रवेश हैं।

एआईईईई के द्वारा प्रवेश के दो तरीके होंगे अर्थात (a) अर्हता प्राप्त आ.प्र. राज्य पूल (b) अर्हता प्राप्त राष्ट्रीय पूल। उनमें सीटों का आरक्षण सरकार के मानदंडों के अनुसार है। उनके अलावा मंत्रालय / आईसीसीआर आदि की अनुशंसाओं के अनुसार डीएएसए कार्यक्रम के तहत छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

बी.टेक. कार्यक्रम संरचना

बी.टेक. उपाधि कार्यक्रम के लिए समग्र पाठ्यक्रम पैकेज में आम तौर पर निम्नलिखित घटक होते हैं -

a). मौलिक विज्ञान मूल पाठ्यक्रम ≥ 20 क्रेडिट्स
b). अन्य अभियांत्रिकी मूल पाठ्यक्रम ≥ 28 क्रेडिट्स
c). मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान मूल पाठ्यक्रम ≥ 7 क्रेडिट्स
d). कार्यक्रम का मूल पाठ्यक्रम ≥ 81 क्रेडिट्स
e). विभागीय ऐच्छिक पाठ्यक्रम ≥ 18 क्रेडिट्स
f). मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम/ *ओपन इलेक्टिव कोर्स* ≥ 6 क्रेडिट्स
(मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम ओपन इलेक्टिव कोर्स निम्नलिखित में से कोई भी एक हो सकता है : मौलिक विज्ञान, अन्य अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन)
g). अनिवार्य पाठ्यक्रम = 04 क्रेडिट्स
(पर्यावरण अध्ययन :3, संगोष्ठी-1, अतिरिक्त अकादमिक गतिविधि - 0)
h). विभागीय/कार्यक्रम प्रमुख परियोजना = 06 क्रेडिट्स

बी.टेक. उपाधि प्राप्त करने का पात्र होने के लिए प्रत्येक छात्र को कम से कम 190 क्रेडिट्स, P या बेहतर ग्रेड के साथ उत्तीर्ण करना चाहिए।

विभागीय अध्ययन बोर्ड (यूजी-डीएसी बाह्य सदस्यों सहित) कार्यक्रम के लिए उपरोक्त घटकों 'a' से 'h' के लिए के लिए प्रदान किए गए सटीक क्रेडिट्स और उनके सेमेस्टर वार वितरण पर साथ ही विभाग द्वारा समय-समय पर उपलब्ध कराए जाने वाले सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के पाठ्यविवरण पर विचार विमर्श कर अंतिम रूप देता है और इन्हें सीनेट की विवेचना व अनुमोदन के लिए अनुशंसित करता है।

पहले दो सेमेस्टर्स में पाठ्यचर्या *(करिकुलम)* :

पहले दो सेमेस्टर्स में सभी बी.टेक. कार्यक्रमों के छात्रों का पाठ्यक्रम एक समान होता है।

प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र को पहले दो सेमेस्टर्स में पंजीकरण और अतिरिक्त अकादमिक गतिविधि (ईएए) को संतोषजनक रूप से पूरा करना होता है, जो अनिवार्य है। हालांकि, ईएए के साथ कोई क्रेडिट नहीं।

ईएए के तहत छात्र गेम्स व स्पोर्ट्स अथवा एनसीसी या एनएसएस का विकल्प चुन सकते हैं।

प्रमुख परियोजना : प्रमुख परियोजना 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम है और चतुर्थ वर्ष के पहले व दूसरे सेमेस्टर में दिया जाता है। इसके पहले सेमेस्टर में 2 क्रेडिट और दूसरे सेमेस्टर में 4 क्रेडिट होते। मूल्यांकन का तरीका बी.टेक. परियोजना मूल्यांकन के तहत दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार हो सकता है।

छात्र किसी भी सेमेस्टर में न्यूनतम 16 क्रेडिट्स पंजीकृत कर सकता है। किसी सेमेस्टर में अधिकतम 30 क्रेडिट्स, "अध्ययन" के लिए पंजीकृत बैकलॉग विषयों को मिलाकर, पंजीकृत किए जा सकता हैं। के यह "अध्ययन" के साथ-साथ "परीक्षा" के लिए पंजीकृत बैकलॉग विषयों को मिलाकर यह संख्या 34 है।

एम.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश

एम.टेक. में सभी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश अखिल भारतीय आधार पर भारत सरकार के मानदंडों के अनुरूप आरक्षण का लाभ देते हुए दिए जाते हैं । सभी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन का मापदंड गेट का वैध स्कोर है । अभियांत्रिकी में एम.टेक. में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से संबंधित विषय में बी.ई. / बी.टेक. या समकक्ष डिग्री प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60% कुल अंकों (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.5/10 के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए होना चाहिए । एससी/एसटी उम्मीदवारों के मामले में आवश्यक पात्रता 55% कुल अंक (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.0/10 है । संस्थान के एम.टेक. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता और अन्य मानदंडों की समय-समय पर समीक्षा एवं निर्णय सीनेट द्वारा लिया जाएगा ।

एम.टेक. कार्यक्रम संरचना

एम.टेक. कार्यक्रम 4 सेमेस्टर की अवधि का है जिसमें पहले दो सेमेस्टर्स में कोर्स वर्क एवं अगले दो सेमेस्टर्स के लिए शोध-प्रबंध कार्य होता है । एम.टेक. डिग्री प्रोग्राम के लिए समग्र पाठ्यक्रम पैकेज में सामान्यतः निम्नलिखित घटक होते हैं –

a). मूल पाठ्यक्रम ≥ 24 क्रेडिट्स
b). ऐच्छिक पाठ्यक्रम ≥ 15 क्रेडिट्स
c). शोध-प्रबंध = 26 क्रेडिट्स
d). अनिवार्य = 06 क्रेडिट्स
[सेमिनार – 02; व्यापक मौखिक परीक्षा *(वायवा)* - 04]

विभागीय अध्ययन बोर्ड उपरोक्त घटकों 'a' से 'd' के लिए कार्यक्रम के लिए 76-84 की रेंज में पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध उपलब्ध सटीक क्रेडिट, पाठ्यक्रम व क्रेडिट के सेमेस्टर-वार वितरण, और विभाग द्वारा समय-समय पर चलाए जाने वाले सभी एम.टेक. कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या पर विचार-विमर्श कर इन्हें अंतिम रूप देता है और इन्हें सीनेट को, विचार एवं अनुमोदन के लिए, अनुशंसित करता है ।

संस्थान की स्नातकोत्तर डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए किसी छात्र को समय-समय पर सीनेट द्वारा अनुमोदित उस कार्यक्रम के लिए अनुदेश योजना में निर्दिष्ट सभी क्रेडिट्स को पूरा करना होता है ।

एम.एससी., एम.एससी. (टेक), एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए. कार्यक्रमों में प्रवेश

सभी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश अखिल भारतीय आधार पर भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार आरक्षण का लाभ देते हुए दिए जाते हैं । विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन मापदंड -

i). एम.एससी. व एम.एससी. (टेक) में प्रवेश 50% सीटों के लिए एनआईटीडबल्यू प्रवेश परीक्षा और 50% सीटों के लिए 'जेएएम' (संयुक्त प्रवेश परीक्षा/*जॉइंट एडमिशन टेस्ट*) पर आधारित हैं -

- एम.एससी. व एम.एससी. (टेक) में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से संबंधित विषय में बी.ए. / बी.एससी. या समकक्ष डिग्री प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60% कुल अंकों (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.5/10 के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए होना चाहिए । एससी/एसटी उम्मीदवारों के मामले में आवश्यक पात्रता 55% कुल अंक (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.0/10 है ।

ii). एम.सी.ए. में प्रवेश एनआईटी की एमसीए प्रवेश परीक्षा (एनआईएमसीएटी) पर आधारित है -

- एम.सी.ए. में में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से तीन वर्षीय डिग्री या समकक्ष डिग्री न्यूनतम 60% कुल अंकों (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.5/10 के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए । एससी/एसटी उम्मीदवारों के मामले में आवश्यक पात्रता 55% कुल अंक (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.0/10 है ।
- एम.सी.ए. में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों ने 10+2 और डिग्री कोर्स में गणित अथवा संबंधित विषयों का अध्ययन किया होना चाहिए ।

iii). एम.बी.ए. में प्रवेश सीएटी / एमएटी स्कोर तत्पश्चात ग्रुप डिस्कशन और व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित है -

- एम.बी.ए. में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से अभियांत्रिकी की किसी भी शाखा में बी.टेक. न्यूनतम 60% कुल अंकों (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.5/10 के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए। एससी/एसटी उम्मीदवारों के मामले में आवश्यक पात्रता 55% कुल अंक (सभी वर्षों के) या समकक्ष सीजीपीए 6.0/10 है।

डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी में प्रवेश : पीएच.डी.

संस्थान डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी (पीएच.डी.) की डिग्री के लिए अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करता है।
छात्र श्रेणियां : पीएच.डी. डिग्री प्रोग्राम में सात प्रकार की छात्र श्रेणियां हैं, पांच पूर्णकालिक और दो अंशकालिक।

पूर्णकालिक :

a) संस्थान फैलोशिप पर पूर्णकालिक छात्र
b) पूर्णकालिक शासकीय/अर्ध-शासकीय फैलोशिप प्राप्तकर्ता / क्यूआईपी / एफ़आईपी (यूजीसी) / सीएसआईआर / डीओई / डीएसटी / डीबीटी / एनबीएचएम आदि।
c) एनआईटीडब्ल्यू में किए जा रही आर&डी परियोजनाओं में नियुक्त पूर्णकालिक परियोजना अध्येता/जेआरएफ़/एसआरएफ़
d) उद्योग/ आर&डी संगठनों द्वारा प्रायोजित पूर्णकालिक छात्र
e) भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद (आईसीसीआर) फैलोशिप प्राप्तकर्ता (विदेशी छात्र)

अंशकालिक :

f) एनआईटी, वारंगल की स्थायी फ़ैकल्टी एवं अन्य स्थायी कर्मचारी
g) एनआईटी वारंगल के साथ एमओयू वाले राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों / आर&डी संगठन (सीनेट द्वारा अनुमोदित) जिनके पास आवश्यक अनुसंधान सुविधाएं हैं के बाह्य शोध-छात्र।

टिप्पणी :

1. श्रेणी (a) के एक छात्र को तीन वर्ष की अवधि के लिए संस्थान फैलोशिप मिलेगी जिसे डॉक्टरेट जांच समिति की अनुशंसाओं के आधार पर एक वर्ष तक और बढ़ाया जा सकता है।
2. श्रेणी (d) के छात्र को प्रायोजक संगठन द्वारा प्रायोजित एवं वित्त पोषित किया जाएगा।
3. श्रेणी (f) के अंशकालिक छात्र को एनआईटीडब्ल्यू के निदेशक से प्रायोजन-व-अनुमति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4. श्रेणी (g) के अंशकालिक छात्र को वर्तमान नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण पत्र, संभावित पर्यवेक्षक का स्वीकृति पत्र और संगठन से बायोडाटा प्रस्तुत करना होगा।
5. किसी एक श्रेणी से दूसरी श्रेणी में अथवा पूर्णकालिक से अंशकालिक व इसके विपरीत अवस्था में परिवर्तन, डीएससी व डीएसी-पीजी&आर की अनुशंसाओं के आधार पर सीनेट की स्वीकृति के अधीन ही किया जाएगा।
6. कोई भी छात्र शासकीय अथवा प्रायवेट, एक से अधिक स्रोत से छात्रवृत्ति/फैलोशिप प्राप्त नहीं कर सकता है।

पात्रता :

- पूर्णकालिक पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम योग्यता है - एम.टेक. / एम.ई. / एम फिल. या समकक्ष डिग्री अथवा एम.एससी. / एम.एससी. (टेक) / एम.बी.ए. / एम.ए. या समकक्ष डिग्री। पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश उन उम्मीदवारों के लिए ही खुला रहेगा जिन्होंने निर्धारित योग्यता परीक्षा प्रथम श्रेणी में संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) न्यूनतम 6.5/10 (एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 6.0/10) अथवा न्यूनतम 60% कुल अंकों (एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 55%) के साथ उत्तीर्ण की है।
- एआईसीटीई / यूजीसी मानदंडों के अनुसार, श्रेणी (a) के छात्रों को गेट / यूजीसी / सीएसआईआर परीक्षा / डीएई-जेईएसटी उत्तीर्ण होना चाहिए। एम.एससी. / एम.एससी. (टेक) / एम.बी.ए. /एम.ए. योग्यता वाले छात्रों के मामले में गेट / यूजीसी - सीएसआईआर नेट योग्यता जरूरी है।

- श्रेणी (d), (e), (f) व (g) के छात्रों के मामले में गेट / यूजीसी - सीएसआईआर नेट योग्यता में छूट दी जाती है। यद्यपि इनका चयन संस्थान प्रवेश परीक्षा और/अथवा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा, जो विभाग के विवेक पर निर्भर है।
- किसी स्थायी संकाय / स्टॉफ सदस्य के लिए, जो उस विभाग में पीएच.डी. के लिए पंजीकरण कराना चाहता है जहां वह काम कर रहा है, लिखित परीक्षा में छूट दी गई है। यदि स्थायी फ़ैकल्टी / स्टॉफ सदस्य अपनी पीएच.डी. हेतु किसी अन्य विभाग में कार्य करना चाहता है तो लिखित परीक्षा व/या साक्षात्कार आवश्यक है।
- श्रेणी (g) के तहत प्रवेश इनके लिए खुला है:
  a). सीएसआईआर / डीएसटी / रक्षा प्रयोगशालाओं / शासकीय आर&डी संगठनों में जेआरएफ़ / एसआरएफ़
  b). अनुसंधान प्रयोगशालाओं/पीएसयू जिनका एनआईटी वारंगल से एमओयू है अथवा आवश्यक अनुसंधान सुविधाओं युक्त आर&डी संगठन में कार्यरत वे बी.टेक. वैज्ञानिक / अभियंता जिनके पास न्यूनतम तीन वर्षो का अनुभव एवं परिमेय शोध परिणाम है।
  c). अनुसंधान प्रयोगशालाओं/ पीएसयू जिनका एनआईटी वारंगल से एमओयू है अथवा आवश्यक अनुसंधान सुविधाओं युक्त आर&डी संगठन में कार्यरत वे बी.टेक. वैज्ञानिक / अभियंता जिनके पास न्यूनतम 6 वर्षों का अनुभव एवं परिमेय शोध परिणाम है। इस श्रेणी के तहत अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के आधार पर होता है।

आवासीय आवश्यकता

- पीएच.डी. प्रोग्राम में भर्ती सभी उम्मीदवारों को सभी नियत काम पूरा करने व थीसिस जमा करने तक संस्थान परिसर में रहना होगा, यदि उन्हें बाहर रहने के लिए अध्यक्ष, सीनेट से स्पष्ट अनुमति नहीं मिली हो।
- आर&डी सुविधाओं युक्त संगठनों के अंशकालिक बाह्य उम्मीदवारों के मामले में, आवासीय आवश्यकता को कम से एक सेमेस्टर तक घटाया जा सकता है यदि वह स्व-अध्ययन में है, किन्तु कोर्से वर्क के लिए पंजीकृत होने पर इसे कम से दो सेमेस्टर्स तक घटाया जा सकता है जिसमें एक सेमेस्टर सतत अवधि में हो सकता है।
- आर&डी संगठनों में न्यूनतम 10 वर्षों का अनुसंधान अनुभव रखने वाले अंशकालिक बाह्य उम्मीदवारों के मामले में, डीएससी की विशेष अनुमति और सीनेट की स्वीकृति से आवासीय आवश्यकता को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। फिर भी, ऐसे उम्मीदवारों के लिए NIT वारंगल में किसी भी नियमित पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित सभी आवश्यकताओं जैसे असाइनमेंट, परीक्षाओं आदि का पालन करते हुए, स्व-अध्ययन रीति पर क्रेडिट की निर्धारित संख्या के लिए पाठ्यक्रम कार्य पूरा करना भी अनिवार्य है। हालांकि, यह अनिवार्य है कि उसे डीएससी, जो उसकी प्रगति को रिव्यू करती है, के समक्ष प्रति सेमेस्टर न्यूनतम एक सेमिनार देना होगा।

10. विद्यार्थी

a) 2021-22 के दौरान बी.टेक. प्रथम वर्ष में प्रविष्ट कराए गए विद्यार्थियों की संख्या

क्रम संख्या	शाखा	लड़कें		लड़कियां		योग	
		भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1.	सिविल अभियांत्रिकी	89	1	25	0	114	1
2.	इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	109	9	27	1	136	10
3.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	107	11	27	1	134	12
4.	इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी	107	13	29	11	136	24
5.	धातुकर्मीय व पदार्थ अभियांत्रिकी	61	0	16	0	77	0
6.	रासायनिक अभियांत्रिकी	91	0	23	0	114	0
7.	कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	107	25	28	10	135	35
8.	जैव-प्रौद्योगिकी	56	1	19	1	75	2
1.	5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी., गणित शास्त्र	15	0	3	0	18	0
2.	5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी., भौतिकी	13	0	3	0	16	0
3.	5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी., रसायन शास्त्र	12	0	4	0	16	0
	कुल योग	**767**	**60**	**204**	**24**	**971**	**84**

b) 2021-22 के दौरान पीजी पाठ्यक्रमों के

प्रथम वर्ष में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या : 972

c) 2021-22 के दौरान पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में

प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या : 359

d) संस्थान में विद्यार्थियों की संख्या (2021-22)

पूर्व-स्नातक छात्र : **4130**

स्नातकोत्तर छात्र : 1967

रोल पर पीएच.डी. छात्रों की संख्या (अंशकालिक व पूर्ण कालिक दोनों) : 947

विद्यार्थियों की कुल संख्या : 7044

11. परीक्षाएं एवं मूल्यांकन

बी.टेक. परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रक्रिया :

छात्र के प्रदर्शन के आकलन के लिए निम्नलिखित वर्ण ग्रेड और समतुल्य ग्रेड अंक प्रति क्रेडिट का उपयोग कर 7-स्केल ग्रेडिंग प्रणाली का पालन किया जाएगा :

वर्ण ग्रेड	S	A	B	C	D	E	P	F
ग्रेड अंक	10	9	8	7	6	5	4	0

वर्ण ग्रेड देने के लिए मानदंड इस प्रकार हैं :

- किसी कोर्स में न्यूनतम 35% अंक हासिल किए बिना किसी भी छात्र को P या बेहतर ग्रेड नहीं दिया जा सकता.
- छात्र को P ग्रेड या बेहतर ग्रेड प्रदान करने के लिए यह भी अनिवार्य है कि उसे अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में विषय में कम से 35% अंक लाना चाहिए ।
- ग्रेडिंग सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित होगी ।
- कक्षा औसत अंक (F ग्रेड वाले छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों को छोड़कर) C ग्रेड की मध्य परास *(मिड-रेंज)* में होना चाहिए और अन्य ग्रेड (S, A, B, D, E और P) परास *(-रेंज)* को उपयुक्त रूप से तय किया जाना है, ताकि उत्तीर्ण ग्रेड में छात्रों की संख्या का वितरण एक "सामान्य-समीप बेल कर्व" हो ।
- डीएसी (यूजी) विभिन्न ग्रेडों के लिए ग्रेड परासों *(रेंज्स)* को संशोधित करने के लिए अधिकृत है, यदि यह आवश्यक समझा जाता है । तथापि, ऐसे सभी संशोधनों को दर्ज किया जाना है और अनुमोदन के लिए सीनेट के समक्ष रखा जाना है ।

इसके अलावा, चार परिवर्ती *(ट्रांजिशनल)* ग्रेडिंग संकेत होंगे, जिनका उपयोग परीक्षकों द्वारा विषय में एक छात्र की विशेष स्थिति को इंगित करने के लिए किया जा सकता है ।

I : "अधूरा मूल्यांकन" के लिए, जब छात्र मेडिकल आधार पर अंतिम सेमेस्टर परीक्षा नहीं देता है (एनआईटी वारंगल के अकादमिक नियमों और विनियमों के नियम 12.4 देखें) ।
R : पाठ्यक्रम में "अपर्याप्त उपस्थिति" के लिए (नियम 7.2 देखें) ।
W : "संस्थान से अस्थायी निकलने" के लिए (नियम 13 देखें) ।
X : अनुशासनहीनता/ परीक्षाओं में कदाचार के आधार पर "वर्जित" के लिए (नियम 14 देखें) ।

प्रत्येक सेमेस्टर हेतु सेमेस्टर ग्रेड अंक औसत (एसजीपीए) की गणना की जाएगी, जो इस प्रकार की जाएगी :

$$SGPA = \frac{\sum_1^n C_i \, GP_i}{\sum_1^n C_i}$$

जहां C_i = कोर्से हेतु क्रेडिट;
GP_i = कोर्स के लिए प्राप्त ग्रेड अंक ;
n = सेमेस्टर में पंजीकृत विषयों की संख्या

प्रत्येक छात्र के लिए हर सेमेस्टर के अंत में प्रथम वर्ष II सेमेस्टर से शुरू कर एक संचयी ग्रेड अंक औसत (CGPA) की गणना की जाएगी । सीजीपीए पहले सेमेस्टर से संदर्भित सेमेस्टर के अंत तक के छात्र का संचयी प्रदर्शन बतलाएगा और इसकी प्रकार की इस प्रकार गणना की जाती है -

$$CGPA = \frac{\sum_1^n S_i \, C_i}{\sum_1^n C_i}$$

जहां n = विचाराधीन सेमेस्टर की कुल संख्या;

C_i = किसी विशिष्ट सेमेस्टर में पंजीकृत क्रेडिट की संख्या;

S_i = सेमेस्टर एसजीपीए

सीजीपीए, एसजीपीए और एक सेमेस्टर में सभी विषयों में प्राप्त ग्रेड्स हर सेमेस्टर के अंत में, चतुर्थ वर्ष द्वितीय सेमेस्टर को छोड़कर, हर छात्र को सूचित किए जाएंगे । इसके स्थान पर एक समेकित ग्रेड शीट (190 क्रेडिट के साथ) जारी की जाएगी । यह समेकित ग्रेड शीट पहले की सभी ग्रेड शीट्स को अधिक्रमित करती है ।

सीजीपीए और एसजीपीए दोनों ही दशमलव के दूसरे स्थान पर उसी रूप में राउंड ऑफ कर दिए जाएंगे । जब भी इन ग्रेड अंक औसत का उपयोग छात्रों के एक समूह के आपस में मेरिट रैंकिंग निर्धारित करने के उद्देश्य के लिए किया जाना है, केवल राउंड ऑफ मानों का ही प्रयोग किया जाएगा ।

परिवर्ती *(ट्रांजिशनल)* ग्रेड्स:

a) ग्रेड I :

जब एक छात्र को एक सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय (यों) में **I** ग्रेड मिलती है, तो उस सेमेस्टर के एसजीपीए और उस सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की अंतरिम गणना सेमेस्टर के अंत में सेमेस्टर के उस विषय (उन विषयों) को छोड़कर की जाएगी और सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की पुनर्गणना नई ग्रेड्स को ध्यान में रखकर की जाएगी ।

b) ग्रेड R, W व X के बारे में :

जब किसी छात्र को सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय (यों) में इनमें से कोई भी ट्रांजिशनल ग्रेड मिलता है, तो उस सेमेस्टर के एसजीपीए और उस सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की अंतरिम गणना इन विषय (यों) के लिए 'शून्य अंक' लेकर की जाएगी । इन ट्रांजिशनल ग्रेड को उपयुक्त ग्रेड में बदलने के बाद सेमेस्टर के लिए एसजीपीए एवं सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की पुनर्गणना नई ग्रेड्स को ध्यान में रखकर की जाएगी ।

c) ग्रेड F के बारे में :

जब किसी छात्र को एक सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय में 'F' ग्रेड मिलता है, तो एसजीपीए और उस सेमेस्टर से आगे सीजीपीए की अंतरिम गणना ऐसे प्रत्येक F ग्रेड के लिए केवल शून्य अंक लेकर की जाएगी । बाद के सेमेस्टर के दौरान 'F' ग्रेड को बेहतर ग्रेड द्वारा बदले जाने के बाद, 'F' ग्रेड अपडेट होने वाले सर्वप्रथम सेमेस्टर से शुरू होने वाले सभी सेमेस्टरों के एसजीपीए और सीजीपीए की पुनर्गणना की जाएगी और इस ग्रेड परिवर्तन का ध्यान रखने के लिए इसको रिकार्ड किया जाएगा ।

एम.टेक., एम.एससी., एम.एससी.(टेक) और एम.सी.ए. परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रक्रिया :

छात्र के प्रदर्शन के आकलन के लिए निम्नलिखित वर्ण ग्रेड और समतुल्य ग्रेड अंक प्रति क्रेडिट का उपयोग कर 7-स्केल ग्रेडिंग प्रणाली का पालन किया जाएगा :

वर्ण ग्रेड	S	A	B	C	D	E	P	F
ग्रेड अंक	10	9	8	7	6	5	4	0

- कोई भी छात्र किसी कोर्स में कम से कम 40% अंक हासिल किए बिना उत्तीर्ण नहीं हो सकता है ।
- सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली का का पालन किया जाएगा

A. बंचिंग के मामलों में, डीएसी-पीजी एवं आर बंचिंग करने के कारणों की समीक्षा कर सकते हैं और परासों *(रेंज्स)* को मामूली रूप से संशोधित कर कर सकते हैं । ऐसे सभी मामलों में संशोधित परासों *(रेंज्स)* और कारण को सीनेट के समक्ष मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

B. इसके अलावा, चार परिवर्ती *(ट्रांजिशनल)* ग्रेडिंग संकेत होंगे, जिनका उपयोग परीक्षकों द्वारा विषय में एक छात्र की विशेष स्थिति को इंगित करने के लिए किया जा सकता है ।

I : "अधूरा मूल्यांकन" के लिए, जब छात्र मेडिकल आधार पर अंतिम सेमेस्टर परीक्षा नहीं देता है (नियम 12.4 देखें) ।
R : पाठ्यक्रम में "अपर्याप्त उपस्थिति" के लिए (नियम 7.2 देखें) ।
W : "संस्थान से अस्थायी निकलने" के लिए (नियम 13 देखें) ।
X : अनुशासनहीनता/ परीक्षाओं में कदाचार के आधार पर "वर्जित" के लिए (नियम 14 देखें) ।

प्रत्येक सेमेस्टर हेतु सेमेस्टर ग्रेड अंक औसत (एसजीपीए) की गणना की जाएगी, एसजीपीए की गणना इस प्रकार की जाएगी :

$$SGPA = \frac{\sum_1^n C_i \, GP_i}{\sum_1^n C_i}$$

जहां C_i = कोर्से हेतु क्रेडिट;
GP_i = कोर्स के लिए प्राप्त ग्रेड अंक ;
n = सेमेस्टर में पंजीकृत विषयों की संख्या

प्रत्येक छात्र के लिए हर सेमेस्टर के अंत में प्रथम वर्ष II सेमेस्टर से शुरू कर एक संचयी ग्रेड अंक औसत (सीजीपीए) की गणना की जाएगी । सीजीपीए पहले सेमेस्टर से संदर्भित सेमेस्टर के अंत तक के छात्र का संचयी प्रदर्शन बतलाएगा और इसकी प्रकार की इस प्रकार गणना की जाती है -

$$CGPA = \frac{\sum_1^n S_i \, C_i}{\sum_1^n C_i}$$

जहां n = विचाराधीन सेमेस्टर की कुल संख्या;
C_i = किसी विशिष्ट सेमेस्टर में पंजीकृत क्रेडिट की संख्या;
S_i = सेमेस्टर एसजीपीए

सीजीपीए, एसजीपीए एवं किसी सेमेस्टर में सभी विषयों में प्राप्त ग्रेड की सूचना प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में हर छात्र को दी जाएगी ।

सीजीपीए और एसजीपीए दोनों ही दशमलव के दूसरे स्थान पर उसी रूप में राउंड ऑफ कर दिए जाएंगे । जब भी इन ग्रेड अंक औसत का उपयोग छात्रों के एक समूह के आपस में मेरिट रैंकिंग निर्धारित करने के उद्देश्य के लिए किया जाना है, केवल राउंड ऑफ मानों का ही प्रयोग किया जाएगा ।

परिवर्ती *(ट्रांजिशनल)* ग्रेड्स:

A. ग्रेड I :

जब एक छात्र को एक सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय (यों) में I ग्रेड मिलती है, तो उस सेमेस्टर के एसजीपीए और उस सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की अंतरिम गणना उस विषय (उन विषयों) को छोड़कर की जाएगी । जब इन ट्रांजिशनल ग्रेड्स को उपयुक्त ग्रेड्स में परिवर्तित कर दिया जाता है, सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की पुनर्गणना नई ग्रेड्स को ध्यान में रखकर की जाएगी ।

B. ग्रेड F के बारे में :

जब किसी छात्र को एक सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय में 'F' ग्रेड मिलता है, तो एसजीपीए और उस सेमेस्टर से आगे सीजीपीए की अंतरिम गणना ऐसे प्रत्येक 'F' ग्रेड हेतु केवल 'शून्य अंक' लेकर की जाएगी । बाद के सेमेस्टर के दौरान 'F' ग्रेड को बेहतर ग्रेड द्वारा बदले जाने के बाद, 'F' ग्रेड अपडेट होने वाले सर्वप्रथम सेमेस्टर से शुरू होने वाले सभी सेमेस्टरों के एसजीपीए और सीजीपीए की पुनर्गणना की जाएगी और इस ग्रेड परिवर्तन का ध्यान रखने के लिए इसको रिकार्ड किया जाएगा ।

C. ग्रेड R, W व X के बारे में :

जब किसी छात्र को सेमेस्टर के दौरान किसी भी विषय (यों) में इनमें से कोई भी ट्रांजिशनल ग्रेड मिलता है, तो उस सेमेस्टर के एसजीपीए और उस सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की अंतरिम गणना इन विषय (यों) के लिए 'शून्य अंक' लेकर की जाएगी । इन ट्रांजिशनल ग्रेड को उपयुक्त ग्रेड में बदलने के बाद सेमेस्टर के लिए एसजीपीए एवं सेमेस्टर के अंत में सीजीपीए की पुनर्गणना नई ग्रेड्स को ध्यान में रखकर की जाएगी ।

12. आरंभ से जून 2021 तक प्रदान की गई उपाधियां :

A. बी. टेक.

सिविल अभियांत्रिकी	3269
विद्युत अभियांत्रिकी	3380
यांत्रिक अभियांत्रिकी	4071
इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी	3232
धातुकर्मीय व पदार्थ अभियांत्रिकी	1551
रासायनिक अभियांत्रिकी	2261
कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	2853
जैव-प्रौद्योगिकी	784
योग	**21401**

B. एम.टेक. / एम.एससी. / एम.एससी.(टेक) / एम.सी.ए. / एम.बी.ए.

सिविल अभियांत्रिकी	3359
विद्युत अभियांत्रिकी	1402
यांत्रिक अभियांत्रिकी	2265
इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी	1280
धातुकर्मीय व पदार्थ अभियांत्रिकी	507
रासायनिक अभियांत्रिकी	474
कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	807
गणित	787
भौतिक विज्ञान	687
रासायनिक विज्ञान	878
मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन	1099
मास्टर ऑफ बिज़नस एडमिनिस्ट्रेशन	759
योग	**14304**

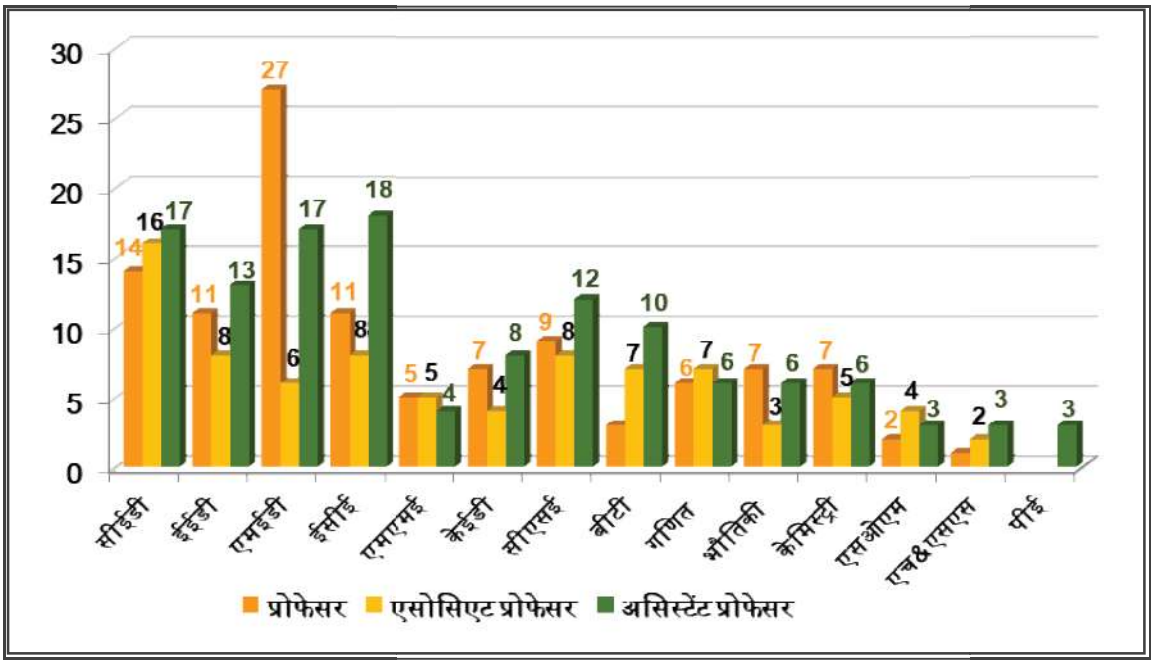
C. पीएच.डी. (डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी)

सिविल अभियांत्रिकी	154
विद्युत अभियांत्रिकी	94
यांत्रिक अभियांत्रिकी	181
इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी	71
धातुकर्मीय व पदार्थ अभियांत्रिकी	38
रासायनिक अभियांत्रिकी	65
कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	45
जैव-प्रौद्योगिकी	18
गणित	128
भौतिक विज्ञान	63
रासायनिक विज्ञान	149
प्रबंध विद्यालय (SOM)	14
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	18
शारीरिक शिक्षा	02
योग	**1040**

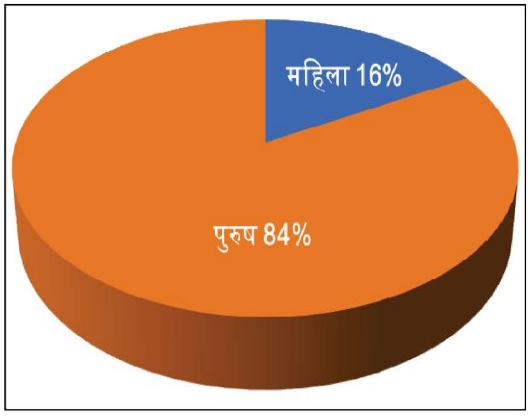
13. फ़ैकल्टी विवरण

कुल पंजीगत फ़ैकल्टी : 319

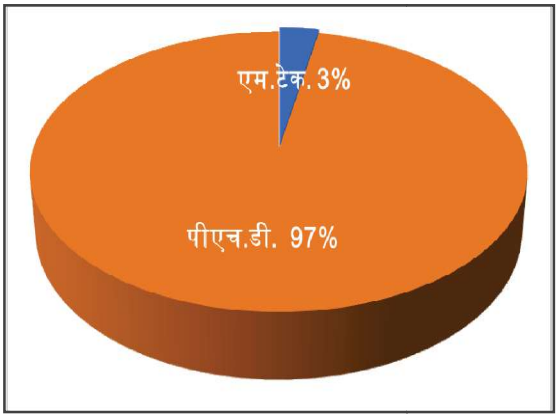
विभागवार फ़ैकल्टी वितरण



लिंगवार फ़ैकल्टी विवरण

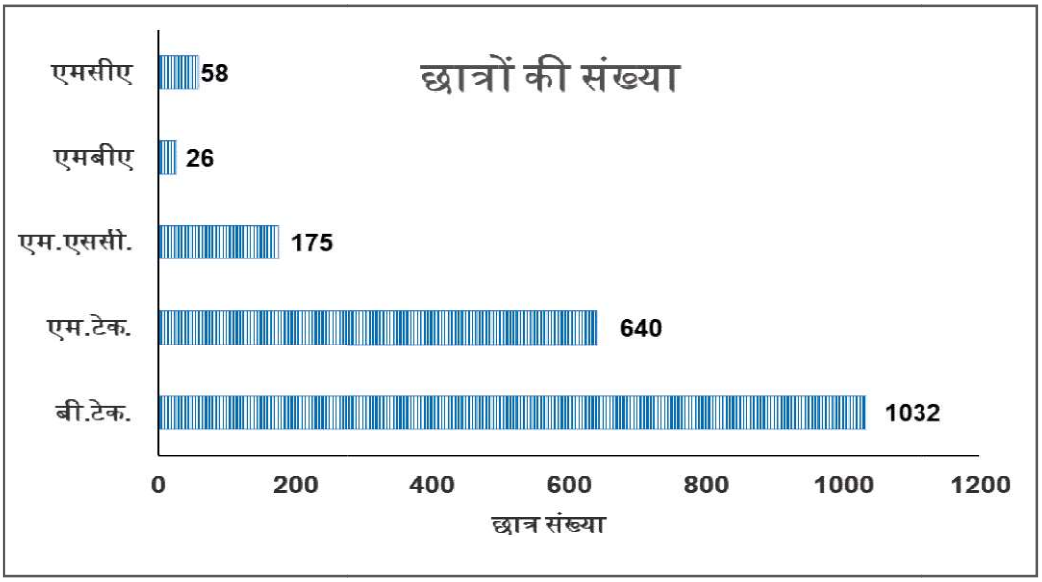


योग्यतावार फ़ैकल्टी विवरण

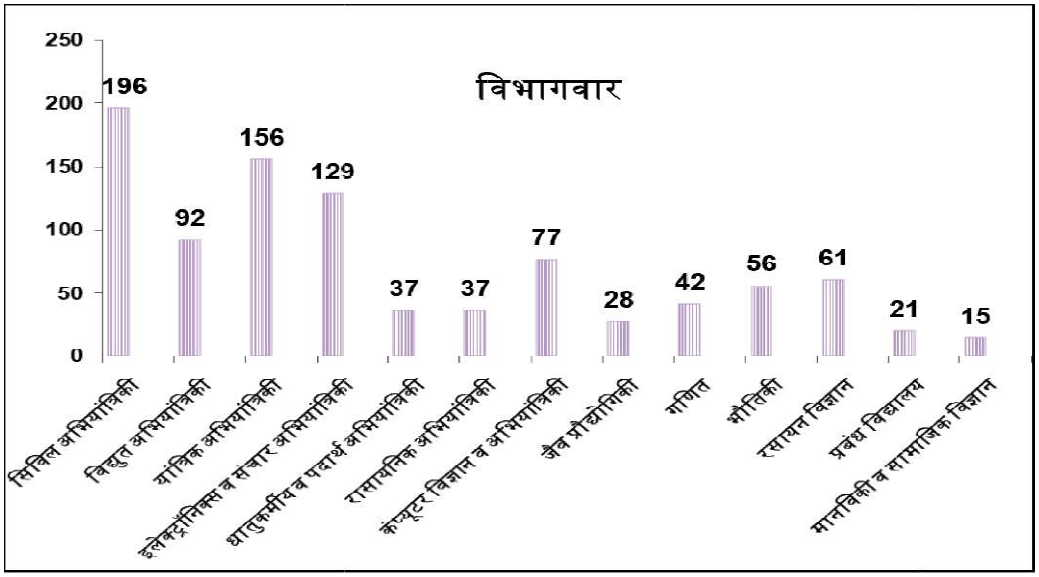


14. छात्र प्रवेश विवरण

वर्ष 2021 – 2022 के दौरान प्रविष्ट हुए छात्र



विभागवार पीएच.डी. छात्र



15. प्लेसमेंट रिपोर्ट 2021-2022

कैरियर नियोजन एवं विकास केंद्र (सीसीपीडी)



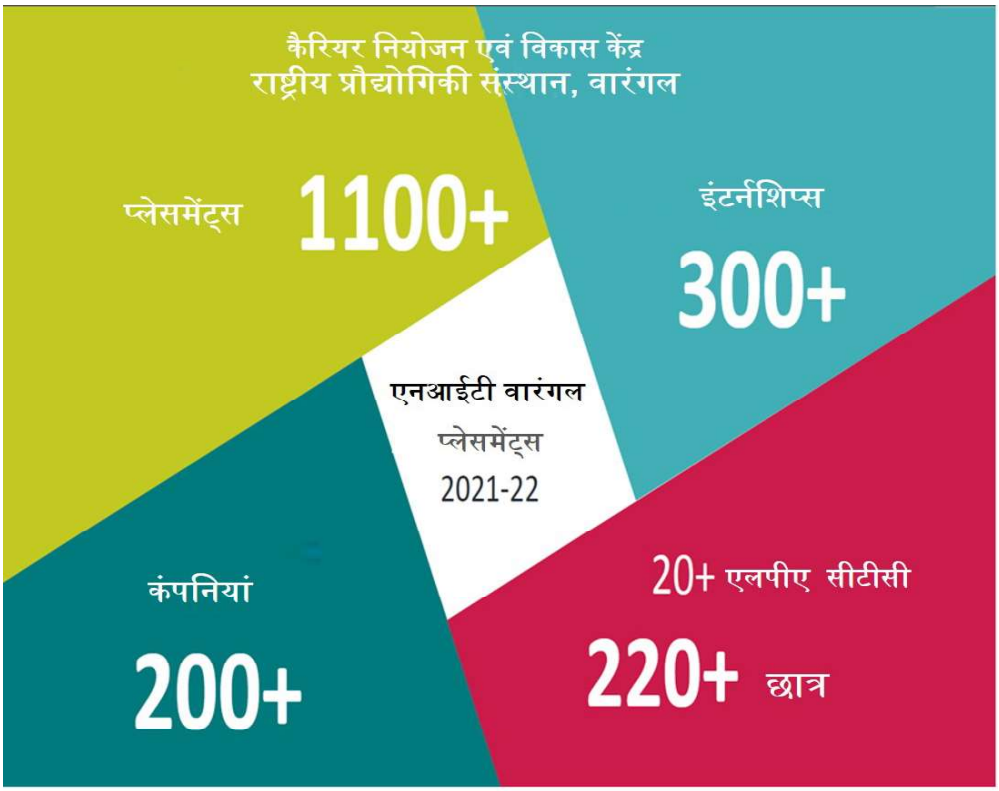
छात्रों को दिए जाने वाली नौकरियों के प्रकार:

- कोर
- आईटी
- व्यवसाय
- विश्लेषिकी
- बैंकिंग
- शिक्षण
- एनजीओ

ऑन-कैंपस प्लेसमेंट के लिए एनआईटी वारंगल का दौरा करने वाले भर्तीकर्ताओं के प्रकार:

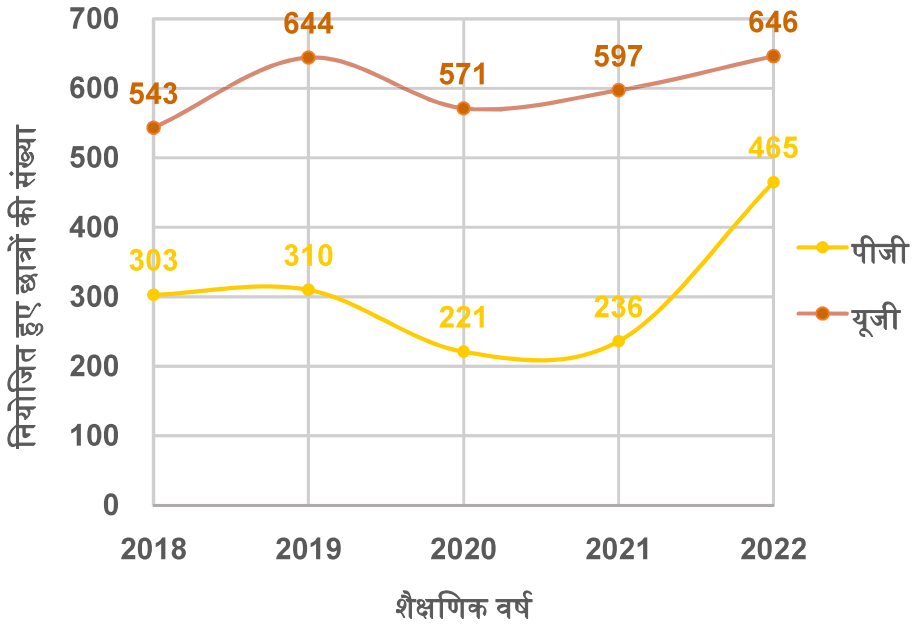
- शासकीय
- पीएसयू
- एमएनसी
- प्राइवेट




कैरियर नियोजन एवं विकास केंद्र
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
प्लेसमेंट्स
1100+
इंटर्नशिप्स
300+
एनआईटी वारंगल
प्लेसमेंट्स
2021-22
कंपनियां
200+
20+ एलपीए सीटीसी
220+ छात्र


प्लेसमेंट्स – शैक्षणिक सत्र 2021-22
प्लेसमेंट
1100+
इंटर्नशिप
300+
सर्वाधिक सीटीसी
62.5
20+ एलपीए सीटीसी
220
कंपनियां
200
पीएसयूs
03
औसत सीटीसी
14
कैरियर नियोजन एवं विकास केंद्र, एनआईटी वारंगल

पिछले 5 वर्षों के समग्र आँकड़े



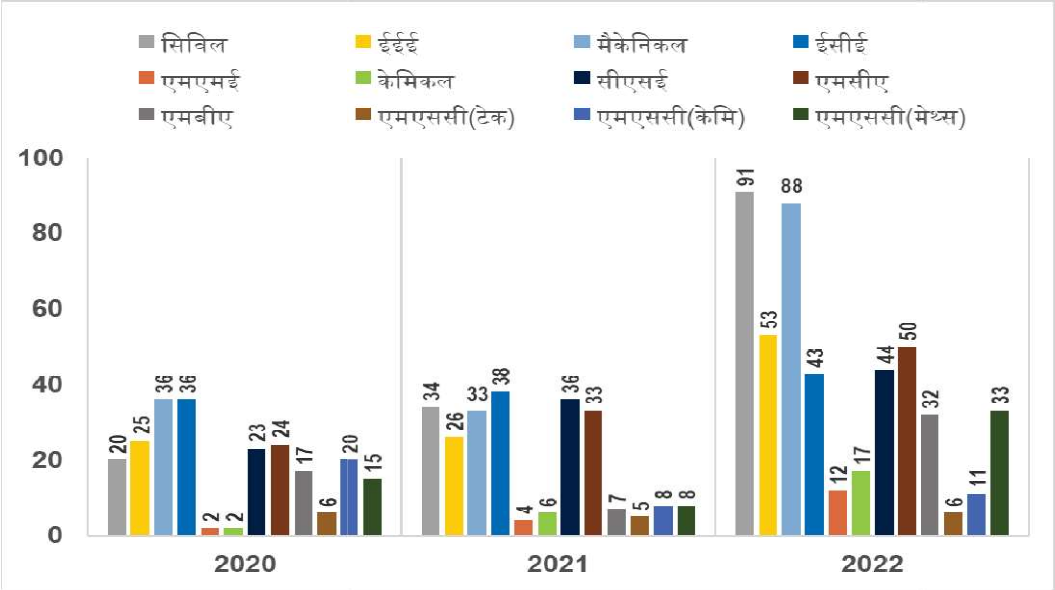
वर्ष 2021-22 के यूजी नियोजन आंकड़ें *(प्लेसमेंट स्टेटिस्टिक्स)*

शाखा	कुल छात्र (पात्र*)	नियोजित	अधिकतम वेतन लाख प्रति वर्ष	औसत वेतन लाख प्रति वर्ष
सिविल अभियांत्रिकी (सीई)	109 (73)	60	16	8.93
इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी (ईईई)	133 (113)	103	32.5	15
यांत्रिक अभियांत्रिकी (एमई)	154 (119)	114	37	11.05
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी (ईसीई)	140 (113)	107	45.03	18.96
धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी (एमएमई)	57 (38)	30	32	12.83
रासायनिक अभियांत्रिकी (सीएचई)	103 (74)	70	26.1	10.09
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (सीएसई)	143 (129)	70	62.5	25.5
जैव-प्रौद्योगिकी (बीटी)	60 (42)	34	31.5	10.62

पिछले पांच वर्षों में नियोजित हुए बी.टेक. छात्रों की संख्या



पीजी नियोजन आंकड़ें *(प्लेसमेंट स्टेटिस्टिक्स)*



शैक्षणिक वर्ष **2022-2023** के लिए **प्लेसमेंट** गतिविधियां

- प्लेसमेंट सीजन अगस्त 2022 में शुरू होगा
- अब तक दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 55
- अब तक नियोजित हुए छात्रों की संख्या: 380+
- इंटर्नशिप पाने/करने वाले छात्रों की संख्या: 340+
- 19.9 एलपीए से अधिक सीटीसी वाले छात्र >200 हैं

केंद्रीय पुस्तकालय

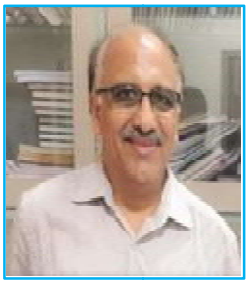




डॉ. वेणु गोपाल ए.
अध्यक्ष, एलएसी
(23 जनवरी 2022 तक)



डॉ. काशी विश्वनाथम के.एन.एस.
अध्यक्ष, एलएसी
(23 जन. से 21 मार्च 2022)



डॉ. एन. वी. उमामहेश
अध्यक्ष, एलएसी
(21 मार्च 2022 के बाद)



डॉ. के. वीरंजनेयुलु
पुस्तपाल *(लाइब्रेरियन)*



श्री इरन्ना एम. शेट्टार
उप पुस्तपाल
(डिप्टी लाइब्रेरियन)
(18 अक्टू. 2022 को कार्यभार लिया)



श्री जी. बालकृष्णा
सहायक पुस्तपाल
(असिस्टेंट लाइब्रेरियन)

परिचय:

संस्थान की स्थापना के साथ स्थापित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल का केंद्रीय पुस्तकालय, प्रशासनिक ब्लॉक के निकट स्थित है। पुस्तकालय 4000 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्रफल में स्थित है (भूतल + 2 मंजिल), जिसमें संग्रहालय /*स्टैक रूम* (पाठ्यपुस्तकों के लिए), रीडिंग हॉल (संदर्भ अनुभाग), नवीनतम

जर्नल्स/आवधिक क्षेत्र (प्रिंट संस्करण), समाचार पत्र अनुभाग, वीडियो लेक्चर हॉल, डिजिटल पुस्तकालय, पुस्तक बैंक और एक अलग संदर्भ क्षेत्र (टीईक्यूआईपी हॉल) शामिल हैं । केंद्रीय पुस्तकालय संस्थान के छात्रों, फैकल्टी और शिक्षणेतर स्टॉफ को आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध करा कर संस्थान की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों (शिक्षण और अनुसंधान) की सहायता करता है । यह संस्थान के प्रयोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार सूचना का प्रसार भी करता है ।

परिदृष्टि (विज़न) :

हमारी विज़न उच्च गुणवत्ता वाले विद्वतापूर्ण संसाधनों एवं सेवाओं और एक ऐसा परिवेश प्रदान करना है जो एनआईटीडबल्यू प्रयोक्ता समुदाय को सीखने और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करे ।

लक्ष्य (मिशन) :

केंद्रीय पुस्तकालय एनआईटीडब्ल्यू के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण ज्ञान संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं प्रदान कर शैक्षणिक, अनुसंधान और जीवन-पर्यंत सीखने की गतिविधियों में सहायता करता है ।

उद्देश्य (ऑब्जेक्टिव्स) :

1. पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान का दिल होता है और आवश्यक सीखने के संसाधन और अध्ययन के लिए एक शांत एवं आरामदायक जगह का माहौल प्रदान कर शिक्षण, सीखने और अनुसंधान की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।
2. केंद्रीय पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और फ़ैकल्टी सहित एनआईटीडब्ल्यू के शैक्षणिक समुदाय की सभी ज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने के अपने निर्धारित कार्य पूर्ण करना है ।
3. इसे प्राप्त करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है और इसमें अभियांत्रिकी और संबद्ध विषयों पर नवीनतम पुस्तकों सहित लर्निंग संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला है, और यह प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक दोनों स्वरूपों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं का भी सदस्य है ।

लर्निंग संसाधन (ई-संसाधनों सहित):

केंद्रीय पुस्तकालय में अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी व सामाजिक विज्ञान पर संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला है ।

क्रम संख्या	संग्रह	मात्रा
1.	पुस्तकें (वॉल्यूम की संख्या)	1,87,014
2.	ई-पुस्तकों की संख्या	222
3.	पुस्तकें (शीर्षक संख्या)	22,912
4.	सदस्यता प्राप्त ई-पत्रिकाओं की संख्या	7,870
5.	प्रिंट पत्रिकाओं की संख्या	22
6.	पुस्तक बैंक में पुस्तकों की संख्या (एससी और एसटी बुक बैंक सहित)	30,445

एनआईटी वारंगल का केंद्रीय पुस्तकालय ई-शोधसिंधु कंसोर्टियम का सदस्य है और ई-शोधसिंधु कंसोर्टियम व संस्थान के फंड के माध्यम से ऑनलाइन पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है । मायलॉफ्ट (MyLOFT) ऐप के माध्यम से, शोधार्थी व फ़ैकल्टी सदस्य एनआईटीडब्ल्यू द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को कहीं भी और कभी भी एक्सेस कर सकते हैं । एनआईटी वारंगल द्वारा सब्सक्राइब की गई ई-पत्रिकाओं का विवरण इस प्रकार है:

एनआईटी, वारंगल ने निम्नलिखित ई-पत्रिकाओं और डेटाबेसों को सब्सक्राइब कर रखा है :

क्रम संख्या	डेटाबेस / प्रकाशकों का नाम	जर्नल्स की संख्या
1.	एएसटीएम मानक + डिजिटल लाइब्रेरी	**डेटाबेस**

2.	एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट	1,129
3.	एमराल्ड ई-शोधसिंधु	312
4.	रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री	46
5.	सेज - मटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग कलेक्शन	78
6.	एससीआईफाइंडर स्कॉलर	डेटाबेस
7.	स्प्रिंगर लिंक	1,714
8.	टेलर एंड फ्रांसिस	349
9.	अमेरिकन केमिकल सोसायटी जर्नल्स	64
10.	आईईईई ऑनलाइन	558
11.	मेथ्सएससीआई नेट	डेटाबेस
12.	जॉन विले एंड संस लिमिटेड	11
13.	आईओपी जर्नल	4
14.	वर्ल्ड साइंटिफिक ई-जर्नल्स	2
15.	एआईपी जर्नल	2
16.	एसआईएएम ई-जर्नल्स	2
17.	आईसीई पब्लिशिंग ई-जर्नल्स	2
18.	एनआरसी रिसर्च प्रेस जर्नल्स	2
	योग	**4,275**

ईएसएस कंसोर्टियम के माध्यम से इनफ्लिबनेट द्वारा प्रदान किए गए ई-संसाधन:

क्रम संख्या	डेटाबेस / प्रकाशकों का नाम	जर्नल्स की संख्या
1.	एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी	1,153
2.	एएससीई जर्नल ऑनलाइन	36
3.	एएसएमई जर्नल ऑनलाइन	29
4.	इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली	1
5.	इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज़ इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी)	एब्स्ट्रेक्ट डेटाबेस
6.	जेगेट प्लस (जेसीसीसी)	एब्स्ट्रेक्ट डेटाबेस
7.	जेएसटीओआर	3,165
8.	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	262
9.	वेब ऑफ़ साइंस	साइटेशन डेटाबेस
	योग	**4,646**

ई-जर्नल्स उपयोग आंकड़ें

डेटाबेस का नाम	2019	2020	2021
एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी	1,728	942	1,056
एएससीई	6,361	3,987	4,849
एएसएमई	2,210	1,096	1,219
एएसटीएम डीएल	2,360	1,539	1,032
एमराल्ड	6,259	4,626	7,713
आईईईई	1,74,575	93,823	1,23,233
जेएसटीओआर	1,981	1,547	1,865
ओयूपी	1,007	656	859

साइंस डायरेक्ट	1,31,594	1,10,440	1,48,785
एससीआईफ़ाइंडर	21,098	28,517	49,282
स्प्रिंजरलिंक	47,526	54,902	75,920
टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन	17,194	12,286	16,463
डबल्यूओएस	3,152	4,296	8,571

संसाधन सहभागिता (रिसोर्स शेयरिंग) :

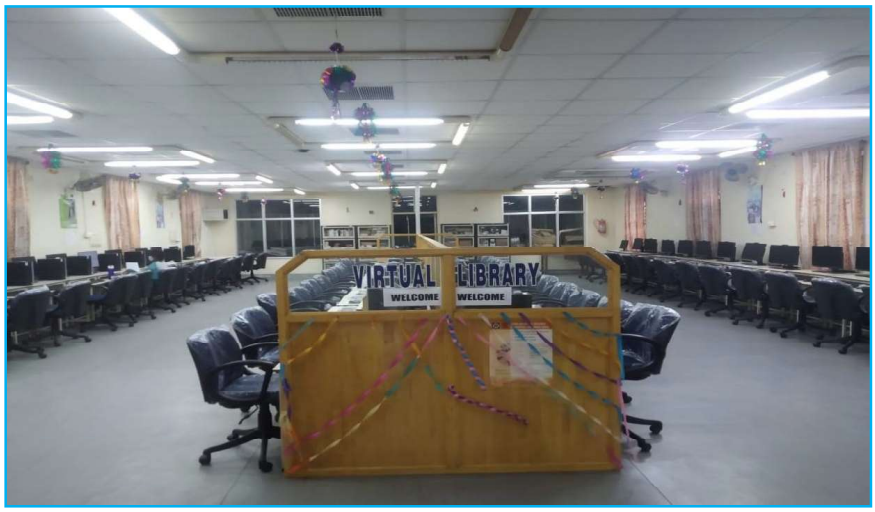
सदस्यता प्राप्त कंसोर्टिया, सदस्यता प्राप्त लाइब्रेरी और ओपन एक्सेस जर्नल्स के लिए J-Gate@e-ShodhSindu, सिंगल पॉइंट सर्च उपलब्ध कराता है । यह पोर्टल सहभागी संस्थानों के मध्य जर्नल लेखों को ऑनलाइन खोजने, एक्सेस करने और साझा करने के लिए है ।

छात्रों तक अभिगम्यता (एक्सेसिबिलिटी) :

कुल निर्मित क्षेत्र	4,000 वर्ग मीटर
लाइब्रेरी स्टॉफ सदस्य	08
पुस्तकों की संख्या	1,87,014
प्रतिलिपिकरण (रेप्रोग्राफिक) सुविधा	उपलब्ध
पढ़ने की जगह में सीटों की संख्या	472
लाइब्रेरी का डेटा उपयोग	छात्र - 6000 नं., फ़ैकल्टी - 319 नं., शिक्षणेतर स्टॉफ - 303 नं.
वार्षिक बजट	5 करोड़ (लगभग)
कार्य दिवसों के दौरान समय	8:45 ए.एम. से 9:00 पी.एम.
शनिवार और रविवार को समय	9 ए.एम. से 5:00 पी.एम. तक (राष्ट्रीय अवकाश के दिन बंद)

डिजिटल लाइब्रेरी :

केंद्रीय पुस्तकालय ने फ़ैकल्टी और छात्रों के लाभार्थ डिजिटल लाइब्रेरी के लिए उच्च विन्यास (32 रैम और 1 टीबी एचडीडी) के साथ 60 नए कंप्यूटर प्राप्त कर स्थापित किए हैं ।



फोटोकॉपी और प्रिंटिंग सेवा :

केंद्रीय पुस्तकालय, एनआईटीडब्ल्यू छात्रों, शोधार्थियों और फ़ैकल्टी को पुस्तकालय में उपलब्ध वैज्ञानिक लेखों और पुस्तकों से उद्धरण के लिए प्रति पृष्ठ 0.50/- (केवल पचास पैसे) के भुगतान के आधार पर फोटोकॉपी और ऑनलाइन प्रिंटिंग सुविधा प्रदान करता है।

स्वाध्याय गतिविधियों के लिए छात्रों को सहायता :

- केंद्रीय पुस्तकालय नव नियुक्त फ़ैकल्टी और छात्रों के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में प्रयोक्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करता है।
- केंद्रीय पुस्तकालय को इंटरनेट तक वायरलेस एक्सेस देने के लिए वाई-फाई सक्षम किया गया है। पुस्तकालय में अपने लैपटॉप का उपयोग करने के लिए प्रयोक्ताओं का स्वागत है।

वेब ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) :

केंद्रीय पुस्तकालय ने पुस्तकालय कार्यों के स्वचालन के लिए कोहा - एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कार्यान्वित किया है। यह ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) केवल इंट्रानेट पर उपलब्ध था, जिसके माध्यम से प्रयोक्ता एनआईटी परिसर, वारंगल में केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध प्रिंट संसाधनों की सूची ब्राउज़ कर सकते हैं। इस ओपेक में ई-पुस्तकों के लिए एक ओपन-सोर्स लिंक भी प्रदान किया गया था। मौजूदा कोविड-19 परिस्थिति के दौरान, छात्र और शिक्षक ओपेक के माध्यम से प्रदान किए गए ओपन ई-रिसोर्स लिंक को एक्सेस नहीं कर सकते थे। अतः, एक्सेस की इस समस्या को दूर करने के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग कर वेब-ओपेक कार्यान्वित किया गया है। इसके बाद से, फ़ैकल्टी और छात्र निम्नलिखित लिंक का उपयोग कर कहीं से भी और कभी भी ई-पुस्तकों के ओपन-सोर्स लिंक एक्सेस कर सकते हैं।

http://nitwopac.in:7071/

रिमोट एक्सेस सेवा :

केंद्रीय पुस्तकालय, एनआईटीडब्ल्यू ने शोधार्थियों व फैकल्टी के लाभ के लिए "रिमोट एक्सेस सर्विसेज – मायलोफ्ट (MyLOFT माय लाइब्रेरी ऑन फिंगरटिप्स)" नामक एक नई सेवा शुरू की है। मायलोफ्ट एक मोबाइल ऐप है। मायलोफ्ट के माध्यम से शोधार्थी व फ़ैकल्टी एनआईटीडब्ल्यू द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को कहीं भी और कभी भी एक्सेस कर सकते हैं।

https://app.myloft.xyz/user/login

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम :

- केंद्रीय पुस्तकालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल ने एसीएस पब्लिकेशन्स के सहयोग से फ़ैकल्टी, पी.जी. और पीएच.डी. छात्रों के लाभार्थ 10 और 12 अगस्त 2021 को सांय 4:00 बजे से 6:00 बजे तक "एक प्रभावशाली पांडुलिपि बनाने हेतु प्रमुख वैज्ञानिक लेखन रणनीतियां" पर वेबिनार आयोजित किया।
- केंद्रीय पुस्तकालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल ने एसीएस पब्लिकेशन्स के सहयोग से फ़ैकल्टी, पी.जी. और पीएच.डी. छात्रों के लाभार्थ 08 सितंबर 2021 को सांय 4:00 बजे से 6:00 बजे तक "दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए चुनौतियां और अवसर" पर एक वेबिनार आयोजित किया।
- केंद्रीय पुस्तकालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल में फ़ैकल्टी, शोधार्थियों एवं पी.जी. छात्रों के लाभार्थ 16 सितंबर 2021 को सांय 4.30 बजे "ऑनलाइन डिजिटल इनफार्मेशन रिसोर्सेस के उपयोग" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

एनआईटीडबल्यू - फ़ैकल्टी सूचना प्रणाली

केंद्रीय पुस्तकालय ने संस्थान के फ़ैकल्टी सदस्यों की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को प्रदर्शित करने और विद्वतापूर्ण शोध नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करने के लिए भारतीय शोध सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) के तहत एक नई "फ़ैकल्टी सूचना प्रणाली" कार्यान्वित की है।

एनआईटीडबल्यू - भारतीय शोध सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) मौजूदा शोध प्रबंधन प्रणाली यथा मानव संसाधन प्रणाली, पाठ्यक्रम प्रबंधन, अनुदान प्रबंधन प्रणाली, संस्थागत संग्रहालय, मुक्त और वाणिज्यिक उद्धरण डेटाबेस, स्कॉलरली पब्लिशर्स आदि के एकीकरण में सहायता करेगी। इसे विभिन्न स्रोतों से विद्वतापूर्ण प्रकाशन प्राप्त करने के लिए ओआरसीआईडी आईडी, स्कोपस आईडी, रिसर्च आईडी, माइक्रोसॉफ़्ट अकादमिक आईडी और गूगल स्कॉलर आईडी जैसी अकादमिक पहचान के साथ जोड़ा जाएगा । यह फ़ैकल्टी सूचना प्रणाली एनआईआरएफ, एनएसी और अन्य अंतरराष्ट्रीय रेकिंग सिस्टम के लिए स्रोत बन सकती है । किसी भी व्यक्ति द्वारा निम्नलिखित लिंक के माध्यम से फैकल्टी सूचना प्रणाली को एक्सेस किया जा सकता है:

https://nitw.irins.org/

संस्थागत संग्रहालय (रिपॉजिटरी) :

केंद्रीय पुस्तकालय, एनआईटीडब्ल्यू ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल के बौद्धिक आउटपुट को प्रदर्शित करने, व्यवस्थित करने, साझा करने और संरक्षित करने के लिए संस्थागत संग्रहालय बनाया है । यह संग्रहालय एनआईटीडब्ल्यू द्वारा सृजित ज्ञान संसाधनों को एक्सेस प्रदान कर और स्कॉलरों की भावी पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित कर बौद्धिक संचार को सुगम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है । केंद्रीय पुस्तकालय को संग्रहालय होस्ट करने व संधारित रखने और एनआईटीडब्ल्यू समुदाय के ज्ञान संसाधनों तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने पर गर्व है ।

http://ir.library.nitw.ac.in:8080/**jspui/**

एनआईटीडब्ल्यू – पीएच.डी. थीसिस का वार्षिक शोध डाइजेस्ट

केंद्रीय पुस्तकालय छात्रों, शोधार्थियों और फ़ैकल्टी के लाभार्थ न केवल संस्थान में किए गए डॉक्टरेट अनुसंधान कार्य को जानने के लिए बल्कि उनके भावी शोध कार्य की शोध समस्याओं की पहचान करने के लिए "एनआईटीडब्ल्यू की पीएच.डी. थीसिस का वार्षिक शोध डाइजेस्ट" प्रकाशित करता है ।

ओपन एक्सेस ई-संसाधनों का संकलन :

केंद्रीय पुस्तकालय, एनआईटीडब्ल्यू ने फ़ैकल्टी, छात्रों और स्कॉलरों के लाभ के लिए ओपन एक्सेस ई-पुस्तकों और ओपन एक्सेस ई-जर्नल्स की विषय-वार सूची संकलित की है । ये संसाधन वेब-ओपेक पर होस्ट किए गए हैं जिन्हें कहीं से भी, कभी भी एक्सेस किया जा सकता है ।

शोधगंगा :

पीएच.डी. थीसिस के सम्पूर्ण मूलपाठ को शोधगंगा: ए रिजर्वोइयर ऑफ इंडियन थीसिस @ INFLIBNET पर अपलोड किया जाता है। एनआईटीडबल्यू थीसिस को नीचे दिए गए लिंक से एक्सेस किया जा सकता है: **https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/**10603/349258

ओपेक कियोस्क का उद्घाटन एवं केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन

प्रोफेसर एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटीडब्ल्यू, ने फैकल्टी और छात्रों के लाभ के लिए 12.10.2021 को केंद्रीय पुस्तकालय में ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) कियोस्क का उद्घाटन किया।

इसी अवसर पर माननीय निदेशक ने "*इंजीनियरिंग और संबद्ध विज्ञानों में ओपन एक्सेस जर्नल्स*" और "*पीएच.डी. थीसिस (2019-2020) के वार्षिक शोध डाइजेस्ट*" शीर्षक से केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संकलित और प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन भी किया।





एनआईटीडबल्यू लाइब्रेरियन को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया :

डॉ. के. वीरंजनेयुलु, लाइब्रेरियन को "कोविड-19 महामारी के कारण पुस्तकालयों का ट्रांजिशन या ट्रांसफॉर्मेशन - लेसन टु लर्न" पर अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना विज्ञान सोसायटी द्वारा आयोजित एवं द तमिलनाडु डॉ. अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत द्वारा JISTaP, केइम्युंग यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया व जोंबुक नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया के सहयोग से सह-आयोजित चौथे आई-एलआईएसएस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड-19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-वारंगल पुस्तकालय का ट्रांसफॉर्मेशन" नामक पेपर प्रस्तुत एवं प्रकाशित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

स्कोपस डाटाबेस में एनआईटीडब्ल्यू के 1000 से अधिक पेपरों का अनुक्रमण :

एनआईटीडबल्यू के इतिहास में पहली बार, वर्ष 2021 में फ़ैकल्टी और स्कॉलरों द्वारा किसी भी कैलेंडर वर्ष में प्रकाशित स्कोपस में अनुक्रमित लेखों की कुल संख्या 1,000 को पार कर गई है । यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और यह निस्संदेह आने वाले वर्षों में विभिन्न रैंकिंग ढांचों में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने में मदद करेगी ।

प्रिंट पुस्तकों की खरीद:

केंद्रीय पुस्तकालय ने विभागाध्यक्षों की संस्तुति के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1439 मुद्रित पुस्तकें खरीदीं । पुस्तकें प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई और ये उपयोग के लिए तैयार हैं ।

सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां :

केंद्रीय पुस्तकालय, एनआईटी वारंगल सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां अपनाता है जैसे

- नए प्रविष्ट हुए छात्रों, फ़ैकल्टी और स्टॉफ को सूचना विवरणिका का वितरण ।
- केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में नए प्रविष्ट हुए छात्रों, फ़ैकल्टी और स्टॉफ के लिए प्रयोक्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करना ।
- सूचना और संस्थान व देश के अन्य संस्थानों द्वारा जारी अधिसूचनाएं प्रदर्शित करना ।

आउटरीच कार्यक्रम:

केंद्रीय पुस्तकालय, संस्थान और टीचिंग लर्निंग केंद्र की ओर से एक आउटरीच गतिविधि के रूप में तेलंगाना राज्य के साथ-साथ अन्य राज्यों के डिग्री और पीजी महाविद्यालयों की फ़ैकल्टी के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करता है । साथ ही, केंद्रीय पुस्तकालय संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न फ़ैकल्टी विकास कार्यक्रमों और ज्ञान (जीआईएएन) कार्यक्रमों के आवासीय प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक सामग्री (जर्नल्स व ई-पुस्तकें) का उपयोग करने की अनुमति देता है ।

पुस्तकों, पत्रिकाओं / जर्नल्स और विविध सामग्रियों पर पुस्तकालय व्यय :

वर्ष	व्यय (रु. में)					
	पुस्तकें	पत्रिकाएं/जर्नल्स (प्रिंट अंशदान)	ई-जर्नल्स व डेटाबेस	उपस्कर / फर्नीचर	विविध व्यय	योग
2021-22	2,75,776.00	89,100.00	3,67,57,506.40	3,46,920.00	3,56,899.00	3,78,26,201.40
2020-21	26,76,732.00 (ई-पुस्तकें)	43,580.00	2,91,94,331.00	23,68,286.00	1,45,233.00	3,44,28,162.00
2019-20	Nil	83761.00	2,84,25,105.00	6,08,804.00	1,63,732.00	2,92,81,402.00
2018-19	11,88,880.00	1,64,171.00	3,04,88,111.00	Nil	98,223.00	3,19,39,385.00

विषय-वार संग्रह स्थिति

विभाग	शीर्षकों की संख्या	अंकों की संखा
सिविल अभियांत्रिकी	13,118	29,347
विद्युत अभियांत्रिकी	7,587	18,535
यांत्रिक अभियांत्रिकी	11,613	24,671
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	7,643	18,709
धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	4,311	8,452
रासायनिक अभियांत्रिकी	4,299	8,724

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	9,797	22,760
गणित शास्त्र	6,527	11,661
भौतिकी	6,860	10,399
रसायन शास्त्र	5,040	9,630
प्रबंधन	2,543	4,877
जैव-प्रौद्योगिकी	674	2,282
सामान्य	6,407	10,772
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	3,246	5,838
योग	**89,665**	**1,86,657**

शोध उत्पादकता :

अवधि	प्रकाशनों की संख्या	उद्धरणों की संख्या	एच-इंडेक्स
समग्र	7018	60,119	80

अवधि	प्रकाशनों की संख्या	उद्धरणों की संख्या	एच-इंडेक्स
2019	783	4,399	27
2020	902	4,051	24
2021	1,031	1,751	13

वर्ष-वार लेन-देन आंकड़ें : पुस्तकालय स्टॉफ

वर्ष	निर्गमित पुस्तकों की संख्या	वापस जमा की गई पुस्तकों की संख्या	दैनिक आगंतुकों की संख्या (लगभग)
2019	30,158	33,675	569
2020	6,878	7,514	546 (महामारी अवधि के अलावा)
2021	400	4,531	अप्रयोज्य (महामारी अवधि)

पुस्तकालय स्टॉफ :

व्यावसायिक स्टॉफ:

पदनाम	नाम	योग्यता
पुस्तपाल *(लाइब्रेरियन)* एवं अध्यक्ष	डॉ. के. वीरंजनेयुलु	पीएच.डी., एम.कॉम., एम.एल.आई.एससी., बी.जी.एल., पीजीडीएलएएन

उप पुस्तपाल (डिप्टी लाइब्रेरियन)	श्री इरन्ना एम. शेट्टार	बी.एससी., एम.एल.आई.एससी., एम.फिल., पीजीडीएलएएन
सहायक पुस्तपाल *(असिस्टेंट लाइब्रेरियन)*	श्री जी. बालकृष्णा	बी.एससी., एम.एल.आई.एससी.
लाइब्रेरी व सूचना सहायक	श्री कनिष्क सामंता	एम.एल.आई.एससी.

सहायक स्टॉफ :

नाम	पदनाम
श्री ए. सोमेश्वर राव	वरिष्ठ सहायक
श्री ए. संबैया	कनिष्ठ सहायक
श्रीमती बी. जया श्री	तकनीशियन
श्री टी. रमेश	वरिष्ठ केयरटेकर
श्री पी. सरैया	तकनीशियन
श्री पी. ईश्वर	कनिष्ठ सहायक (यूजी)

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र
(सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन, सीआईआई)



नवाचार एवं उद्भवन केंद्र (सीआईआई) लगभग 30,000 वर्ग फुट फर्श क्षेत्रफल युक्त एक G+2 भवन है। केंद्र का मिशन है - "इंडस्ट्री के सहयोग से नए प्रक्रमों, उत्पादों, डिजाइन एवं प्रौद्योगिकियों के लिए नवाचारों को प्रोत्साहन देना जिससे समाज को ज्ञान के उपयोग में आसानी हो"। केंद्र के निम्नलिखित उद्देश्य हैं -

- उद्योगों को उनकी शोध प्रयोगशालाओं को इस केंद्र में स्थापित करने एवं परिसर प्रतिभा का उपयोग कर उनकी शोध परियोजनाएं करने के लिए आमंत्रित करते हुए इंडस्ट्री - अकादमिक सहभागिता को अधिक से अधिक बढ़ावा देना।
- एनआईटी, वारंगल के साथ शोध व विकास साझेदारी या अन्य किसी कार्य के इच्छुक प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को उनकी शोध प्रयोगशालाएं इस केंद्र में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- संस्थान के मानदंडों के अनुसार उपयुक्त सुविधाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय सहायता प्रदान कर बी.टेक. व एम.टेक. छात्रों की नवाचारी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना।
- एनआईटी, वारंगल की आर&डी गतिविधियों को इंडस्ट्री की संभावित जरूरतों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से उद्योगों के वैज्ञानिकों व एनआईटी, वारंगल की फ़ैकल्टी व छात्रों के बीच "परिसर संपर्क" की सुविधा प्रदान करना।

एनआईटी, वारंगल एक प्रमुख तकनीकी संस्थान होने के कारण यह सीआईआई के माध्यम से स्टार्टअप सृजन, व्यवसाय उद्भवन, नए व अभिनव विचारों के साथ पूंजी व ज्ञान अभिगम को सुगम उपयोग के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हुए प्रौद्योगिकी उद्यमिता की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । इसके अलावा, संस्थान द्वारा उद्यमशीलता दक्षताओं के विकास के लिए उद्यमिता विकास व उपक्रम सृजन के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से उद्यमिता केंद्रित शिक्षा पर भी बल दिया गया है। इसके अलावा, छात्रों में उनके विचारों को नवाचार व स्टार्टअप प्रतिष्ठान में परिवर्तित करने का विश्वास पैदा करने के लिए सुव्यवस्थित मार्गदर्शन (मेंटरशिप) कार्यक्रमों, लघु प्रशिक्षण के रूप में विभिन्न सहायता तंत्र भी प्रदान किए गए थे। सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में आसपास के स्थानीय स्टार्टअप्स के लिए उद्भवन सुविधाएं भी न्यूनतम खर्चों पर उपलब्ध है, जिससे संस्थानों में और देश में उद्यमशीलता संस्कृति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। सीआईआई पूर्व-निश्चित पर निम्नलिखित को आसान बनाता है -

- स्टार्टअप प्रकोष्ठ
- नवाचार गैरेज़
- इंडस्ट्री आर&डी प्रयोगशालाएं
- इपिक्स (ईपीआईसीएस) परियोजनाएं व टीईपी
- आईपीआर प्रकोष्ठ
- समझोता ज्ञापन, MoUs (राष्ट्रीय)

स्टार्टअप्स

छात्र स्टार्टअप वर्तमान आवश्यकताएं हैं और बाजार के विस्तार और रोजगार सृजन में एक बड़ा अवसर प्रदान करते हैं। एनआईटीडब्ल्यू की स्टार्टअप नीति का उद्देश्य भारत सरकार के 'स्टार्टअप इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों व युवा शिक्षकों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। छात्रों को प्रोटोटाइप इवेंट्स में विचार सृजन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और टीईक्यूआईपी-III के माध्यम से आवश्यक हार्डवेयर की खरीद के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है।



सिविल अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

सिविल अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 1959 में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, वारंगल (आरईसीडबल्यू) की स्थापना के साथ हुई थी, जो आरईसी की शृंखलामें प्रथम था। विभाग अवर स्नातक व आठ स्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही पीएच.डी. कार्यक्रम भी चलाता है। वाशिंगटन समझौते के अनुपालन में लगभग सभी कार्यक्रम एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं ।

विभाग में उच्च अर्हता प्राप्त एवं प्रतिबद्ध फ़ैकल्टी सदस्य हैं जो सुविख्यात हैं एवं कई राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय नीति निर्माता व सलाहकार निकायों के सदस्य हैं। सिविल अभियांत्रिकी विभाग को अन्य तकनीकी संस्थानों के फ़ैकल्टी सदस्यों के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम चलाने के लिए 1978 से क्यूआईपी केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त होने का सम्मान प्राप्त है।

हाल ही में बी.टेक और सभी एम.टेक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम संशोधित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक के लिए ऑनर्स कार्यक्रम एवं संबद्ध कार्यक्रमों में लघु पाठ्यक्रम की अवधारणा शुरू की गई है। मौजूदा विशेषज्ञताओं में कई पीजी-डिप्लोमा और स्व-वित्तपोषित कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

टिकाऊ इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने और जीवन की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से विभाग, सिविल अभियांत्रिकी शिक्षा, शोध, उद्यमिता और इंडस्ट्री आउटरिच के क्षेत्र में एक ज्ञान तंत्रिका केंद्र बनने की इच्छा रखता है। यह वैश्विक संबंधों के साथ शिक्षण, शोध और परामर्श में अंतरराष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करके सिविल अभियन्ताओं का एक विशेष कैडर तैयार करके प्राप्त किया जाएगा।



फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	प्रोफे. एन.वी. रमना राव प्रोफेसर, एवं निदेशक एनआईटी, वारंगल	पीएच.डी.	कंपन, एफ़ईए, अक्षिरूपी व प्रिस्मेटिक शेल व फोल्डेड प्लेट्स के संरचनात्मक आकार का इष्टतमीकरण, जिओ-पॉलीमर कंक्रीट, कंपोसिट्स, फेरोसीमेंट	
2.	डॉ. टी.डी. गुणेश्वर राव प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	कंक्रीट संरचनाओं की विभंजन क्रियाविधि, फाइबर प्रबलित कंक्रीट, प्रबलित कंक्रीट, टिकाऊ निर्माण सामग्री	
3.	डॉ. एन.वी. उमामहेश प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.	जल संसाधन प्रणाली, हाइड्रोलॉजिक मॉडलिंग, प्रसंभाव्य हाइड्रोलॉजी, जलवायु परिवर्तन का हाइड्रोलॉजी व जल संसाधनों पर प्रभाव, शहरी बाढ़	
4.	डॉ. सी.एस.आर.के. प्रसाद प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.	परिवहन अभियांत्रिकी, यात्रा मांग मॉडलिंग, शहरी व क्षेत्रीय प्लानिंग, भूमि उपयोग प्लानिंग, सार्वजनिक परिवहन, राजमार्ग नेटवर्क डिजाइन	
5.	डॉ. सी.बी. कामेश्वर राव प्रोफेसर	पीएच.डी.	फेरोसीमेंट, फाइबर प्रबलित कंक्रीट, टिकाऊ कंक्रीट, आरसी मेंबर्स के वियोटन, संरचनाओं का पुनर्वास व रेट्रोफिटिंग, यूएचएससी, क्रमिक पतन	
6.	डॉ. पी. आनंदराज प्रोफेसर	पीएच.डी.	प्रणाली विश्लेषण, फजी प्रणाली, बहु मानदंड निर्णय करना, हाइड्रोलॉजी व तरल यांत्रिकी	

7.	डॉ. डी. रामासेशु प्रोफेसर	पीएच.डी	नए कंक्रीट, मरम्मत व स्थिति मॉनीटरन	
8.	डॉ. जी. राजेश कुमार प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी	उच्च शक्ति कंक्रीट, पूर्वप्रतिबलित कंक्रीट, स्वसंहननी स्वपरिपक्वनी कंक्रीट	
9.	डॉ. देव प्रताप प्रोफेसर	पीएच.डी	अभियांत्रिकी भूविज्ञान, हाइड्रोभूविज्ञान, सुदूर संवेदन, जीआईएस	
10.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी	जल एवं अपशिष्ट जल उपचार, वायु गुणवत्ता मॉडलिंग, जल गुणवत्ता मॉडलिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	
11.	डॉ. पी. रतीश कुमार प्रोफेसर	पीएच.डी	टिकाऊ कंक्रीट निर्माण, भूकंप अभियांत्रिकी, संरचनाओं की स्थिति मॉनीटरन, संरचनाओं की मरम्मत व पुनर्वसन	
12.	डॉ. वी. रमनामूर्ति प्रोफेसर	पीएच.डी	प्रसारी मृदा, प्रबलित भूमि, अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग	
13.	डॉ. पी. हरि कृष्णा प्रोफेसर	पीएच.डी	कणिकीय एंकर पाइल्स, प्रसारी मृदा	

14.	डॉ. एम. हीरालाल प्रोफेसर	पीएच.डी	भूमि सुधार, पुनर्चक्रित पदार्थ, भूपर्यावरण	
15.	डॉ. वैंकय्या चौधरी प्रोफेसर	पीएच.डी	डामर बाइंडर्स व डामर मिश्रण का अभिलक्षणन; डामर फुटपाथ विश्लेषण, डिज़ाइन एवं मूल्यांकन	
16.	डॉ. वैंकट रेड्डी प्रोफेसर	पीएच.डी	संख्यात्मक, सॉफ्ट कंप्यूटिंग व भूस्थानिक विधियों का उपयोग कर वाटर-शेड मॉडलिंग व प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन प्रभाव अध्ययन	
17.	श्री वी.एन. कामेश्वर राव एसोसिएट प्रोफेसर	एम.टेक.	तरल यांत्रिकी व द्रवचालित मशीनें, हाइड्रोलॉजिक सिस्टम मॉडलिंग, सामूहिक संवेग परिवहन घटना, जलवायु मॉडलिंग के लिए ऊर्जा	
18.	श्री एम. सुधाकर एसोसिएट प्रोफेसर	एम.टेक.	स्टील फायबर प्रबलित कंक्रीट	
19.	डॉ. पी. हरि प्रसाद रेड्डी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	मृदा संदूषक अंतःक्रिया, मृदा स्थिरीकरण, सरंध्र माध्यम से संदूषक परिवहन	
20.	डॉ. पी. वैंकटेश्वर राव एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	जल प्रदाय, उपचार व वितरण, अपशिष्ट जल उपचार, अपशिष्ट प्रबंधन, कम लागत जल व अपशिष्ट जल उपचार	

21.	डॉ. एस. वैंकटेश्वर राव एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	स्व-संहनित कंक्रीट, विशिष्ट कंक्रीट एवं कंक्रीट व मोर्टार में नेनो-पदार्थ, संरचनाओं की मरम्मत व पुनर्वास	
22.	डॉ. आरिफ़ अली बैग एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	भू-पर्यावरणीय अभियांत्रिकी, असंतृप्त मृदा यांत्रिकी	
23.	डॉ. टी.पी. तेजस्वी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	सीमेंटयुक्त सम्मिश्र पदार्थ के बहुस्तरीय आचारण का पुरवानिमान लगाने के लिए अभिनव कंप्युटेशनल मॉडलिंग का प्रायोगिक अभिलक्षणन एवं विकास	
24.	डॉ. एस. शंकर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	अल्प आयतन सड़कें, फुटपाथ विश्लेषण व डिज़ाइन, फुटपाथ प्रबंधन प्रणाली, फुटपाथ पदार्थ अभिलक्षणन	
25.	डॉ. एम. शशी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	प्रगत सर्वेक्षण, फोटोग्राममिती,	
26.	डॉ. अजेय कुमार पटेल एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	संगणनात्मक तरल गतिकी (सीएफडी), पर्यावरण तरल यांत्रिकी, अपशिष्ट जल अभियांत्रिकी	
27.	डॉ. डी. रवि प्रसाद एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	सीमेंट कांक्रीट सम्मिश्रण, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी,	

28.	डॉ. एम.वी.एन. शिवा कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	संगणनात्मक यांत्रिकी, धातु व कंक्रीट संरचनाओं में विभंजन यांत्रिकी अनुप्रयोग, परिमित तत्व व नाभिकीय रिएक्टर में विश्वसनीयता अनुप्रयोग	
29.	डॉ. के.वी.आर. रवि शंकर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	अंतःक्रिया, पादचारी व्यवहार विश्लेषण एवं मॉडलिंग, भीड़ गतिकी विश्लेषण व आपात निष्क्रमण योजना	
30.	डॉ. जी. कल्याण कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	भूकंपीय जोखिम विश्लेषण, विश्वसनीयता विश्लेषण, मृदा गतिकी, मृदा पाइल अंतःक्रिया, पार्श्व भारित पाइल्स, भूकंपीय माइक्रोक्षेत्रीकरण	
31.	डॉ. के. गोपीकृष्णा एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	संरचनाओं का बहु-जोखिम कार्यनिष्पादन आकलन, भूकंप अभियांत्रिकी, वेवलेट परिमित तत्व विधियां, संरचनाओं की बहु-स्तरीय मॉडलिंग	
32.	डॉ. अर्पण मेहर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी	मैक्रोस्कोपिक और माइक्रोस्कोपिक यातायात विश्लेषण, राजमार्ग क्षमता और सेवा का स्तर, राजमार्ग ज्यामितीय डिजाइन, यातायात प्रवाह सिमुलेशन	
33.	डॉ. पी. श्रीधर असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	जल/अपशिष्ट जल उपचार, जीवन चक्र विश्लेषण, जल/अपशिष्ट जल उपचार की मॉडलिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	
34.	डॉ. जी. वेंकटरमणा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	शैल यांत्रिकी व शैल अभियांत्रिकी, स्वस्थाने और प्रयोगशाला शैल यांत्रिकी परीक्षण	

35.	डॉ. एस. अनिता प्रियदर्शनी असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	पदार्थों का अभिलक्षणन, फाइबर प्रबलित पॉलिमर सम्मिश्र; कठोर पैनल; प्रायोगिक तकनीकें; परिमित तत्व विश्लेषण	
36.	डॉ. बी. कविता असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	अभियांत्रिकी भूकम्प विज्ञान; भूकंप डेटा विश्लेषण; जमीनी गतियों का अनुकरण; संभाव्य भूकंपीय खतरे का आकलन; भूकंप पूर्वानुमान	
37.	डॉ. अनीता वी. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	भवन सूचना मॉडलिंग, सड़क सूचना मॉडलिंग, लीन निर्माण, निर्माण में वर्चुअल वास्तविकता, निर्माण परियोजना प्रबंधन	
38.	डॉ. चिन्थाला सुमंत असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	वायु प्रदूषण; इनडोर वायु गुणवत्ता; सतत विकास, जल व अपशिष्ट जल प्रबंधन; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन; पर्यावरण प्रभाव आकलन	
39.	डॉ. उमेश बी. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	सिविल अभियांत्रिकी में संख्यात्मक विधियां, परिमित अंतर विधि, परिमित तत्व विश्लेषण और सम-ज्यामितीय विश्लेषण	
40.	डॉ. शशि राम असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	टिकाऊ निर्माण सामग्री; ऊर्जा दक्ष भवन; टिकाऊ निर्माण कार्य-पद्धतियां	
41.	डॉ. सुधीर कुमार यमसानी असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	भू-पर्यावरण अभियांत्रिकी मृदा-वायुमंडल अंतःक्रिया, प्रबलित मृदा संरचना, अनुप्रयुक्त मृदा यांत्रिकी	

42.	डॉ. लिटन कुमार रे असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	प्रसंभाव्य हाइड्रोलॉजी, बाढ़ और सूखे का अनुमान, वास्तविक काल बाढ़ पूर्वानुमान, हाइड्रोलॉजिक मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन और जलवायु परिवर्तनशीलता अध्ययन	
43.	डॉ. वेमा वामसी कृष्णा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	हाइड्रोलॉजिक मॉडलिंग; वॉटरशेड प्रबंधन; वॉटरशेड मॉडल का पैरामीटरीकरण; कृषि जल प्रबंधन; संसाधनों का इष्टतम आवंटन	
44.	डॉ. विष्णु आर. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	फुटपाथ सामग्री, फुटपाथ प्रबंधन प्रणालियां, फुटपाथ डिजाइन और मूल्यांकन	
45.	डॉ. संजीत विश्वास असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	मृदा गतिकी; मशीन फाउंडेशन; उथली और गहरी फाउंडेशन; फील्ड और प्रयोगशाला परीक्षण; परिमित तत्व विश्लेषण; सातत्य एप्रोच मॉडलिंग	
46.	डॉ. आर. रमेश नायका असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	भवन सूचना मॉडलिंग (बीआईएम); डिजिटल निर्माण; टिकाऊ निर्माण सामग्री; निर्माण कार्य पैकेज	
47.	डॉ. मनीष पाण्डे असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	प्रायोगिक हाइड्रोलिक्स, तलछट परिवहन, नदी प्रशिक्षण कार्य	
48.	डॉ. रघुराम कदली असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	पैदल यात्री क्रॉस फ्लो मॉडलिंग, गैर-मोटर चालित सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, चालक व्यवहार, यातायात प्रवाह मॉडलिंग • परिवहन पर्यावरण	

49.	डॉ. मनाली पाल असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी	हाइड्रोलॉजी; जलवायु परिवर्तन; रिमोट सेंसिंग का उपयोग कर मृदा नमी पुनर्प्राप्ति; संभाव्य मॉडलिंग; मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	
50.	प्रो. के.वी. जयकुमार एमेरिटस प्रोफेसर	पीएच.डी	हाइड्रोलॉजी और जल संसाधन, शहरी जल प्रबंधन, सिंचाई अभियांत्रिकी, भूमि और जल प्रबंधन, पर्यावरण प्रभाव आकलन	

वित्तपोषित शोध परियोजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक व पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि (रु. लाख में)	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या
1.	भारतीय शहरों के लिए ट्रिप जनरेशन मैनुअल का विकास। डॉ. सी.एस.आर.के. प्रसाद, रघुराम कदली (सह-पीआई)	8.14	सीएसआईआर-सीआरआरआई	
2.	लो वॉल्यूम रोड्स में इमल्शन ट्रीटेड बेस लेयर्स का कार्य निष्पादन मूल्यांकन; योजना: टीएआरई डॉ. सी.एस.आर.के. प्रसाद (सह-पीआई)	18.30	एसटीजीआईटीएस कोट्टायम, केरल के सहयोग से डीएसटी एसईआरबी	2022-25
3.	कोविड-19 का यात्रा आचरण पर प्रभाव और विकासशील देशों के संदर्भ में इसका साझा गतिशीलता के साथ संबंध। डॉ. सी.एस.आर.के. प्रसाद (सह-पीआई)		योजना: भारत जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग	प्रक्रियाधीन
4.	पीसीबी स्मेल्टिंग से प्राप्त प्रोसेस स्लैग का प्रभावी प्रबंधन। डॉ. पी. रतीश कुमार	10	सीएमईटी, हैदराबाद	2021-22
5.	प्लास्टिक कचरे के निपटान के लिए पर्यावरण अनुकूल सिविल अभियांत्रिकी तकनीकों का अन्वेषण। पी. हरि कृष्णा (पीआई), टी.डी. गुणेश्वर राव (सह-अन्वेषक), वेंकैया चौधरी (सह-अन्वेषक)	19.72	एनएचएआई नई दिल्ली	2019-2022 (चल रही है)
6.	जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत बीआईएस देशों के लिए एकीकृत जल प्रबंधन मॉडल। भारतीय परि. समन्वयक: के. वेंकट रेड्डी	39.0	डीएसटी-इंटरनेशनल बहुपक्षीय क्षेत्रीय सहयोग प्रभाग	2019 (चल रही है)
7.	स्वॉट (एसडबल्यूएटी) मॉडल का उपयोग कर बाढ़ का वास्तविक काल पूर्वानुमान। भारतीय पीआई: के. वेंकट रेड्डी	81.76	एमएचआरडी, स्पार्क (एसपीएआर सी) कार्यक्रम	2019 (चल रही है)
8.	एसएचपीबी का उपयोग कर यूएचपीसी के लिए जेएच2 स्थिरांक ज्ञात करना। डॉ. टी.पी. तेजस्वी	17.7	कार्स (सीएआरसी) परियोजना - डीआरडीओ	जून 2022
9.	डिजिटल छवि सहसंबंध का उपयोग कर महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर की त्वरित संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी के	30.0	एमएचआरडी –– इंप्रिंट (आईएमपीआरआईएनटी) (चल रही है)	2019 - (प्रगति रत)

	लिए एक सरल व सुदृढ़ गैर-संपर्क विधि । डॉ. एम. शशि			
10.	ऊष्मा प्रवेश को कम करने के लिए सस्टेनेबल व्हाइट क्ले और ग्राफीन कम्पोजिट वेंटिलेशन वॉल क्लैडिंग टाइल्स का अभिनव विकास । पीआई - डॉ. आर. रमेश नायका	44.11	विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार	जनवरी 2021 - दिसंबर 2023
11.	भवन सूचना मॉडलिंग (बीआईएम) तरीके का उपयोग कर स्टील फाइबर प्रबलित कंक्रीट संरचना का जीवन चक्र लागत विश्लेषण (एलसीसीए) । पीआई - डॉ. आर. रमेश नायका	5.0	शोध प्रारम्भिक राशि (आरएसएम) अनुदान, एनआईटी वारंगल, भारत सरकार	जनवरी 2021 - दिसंबर 2022
12.	यातायात उत्सर्जन का पैदल यात्री उद्भासन और उनके यात्रा व्यवहार के परिणामों का अध्ययन । पीआई - डॉ. रघुराम कदली	28.26	विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी-एसआरजी), भारत सरकार	दिसंबर 2021 - दिसंबर 2023
13.	बिग डेटा वैश्लेषिकी का उपयोग कर ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) और ट्रैवल बिहेवियर व जेंट्रीफिकेशन के साथ इसकी संबद्धता का मूल्यांकन । पीआई - डॉ. रघुराम कदली	44.17	भारत-ताइवान एस&टी सहयोग कार्यक्रम का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)- भारत सरकार	मई 2021 - अप्रैल 2023
14.	विभिन्न सड़क विशेषताओं के आधार पर यातायात उत्सर्जन का मूल्यांकन । पीआई -डॉ. रघुराम कदली	5.0	शोध प्रारम्भिक राशि (आरएसएम) अनुदान, एनआईटी वारंगल, भारत सरकार	जनवरी 2021 - दिसंबर 2022
15.	एसएमएपी डेटा का उपयोग कर ग्लोबल ऊर्ध्वाधर मृदा नमी प्रोफाइल डेटाबेस का विकास । पीआई - डॉ. मनाली पाल	19.94	विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी-एसआरजी), भारत सरकार	जनवरी 2022 - जनवरी 2024
16.	टेक्सटाइल बहिःस्राव के पुनर्चक्रण के लिए हाइड्रोडायनामिक कैविटेशन एवं बायो- सर्फैक्टेंट के साथ हाइब्रिड अपशिष्ट जल उपचार की पायलट-स्केल प्रणाली का विकास व प्रदर्शन । शिरीष सोनवणे (पीआई), अजय कुमार पटेल (सह पीआई)	41.42	इंप्रिंट (आईएमपीआरआई एनटी), एसईआरबी, नई दिल्ली	16.12.2019 से 15.12.2022 तक (चल रही है)

पेटेंट

1. डॉ. एम. हीरालाल, रतीश कुमार पंचरथी और अन्य, "स्मार्ट रिजिड पेवमेंट" पर अभिनव पेटेंट, पेटेंट संख्या: 2021106229, 20 अगस्त 2021 से आठ वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत, ऑस्ट्रेलियाई सरकार, आईपी ऑस्ट्रेलिया। (पेटेंट प्रदान किया गया) ।
2. डॉ. ए. सुचित रेड्डी, प्रोफे. पी. रतीश कुमार, ऑस्ट्रेलियाई पेटेंट "ए मेथडोलॉजिकल फ्रेमवर्क एंड सिस्टम फॉर अचीविंग सस्टेनेबल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन", पेटेंट संख्या: 2021104847, 2 अगस्त 2021 से आठ वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत, ऑस्ट्रेलियाई सरकार, आईपी ऑस्ट्रेलिया । (पेटेंट प्रदान किया गया) ।
3. डॉ. ए. सुचित रेड्डी, रतीश कुमार पंचरथी, "ए मेथड एंड सिस्टम फॉर एसेसिंग सस्टेनेबिलिटी ऑफ सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर" पर भारतीय पेटेंट (पेटेंट आवेदन 202141054686), 11 फरवरी 2022 को दायर पेटेंट ऑफिस जर्नल में प्रकाशित, पेटेंट ऑफिस जर्नल में प्रकाशित ।

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. उत्सव विशाल (रोल नंबर 701333) ने "इन्फ़्लुएन्स ऑफ मॉइस्चर डेमेज एंड हाइड्रेटेड लाइम ऑन द फटिग लाइफ ऑफ हॉट मिक्स एस्फाल्ट एंड वार्म मिक्स एस्फाल्ट" विषय पर डॉ. वेंकैया चौधरी के मार्गदर्शन में दिसंबर, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
2. काकरा श्रीकांत (रोल नंबर 717004) ने " इन्फ़्लुएन्स ऑफ रफ़नेस इण्ड्यूस्ड डायनामिक लौड्स ऑन फटिग एंड रेटिंग डेमेजेस इन फ्लेक्सिबल पेवमेंट" विषय पर डॉ. वेंकैया चौधरी के मार्गदर्शन में अगस्त 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
3. अलमंडला श्रावंती (रोल नंबर: 716051) ने "स्ट्रक्चरल हैल्थ मॉनीटरिंग ऑफ ब्रीज स्ट्रक्चर्स यूजिंग फाइबर ब्रैग ग्रेटिंग सेंसर्स" विषय पर डॉ. रतीश कुमार पंचरथी और डॉ. आर.एल.एन. साई प्रसाद के संयुक्त मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
4. रामिरेड्डी सुष्मिता (रोल नंबर 717102) ने “कैपेसिटी एनालिसिस ऑफ सिग्नलाइज्ड इंटरसेक्शन्स इन मिक्स्ड़ ट्रेफिक कंडीशन्स” विषय पर डॉ. रविशंकर के.वी.आर. के मार्गदर्शन में जनवरी, 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।

लगाए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

i) संरचनाएं और गतिशीलता प्रयोगशाला - शेक तालिका और बीम का कंपन (टीईक्यूआईपी-III)



ii) कंक्रीट प्रयोगशाला – जॉ क्रशर (एसआरआईसी)



iii) कंक्रीट प्रयोगशाला – सेग्रीगेटर (एसआरआईसी)



iv) कंक्रीट प्रयोगशाला - क्रीप परीक्षण उपकरण (योजना अनुदान)



v) संरचना प्रयोगशाला - 100 टन यूटीएम (टीईक्यूआईपी-III)



विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 1959 में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, वारंगल (आरईसीडबल्यू) के साथ हुई थी, जो आरईसी शृंखला का पहले संस्थान था । विद्युत अभियांत्रिकी विभाग अभियांत्रिकी और विज्ञान पाठ्यक्रमों के यूजी और पीजी छात्रों के अध्यापन में कार्यरत है । विभाग में अत्यधिक योग्य, प्रेरित और अनुभवी फ़ैकल्टी हैं, जो पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं और अनुसंधान परियोजनाओं को कार्यान्वित करते हैं । विभाग पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स व ड्राइव्स, विद्युत तंत्र अभियांत्रिकी एवं स्मार्ट इलेक्ट्रिक ग्रिड में विशेषज्ञता के साथ तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री (एम.टेक.) पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है । विभाग सक्रिय रूप से अनुसंधान में कार्यरत है और इसके पास कई प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं हाथ में हैं । अनुसंधान के क्षेत्रों में शामिल हैं - विद्युत तंत्रों का राज्य अनुमान और वास्तविक काल नियंत्रण, विद्युत तंत्रों में एएनएन और फ़ज़ी लॉजिक के अनुप्रयोग, विद्युत तंत्र अविनियमन , विद्युत तंत्र अस्थिरताएं, विद्युत गुणवत्ता, तंत्रों में ईएमटीपी अनुप्रयोग, रिले समन्वयन, विद्युत गुणवत्ता में सुधार और औद्योगिक ड्राइव में पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स के अनुप्रयोग, हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण प्रणाली, डीएसपी नियंत्रित ड्राइव, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक परिवर्तकों का सिमुलेशन और ड्राइव तंत्र और विशेष मशीनों का नियंत्रण । विभाग ने सहयोगी परियोजनाओं आदि को पूरा करने के लिए केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) जैसे प्रतिष्ठित उद्योगों और आर&डी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन किया हैं । शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से, विद्युत अभियांत्रिकी में लघु पाठ्यक्रम भी एनईपी 2020 मानक के अनुसार आरंभ किए गए हैं । पाठ्यक्रम पूरा करने के दो विकल्प हैं - चौथे वर्ष के पश्चात विद्युत अभियांत्रिकी में बी.टेक और दूसरा पांचवें वर्ष के पश्चात बी.टेक. ऑनर्स ।



सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	63
	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	51
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	
	डीबीटी, एसईआरबी, डीआरडीओ	8
	चल रही परियोजनाएं (4.5 करोड़ रुपये)	11
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	11
	कुल बजट	**4.5 करोड़**
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	8
4	**पुस्तक अध्याय**	12
	प्रकाशित पुस्तकें	01
5	**फ़ाइल किए गए पेटेंट**	10

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. शैलजा कुमारी एम. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	पावर मार्केट, विद्युत तंत्र में सिंक्रोफेसर अनुप्रयोग, विद्युत तंत्र इष्टतमीकरण, विद्युत तंत्र में एआई अनुप्रयोग	
2.	डॉ. डी. एम. विनोद कुमार प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.		
3.	डॉ. शिव सरमा डी.वी.एस.एस. प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.	विद्युत उपकरणों का दोष निदान, विद्युत गुणवत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण	
4.	डॉ. एन. सुब्रह्मण्यम प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.		
5.	डॉ. भगवान कृष्ण मूर्ति प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.		

6.	डॉ. विश्वनाथन एन. प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.	अनुनादी विद्युत परिवर्तक, प्रेरण तापन अनुप्रयोग, एलईडी ड्राइवर्स के लिए विद्युत परिवर्तक, बैटरी चार्जर्स, उच्च लब्धि परिवर्तक	
7.	डॉ. सोमशेखर वी.टी. प्रोफ़ेसर (एचएजी)	पीएच.डी.		
8.	डॉ. श्रीनिवास राव एस. प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां; विद्युत गुणवत्ता; पॉवर इलेक्ट्रॉनिक परिवर्तक; प्रेरण मोटर ड्राइव; एकध्रुवीय और द्विध्रुवी डीसी माइक्रोग्रिड्स, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसर नियंत्रित ड्राइव ।	
9.	डॉ. श्रीकांत एन.वी. प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.	एचवीडीसी व एफ़एसीटीएस, पावर सिस्टम और स्मार्ट इलेक्ट्रिक ग्रिड के लिए एआई तकनीकों का अनुप्रयोग । उन्नत मशीन लर्निंग आदि का उपयोग कर माइक्रो ग्रिड मॉडलिंग नियंत्रण और स्थिरता वृद्धि।	
10.	डॉ. चिंताम वेंकैया प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.		
11.	डॉ. नरसिम्हाराजू बी.एल प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.	लाइटिंग प्रणाली के लिए ग्रिड और पीवी फेड एलईडी ड्राइवर्स; बहुस्तरीय विद्युत परिवर्तक; स्विच्ड अनिच्छा मोटर ड्राइव	

12.	डॉ. पोरपंडीसेल्वी एस. एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पीवी फेड एलईडी ड्राइवर्स, प्रेरण तापन अनुप्रयोग, उच्च आवृत्ति सॉफ्ट-स्विच्ड इनवर्टर्स	
13.	डॉ. सुरेश बाबू पर्ली एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विद्युत तंत्र संरक्षण, इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्ट ग्रिड	
14.	डॉ. ए. किरुबाकरन एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स - डीसी-डीसी परिवर्तक, डीसी-एसी इनवर्टर्स, मल्टीलेवल इनवर्टर्स, विद्युत गुणवत्ता और ग्रिड इंटरफेस, नवीकरणीय एवं वितरित जनरेशन	
15.	डॉ. भूक्या नागु एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
16.	डॉ. जी. शिव कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विद्युत प्रणाली, नवीकरणीय प्रणाली और एसी माइक्रोग्रिड के लिए पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग	
17.	डॉ. डी. श्रीनिवासराव एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.		

18.	डॉ. ए. वी. गिरिधर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	उच्च वोल्टता अभियांत्रिकी, विद्युत उपकरणों का अवस्था मॉनीटरन एवं निदान, स्पंदित विद्युत प्रौद्योगिकी, नैनो डाइइलेक्ट्रिक्स ।	
19.	डॉ. एम. उदय भास्कर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स - द्वि-दिशात्मक डीसी-डीसी परिवर्तक, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, डिजिटल नियंत्रण प्रणाली	
20.	डॉ. श्रीनिवासन प्रदाबने असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
21.	डॉ. वाई. चंद्रशेखर असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विद्युत प्रणालियों में नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन; माइक्रोग्रिड्स; मल्टी-माइक्रोग्रिड्स; इष्टतमीकरण तकनीकें, मेटा-ह्यूरिस्टिक तकनीकें; द्रुत ईवी चार्जिंग स्टेशन; स्मार्ट ग्रिड के लिए ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकियां	
22.	डॉ. चौ. रामुलु असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
23.	डॉ. विनय कुमार टी. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स	

24.	डॉ. सतीश कुमार I असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
25.	डॉ. अल्ताफ क्यू. एच. बदर असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विकासवादी इष्टतमीकरण तकनीकें, ऊर्जा विपणन, ऊर्जा प्रबंधन	
26.	डॉ. स्वाति देवभक्तुनी असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स - डीसी-डीसी परिवर्तक, डीसी-एसी इनवर्टर्स, ग्रिड इंटरफेस, प्रेरण मोटर ड्राइव, रैखिक प्रेरण मोटर ड्राइव, नियंत्रण प्रणाली	
27.	डॉ. पलाश मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
28.	डॉ. राम कृष्ण असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
29.	डॉ. आर. जयसेंथिल असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		

30.	डॉ. दीपक आर. पुल्लागुराम असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
31.	डॉ. कनसोत्तु अनिल नाइक असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	पवन ऊर्जा प्रणाली ग्रिड एकीकरण मुद्दे; विद्युत प्रणाली में अभिज्ञ नियंत्रण तकनीकों के अनुप्रयोग; विद्युत प्रणाली में डीएसपी तकनीकों के अनुप्रयोग	
32.	डॉ. देबस्मिता पांडा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		
33.	डॉ. महम्मद नबाब आलम असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विद्युत प्रणाली संरक्षण; माइक्रोग्रिड्स; नेटवर्कयुक्त माइक्रोग्रिड्स की आयोजना और इष्टतमीकरण;	

वित्तपोषित शोध परियोजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक व पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि (रु.लाख में)	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या	2021-2022 में प्राप्त किश्त
1.	इष्टतम पीएमयू प्लेसमेंट का उपयोग कर सुरक्षा विश्वसनीयता वृद्धि के साथ क्षेत्रीय और संयुक्त भारतीय पॉवर ग्रिड में ब्लैकआउट रोकथाम और त्वरित सेवा बहाली - डॉ सुरेश बाबू पर्ली	24.84	एसईआरबी - भारत सरकार	ईईक्यू/2018/ 000128	22.02.2022 को बंद की गई
2.	विभिन्न पदार्थों के बर्तनों के लिए सीधे एसी-एसी परिवर्तन के साथ उच्च पीएफ ग्रिड से जुड़े इंडक्शन कुकर का विकास डॉ. एस. पोरपंडीसेल्वी, प्रोफे. एन. विश्वनाथन, प्रोफे. बी.एल. नरसिम्हाराजू,	32.89	एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार	सीआरजी/2018/ 004568	4,00,000/-
3.	"कम टॉर्क रिपल के साथ फोटो-वोल्टेइक आधारित हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोगों के लिए एक बहु-चरण स्थायी चुम्बक तुल्यकालिक मोटर के लिए मॉडल पूर्वानुमानी नियंत्रण रणनीतियों का अन्वेषण और क्रियान्वयन", डॉ. टी. विनय कुमार	24	एसईआरबी - भारत सरकार	फ़ाइल नं. ईईक्यू/ 2020/000072, 10 दिस., 2020	6,00,000/-

पेटेंट

क्रम संख्या	फ़ाइल करने का दिनांक	पेटेंट का शीर्षक	पेटेंट आवेदक का (के) नाम	पेटेंट नं.	विभाग	पेटेंट राष्ट्र	पेटेंट स्थिति
1.	11.11.2016	एलईडी आधारित स्ट्रीट लाइटिंग अनुप्रयोग के लिए फुल-ब्रिज सॉफ्ट स्विच्ड ड्राइवर	डॉ. नेति विश्वनाथन, डॉ. एस. पोरपंडीसेल्वी, श्री काशी राम कृष्णा रेड्डी च	आवेदन नं. 201641 038698	विद्युत	भारत	25.11.2016 को प्रकाशित, एफ़ईआर को जवाब 17.12.2019 को प्रस्तुत

2.	07.09.2016	स्वतंत्र नियंत्रण के साथ इंडक्शन कुकिंग अनुप्रयोग के लिए तीन-आउटपुट इनवर्टर के लिए चक्रीय ऑन-ऑफ नियंत्रण	डॉ. नेति विश्वनाथन, श्री देवरा विजय भास्कर, डॉ. तन्मय मैती, डॉ. एस पोरपंडीसेल्वी	आवेदन नं. 201641 030518	विद्युत	भारत	30.09.2016 को प्रकाशित, एफ़ईआर को जवाब 15.05.2020 को प्रस्तुत किया
3.		सुरक्षा बढ़ाने और दोष सहिष्णुता में सुधार करने के लिए मॉडल	डॉ. सुरेश बाबू पर्ली		विद्युत	भारत	प्रकाशन नं. 26/2022
4.		आईओटी के माध्यम से स्वचालित डिवाइस व नेटवर्क कॉन्फ़िगरेशन और स्वचालित प्रणाली अपडेट के लिए एक वेब-सक्षम स्मार्ट होम गेटवे	डॉ. सुरेश बाबू पर्ली		विद्युत (होम ऑटो मेशन)	आस्ट्रेलिया	पेटेंट नं. 202110 7349

पीएच.डी. अनुसंधान मार्गदर्शन

1. चेजरला मधु किशोर (रोल नंबर 701609) ने प्रोफे. एम. शैलजा कुमारी के मार्गदर्शन में "इंवेस्टिगेशन ऑन सिन्क्रोफेसर असिस्टेड पॉवर सिस्टम स्टेट एस्टीमेशन", मार्च 2022.

2. श्री कुसुमा ईश्वर (रोल नंबर 717118) ने डॉ. टी. विनय कुमार के मार्गदर्शन में "मॉड़िफाइड डायरेक्ट टॉर्क एंड प्रेडिक्टिव टॉर्क कंट्रोल मेथड्स फॉर परमानेंट मैग्नेट मोटर ड्राइव", नवम्बर 2021

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में की गई थी। विभाग वर्तमान में लगभग 170 छात्रों के प्रवेश के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में एक अवर स्नातक पाठ्यक्रम अर्थात बी.टेक, सात एम.टेक. पाठ्यक्रम - थर्मल अभियांत्रिकी, विनिर्माण अभियांत्रिकी, कंप्यूटर समेकित विनिर्माण, मशीन डिजाइन, ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी, पदार्थ एवं प्रणालियां अभियांत्रिकी डिजाइन, योजक विनिर्माण - योजक विनिर्माण में एक पीजी डिप्लोमा और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है। वर्तमान में, विभाग में यांत्रिक अभियांत्रिकी की विभिन्न विशेषज्ञताओं में अनुसंधान विशेषज्ञता वाले 48 फ़ैकल्टी सदस्य हैं। विभाग के पास प्रायोगिक और सिमुलेशन-आधारित अनुसंधान दोनों के लिए अच्छी शोध सुविधाएं हैं। विभाग का प्रतिष्ठित उद्योगों और एनएफटीडीसी, डीएमआरएल, डीआरडीएल, एआरसीआई, बीएचईएल, सीएमटीआई, सीपीआरआई आदि जैसे अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ संपर्क है। विभाग के सभी फ़ैकल्टी अनुसंधान एवं विकास और परामर्श में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वर्तमान में विभाग 3.00 करोड़ रुपये की लगभग 25 वित्त पोषित परियोजनाएं कर रहा है। विभाग ने हाल ही में टीईक्यूआईपी-**III** अनुदान के तहत 1.4 करोड़ रुपये की लागत से एक धातु 3**D** प्रिंटर प्राप्त किया है। संस्थान डिजिटल विनिर्माण और विनिर्माण में उद्योग **4.0** में सीमेंस उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना कर रहा है जिसमें विभाग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग बड़ी संख्या में प्रकाशन करता है, और नियमित रूप से उद्योग को समाधान प्रदान करता है और उद्योग कर्मियों के लिए कार्यशालाओं, सम्मेलनों और कार्यकारी कार्यक्रमों जैसी नियमित आउटरीच गतिविधियों में भी सक्रिय है। विभाग को एम.टेक और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए क्यूआईपी केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है।



फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. वी. सुरेश बाबू, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	यांत्रिकता, गतिकी, कंपन, सम्मिश्र पदार्थ, दोष निदान	
2.	*डॉ. आर.वी. चालम, प्रोफे. एमेरिटस	पीएच.डी.		
3.	डॉ. के. मधुमूर्ति, प्रोफेसर	पीएच.डी.	थर्मल अभियांत्रिकी; आईसी इंजन; जैव ईंधन; उद्यमशीलता; औद्योगिक और लघु उद्यम प्रबंधन	
4.	डॉ. सी. सूर्या प्रकासा राव, प्रोफेसर	पीएच.डी.	विनिर्माण	
5.	डॉ. एल. कृष्णानंद, प्रोफेसर	पीएच.डी.	औद्योगिक अभियांत्रिकी; सीएडी/ सीएएम; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; योजक विनिर्माण	

6.	डॉ. एस. श्रीनिवास राव, प्रोफेसर	पीएच.डी.	डीवीआई-प्रावस्था प्रवाह, आई.सी. इंजन, प्रायोगिक ऊष्मा अंतरण, सौर ऊर्जा	
7.	डॉ. ए. नीलकंटेश्वर राव, प्रोफेसर	पीएच.डी.	प्रचालन प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, प्रतिबंधों का सिद्धांत, गुणवत्ता अभियांत्रिकी और प्रबंधन	
8.	डॉ. पी. बंगारू बाबू, प्रोफेसर	पीएच.डी.	यांत्रिक कंपन; कंपन नियंत्रण; परिमित तत्व विश्लेषण; यांत्रिकता विज्ञान; अभियांत्रिकी डिजाइन, घूर्णक गतिकी, वाहन गतिकी ।	
9.	डॉ. ए. वेणुगोपाल, प्रोफेसर	पीएच.डी.	पारंपरिक और गैर-पारंपरिक मशीनिंग, उच्च गति मशीनिंग के लिए लेपन, द्रुत प्रोटोटाइपिंग, मेट्रोलॉजी	
10.	डॉ. एन. सेल्वराज, प्रोफेसर	पीएच.डी.	मॉडलिंग और सिमुलेशन, लचीली विनिर्माण प्रणाली, सीएनसी प्रौद्योगिकी, मशीन टूल्स, पुल प्रणाली और सम्मिश्र पदार्थ ।	
11.	डॉ. के. वी. साईं श्रीनाथ, प्रोफेसर	पीएच.डी.	पदार्थों का यांत्रिक व्यवहार, विनिर्माण प्रक्रिया	

12.	डॉ. पी. रवि कुमार, प्रोफेसर	पीएच.डी.	आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, एयर कार का डिजाइन, ईंधन सेल कार (सौर/हाइड्रोजन), फ्लाइंग कार, इंजन सिमुलेशन, लीन बर्न दहन, रूद्धोष्म इंजन, सीएनजी और एचसीएनजी इंजन, निकास गैस पुनःसंचरण, टर्बोचार्जर इंजन।	
13.	डॉ. जी. अम्बा प्रसाद राव, प्रोफेसर	पीएच.डी.	आईसी इंजन; इंजन निकास उत्सर्जन नियंत्रण; वैकल्पिक ईंधन; एचसीसीआई, दहन	
14.	डॉ. आर. नरसिह्मा राव, प्रोफेसर	पीएच.डी.	ट्राइबोलॉजी, शुद्धगति विज्ञान और मशीनरी गतिकी , मशीन डिजाइन, परिमित तत्व विधियां, उन्नत हल्के भार सम्मिश्र	
15.	डॉ. अदेपु कुमार, प्रोफेसर	पीएच.डी.	फ्रिक्शन स्टिर वेल्डिंग/प्रक्रमण, योजक विनिर्माण, विद्युत अनावेशन मशीनिंग, माइक्रो/नैनो सम्मिश्रों का निर्माण और अभिलक्षणन	
16.	श्री. जी. आर. के. गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर	एम.टेक.	सीएफडी, टर्बो-मशीनें, जेट नोदन	
17.	श्री. आई.ए.के. रेड्डी, एसोसिएट प्रोफेसर	एम.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी के अवयव	

18.	डॉ. ए. वीरेश बाबू, प्रोफेसर	पीएच.डी.	आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण, ईंधन सेल, प्रशीतन और एयर-कंडीशनिंग	
19.	डॉ. वाई. रवि कुमार, प्रोफेसर	पीएच.डी.	सीएडी/सीएएम/सीआईएम, द्रुत प्रोटोटाइपिंग, योजक विनिर्माण, 3-डी प्रिंटिंग, बायो-कैड, बायो-प्रिंटिंग	
20.	डॉ. एम. जोसेफ डेविडसन, प्रोफेसर	पीएच.डी.	धातु फॉर्मिंग, सीएडी/सीएएम, सांख्यिकीय मॉडलिंग	
21.	डॉ. पी. सुभाश चंद्र बोस, प्रोफेसर	पीएच.डी.	उच्च तापमान मिश्रधातुओं की मशीनिंग, सीएनसी प्रौद्योगिकियां, इष्टतमीकरण तकनीकें, सम्मिश्र पदार्थ	
22.	डॉ. वी. वासु, प्रोफेसर	पीएच.डी.	नैनो-पदार्थ, नैनो-तरल, नैनो-सम्मिश्र, पदार्थ परीक्षण, टिकाऊ विनिर्माण, धातु कर्तन, माइक्रो-नैनो मशीनिंग मेकाट्रॉनिक्स और प्रणाली नियंत्रण	
23.	डॉ. जी. नागा श्रीनिवासुलु, प्रोफेसर	पीएच.डी.	आईसी इंजन; ऊष्मा अंतरण और टर्बो मशीनें	

24.	डॉ. पी. वामसी कृष्णा, प्रोफेसर	पीएच.डी.	टिकाऊ विनिर्माण; मशीनिंग में ठोस स्नेहकों का अनुप्रयोग; मशीनिंग में नैनो-सामग्री का अनुप्रयोग ।	
25.	डॉ. के. किरण कुमार, प्रोफेसर	पीएच.डी.	थर्मल अभियांत्रिकी; ऊष्मा अंतरण; नैनो-तरल; प्रशीतन और एयर-कंडीशनिंग; सीएफडी; गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत ।	
26.	डॉ. वी. राजेश खन्ना राजू, प्रोफेसर	पीएच.डी.	द्रव गतिकी, ऊष्मा अंतरण, सीएफडी, दहन, माइक्रोतरल	
27.	डॉ. श्रीकांत कोरला, प्रोफेसर	पीएच.डी.	दाब विद्युत ऊर्जा दोहन, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, उत्पाद डिजाइन और विकास	
28.	डॉ. हरि कुमार वोरुगंती, प्रोफेसर	पीएच.डी.	सीएडी के लिए ज्यामितीय मॉडलिंग, परिमित तत्व / सम-ज्यामितीय विश्लेषण, रोबोटिक्स और अनुप्रयुक्त इष्टतमीकरण ।	
29.	डॉ. डी. जया कृष्णा, प्रोफेसर	पीएच.डी.	सौर ऊर्जा का उपयोग, सीएफडी, गुप्त ऊष्मा भंडारण सामग्री, क्रिकेट बॉल की वायुगतिकी, ऊष्मा लाइन कल्पना, संरंध्र माध्यम में ऊष्मा अंतरण	

30.	डॉ. बी. सतीश बेन, प्रोफेसर	पीएच.डी.	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, टूल स्थिति निगरानी, नैनो सम्मिश्र	
31.	डॉ. वी. पी. चंद्र मोहन, प्रोफेसर	पीएच.डी.	(i) कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी (ii) संवहन और चालन ऊष्मा अंतरण (iii) शुष्कन और ऊष्मा व द्रव्यमान अंतरण का एक साथ समाधान (iv) वैकल्पिक ईंधन और हाइड्रोजन ईंधन सेल (v) प्रयोगात्मक ऊष्मा अंतरण	
32.	डॉ. टी. सदाशिव राव, एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विनिर्माण अभियांत्रिकी और फाउंड्री प्रौद्योगिकी	
33.	डॉ. सैयद इस्माइल, एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सतह बनावट; स्नेहन	
34.	डॉ. कार्तिक बालासुब्रमण्यम, एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	माइक्रोचैनल प्रवाह क्वथन; प्रावस्था परिवर्तन उष्मसा अंतरण; माइक्रोतरल अध्ययन; तापीय प्रबंधन; सौर तापीय; सौर पीवी और हाइब्रिड तंत्र; एचवीएसी तंत्र ।	
35.	डॉ. जी. राघवेंद्र, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	सम्मिश्र, नैनो-पदार्थ, ट्राइबोलॉजी, बहुलक सम्मिश्र ।	

36.	डॉ. गुडीपादु वेंकटेश, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	अपघर्षक प्रवाह मशीनिंग, चुंबकीय अपघर्षक परिष्करण, गैर-पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाएं, माइक्रोवेव पदार्थ प्रक्रमण, हाइब्रिड मशीनिंग, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएं, सतह अभियांत्रिकी ।	
37.	डॉ. विजय कुमार मनुपती, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	विनिर्माण तंत्र डिज़ाइन, आपूर्ती श्रंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली इष्टतमीकरण और सिमुलेशन, कुशल विनिर्माण प्रणालियां, कृत्रिम एवं मशीन बौद्धिकतातकनीकों सहित सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकें ।	
38.	डॉ. पी. सुरेश, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	वितरित-पुनर्विन्यासी (1डी-3डी) और एकीकृत मैक्रो/माइक्रो संसूचक डिज़ाइन; अविनाशी परीक्षण और तरंग प्रसार; ठोस/तरल पदार्थों का तापमान-आश्रित पदार्थ अभिलक्षण मापन; साथ ही उन्नत ऊर्जा में रुचि।	
39.	डॉ. मर्रापू भार्गव, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	धातु फॉर्मिंग - शीट धातु फॉर्मिंग, फॉर्मेबिलिटी आकलन व पूर्वानुमान, हाइड्रोफॉर्मिंग और उच्च तापमानों पर फॉर्मेबिलिटी, पदार्थों का यांत्रिक व्यवहार, ऊष्मा उपचार प्रक्रियाएं, पदार्थ मॉडल विकास	
40.	डॉ. हरि कृष्णा चिलुकोटी, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	नैनोस्केल ऊष्मा और द्रव्यमान अंतरण; आणविक गतिकी	
41.	डॉ. अनंत कुमार राय, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	तरल यांत्रिकी, द्रवचालित टर्बाइन, टर्बोमशीनरी, जलविद्युत, नवीकरणीय ऊर्जा, पदार्थ घिसाव परीक्षण, तलछट परिवहन	

42.	डॉ. शिवरामन, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	वेल्डिंग, घिसाव, संक्षारण और वेल्डिंग धातुकर्म	
43.	डॉ. मंजैया एम., असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	उन्नत विनिर्माण, आकार मेमोरी मिश्रधातु , योजक विनिर्माण, सतह अभियांत्रिकी	
44.	डॉ. गौरव कुमार शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	कंप्यूटर सहायित डिजाइन, डिजिटल विनिर्माण, उत्पाद डिजाइन	
45.	डॉ. सत्यानंद अब्राहम, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	इलेक्ट्रॉनिक पैकेज का तापीय प्रबंधन, गैस टर्बाइन और वाहन बैटरी, अपशिष्ट ऊष्मा पुनरप्राप्ति, सतह आर्द्रशीलता	
46.	डॉ. गंगाधरुडु तल्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	गैर-पारंपरिक मशीनिंग, धातु कर्तन, सतह अभियांत्रिकी, सूक्ष्म मशीनिंग	
47.	डॉ. थामराई सेलवन, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल ठोस यांत्रिकी, संपर्क यांत्रिकी, एफ़ईएम, एफ़जीएम, परत अवस्तर प्रणालियां	

48.	डॉ. प्रसांथ आनंद कुमार लैम, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	कम्प्यूटेशनल तरल गतिकीऔर ऊष्मा अंतरण, इलेक्ट्रॉनिक्स शीतलन, ऊष्मा अंतरण संवर्धन, ऊष्मा विनियामक डिज़ाइन, प्रशीतन और एयर-कंडीशनिंग	
49.	डॉ. चिनिज संपत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	तरल धातु शीतलन, जेट टकराव, संरन्ध्र माध्यम, लैटिस बोल्ट्ज़मैन विधि	

पेटेंट

ए. फ़ाइल किए

पी.एस. रंजीत, ए. वीरेश बाबू, "स्टीयरिंग डिजाइन - पार्ट III: इवैल्यूएशन ऑफ एंगल बिटवीन हॉरिजॉन्टल सेंटर लाइन ऑफ द पिवोट सेंटर्स टु ड्रॉप आर्म्स ऑफ लेफ्ट साइड व्हील ऑफ एकरमैन स्टीयरिंग मैकेनिज्म बेस्ड स्टीयरिंग के ऑन ऑटोमोबाइल बाइ कंसिड़रिंग द एक्यूट एंगल"।

अदेपु कुमार और पी. नरेश, "मल्टी-ग्रूव टेक्निक टु फार्मूलेट बल्क हाईब्रिड सरफेस मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट्स बाइ फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग"।

बी. प्रकाशित

चंद्रमोहन वी.पी., रामकृष्ण बालिजेपल्ली, प्रीतम दास, के. किरणकुमार, "डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ सोलर अप- ड्राफ्ट टॉवर्स (एसयूटी) प्लांट फॉर जनरेटिंग इलेक्ट्रिकल पॉवर : ए नॉवेल स्ट्रक्चर, अप्रोप्रिएट मटीरियल्स विद ऑप्टिमाइज्ड कलेक्टर एंगल", भारतीय पेटेंट।

श्रीकांत कोरला, सूर्यवंशी निखिल रामकृष्ण, "पेन स्टैंड पजल", भारतीय पेटेंट।

श्रीकांत कोरला, आकाश पाइडलवार, शुभम अवशी, सौमय अग्रवाल, "ड्यूल सिक्योरिटी पैड-लॉक", भारतीय पेटेंट।

सी. स्वीकृत

सुरेश पेरियान्नन और के. बालासुब्रमण्यम, "अल्ट्रासोनिक वेवगाइड टेक्निक फॉर डिस्ट्रिब्यूटेड सेन्सिंग & मेजरमेंट ऑफ फिजिकल & केमिकल प्रापर्टिज ऑफ सराउंडिंग मीडिया"।

सुरेश पेरियानन, के. बालासुब्रमण्यम, "इंटीग्रेटेड थर्मोकपल वेवगाइड सेंसर सिस्टम एंड मेथड – टु मेशर फिजिकल प्रापर्टिज ऑफ वेवगाइड मटीरियल एंड सराउंडिंग्स"।

कटकम विष्णु श्री शांतनु और देवानुरी जया कृष्णा, "ए माड़िफाइड रेफ्रिजरेशन सिस्टम फॉर बायोमेडिकल स्टोरेज"।

सुष्यंत श्रीधर, देवानुरी जया कृष्णा व पत्री श्रीहरि राव,"ए सोलर पॉवर्ड कूलिंग चेंबर फॉर स्टोरिंग फॉर्म प्रोड्यूस"।

प्रशांत ए. लाम, विजया हनमंत बिचाकर, रतुल मैती, मुकेश मुथमिलन, हृषिकेश सी. प्रभु, "शेल्फ असेंबली फॉर एन एप्लायंस"।

ए. मनमाधाचारी, आदित्य मोहन अलवाला, वी. गिरिधर कुमार, वाई. रवि कुमार, "इम्प्लांटेबल डिवाइस फॉर टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट एंड मेथड ऑफ प्रोडक्शन देयरऑफ"।

वित्तपोषित शोध परियोजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक	स्वीकृत राशि	स्वीकृत करने वाली एजेंसी
1.	बेरा सतीश बेन, "डेवलपआमेंट ऑफ सेल्फ-हीलिंग मटीरियल्स बेस्ड ऑन थर्मली रिवर्सिबल पॉलीमर फॉर बायोमिमेटिक स्ट्रक्चरल एप्लीकेशंस"।	24.11 लाख	एसईआरबी, डीएसटी
2.	अनंत कुमार राय, "एनहान्सिंग परफार्मेंस कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ ए सेंट्रीफ्यूगल पंप इन इरोसिव कंडीशन्स"।	26.06 लाख	एसईआरबी, डीएसटी
3.	शिवरामन और अदेपु कुमार, "मैकेनिकल एंड ट्राइबोलॉजिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ Al-Si प्रॉडक्ट डेवलप्ड बाइ वायर आर्क एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग"।	23.74 लाख	एआरडीबी
4.	वी.वी.मणि, वी. वासु, "इंडिजिनस टेस्ट बेड फॉर इंडस्ट्री 4.0 यूजिंग विजिबल लाइट कम्युनिकेशन विद इंटरनेट ऑफ थिंग्स"।	30.84 लाख	आसियान-डीएसटी

5.	वी. वासु, डी. काशीनाथ, "सिनर्जीस्टिक इफेक्ट ऑफ फॉस्फोनियम, अमोनियम बेस्ड आयनिक लिक्विड एंड नैनो लुब्रिकेंट्स ऑन द ट्राइबोलॉजिकल एंडरियोलॉजिकल प्रापर्टीज़" ।	16.6 लाख	एसईआरबी, डीएसटी
6.	चंद्रमोहन वी.पी., कार्तिक बालासुब्रमण्यम, "डेवलपमेंट ऑफ एक्टिव कूलिंग फॉर एवियोनिक्स" ।	14.39 लाख	डीआरडीओ
7.	अदेपु कुमार, किशोर कुमार बाबू, महेश कुमार, "इन्वेस्टीगेशन ऑफ इंटरफेशियल इंटरेक्शन एंड ग्रैन स्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन फ्रिक्शन स्टिर वेल्ड्स फॉर डिससिमिलर जाइनिंग ऑफ हाई स्ट्रेंथ एल्यूमीनियम टु टाइटेनियम ऐलोय्स" ।	10.04 लाख	डीएसटी
8.	बी. सतीश बेन, "डेवलपमेंट ऑफ एफआरपी कंपोजिट्स विद क्रैक अरेस्ट एंड सेल्फ हीलिंग टु मैंटेन स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी" ।	30.06 लाख	डीएसटी - एसईआरबी
9.	जी. नागा श्रीनिवासुलु (पीआई), एस. श्रीनिवास राव और वी.वासु, "एक्सपरिमेंटल इन्वेस्टीगेशन ऑन डिफरेंट ज्योमेट्रीकल शेप्स ऑफ पैसिव डायरेक्ट मेथनॉल फ्यूल सेल स्टैक्स फॉर लो पावर एप्लीकेशन्स" ।	43.24 लाख	स्पार्क
10.	जी.नागा श्रीनिवासुलु (पीआई), एस.श्रीनिवास राव, अंबा प्रसाद राव एवं वी.आर.के.राजू, "सिमुलेशन एंड एक्सपरिमेंटल इवेल्यूएशन ऑफ ड्यूल फ्यूल होमोजीनीयस चार्ज कंप्रेशन इग्निशन इंजन" ।	36.78 लाख	स्पार्क
11.	जी.नागा श्रीनिवासुलु (पीआई), पी.वी.सुरेश एंड एस. श्रीनिवास राव, "डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ पैसिव डायरेक्ट मेथनॉल फ्यूल सेल इंटीग्रेटेड विद लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट फॉर पोर्टेबल पावर एप्लीकेशन्स" ।	19.45 लाख	एसईआरबी - ईएमआर
12.	गुडीपाडु वेंकटेश, "मैन्युफेक्चरिंग ऑफ एड्वान्स्ड़ मटीरियल्स यूजिंग माइक्रोवेव हाइब्रिड हीटिंग हीटिंग" ।		एमएचआरडी-एनआईटीडब्ल्यू
13.	पी. वामसी कृष्णा (सह-पीआई), विद्युत अनुप्रयोगों के लिए स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के लिए उन्नत सामग्री एवं विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय केंद्र	90.81 लाख	डीएसटी-एआरसीआई
14.	पी. वामसी कृष्णा (पीआई), "वाइब्रेशन असिस्टेड टर्निंग फॉर इम्प्रूविंग फटिग लाइफ ऑफ Ti6Al4V एयरोस्पेस कम्पोनेंट्स" ।	28.6 लाख	डीएसटी-एएमटी
15.	आर. नरसिम्हा राव, सैयद इस्माइल, "इनसाइट डेवलपमेंट ऑफ ट्राइबोलॉजिकल रिस्पांस ऑफ हाइब्रिड एल्यूमीनियम बेस्ड नैनोकंपोजिट्स फॉर ट्रांसपोर्ट सेक्टर" ।	40.52 लाख	स्पार्क
16.	श्रीकांत के., उदय भास्कर एम., "मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ एनर्जी हार्वेस्टिंग यूजिंग पीजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स एंड सुपर कैपेसिटर्स" ।	6.75 लाख	आरसीआई - डीआरडीओ
17.	सुरेश पेरियान्नन, "अल्ट्रासोनिक सेंसर्स डिजाइन एंड डेवलपमेंट फॉर इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन" ।	5.0 लाख	एमएचआरडी-एनआईटीडब्ल्यू
18.	सैयद इस्माइल, "डेवलपमेंट ऑफ मल्टी-स्केल टेक्सचर्ड पिस्टन रिंग एंड स्टडी ऑफ इट्स इम्पैक्ट ऑन द फ्यूल इकोनॉमी ऑफ एन इंटरनल कम्बशन इंजन" ।	32.04 लाख	एसईआरबी

19.	वी.के मनुपति, “डेवलपिंग ऑफ टेलीफेक्चरिंग बेस्ड डिस्ट्रीब्यूटेड मैन्युफेक्चरिंग सपोर्ट सिस्टम फॉर ऑप्टिमल मैन्युफेक्चरिंग सर्विस फॉर इंडियन स्माल एंड मीडियम स्केल एंटरप्राइजेस” ।	5.0 लाख	एमएचआरडी-एनआईटीडब्ल्यू
20.	वी.के मनुपति, “डेवलपिंग ऑफ टेलीफेक्चरिंग बेस्ड डिस्ट्रीब्यूटेड मैन्युफेक्चरिंग सपोर्ट सिस्टम फॉर ऑप्टिमल मैन्युफेक्चरिंग सर्विस फॉर इंडियन स्माल एंड मीडियम स्केल एंटरप्राइजेस” ।	13.59 लाख	
21.	वी.के. मनुपति, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एंड डीप लर्निंग एप्लीकेशन्स इन प्रोडक्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स” ।	9.0 लाख	डीएसटी - आईसीपीएस
22.	के. मधु मूर्ति, डॉ. डी. जया कृष्णा, डॉ. ए. वीरेश बाबू, और प्रोफे. जी. अंबाप्रसाद राव, "इंटरनल फ़्लो फील्ड एनालिसिस ऑफ सॉलिड रॉकेट मोटर विद थ्रस्ट टर्मिनेशन पोर्ट्स" ।	9,93,850	एएसएल, डीआरडीओ

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 1971 में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय वारंगल (आरईसीडब्ल्यू) की स्थापना के साथ हुई थी, जो आरईसी की श्रृंखला में पहला था । इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों के यूजी और पीजी छात्रों के अध्यापन में कार्यरत है । विभाग में अत्यधिक योग्य, प्रेरित और अनुभवी फ़ैकल्टी हैं, जो पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं और अनुसंधान परियोजनाओं को कार्यान्वित करते हैं । विभाग इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंटेशन व एंबेडेड सिस्टम, वीएलएसआई तंत्र डिजाइन और उन्नत संचार में विशेषज्ञता के साथ तीन वर्षीय एम.टेक कार्यक्रम संचालित करता है । विभाग शोध में सक्रिय रूप से कार्यरत है और कई प्रायोजित आर&डी परियोजनाएं कर रहा है । विभाग की फ़ैकल्टी, उद्योग की समस्याओं के समाधान प्रदान करने में सलाहकार के रूप में सक्रिय रूप से कार्यरत है । विभाग के शैक्षणिक कार्यक्रमों को देश में शीर्ष श्रेणी में माना जाता है । स्नातक कर रहे छात्रों को अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और इंटेल, क्वालकॉम, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, कैडेंस, सैनडिस्क, ज़िलिंक्स, सिनॉप्सिस आदि सहित उद्योगों में साथ ही ओरेकल, गोल्डमैन सैक्स, माइक्रोसॉफ्ट, मैथवर्क्स आदि जैसी सॉफ्टवेयर कंपनियों में अच्छी तरह नियोजित किया जाता है । विभाग को रक्षा प्रयोगशालाओं, एएमडी, ईसीआईएल, इंटेल, ऑस्ट्रिया माइक्रो सिस्टम्स के साथ उत्कृष्ट शोध सहयोग प्राप्त है ।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग भारत में सभी एनआईटी के बीच देश के बड़े ईसीई विभागों में से एक है और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल (एनआईटीडब्ल्यू) के सबसे बड़े विभागों में से एक है । एनआईटीडब्ल्यू में ईसीई विभाग अध्यापन, शोध एवं सेवा में उत्कृष्टता की एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा रहा है । शोध के क्षेत्रों में एमएचआरडी, डीएसटी, रक्षा मंत्रालय, मैती आदि द्वारा प्रायोजित स्मार्ट एंटीना, मिलीमीटर-वेव फ्रंट-एंड, आईसी डिजाइन, 5जी संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग शामिल हैं ।



फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता एवं कार्यभार ग्रहण दिनांक	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	प्रोफे. श्रीहरि राव पत्री	पीएच.डी.	एनालॉग और मिश्रित-सिग्नल आईसी डिजाइन, पावर प्रबंधन आईसी, आईओटी अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट एसओसी डिजाइन, संचार प्रणाली, स्मार्ट संसूचक, एसईआरडीईएस सर्किट	
2.	प्रोफे. नरसिम्हा सरमा एन. वी.एस.	पीएच.डी.	संख्यात्मक विद्युत चुम्बकीय एएनएन और बेतार संसूचक नेटवर्क ऐन्टेना	
3.	प्रोफे. टी. किशोर कुमार	पीएच.डी. डीओजे 01.06.1999	वार्ता के लिए कृत्रिम बौद्धिकता एवं मशीन लर्निंग, छवि और एएमपी; चिकित्सा अनुप्रयोग, वास्तविक काल अंतःस्थापित तंत्र और इंटरनेट ऑफ थिंग्स	
4.	प्रोफे. एल अंजनेयुलु	पीएच.डी. डीओजे 27.04.1997	कंप्यूटर नेटवर्क, ऐन्टेना, माइक्रोवेव अभियांत्रिकी, सिग्नल प्रोसेसिंग, रडार सिग्नल प्रोसेसिंग, ऐन्टेना अधोजल संचार	
5.	प्रोफे. एन. भीमा राव	पीएच.डी. डीओजे 09.06.1993	आरएफ अनुप्रयोगों लिए ऑन-चिप प्रेरक और डिवाइस मॉडलिंग	
6.	प्रोफे. सी.बी. रामाराव	पीएच.डी. डीओजे 28.08.1982	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग, डीएसपी आर्किटेक्चर और एल्गोरिदम।	
7.	प्रोफे. बी. लक्ष्मी	पीएच.डी. डीओजे 04.04.1990	आईओटी वीएलएसआई आर्किटेक्चर अंतःस्थापित तंत्र डिज़ाइन एफ़पीजीए डिज़ाइन अल्प शक्ति वीएलएसआई डिज़ाइन	

8.	प्रोफे. टी.वी.के. हनुमंत राव	पीएच.डी.	चिप पर बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और दोष सह्य नेटवर्क	
9.	प्रोफे. डी. वाकुला	पीएच.डी. डीओजे 30.11.2006	बहुकार्य ऐन्टेना, अल्ट्रावाइडबैंड ऐन्टेना, मेटामटीरियल्स, ऐन्टेना एरे का दोष निदान, वेवगाइड स्लॉट विकिरक, अनुकोण ऐन्टेना, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क, टेराहट्र्ज़ प्रणाली	
10.	प्रोफे. वी.वी. मणि	पीएच.डी.	बेतार संचार के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एमआईएमओ, ओएफ़डीएम, यूडबल्यूबी और ग्रीन संचार	
11.	प्रोफे. जे. रवि कुमार	पीएच.डी. डीओजे 16.11.2006	सिग्नल प्रोसेसिंग, नियंत्रण तंत्र डिजाइन, मशीन लर्निंग	
12.	प्रोफे. एस अनुराधा	पीएच.डी. डीओजे 15.02.2008	बेतार संचार, कोडिंग तकनीकें, फेडिंग चैनल, संज्ञानात्मक रेडियो, संचार के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग, संज्ञानात्मक रेडियो के लिए ऐन्टेना	
13.	श्री एम.वी. रघुनाथ	एम.ई. डीओजे 16.10.1985	5G संचार, छवि प्रोसेसिंग, पैटर्न पहचान	
14.	श्री के. रवि किशोर	एम.ई.	बेतार संसूचक और कंप्यूटर नेटवर्क डिजिटल तंत्र डिज़ाइन बेतार संचार	

15.	डॉ. एस.के.एल.वी. साईं प्रकाश	पीएच.डी. डीओजे 24.03.1992	बेतार संचार, सेलुलर नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट ऑफ थिंग्स	
16.	श्री पी. हरि कृष्ण प्रसाद	एम.ई. डीओजे 04.06.1993	बेतार संचार	
17.	श्री के.वी. श्रीधर	एम.टेक. डीओजे 07.05.1997	बायो-मेडिकल सिग्नल/इमेज प्रोसेसिंग अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग	
18.	डॉ. ए. प्रकासा राव	पीएच.डी. डीओजे 29.07.1999	स्मार्ट ऐन्टेना प्रणाली, इष्टतमीकरण तकनीकें, ईडीसी व सिग्नल और सिस्टम	
19.	डॉ. पी. मुरलीधर	पीएच.डी. डीओजे 30.04.1997	वीएलएसआई आर्किटेक्चर, अन्तःस्थापित तंत्र डिज़ाइन, सिस्टम ऑन चिप (एसओसी) डिज़ाइन	
20.	डॉ. चौ. रामाराव	पीएच.डी.	स्पीच प्रोसेसिंग	
21.	डॉ. पी. पृथ्वी	पीएच.डी.	डिजिटल प्रणाली डिज़ाइन, अन्तःस्थापित तंत्र डिज़ाइन, स्पीच प्रोसेसिंग	

22.	डॉ. वी. रामा	पीएच.डी. डीओजे 01.03.1999	मूलभूत इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक तंत्र की गुणवत्ता विश्वसनीयता, तंत्रिका नेटवर्क और आईसी अनुप्रयोग	
23.	श्री के. सारंगम	एम.ई. डीओजे 04.12.2006	वीएलएसआई सर्किट डिजाइन अल्प शक्ति डिजाइन नॉवेल डिवाइस	
24.	डॉ. कल्पना नायडू	पीएच.डी. डीओजे 19.04.2018	बेतार संचार, 5जी संचार, विषमांगी संचार, संसाधन आवंटन	
25.	डॉ. जी. अरुण कुमार	पीएच.डी. डीओजे 04.06.2018	माइक्रोवेव और मिलीमीटर तरंग निष्क्रिय और सक्रिय सर्किट, संचार और रडार अग्रभाग डिज़ाइन, मेटामटीरियल्स, सबस्ट्रेट एकीकृत वेवगाइड्स सर्किट और ऐन्टेना, और पुनर्विन्यासी फ़िल्टर और ऐन्टेना	
26.	डॉ. अतुल कुमार निषाद	पीएच.डी. डीओजे 11.04.2018	वीएलएसआई इंटरकनेक्ट, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई, 2डी सामग्री, वीएलएसआई सर्किट और प्रणालियां	
27.	डॉ. वी. नरेंद्र	पीएच.डी. डीओजे 11.05.2018	सीएमओएस से परे, नैनोस्केल उपकरण डिजाइन और मॉडलिंग, अर्द्धचालक उपकरणों की मॉडलिंग और अनुकरण, कार्बन नैनोट्यूब और 2डी सामग्री आधारित उपकरण, वीएलएसआई सर्किट और प्रणालियां	
28.	डॉ. हिमांशु शेखर प्रधान	पीएच.डी. डीओजे 18.04.2018	ऑप्टिक संसूचक; ऑप्टिकल सिग्नल प्रोसेसिंग;अरैखिक फाइबर ऑप्टिक्स; ऑप्टिकल संचार; फाइबर ऑप्टिक संसूचकों द्वारासंरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी;फ्री स्पेस ऑप्टिकल संचार; एफएसओ तंत्र में चैनल मॉडलिंग ।	

29.	डॉ. गोपी राम	पीएच.डी. डीओजे 20.04.2018	समय-मॉडुलित ऐन्टेना ऐरे संरचनाओं के विकिरण पैटर्न का विश्लेषण और संश्लेषण; विकासवादी इष्टतमीकरण तकनीकें; इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स में सॉफ्ट कंप्यूटिंग का अनुप्रयोग; आरएफ व माइक्रोवेव	
30.	डॉ. बी.के.एन. श्रीनिवास राव	पीएच.डी. डीओजे 18.04.2018	छवि और वीडियो प्रोसेसिंग के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर, अन्तःस्थापित प्रणाली डिज़ाइन, सिस्टम ऑन चिप (एसओसी), नेटवर्क ऑन चिप (एनओसी)	
31.	डॉ. मोह. फारुख हाशमी	पीएच.डी. डीओजे 11.04.2018	डिजिटल छवि प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, मशीन विजन, वीडियो प्रोसेसिंग, वीडियो कोडेक डिजाइन, अन्तःस्थापित प्रणाली, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी), मशीन लर्निंग, हेल्थकेयर व कंप्यूटर विजन के लिए डीप लर्निंग, डिजिटल डिजाइन, अन्तःस्थापित छवि प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल छवि प्रोसेसिंग, वास्तविक काल प्रचालन तंत्र	
32.	डॉ. एम. सतीश	पीएच.डी. डीओजे 23.04.2018	अंशांकित टीसीएडी के उपयोग से अभिनव उपकरणों का डिज़ाइन; अभिनव उपकरणों का सघन मॉडलिंग; एमओएस उपकरणों / सर्किटों का अभिलक्षणन व निर्माण; अल्प शक्ति एनालॉग व डिजिटल सर्किटों का डिजाइन; अन्तःस्थापित /आईओटी अनुप्रयोगों या प्रणालियों का डिजाइन	
33.	डॉ. प्रकाश कोदली	पीएच.डी. डीओजे 19.04.2018	मुद्रित लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतःस्थापित प्रणालियां और बायोमेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स	
34.	डॉ. चयन भर	पीएच.डी. डीओजे 02.01.2020	नेटवर्क के लिए एआई; प्रबलित लर्निंग आधारित नेटवर्क डिजाइन; नेटवर्क डिजाइन और विश्लेषण	

35.	डॉ. एकता गोयल	पीएच.डी. डीओजे 26.12.2009	उन्नत एमओएस उपकरणों की मॉडलिंग और अनुकरण	
36.	डॉ. अमरजीत कुमार	पीएच.डी. डीओजे 02.12.2019	सक्रिय और निष्क्रिय आरएफ माइक्रोवेव डिवाइस और THz घटक, संसूचक	
37.	डॉ. वसुंधरा	पीएच.डी. डीओजे 17.12.2019	अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग, श्रवण यंत्र डिज़ाइन, वितरित प्रणाली मूल्यांकन, सक्रिय रव नियंत्रण	

वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं

1. प्रोफे. पी. श्रीहरि राव, "स्मार्ट इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी) प्रणाली का डिज़ाइन और कार्यान्वयन", शैक्षणिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल (जीएआईएन) रु. 5.68 लाख।
2. डॉ. जी. अरुण कुमार, प्रोफे. पी. श्रीहरि राव व प्रोफे. एल. अंजनेयुलु, "उच्च कार्यक्षम एनएवी आईसी सिग्नल युक्त लघु जीएनएसएस अत्यल्प ध्वनि प्रवर्धक", 28.75 लाख, इसरो - आईआईएसयू।
3. प्रोफे. टी. किशोर कुमार (पीआई), "ग्रामीण भारत के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी आधारित पोर्टेबल घुटना जोड़ स्वास्थ्य देखभाल मॉनीटरन प्रणाली का विकास", 38.61 लाख, एसईआरबी - सीआरजी।
4. प्रोफे. टी. किशोर कुमार (पीआई), "अभिनव वीडियो / छवि लघुकरण एल्गोरिदम का विकास", 9.8 लाख, डीआरडीओ, भारत सरकार।
5. प्रोफे. बी. लक्ष्मी (पीआई) "तंत्रिकाविकासात्मक एवं तंत्रिका अपह्रास विकार के लिए प्रौद्योगिकी संचालित पद्धतियां" शैक्षणिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल (जीएआईएन) रु. 5.68 लाख।
6. प्रोफे. जे. रवि कुमार (पीआई), "बारिश और धुंध भरे मौसम की स्थिति के दौरान दुर्घटना रोकथाम प्रणाली के लिए आईपी कोर का विकास", 19.65 लाख, एसईआरबी, डीएसटी।
7. प्रोफे. एस. अनुराधा (पीआई), "6जी नेटवर्क के लिए यूएवी आधारित स्थानिक एनओएमए का हार्डवेयर कार्यान्वयन", 32.00 लाख, डीएसटी-एसईआरबी।
8. डॉ. गंडे अरुण कुमार व डॉ. गोपी राम (ईसीई विभाग) को "एएसएल-डीआरडीओ सीएआरएस परियोजना: पुनरप्रवेश के दौरान आरएफ संचार ब्लैकआउट के लिए मेटामटीरियल्स का अध्ययन व अनुकरण" पर रु. 9.98 लाख मान की एक परियोजना मिली है।
9. डॉ. नरेंद्र (पीआई), "अल्प-शक्ति और उच्च-स्विचिंग अनुप्रयोगों के लिए अभिनव ऋणात्मक धारिता (एनसी) एफईटी का डिजाइन एवं इष्टतमीकरण", 33.00 लाख, डीएसटी-एसईआरबी।
10. डॉ. प्रकाश कोदली, "अंतर्रोपी इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल उपकरणों के संचालन के लिए ऊर्जा दोहन संसूचन करने के लिए लचीले और पहनने योग्य ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर्स का विकास", 3 वर्ष (2022 - 2025) 35.20 लाख डीएसटी-एसईआरबी।
11. डॉ. प्रकाश कोदली, "डी-पावरपैड: बैटरी अदला-बदली प्रणाली के साथ स्वविन्यासी नवीकरणीय ऊर्जा चालित स्वतंत्र ड्रोन चार्जिंग स्टेशन", 1.5 वर्ष (2022-2023) 17.80 लाख, टीआईएचएएन-आईआईटीएच।
12. डॉ. प्रकाश कोदली, "नॉन-इनवेसिव ड्रग डिलीवरी के लिए स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक हस्तधारित उपस्कर", 1 वर्ष (2022 - 2023), 12.75 लाख, एमएसएमई नवाचार।
13. डॉ. प्रकाश कोदली, "इंटरनेट ऑफ थिंग्स व मशीन लर्निंग का उपयोग कर पौधों में लवण सह्यता की स्क्रीनिंग", 1 वर्ष (2022 - 2023),12.75 लाख एमएसएमई नवाचार।

चल रही परियोजनाएं

1. प्रोफे. वी. वेंकट मणि, "औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स के साथ दृश्य प्रकाश संचार का उपयोग कर इंडस्ट्री 4.0 के लिए स्वदेशी परीक्षण बेड", एआईएसटीआईसी, 68 लाख।
2. डॉ. के. नागा श्रीनिवासराव बट्टा, "हथकरघा क्षेत्र में जटिल डिजाइनों के लिए प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रॉनिक जैक्वार्ड मशीन", एसईआरबी स्टार्ट-अप शोध अनुदान परियोजना, 22.5 लाख।
3. डॉ. चयन भर, "नेटवर्क स्लाइसिंग का उपयोग कर विषमांगी सेवाओं को सहायता देने के लिए एक मल्टी-ऑपरेटर दूरसंचार नेटवर्क का डिजाइन", एसईआरबी शोध अनुदान परियोजना,12.5 लाख।
4. डॉ. चयन भर, "नेटवर्क स्लाइसिंग का उपयोग कर विषमांगी सेवाओं को सहायता देने के लिए एक मल्टी-ऑपरेटर दूरसंचार नेटवर्क का डिजाइन", आरएसएम, 4.8 लाख।
5. डॉ. वसुंधरा, "श्रवण सहायता उपकरणों के लिए एकीकृत स्व-आवाज वृद्धि और प्रतिक्रिया शमन प्रणाली का डिजाइन और विकास", आरएसएम, 4.9 लाख।
6. डॉ. अमरजीत कुमार, "कोल्ड-स्टोर्स में पके फलों और सब्जियों के हालात का बेतार मॉनीटरन", आरएसएम, 4.9 लाख।

7. डॉ. एकता गोयल, “टनलिंग फिनफेट्स का कार्य निष्पादन इष्टतमीकरण”, आरएसएम, 4.9 लाख ।

पेटेंट

क्रम संख्या	फ़ाइल करने का दिनांक	पेटेंट शीर्षक	पेटेंट आवेदक का (के) नाम	पेटेंट नं.	विभाग	पेटेंट राष्ट्र	पेटेंट स्थिति
1.	2021.08.23	एक फ़्लिप वोल्टेज अनुगामी-आधारित लो ड्रॉप-आउट रेगुलेटर डिवाइस	रेड्डी, के.कृष्णा; पत्री, श्रीहरि राव; रेड्डी, एम. वी. कृष्णा	2021106673	ईसीई	आस्ट्रेलिया	स्वीकृत
2.	2021.08.21	कुपोषण ट्रेकिंग के लिए आईओटी आधारित प्रणाली और विधि	शुक्ला, सौरभ; पत्री, श्रीहरि राव; अविनाश पी.	2021106366	ईसीई	आस्ट्रेलिया	स्वीकृत
3.	2021.08.16	कृषि उपज भंडारण के लिए सौर ऊर्जा चलित शीतलन कक्ष	श्रीधर, सुष्यंत; देवानुरी,जया कृष्णा; राव पत्री, श्रीहरि	2021105620	ईसीई	आस्ट्रेलिया	स्वीकृत
4.	2021.08.16	टेली-स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और प्रारंभिक रोग पहचान के लिए विधि	रामा, वी.; रामाराव,सी.बी. ; स्वराज, निखिल; कुमारसुरियर,संतोष; मोनी, विद्या	2021105599	ईसीई	आस्ट्रेलिया	स्वीकृत

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. के.वी.बी वासंता रायडू (रोल नंबर 701358) ने "सम इंवेस्टिगेशन्स ऑफ एफ़िसिएंट टेस्टिंग एंड फॉल्ट डायग्नोसिस एल्गोरिदम फॉर वीएलएसआई सर्किट" शीर्षक पर प्रोफे. पत्री श्रीहरि राव के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
2. अरुरु साई कुमार (रोल नंबर 717129) ने “रियल-टाइम एंबेडेड एप्लीकेशन कोर मैपिंग फॉर एनओसी विद एन्हैंस्ड परफॉरमेंस एंड एनर्जी एफिशिएंसी” शीर्षक पर प्रोफे. टी. वी. के. हनुमंत राव के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
3. रविकांत श्वेता (रोल नंबर 716141) ने "सम इंवेस्टिगेशन्स ऑन परफॉरमेंस इवैल्यूएशन ऑफ कॉम्पैक्ट सर्कुलरली पोलराइज़्ड ऐन्टेनाज फॉर 5जी वायरलेस एप्लीकेशन्स" शीर्षक पर प्रोफे. एल अंजनेयुलु के मार्गदर्शन में पीएच.डी. पूरी की ।
4. कृष्णा रेड्डी कोमतला (रोल नंबर 718042) ने "नॉवेल डिजाइन टेक्निक्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग इंटीग्रेटेड सर्किट्स" शीर्षक पर प्रोफे. पत्री श्रीहरि राव के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
5. एस. शिवा प्रियंका (रोल नंबर 717030) ने "डेवलपमेंट ऑफ नॉवल एडाप्टिव बीमफ्रेमिंग एप्रोच्स फॉर मल्टी-चैनल स्पीच एन्हान्समेंट" शीर्षक पर प्रोफे. टी. किशोर कुमार के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
6. कनका लिंगा वेंकट साई प्रकाश साकुरु (रोल नंबर 718047) ने "टाइम सिंक्रोनाइज़ेशन ओवर बाउंडेड डिले पाथ्स इन वायरलेस सेंसर एंड आईओटी नेटवर्क्स" शीर्षक पर प्रोफे. एन. भीमा राव के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
7. बोडिले रोशन मुकिंद राव (रोल नंबर 716025) ने "इंवेस्टिगेशन्स ऑन मॉडल-बेस्ड बायेसियन फ़िल्टरिंग एप्रोच एंड मेटा-हेयूरिस्टिक एल्गोरिदएम्स फॉर ईसीजी डीनोइज़िंग" शीर्षक पर प्रोफे. टी. वी. के. हनुमंत राव के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।
8. वक्कलाकुला भरत श्रीनिवासुलु (रोल नंबर 718144) ने "डिज़ाइन एंड ऑप्टीमाइजेशन ऑफ स्पेसर इंजीनियर्ड इमर्जिंग नैनोस्केल जंक्शन लेस एफईटीज फॉर लो पावर एंड हाई फ्रीक्वेन्सी

एप्लीकेशन्स" शीर्षक पर डॉ. वधिया नरेंद्र के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

9. कर्णाती सुदर्शन रेड्डी (रोल नंबर 716032) ने "एन ऑप्टीमल एयरबोर्न टेलीमेट्री सिस्टम फॉर लॉन्ग रेंज एयरोस्पेस व्हीकल्स" शीर्षक पर प्रोफे. बी. लक्ष्मी के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

सारांश (ईसीई)

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**131**
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	97
	प्रभाव कारक के बिना अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	00
	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	34
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	**21**
	डीबीटी, एसईआरबी, डीआरडीओ, इसरो (रु. 267.33 लाख)	14
	चल रही परियोजनाएं (103 लाख)	07
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	21
	कुल बजट	**370.33 लाख**
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	**12**
4	**पुस्तक अध्याय**	**4**
5	**फ़ाइल किए गए पेटेंट**	**4**
	स्वीकृत पेटेंट	4

धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

एनआईटी, वारंगल का धातुकर्मीय अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 1965 में स्थापित हुआ था। विभाग में छात्रों की संख्या लगभग 365 है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, बी.टेक. चतुर्थ वर्ष के छात्रों को वेदांता, टाटा स्टील लिमिटेड, एएमएनएस, एल&टी जैसी कोर कंपनियों और विभिन्न सॉफ्टवेयर, कोचिंग संस्थान और वित्त प्रबंधन कंपनियों में नियोजन के अवसर मिले हैं। बी.टेक. का नियोजन 79% है और एम.टेक के छात्रों का नियोजन बढ़कर 66.7% हो गया है। बड़ी संख्या में छात्र भारत या विदेशों में उच्च अध्ययन के लिए जा रहे हैं और कैंपस से बाहर भी अवसर प्राप्त कर रहे हैं। विभाग में वर्तमान में लगभग 40 शोधार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं। विभाग देश के लिए उन्नत अल्ट्रा अतिक्रांतिक (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के विकास पर राष्ट्रीय मिशन परियोजना का हिस्सा रहा है। वर्तमान में विभाग में लगभग 3.95 करोड़ रु. की शोध परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। कुछ प्रमुख शोध वित्तपोषण संगठन हैं - डीएई-बीआरएनएस, डीएसटी-एसईआरबी, यूजीसी-डीएई-सीएसआर, जीटीआरई, एआरडीबी, एनटीपीसी-नेत्रा, एयूएससी, इसरो और डीआरडीओ। शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से, एनईपी 2020 के अनुरूप विभाग ने पाठ्यक्रम में संशोधन किया है और पुराने पाठ्यक्रमों (धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में बी.टेक., एम.टेक. (औद्योगिक धातुकर्म), एम.टेक. (पदार्थ प्रौद्योगिकी) और पीएच.डी.) के साथ-साथ पदार्थ अभियांत्रिकी में बी.टेक लघु, धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में बी.टेक ऑनर्स, पीजी डिप्लोमा (औद्योगिक धातुकर्म, पदार्थ प्रौद्योगिकी) और एकीकृत एम.टेक. जैसे नए पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।



विभाग फ़ैकल्टी - ग्रुप फोटो



सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**49**
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	48
	प्रभाव कारक के बिना अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	01
	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	06
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	**00**
	चल रही परियोजनाएं (रु. 3.94 करोड़)	07
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	07
	कुल बजट	**रु. 3.94 करोड़**
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	**11**

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. टी. महेश कुमार प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	**पीएच.डी.**	धातु संयोजन, योजक विनिर्माण, उच्च तापमान पदार्थ	
2.	डॉ. जी.वी.एस.नागेश्वर राव प्रोफेसर (एचएजी)	**पीएच.डी.**	पाउडर धातुकर्म, सतह अभियांत्रिकी, पदार्थ परीक्षण और अभिलक्षणन	
3.	डॉ. एन. नरसैय्या प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	पदार्थों का यांत्रिक व्यवहार, फटीग, फ्रैक्चर क्रियाविधि, विफलता विश्लेषण	
4.	डॉ. सी. वनिता प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	भौतिक धातुकर्म, बुनावट, नाभिकीय पदार्थ, हल्की धातु और मिश्र धातु, संक्षारण	
5.	डॉ. असित कुमार खानरा प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	पाउडर धातुकर्म, उन्नत सिरेमिक की प्रोसेसिंग, जैवपदार्थ	
6.	डॉ. एन. किशोर बाबू एसोसिएट प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	धातु संयोजन, योजक विनिर्माण, नैनोकम्पोजिट्स	

7.	डॉ. ब्रह्मा राजू गोला एसोसिएट प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	अति उच्च तापमान सिरेमिक्स, उन्नत पदार्थ प्रोसेसिंग, ट्राइबोलॉजी	
8.	डॉ. बी. श्रीनिवास राव एसोसिएट प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	प्रक्रम – माइक्रोसंरचना-गुणधर्म संबंध, नैनोक्रिस्टली पदार्थ	
9.	डॉ. अजॉय कुमार पाण्डे एसोसिएट प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	यांत्रिक धातुकर्म, बायो-सिरेमिक, पाउडर धातुकर्म	
10.	डॉ. आर. अरोकिया कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	**पीएच.डी.**	आकृति मेमोरी मिश्रधातु, घर्षण स्टिर प्रोसेसिंग, भौतिक धातुकर्म, गंभीर प्लास्टिक विकृति	
11.	डॉ. वी. श्रीदेवी असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड- II	**पीएच.डी.**	बल्क नैनोक्रिस्टली पदार्थों का संश्लेषण और अभिलक्षणन	
12.	डॉ. वी. रंगधरा चारी असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड- II	**पीएच.डी.**	उच्च कार्यक्षम संरचनात्मक सिरेमिक्स, उच्च एन्ट्रॉपी मिश्रधातुएं, प्रावस्था रूपान्तरण	

13.	डॉ. उमा महेश्वर राव एस. असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड- II	**पीएच.डी.**	पदार्थों की असाम्यावस्था प्रोसेसिंग, उन्नत अभिलक्षणन, चुम्बकीय पदार्थ	
14.	डॉ. वाई. रघुपति असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड- II	**पीएच.डी.**	अनुप्रयुक्त नैनो पदार्थ व लेपन पदार्थ, संक्षारण अभियांत्रिकी	
15.	डॉ. शुक्ला मंडल असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड- II	**पीएच.डी.**	मिश्रधातु विकास, हल्की मिश्रधातुएं, माइक्रोसंरचनात्मक अभिलक्षणन, टीईएम	
16.	डॉ. अश्विनी कुमार तदर्थ फ़ैकल्टी	**पीएच.डी.**	कम्प्यूटेशनल पदार्थ अभियांत्रिकी, जल धातु अंतरापृष्ठ की प्रारंभिक मॉडलिंग	
17.	डॉ. नागा श्रुति नीलम	**पीएच.डी.**	उच्च तापमान पदार्थ, अंतर-धातुक, Ti मिश्रधातु	
18.	डॉ. जी राम्याश्री	**पीएच.डी.**	नैनोसंरचित उच्च-एन्ट्रॉपी मिश्रधातुएं: संश्लेषण और अभिलक्षणन	

वित्त पोषित शोध परियोजनाएं

स्वीकृत नई परियोजनाएं

1. डॉ. अजॉय कुमार पांडे, डॉ. एन. नरसैय्या और डॉ. बी. श्रीनिवास राव (एमएमई विभाग) को "जीटीएम Ti-64 मिश्रधातु की दरार वृद्धि व्यवहार पर फटीग और धारित समय के प्रभाव पर खोजपूर्ण अध्ययन" पर गैस टर्बाइन शोध संस्थान (जीटीआरई), बैंगलोर से एक परियोजना प्राप्त हुई है, राशि 90.56 लाख रु. (जीटीआरई/एमएमजी/बीएमआर1/1218/21/सीएआरएस/ए/21), दिनांक 10.03.2022.

2. डॉ. नागमुथु किशोर बाबू, शोध उत्कृष्टता के लिए टीचर्स एसोसिएटशिप (टीएआरई) एसईआरबी, फाइल नंबर टीएआर/2021/000325 दिनांक: 01 फरवरी, 2022, राशि 18.30 लाख रु.।

3. डॉ. असित कुमार खानरा, "उच्च तापमान और ट्राइबोलॉजिकल अनुप्रयोगों के लिए Al-Ni-RE मिश्र धातुओं का विकास", (भारत-स्लोवेनिया द्विपक्षीय वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी सहयोग - नवंबर-2021), राशि 21.0 लाख रु.।

4. डॉ. आर. अरोकिया कुमार, "बायोइम्प्लांट अनुप्रयोगों के लिए अभिनव जैव-पुनरअवशोष्य जिंक मिश्रधातुओं का विकास" (इंडिया-स्लोवेनिया द्विपक्षीय वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी सहयोग - नवंबर-2021) राशि 14.0 लाख रु.।

चल रही परियोजनाएं

- डॉ. महेश कुमार तलारी, Ti मिश्रधातु के गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग के लिए अभिनव बी व सी आशोधित फिलर्स का विकास", वैमानिकी आर&डी बोर्ड, डीआरडीओ, 48 लाख रु.।

- डॉ. नागमुथु किशोर बाबू, "टाइटेनियम मिश्रधातु वेल्डमेंट्स में हाइड्रोजन की भूमिका समझना", वैमानिकी आर&डी बोर्ड, डीआरडीओ, 48.24 लाख रु.।

- डॉ. उमा महेश्वर राव सीलम, "स्थूल में डिस्प्रोसियम डाले बिना Nd-Fe-B चुम्बकों की निग्राहिता 3 टेस्ला हासिल करने की ओर", एसईआरबी-कोर शोध अनुदान, फाइल नंबर सीआरजी/2020/006001 दि. 29.12.2020, 29.8 लाख रु.।

- डॉ. श्रीदेवी वरम, "अभिनव नैनोक्रिस्टली Al-आधारित मिश्रधातुओं (ग्राफीन की डाली गई कुछ परतों के साथ) से जल विभाजन के माध्यम से हाइड्रोजन उत्पादन", एसईआरबी-कोर शोध अनुदान, फाइल नं. एसईआरबी/एफ/10375/2019-20 दि. 18.02.2020, 34.2 लाख रु.।

- डॉ. एन. नरसैय्या, डॉ. जी.वी.एस. नागेश्वर राव, डॉ. सी. वनिता, डॉ. अजॉय कुमार पांडे, डॉ. जी. ब्रह्मा राजू, डॉ. बी. श्रीनिवास राव, "उन्नत अल्ट्रा अति क्रांतिक प्रौद्योगिकी (एयूएससी) के लिए ऑक्साइड विक्षेपण सुदृढ़ (ओडीएस) लोह-आधारित मिश्र धातुएं", डीएसटी, टीएमडी/सीईआर/क्लीनकोल/2017/036(एआरसीआई) (सी) व(जी) दि. 24.08.2018, 90.812 लाख रु.।

क्रम संख्या	शीर्षक	कुल स्वीकृत राशि	वित्तपोषण एजेंसी एवं परियोजना संख्या	प्रथम किश्त, 2019-2020	दूसरी किश्त, 2020-2021
1.	Ti के गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग के लिए उपन्यास बी व सी आशोधित फिलर्स का विकास	48 लाख	एआर&डीबी	----	रु. 29,81,172.00 प्रथम किश्त
2.	टाइटेनियम मिश्र धातु वेल्डमेंट्स में हाइड्रोजन की भूमिका को समझना	48.24 लाख	एआर&डीबी	----	रु. 29,24,770.00 प्रथम किश्त
3.	अभिनव नैनोक्रिस्टली Al-आधारित मिश्रधातुओं से जल विभाजन के माध्यम से हाइड्रोजन उत्पादन	34.2 लाख	एसईआरबी-कोर शोध अनुदान, फाइल नं. एसईआरबी/एफ/ 10375/2019-20	रु. 19,46,754.00 प्रथम किश्त	दूसरी किश्त अभी प्राप्त होना है
4.	स्थूल में डिस्प्रोसियम डाले बिना Nd-Fe-B चुम्बकों की निग्राहिता 3 टेस्ला हासिल करने की ओर	29.8 लाख	एसईआरबी-कोर शोध अनुदान, फाइल नंबर सीआरजी/2020/ 006001	----	रु. 9,50,000.00 प्रथम किश्त **(2021-22)** रु. 6,99,000.00 दूसरी किश्त
5.	शोध उत्कृष्टता के लिए टीचर्स एसोसिएटशिप (टीएआरई) एसईआरबी	18.30 लाख	टीएआर/2021/ 000325	----	----
6.	उन्नत अल्ट्रा अति क्रांतिक प्रौद्योगिकी (एयूएससी) के लिए ऑक्साइड विक्षेपण सुदृढ़ (ओडीएस) लोह-आधारित मिश्र धातुएं	90.812 लाख	डीएसटी, टीएमडी/सीईआर/ क्लीनकोल/2017/ 036(एआरसीआई) (सी) व(जी)	रु. 3.12 लाख	रु. 2.2 लाख
7.	जीटीएम Ti-64 मिश्रधातु की दरार वृद्धि व्यवहार पर फटीग और धारित समय के प्रभाव पर खोजपूर्ण अध्ययन	90.56 लाख	जीटीआरई/ एमएमजी/बीएमआर 1/1218/ 21/ सीएआरएस/ए/21	----	----

पूर्ण की गई परामर्शी परियोजनाएं

1. **प्रोफे. एन. नरसैय्या, डॉ. अजॉय कुमार पांडे, डॉ. आर. अरोकिया कुमार, डॉ. बी. श्रीनिवास राव,** कोल पल्वराइज़र ग्राइंडिंग मीडिया की घिसाव आयु वृद्धि (ज़ेड019एक्स00004, दिनांक 30/12/2019) (भेल, हैदराबाद), मान **3.5 लाख रु.** ।

स्थापित किए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

1. ऑर्गन परिवेश बनाए रखने के लिए ग्लोव बॉक्स की खरीदा और लगाया गया ।
2. पदार्थ की सूक्ष्म संरचना की जांच करने के लिए भौतिक धातु विज्ञान प्रयोगशाला में अपराइट धातुकर्मीय माइक्रोस्कोप (क्वास्मो मेक और QX4RT मॉडल) खरीदा और लगाया गया ।
3. टेस्कन ब्रांड का चिपसेट (एसईएम कंप्यूटर पार्ट) खरीदा गया ।
4. शील्डेड मेटल आर्क वेल्डिंग (एसएमएडबल्यू), गैस मेटल आर्क वेल्डिंग (जीएमएडबल्यू), गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग (जीटीएडबल्यू), अब्रेसिव कटिंग मशीन, सब मर्ज्ड आर्क वेल्डिंग (एसएडबल्यू) और वैरस्ट्रेंट परीक्षण उपस्कर उपकरणों (तस्वीरें नीचे शामिल हैं) के साथ 'वेल्डिंग लैब' की स्थापना ।



शील्डेड मेटल आर्क वेल्डिंग (एसएमएडबल्यू)



गैस मेटल आर्क वेल्डिंग (जीएमएडबल्यू)



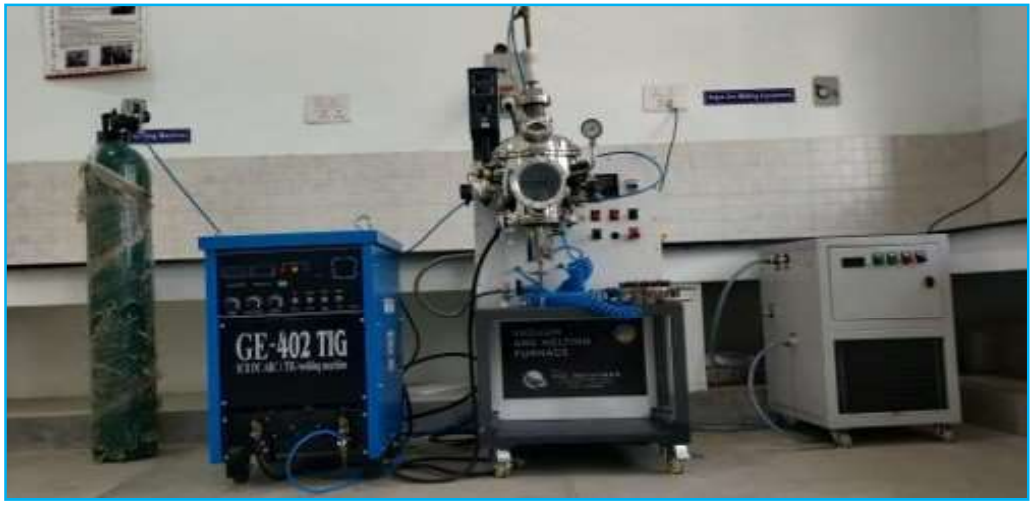
गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग (जीटीएडबल्यू)



अब्रेसिव कटिंग मशीन



सब मर्ज्ड आर्क वेल्डिंग (एसएडबल्यू)



ऑर्गन आर्क मेल्टिंग उपस्कर



वैरस्ट्रेंट परीक्षण उपस्कर

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 1964 में शुरू किया गया था और तब से यह नवोदित रासायनिक अभियंताओं और शोधार्थियों के अध्यापन में अत्यधिक उन्नति कर चुका है। विभाग ने 2014-15 में अपनी स्वर्ण जयंती मनाई है । विभाग बी.टेक, एम.टेक. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है । रासायनिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. पाठ्यक्रम एनबीए द्वारा जून 2015 से 5 वर्ष के लिए मान्यता प्राप्त है। सीएपीईडी में विशेषज्ञता वाले एम.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी में को 2015 में एम.टेक. के रूप में पुनरनामित किया गया है । प्रक्रम नियंत्रण में एम.टेक. पाठ्यक्रम 2016 में शुरू किया गया था जिसे 2021 में तंत्र एवं नियंत्रण अभियांत्रिकी में एम.टेक के रूप में फिर से डिजाइन किया गया है। इन पाठ्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के आधार पर दिया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में विदेशी छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है। विभाग के पास उच्च शिक्षित फ़ैकल्टी हैं जो मौलिक और उन्नत क्षेत्रों में अध्यापन और शोध कार्य में समर्पित हैं। पाठ्यक्रम की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभाग में विभिन्न प्रयोगशालाएं हैं । ये फ़ैकल्टी औद्योगिक परामर्श और प्रायोजित शोध परियोजनाओं में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं । विभाग ने कुछ प्रमुख उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । स्नातक करने वाले छात्रों को परिसर नियोजन के माध्यम से प्रतिष्ठित फर्मों में नियोजित किया जाता है। छात्रों में आजीवन सीखने के कौशल को विकसित करना विभाग का उद्देश्य है। विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न संगठनों में उच्च पदों पर आसीन हैं।



सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**62**
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	59
	प्रभाव कारक के बिना अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	3
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	**6**
	डीबीटी, डीआरडीओ	1
	चल रही परियोजनाएं	6
	डीएसटी, एसईआरबी, आईआईटीएम, एनएचएआई, सीएसआईआर	7
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	**16**
	कुल बजट	**रु. 429.88 लाख**
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	**6**
4	**पुस्तक अध्याय**	**19**

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	प्रोफे. शिरीष एच. सोनावणे प्रोफेसर	पीएच.डी.	तरलित तल, जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी, सूक्ष्मजीव ईंधन सेल	
2.	प्रोफे.ए. वेणु विनोद प्रोफेसर	पीएच.डी.	तरलित तल, जैवरिएक्टर, ऊष्मा अंतरण, नैनोतरल	
3.	प्रोफे. सरथ बाबू ऐनी प्रोफेसर	पीएच.डी.	मॉडलिंग और अनुकरण, अभिक्रिया अभियांत्रिकी, CO_2 प्रग्रहण और उपयोग	
4.	प्रोफे. आनंद किशोर के. प्रोफेसर	पीएच.डी.	जैव रासायनिक अभियांत्रिकी, मॉडलिंग और अनुकरण	
5.	डॉ. के. श्रीवानी प्रोफेसर	पीएच.डी.	जैव रासायनिक अभियांत्रिकी	

6.	डॉ. एस. श्रीनाथ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष	पीएच.डी.	तरलित तल दहन, मॉडलिंग और अनुकरण	
7.	डॉ. ए. शेषागिरी राव प्रोफेसर	पीएच.डी.	प्रक्रम नियंत्रण, अपशिष्ट जल उपचार	
8.	डॉ. पी.वी. सुरेश प्रोफेसर	पीएच.डी.	ईंधन सेल, CO_2 प्रग्रहण और उपयोग, सीएफ़डी, रासायनिक लूपिंग दहन	
9.	डॉ. एस विद्यासागर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, मॉडलिंग और अनुकरण	
10.	डॉ. एस. मुरली मोहन एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	प्रवाह बैटरी, ईंधन सेल और झिल्ली पृथक्करण	
11.	डॉ. जी उदय भास्कर बाबू एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	मॉडलिंग और अनुकरण, ऊर्जा एकीकरण, प्रक्रम नियंत्रण	

12.	डॉ. वी. राम सागर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	प्रक्रम नियोजन, रासायनिक लूपिंग दहन	
13.	डॉ. रघु राजा पांडियन असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	तापदृढ सम्मिश्र, प्रक्रम मॉडलिंग और अनुकरण	
14.	डॉ. के.एस. राजमोहन असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	नैनोउत्प्रेरण, ईंधन सेल और बैटरी, जैव रिफाइनरी	
15.	डॉ. मनोहर काकुनुरी असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	कार्बन नैनो पदार्थों का संश्लेषण, Li-आयन बैटरी	
16.	डॉ. प्रवीण के. बोम्मिनेनी असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	आणविक गतिकी और अनुकरण	
17.	डॉ राम्या अरागा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	नैनो पदार्थों का संश्लेषण, अपशिष्ट जल उपचार	

18.	डॉ. अंजना पी.ए. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	उत्प्रेरण, ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोग	
19.	डॉ. पी. संपत कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	ऊर्जा भंडारण व रूपांतरण उपकरण, नैनोपदार्थों का स्केल-अप	
20.	डॉ. नरेश थोटा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	ऊर्जा, पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों के लिए आणविक गतिकी और अनुकरण	
21.	डॉ. किशंत कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	आणविक गतिकी, मोंटे कार्लो अनुकरण	
22.	प्रोफे. वाई. पायडी सेट्टी अतिथि प्राध्यापक	पीएच.डी.	तरलित तल, जैव रासायनिक अभियांत्रिकी, सूक्ष्म जीव ईंधन सेल	

वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं

स्वीकृत नई परियोजनाएं

1. डॉ. पी.ए. अंजना (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) को “एकल-क्रिस्टल पायरोक्लोर नैनोपदार्थ का विकास और मध्यवर्ती तापमान ठोस ऑक्साइड सेलों के लिए इलेक्ट्रोलाइट के रूप में इनका अध्ययन”, पर 24.97 लाख रु. मान की एसईआरबी स्टार्टअप शोध अनुदान (एसआरजी) परियोजना मिली है।
2. डॉ. श्रीनाथ एस. और डॉ. रघु राजा पांडियन कुप्पुसामी (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) को "रिएक्टिव एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस के माध्यम से फोटो क्योर शॉर्ट फाइबर नैनो हाइब्रिड रेजिन का उपयोग कर 3डी प्रिंट करने योग्य समग्र थर्मल शील्ड का विकास”, पर डीएसटी से 30.4 लाख रु. मान की एक परियोजना प्राप्त हुई है।
3. डॉ. पी.ए. अंजना (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) को “एकल प्रणोदी प्रणोदकों के लिए हाइड्रोजन पेरॉक्साइड वियोजन का विकास”, पर इसरो, रेस्पांड से 24.97 लाख रु. मान की एक परियोजना प्राप्त हुई है।
4. डॉ. शिरीष सोनावणे और डॉ. श्रीनाथ एस. (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) को "आत्मनिर्भर भारत के लिए रंग-लेपित सिक्कों/रिक्त/पदकों और टोकनों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास”, पर आईजीएम, हैदराबाद से 10.4 लाख रु. मान की परियोजना प्राप्त हुई है।
5. डॉ. शिरीष सोनावणे "पॉलिऐक्रेलिक आधारित माइक्रोस्फीयर के संश्लेषण के लिए प्रभावी सुदृढ़ प्रक्रिया का विकास”, पर किरोन लैब यूएसए/गुजरात भारत से 5.30 लाख रु. मान की एक परियोजना प्राप्त हुई है।
6. डॉ. पी. संपत कुमार "विद्युत गुणों के लिए सम्मिश्र पदार्थों का विश्लेषण करना" नैनोस्पैन इंडिया प्रा. लि. पतनचेरु 1 लाख रु. मान परियोजना प्राप्त हुई है।

चल रही परियोजनाएं

1. डॉ. शिरीष सोनावणे (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) और डॉ. पेरुगु श्याम (जैवप्रौद्योगिकी विभाग), "वारंगल तेलंगाना राज्य में वर्षा संचयित पानी की झीलों के उपचार के लिए प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन”, पर डीएसटी, डब्ल्यूटीआई की 44.41 लाख रु. मान की चल रही परियोजना (2021-24)।
2. डॉ. शिरीष सोनावणे और डॉ. मुरली मोहन सीपना (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग), "टेक्सटाइल बहिःस्राव के पुनर्चक्रण के लिए द्रव गतिकीय गुहायन और बायोसर्फैक्टेंट से पायलट-स्केल हाइब्रिड अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली के विकास और प्रदर्शन”, पर इम्प्रिंट एसईआरबी की चल रही परियोजना, , मूल्य रु. 44.42 लाख रु. मान की चल रही परियोजना (2019-22)।
3. डॉ. शिरीष सोनावणे (रासायनिक अभियांत्रिकीविभाग) "लचीले फिल्म परिपथ और माइक्रोप्रोसेसर पैकेजिंग अनुप्रयोगों के लिए विद्युत चालक आसंजक का विकास”, पर इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर सुरक्षा समूह, इलेक्ट्रॉनिक पदार्थ और घटक विकास प्रभाग में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, आर&डी की रुपये की 44.10 लाख रु. मान की चल रही परियोजना (2021-24)।
4. डॉ. आनंद किशोर कोला (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) "खाद्य पैकेजिंग में अनुप्रयोग के लिए कम लागत वाले बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर”, पर एसईआरबी की 25.5 लाख रु. मान की चल रही परियोजना (2021-23)।
5. डॉ. मुरली मोहन सीपना, (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) "3डी प्रिंटेड हाइब्रिड प्रक्रिया का उपयोग कर टेक्सटाइल प्रदूषण को सुलझाना", द रॉयल सोसाइटी, यूके, आईईएस\आर1\201244 दि. 30.3.2021,12.36 लाख

6. डॉ. शेषागिरी राव (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) "टिकाऊ जल-ऊर्जा-खाद्य नेक्सस के लिए उन्नत स्वचालित नियंत्रण-आधारित अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रिया का विकास", डीएसटी (डीएसटी/टीएमडी), 67.49 लाख रु. (2021-24)।
7. डॉ. शिरीष सोनावणे (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) "एमसीसी से सेलूलोज़ नैनोक्रिस्टल के संश्लेषण के लिए प्रक्रम का विकास", टेवोरेन टेक्नोलॉजीज एलएलपी, 3.30 लाख रु.।
8. डॉ. मनोहर काकुनुरी (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) "दुर्लभ मृदा तत्वों के निष्कर्षण के लिए कार्य-विशिष्ट कार्यात्मक आयनिक द्रव निष्कर्षक और नैनोफाइबर झिल्ली का विकास", लैनम फाउंड्री, यूएसए 56.1 लाख रु.।
9. डॉ. किशांत कुमार, "भुक्तशेष Li-आयन बैटरियों के कैथोड के पुनर्चक्रण के लिए हरित विलायक", एसईआरबी, भारत सरकार, 2021, 25.16 लाख रु.।
10. डॉ. श्रीनाथ, डॉ. शिरीष, डॉ. किशांत (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) और डॉ. पी. रतीश कुमार (सिविल अभियांत्रिकी), "पीसीबी प्रगलन से प्राप्त प्रक्रम के धातुमल का प्रभावी प्रबंधन", सी-मेट हैदराबाद, दिनांक 05.05.2021 10 लाख रू.।

पूर्ण हुई रही परियोजनाएं

1. डॉ शिरीष सोनवाणे, "चयनित उत्प्रेरक अभिक्रियाओं के लिए ज़ानस नैनोकणों के उत्पादन के लिए प्रक्रम विकास", एसईआरबी डीएसटी, भारत सरकार, 2018-21, 20.87 लाख रु.।
2. डॉ. जी. उदय भास्कर बाबू, "प्रोटॉन विनिमय झिल्ली (पीईएम) ईंधन सेल के सुधार के लिए पहचान और नियंत्रण रणनीतियां", एसईआरबी, डीएसटी, ईईक्यू/2018/000993 दि. 26.02.2019, 17.1 लाख रु.।
3. डॉ. ए. शेषागिरी राव, "भारत में शहरी और ग्रामीण जल प्रणालियों के लिए जल गुणवत्ता निगरानी और जल संसाधन प्रबंधन के लिए कम लागत वाली अभिनव तकनीक", (लोटस) इंडो-यूरोपियन होराइजन परियोजना, 2020.
4. डॉ. ए. शेषागिरी राव, "द ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना (यूएबी), स्पेन का दौरा और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों के लिए मशीन लर्निंग आधारित नियंत्रण पर कार्य के लिए युगल-भारत अनुदान", यूरो 3000, 2020.
5. डॉ. मनोहर काकुनुरी, "प्रभावी तेल-जल पृथक्करण के लिए कार्बन कालिमा आधारित पुन: प्रयोज्य योग्य और सुदृढ़ नैनोफाइबर झिल्ली का विनिर्माण", एसआरजी-एसईआरबी, 27.1 लाख रु.।
6. डॉ. मुरली मोहन सीपना, "गैर-बहुमूल्य इलेक्ट्रोउत्प्रेरकों का उपयोग कर हाइड्रोजन रेडॉक्स फ्लो बैटरी का विकास और प्रदर्शन", स्पार्क 2019-2021, 43.17 लाख रु.।
7. डॉ. शिरीष सोनावणे और डॉ. एस. श्रीनाथ, "जेपी10 ईंधन में बोरॉन नैनोकणों का गुहिकायन आधारित परिक्षेपण", जीटीआरई डीआरडीओ, 2019-21, 9.95 लाख रु.।

क्रम संख्या	शीर्षक	कुल स्वीकृत राशि	वित्तपोषण एजेंसी व परियोजना संख्या	किश्त, 2021-2022
1.	एकल-क्रिस्टल पायरोक्लोर नैनोपदार्थ का विकास व मध्यवर्ती तापमान ठोस ऑक्साइड सेलों के लिए इलेक्ट्रोलाइट के रूप में इनका अध्ययन। डॉ. पी.ए. अंजना	रु. 24.97 लाख	एसआरजी- एसईआरबी	रु. 1,77,8605/-
2.	एकल प्रणोदी प्रणोदकों के लिए हाइड्रोजन पेरॉक्साइड वियोजन का विकास। डॉ. पी.ए. अंजना	रु. 24.97 लाख	इसरो, रेस्पांड	रु. 1,02,5750/-
3.	रिएक्टिव एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस के माध्यम से फोटो क्योर शॉर्ट फाइबर नैनो हाइब्रिड रेजिन का उपयोग कर 3डी प्रिंट योज्य समग्र थर्मल शील्ड का विकास। डॉ. श्रीनाथ एस. एवं डॉ. रघु राजा के. पी.	रु. 30.4 लाख	सीआरजी- एसईआरबी	रु. 15,02,600/-
4.	आत्मनिर्भर भारत के लिए रंग-लेपित सिक्कों/रिक्त/पदकों व टोकनों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास। डॉ. शिरीष सोनावणे	रु. 10.4 लाख	आईजीएम, हैदराबाद	रु. 1,87,000/-
5.	लचीले फिल्म परिपथ और माइक्रो प्रोसेसर पैकेजिंग अनुप्रयोगों के लिए विद्युत चालक आसंजक का विकास। डॉ. शिरीष सोनावणे	रु. 44.10 लाख	एमईआईटीवाई आर&डी इलेक्ट्रॉनिक्स व साइबर सुरक्षा समूह	रु. 17,70,000/-
6.	टिकाऊ जल-ऊर्जा-खाद्य नेक्सस के लिए उन्नत स्वचालित नियंत्रण-आधारित अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रिया का विकास। डॉ. शेषागिरी राव	रु. 67.49 लाख	डीएसटी (डीएसटी/टीएमडी),	
7.	टेक्सटाइल बहिःस्राव के पुनर्चक्रण के लिए द्रव गतिकीय गुहायन और बायोसर्फैक्टेंट से पायलट-स्केल हाइब्रिड अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली के विकास और प्रदर्शन।	रु. 41.42 लाख	आईएमपी/2019/000004 दिनांक 16 दिसंबर 2019	रु. 15,00,000/-
8.	चयनित उत्प्रेरक अभिक्रियाओं के लिए ज़ानस नैनोकणों के उत्पादन के लिए प्रक्रम विकास।	रु. 20.87 लाख	एसईआरबी डीएसटी, 2018-21 ईएमआर/2016/007585	रु. शून्य
9.	प्रोटॉन विनिमय झिल्ली (पीईएम) ईंधन सेल के सुधार के लिए पहचान व नियंत्रण रणनीतियां।	रु. 17.1 लाख	एसईआरबी, डीएसटी, ईईक्यू/2018/000993 दिनांक 26.02.2019	

10.	भारत में शहरी और ग्रामीण जल प्रणालियों के लिए जल गुणवत्ता निगरानी और जल संसाधन प्रबंधन के लिए कम लागत वाली अभिनव तकनीक ।	-	इंडो-यूरोपियन होराइजन परियोजना, 2020	
11.	मशीन लर्निंग नियंत्रण आधारित अपशिष्ट जल उपचार ।	यूरो 3000	युगल-भारत अनुदान, द ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना (यूएबी), स्पेन	
12.	प्रभावी तेल-जल पृथक्करण के लिए कार्बन कालिमा आधारित पुन: प्रयोज्य योग्य और सुदृढ़ नैनो- फाइबर झिल्ली का विनिर्माण ।	रु. 27.08 लाख	एसआरजी, एसईआरबी/2019/00313	रु. 2,87,000/-
13.	गैर-बहुमूल्य इलेक्ट्रोउत्प्रेरकों का उपयोग कर हाइड्रोजन रेडॉक्स फ्लो बैटरी का विकास और प्रदर्शन ।	रु. 43.17 लाख	स्पार्क 2019-2021	
14.	पीसीबी प्रगलन से प्राप्त प्रक्रम के धातुमल का प्रभावी प्रबंधन ।	रु. 10 लाख	सी-मेट हैदराबाद दिनांक 05.05.2021	रु. 10,00,,000/-
15.	3डी प्रिंटेड हाइब्रिड प्रक्रिया का उपयोग कर टेक्सटाइल प्रदूषण को सुलझाना ।	रु. 12.36 लाख	द रॉयल सोसाइटी, यूके, आईईएस\आर1\201244 दिनांक 30.03.2021	-
16.	खाद्य पैकेजिंग में अनुप्रयोग के लिए कम लागत वाले बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर ।	रु. 23.414 लाख	एसईआरबी, भारत सरकार, 2021	
17.	भुक्तशेष Li-आयन बैटरियों के कैथोड के पुनर्चक्रण के लिए हरित विलायक ।	रु. 26.76989 लाख	एसईआरबी, भारत सरकार, 2021	
18.	एमसीसी से सेलूलोज़ नैनोक्रिस्टल के संश्लेषण के लिए प्रक्रम का विकास ।	रु. 3.3 लाख	टेवोरेन टेक्नोलॉजीज एलएलपी, 2021	रु. शून्य
19.	जेपी10 ईंधन में बोरॉन नैनोकणों का गुहिकायन आधारित परिक्षेपण ।	रु. 9.95 लाख	जीटीआरई/एमएमजी/ बीएमआर/1046/19/ सीएआरएस/ए/19 दिनांक 13 जून, 2019	रु. 2,70,,000/-
20.	खाद्य मैट्रिक्स में वितरित करने के लिए बायोएक्टिव यौगिकों का अल्ट्रासोनिक कैप्सूलीकरण ।	रु. 16 लाख	भारत-रूस डीएसटी-/ आईएनटी/आरयूएस/आरएफ़बीआर/ पी-324, 2018-20	रु. शून्य
21.	वारंगल तेलंगाना राज्य में वर्षा संचयित पानी की झीलों के उपचार के लिए प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन ।	रु. 44.41 लाख	डीएसटी/टीएमडी/ ईडबल्यूओ/डब्ल्यूटीआई/ 2K19/ ईडबल्यूएफ़एच/2019/111(जी) दिनांक 04 फ़रवरी, 2021	रु. 16,15,,421/-

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. राधिका गंडू (716163) ने “वैपर रिकम्प्रेशन इन बैच डिस्टीलेशन फॉर सेपरेशन ऑफ टर्नरी जिओट्रोपिक मिक्सचर्स: फिजिबिलिटी एंड एनालिसिस", शीर्षक पर डॉ. उदय भास्कर बाबू जी. (मुख्य पर्यवेक्षक) और डॉ. शेषागिरी राव ए. (सह-पर्यवेक्षक) के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, जून, 2022.
2. सुरेश चिलुका (717142) ने "डेटा-ड्रिवेन रोबस्ट कंट्रोलर डिज़ाइन वाया वर्चुअल रेफरेंस फीडबैक ट्यूनिंग एप्रोच", शीर्षक पर डॉ. उदय भास्कर बाबू जी. (मुख्य पर्यवेक्षक) और डॉ. मुरली मोहन (सह-पर्यवेक्षक) के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, जुलाई 2022.
3. तेजस्विनी (717143) ने "डिजाइन एंड कंट्रोल स्ट्रेटेजीस फॉर एक्टिव स्लज़ बेस्ड वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स फॉर इम्प्रूव्ड ऑपरेबिलिटी", शीर्षक पर डॉ. शेषागिरी राव ए. (मुख्य पर्यवेक्षक) और डॉ. उदय भास्कर बाबू जी. (सह पर्यवेक्षक) के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, दिसंबर 2021.
4. यशवंता के.एम. (718155) ने "हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट यूजिंग एथिलीन ग्लाइकोल एंड वॉटर मिक्सचर बेस्ड नैनोफ्लुइड्स इन ए प्लेट हीट एक्सचेंजर", शीर्षक पर डॉ. ए. वेणु विनोद के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, अप्रैल 2022.
5. शेख अब्दुल गफ्फार (716164) ने "हीट ट्रांसफर एन्हांसमेंट यूजिंग एथिलीन ग्लाइकोल एंड वॉटर मिक्सचर बेस्ड नैनोफ्लुइड्स इन ए प्लेट हीट एक्सचेंजर", शीर्षक पर डॉ. मुरली मोहन (मुख्य पर्यवेक्षक) और डॉ. ए. शेषागिरी राव (सह-पर्यवेक्षक) के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, अप्रैल 2022.
6. सूर्यवंशी गजानन दत्ताराव (716040) ने "4-ई (एनर्जी, एक्सर्जी, इकोलॉजिकल एंड इकोनॉमिक) एनालिसिस ऑफ केमिकल-लूपिंग कम्बशन बेस्ड कोल फायर्ड पावर प्लांट्स फॉर CO_2 कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन", शीर्षक पर डॉ. पी.वी. सुरेश के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की, जून 2021.

स्थापित किए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

1. उच्च दाब हाइड्रोथर्मल आटोक्लेव रिएक्टर खरीदा और स्थापित किया गया।
2. फोटोकैमिकल रिएक्टर खरीदा और स्थापित किया गया।
3. फास्ट पायरोलिसिस रिएक्टर खरीदा और स्थापित किया गया।
4. इमल्शन पॉलीमराइजेशन रिएक्टर खरीदा और स्थापित किया गया।
5. क्यूरिंग और वाशिंग एसेसरीज के साथ 3डी प्रिंटर खरीदा और स्थापित किया गया।
6. बेंच अल्ट्रा वायलेट लाइट एक्सेलरेटेड वेदरिंग टेस्टर खरीदा और स्थापित किया गया।
7. प्रशीतित अपकेंद्रित्र खरीदा और स्थापित किया गया।
8. ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप खरीदा और स्थापित किया गया।
9. डॉक्टर ब्लेड खरीदा गया।
1. 10 काइन सेल क्रिम्पर खरीदा और स्थापित किया गया।
10. सर्वर्स (टायरोन 2 x इंटेल डीडीआर 4 एसडीआरएएम ईसी 64 जीबी के साथ)। खरीदे व स्थापित किए गए।
11. परवेपोरेशन मेम्ब्रेन सिस्टम खरीदा और स्थापित किया गया।

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

एनईपी दिशानिर्देश 2020 के अनुसार, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग ने मौजूदा पाठ्यक्रम को संशोधित किया है और यूजी व पीजी दोनों कार्यक्रमों के लिए नई योजना और पाठ्यक्रम तैयार किया है । पाठ्यक्रम संशोधन के अंतर्गत, विभाग ने 2021-2022 शैक्षणिक वर्ष से सीएसई लघु पाठ्यक्रम और सीएसई में बी.टेक. ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रदान करना शुरू कर दिया है । कोर कंप्यूटर विज्ञान विषयों के लिए सुदृढ़ गणितीय पृष्ठभूमि और कम्प्यूटेशनल ज्ञान की आवश्यकता होती है, और इस प्रकार विभाग ने यूजी व पीजी कार्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम में कंप्यूटेशनल थिंकिंग प्रैक्टिस के साथ-साथ कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित गणित विषयों को बड़ी संख्या में शामिल किया है । अतिरिक्त प्रयोगशाला और शिक्षण घंटे भी शामिल किए गए हैं ताकि छात्र अवधारणाओं के अभ्यास में अधिक समय व्यतीत कर सकें । चूंकि कंप्यूटर विज्ञान में प्रगति इसके क्षितिज को गहराई और चौड़ाई दोनों तरीके से विस्तारित करती है, इसलिए नए पाठ्यक्रम में डीप लर्निंग, रीइन्फोर्समेंट लर्निंग, माइक्रोप्रोसेसर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीज प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्क जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं ।

स्वीकृत किए गए पेटेंट

1. डॉ. के.वी. कादंबरी असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएसई विभाग और उनकी छात्रा सुश्री बी. लावण्या माधुरी को "एक्सीलरेशन ऑफ इंक्रीमेंटल लर्निंग एण्ड डिक्रीमेंटल अनलर्निंग ऑफ सपोर्ट वेक्टर मशीन्स", शीर्षक से एक पेटेंट प्रदान किया गया था, (कमिश्नर ऑफ ऑस्ट्रेलिया पेटेंट) पेटेंट संख्या: 2021101567, अप्रैल 2021.





2. ई. सुरेश बाबू "एन एफ्फिसिएंट स्पेक्ट्रल क्लस्टर राउटिंग मेथड टु एनहान्स द नेटवर्क परफ़ोर्मेंस इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स", पब्लिकेशन, पेटेंट ऑफिस जर्नल संख्या 12/2021 दिनांक 19.03.2021.

3. बबलानी, अनुश्री सुश्री; रेड्डी एडला, दामोदर डॉ. बबलानी, अनुश्री; रेड्डी एडला, दामोदर; रेड्डी, पी. सैदी; चौ., रामलिंगास्वामी; कुमार, पंकज, 2021102773, "ए सिस्टम एण्ड मेथड फॉर डिटरमाइनिंग ट्रुथफुल एण्ड डिसेप्टिव स्टेट ऑफ ए पर्सन", 2021.05.23.



परियोजनाएं

1. डॉ. राम कृष्ण, डॉ. दीपक रेड्डी पुल्लगुराम, डॉ. संजय कुमार पांडा, डॉ. वेंकटेश्वर राव कगीता, को "उच्च कार्य-निष्पादन कंप्यूटिंग का उपयोग कर बड़ी पावर प्रणाली का गतिकी और स्थैतिक सुरक्षा विश्लेषण" नामक एक परियोजना स्वीकृत की गई थी, अनुदान: 45 लाख रु., एनएसएम-आईआईएससी बैंगलोर (डीएसटी)।





2. एम.टेक. छात्र श्री विवेक दलाई को डॉ. के.वी. कादम्बरी के मार्गदर्शन में आईआईएससी बैंगलोर की आर्टपार्क टीम द्वारा "छात्र नवाचार कार्यक्रम" के तहत एक परियोजना स्वीकृत की गई थी। परियोजना का शीर्षक "मास्कड फेस डिटेक्शन" है। परियोजना में 5.8 लाख रु. स्वीकृत हुए हैं।





3. डॉ. एम. श्रीनिवास को विज्ञान ट्रैक में तेजी लाने के लिए अग्रिम के तहत एसईआरबी से एक ऑनलाइन कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करने के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है।





4. डॉ. संघरत्ना गोडबोले (पी.आई.), एनआईटी वारंगल और प्रोफे. पी. राधा कृष्ण (सह-पीआई), एनआईटी वारंगल को "स्मार्ट क्लीनर: मृत परमाणु स्थितियों की मरम्मत द्वारा स्मार्ट अनुबंध को स्वचालित रूप से साफ़ करें", आईआईटी भिलाई नवाचार और प्रौद्योगिकी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ़) के लिए अंतर्विषयी साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमआईसीपीएस) के प्रौद्योगिकी उद्भवन हब (टीआईएच) फिनटेक प्रौद्योगिकियों में "युवा एवं महत्वाकांक्षी प्रौद्योगिकी उद्यमियों को प्रोत्साहन एवं गतिवर्द्धन (पीआरएवाईएएस)" ट्रैक के लिए रु. 26.46 लाख (3 वर्ष) 2022-2025.

5. डॉ. बालाप्रकाश राव किल्ली (पी.आई.), एनआईटी वारंगल और डॉ. राकेश त्रिपाठी (सह-पी.आई.), एनआईटी रायपुर "बैंकिंग और वित्त जांचकर्ताओं में गतिशील केवाईसी (नो यूअर कस्टमर) के लिए ब्लॉकचेन-सक्षम डिजिटल पहचान और प्रमाणीकरण", आईआईटी भिलाई नवाचार और प्रौद्योगिकी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ़) के लिए अंतर्विषयी साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमआईसीपीएस) के प्रौद्योगिकी उद्भवन हब (टीआईएच) फिनटेक प्रौद्योगिकियों में "युवा एवं महत्वाकांक्षी प्रौद्योगिकी उद्यमियों को प्रोत्साहन एवं गतिवर्द्धन (पीआरएवाईएएस)" ट्रैक के लिए रु. 7.62 लाख (1 वर्ष) 2022-2023.



जैवप्रौद्योगिकी विभाग

एनआईटी वारंगल का जैवप्रौद्योगिकी विभाग 2006 में स्थापित किया गया था । पाठ्यक्रम की शुरुआत जैवप्रौद्योगिकी में 4 वर्षीय बी.टेक. डिग्री के साथ हुई थी । तत्पश्चात वर्ष 2009 में, विभाग ने जैवप्रौद्योगिकी में पीएच.डी. करने के लिए छात्रों को सहर्ष स्वीकार किया । 2020 में, विभाग में जैवप्रौद्योगिकी में एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू किया गया था । विभाग में विभिन्न क्षेत्रों में अपना शोध कर रहे पोस्टडॉक्टोरल फेलो भी शामिल हैं ।

विभाग में बीस समर्पित फ़ैकल्टी सदस्य हैं जिन्हें जैवप्रौद्योगिकी के विविध शोध क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है । विभाग जैवप्रौद्योगिकी में बेहतर शिक्षा और शोध प्रदान करने वाला एक केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है । विभाग मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उद्यमशीलता और औद्योगिक सहयोग को भी बढ़ावा देता है । विभिन्न स्तरों पर, अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में अत्यधिक कुशल व्यक्तियों का पूल बनाने में विभाग का लक्ष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर प्राप्त किया जा रहा है ।



फ़ैकल्टी प्रोफाइल

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता व पदभार ग्रहण करने का दिनांक	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. कोर्रापति नरसिम्हुलु प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष	पीएच.डी 17.01.2008	पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी, जैवप्रक्रमों की मॉडलिंग और अनुकरण, जैवईंधन और जैवऊर्जा, सिस्टम्स बायोलॉजी	
2.	डॉ. श्रीनिवास राव पारचा प्रोफेसर	पीएच.डी 17.07.2008	मूल कोशिका अभियांत्रिकी, डाउनस्ट्रीम प्रक्रमण और एंजाइम अभियांत्रिकी	
3.	डॉ. आर. सतीश बाबू प्रोफेसर	पीएच.डी. 29.03.2012	जैवप्रक्रम अभियांत्रिकी, पर्यावरण जैवप्रौद्योगिकी मॉडलिंग व अनुकरण जैवप्रक्रम चपापचय अभियांत्रिकी जैवसूचना विज्ञान	
4.	डॉ. ओंकारा पेरुमल पी. एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी 30.11.2006	जैवसूचना विज्ञान; कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान; कार्यात्मक जीनोमिक्स; चयापचयी विकार	
5.	डॉ. अमिताव बंधु एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी 17.12.2013	माइकोबैक्टीरिया में जीन नियमन पर अध्ययन	

6.	डॉ. रामा राजू बी. एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी 24.09.2013	चपापचय अभियांत्रिकी, जैवईंधन और जैवपदार्थ	
7.	डॉ. वी. कोहिला एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी 24.09.2013	प्रोटीन अभियांत्रिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान (इम्यूनोलॉजी)	
8.	डॉ. असीम बिकास दास एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 08.10.2013	नेटवर्क बायोलॉजी, कैंसर जिनोमी	
9.	डॉ. उर्मिला सक्सेना एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 10.10.2013	जैवचिह्नक पहचान के लिए जैविक डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण; मेडिकल बायोसेंसर; नैनोजैवप्रौद्योगिकी	
10.	डॉ. प्रकाश सौदागर एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 30.09.2013	आणविक कोशिका जीव विज्ञान व प्रोटीन जैवरसायन, संक्रामक रोगों के लिए आणविक पद्धति, आणविक व जैवरासायनिक परजीवी विज्ञान	
11.	डॉ पेरुगु श्याम असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 09.04.2018	जैव सूचना विज्ञान, सिस्टम्स बायोलॉजी, कैंसर जीवविज्ञान, आणविक गतिकी व सिमुलेशन, ड्रग डिजाइन और आविष्कार, मशीन लर्निंग, डेटा विज्ञान	

12.	डॉ. एम. जेरोल्ड असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 13.04.2018	जैवईंधन व जैवऊर्जा; जैवप्रक्रमण; जैवशोषण; अपशिष्ट जल उपचार; जैवपृथक्करण; शैवाल जैवप्रौद्योगिकी; बायोपॉलिमर; जैवरिफाइनरीज; बायोमास वेलोर	
13.	अंबुमति पी. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 20.04.2018	सिस्टम्स बायोलॉजी	
14.	डॉ. रत्नप्रभा डी. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 09.04.2018	पादप जैवप्रौद्योगिकी	
15.	डॉ सौम्या लिप्सा रथ असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 20.11.2019	कम्प्यूटेशनल जैवभौतिकी	
16.	डॉ. सूरजभान सेवड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 16.12.2019	पर्यावरणीय जैवप्रक्रमण, जैवविद्युतरसायनिक प्रणाली	
17.	डॉ. प्रिया असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 07.12.2019	कोशिका व आणविक जीवविज्ञान; एपिजेनेटिक्स	

18.	डॉ. त्यागेश्वर चंद्रन असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 04.11.2019	संरचनात्मक प्रोटिओमिक्स; स्थूल अणुओं की आणविक गतिकी; आणविक जैवभौतिकी	
19.	डॉ. चोकालिंगम एस. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 22.11.2019	कैंसर जीवविज्ञान; कैंसर कोशिका सिग्नलिंग; कैंसर मूल कोशिका जीवविज्ञान	
20.	डॉ आशीष ए. प्रभु असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 03.07.2020	जैवप्रक्रम अभियांत्रिकी और चपापचय अभियांत्रिकी	

वित्तपोषित शोध परियाजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक एवं पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि (रु. लाख में)	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या	प्राप्त किश्त
1.	ट्रांसक्रिप्टोम टू ग्राफ एंबेडिंग: फेफड़े के कैंसर में चरण-विशिष्ट बायोमार्कर के पूर्वानुमान के लिए फ्रेमवर्क का विकास । पीआई का नाम: असीम बिकास दास	6.6	एसईआरबी (एमएटीआर आईसीएस)	एमटीआर/2021/ 000258	2.2
2.	सिट्रामैलिक अम्ल में खाद्य अपशिष्ट के कुशल वैलोराइजेशन के लिए पिचिया पेस्टोरिस सेल फैक्ट्री की चपापचय अभियांत्रिकी: टिकाऊ बायोपॉलिमर उत्पादन की दिशा में एक बायोरिफाइनरी पद्धति । पीआई का नाम: आशीष ए. प्रभु	32.09	डीएसटी-एसईआरबी (एसआरजी)	एसआरजी/2021 000485	24,59,5590
3.	मानव मूत्र से विद्युतरसायनी और जैवविद्युतरसायनी संचालित प्रक्रिया का उपयोग कर माइक्रोबियल प्रोटीन उत्पादन के साथ अमोनिया व फास्फोरस की पुनर्प्राप्ति । पीआई का नाम: डॉ. सूरजभान सेवड़ा	24.27	डीएसटी-एसईआरबी (एसआरजी)	एसआरजी/2021 001460	16,64,740
4.	निरोधक प्रतिरोधी टेम (/आरटी) बीटा-लैक्टमेज़ पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैकल्पिक लीड अणुओं के लिए जैव सूचना विज्ञान टूल्स का उपयोग कर एएमआर का मुकाबला करने के लिए दवाओं के पुनर्निर्माण अध्ययन के लिए एक रणनीति विकसित करना । *पीआई का नाम:* डॉ. देवजानी बनर्जी, डॉ. हिमांशु पंड्या *सह पीआई का नाम:* डॉ. देबजानी अरुण चक्रवर्ती, डॉ. एस. एल. रथ डॉ. रूपल पटेल डॉ. नैमिका पटेल	91.69	जीएसबीटीएम, (डीएसटी, गुजरात सरकार)	जीएसबीटीएम/ जेडी(आर&डी)/ 618/21-22/ 0क्यू003679	37 लाख (पीआई को प्राप्त हुए)

पूर्ण की गई पीएच.डी.

1. आर. कौशिक अराविल्ली (रोल नंबर 714042) ने "ह्युरिस्टिक्स इन रोल ऑफ़ ह्यूमन ग्लूटाथायोन एस-ट्रांसफ़ेरेज़ एमयू 1 एज़ नाइट्रिक ऑक्साइड कैरियर एण्ड इट्स इंजीनियर्ड वेरिएंट्स फ़ॉर एन्हान्स्ड एक्टिविटी", शीर्षक पर डॉ. वी. के. कोहीला के मार्गदर्शन में अक्टूबर, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
2. आदित्य वेलिदांडी (रोल नंबर 714156।), “इन विट्रो बायोलॉजिकल एण्ड कैटेलिटिक एप्लीकेशन्स ऑफ नैनोपार्टिकल्स सिंथेसाइज्ड फ्रॉम एनोना म्यूरिकेट लीफ एक्सट्रैक्ट”, डॉ. रामा राजू बी. के मार्गदर्शन में, (डिग्री 30 सितंबर, 2021 को प्रदान की गई)।
3. निनियन प्रेम प्रशांत पब्बाथी (रोल नंबर 715075), “आइसोलेशन, क्लोनिंग एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ बफ़ेलो रुमेन मेटाजिनोम डिराइव्ड सेल्युलोज़ (Cel-3.1) एण्ड इट्स एप्लीकेशन इन बायोमास सैकरिफिकेशन”, डॉ. रामा राजू बी. के मार्गदर्शन में, (डिग्री 12 अगस्त, 2021 को प्रदान की गई)।
4. सांतनु शशिधरन (716182), थीसिस का शीर्षक: "जेनेटिक एंड केमिकल वैलिडेशन ऑफ लीशमैनिया टाइरोसिन एमिनोट्रांस्फेरेज़ एज़ ए पोटेंशियल ड्रग टारगेट", डॉ. प्रकाश सौदागर के मार्गदर्शन में, मई, 2022 में।

स्थापित किए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

1. आनुवांशिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला के लिए यूवी ट्रांसिल्यूमिनेटर खरीदा और स्थापित किया गया।
2. जैवरसायन प्रयोगशाला में आइस फ्लेकिंग मशीन खरीदी और स्थापित की गई।
3. जैव सूचना विज्ञान प्रयोगशाला के लिए श्रोडिंगर सॉफ्टवेयर खरीदा और स्थापित किया गया।
4. आनुवांशिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में जल शोधन प्रणाली खरीदी और स्थापित की गई।





सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	52
	राष्ट्रीय सम्मेलन	16
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं**	
	चल रही परियोजनाएं (रु. **62.96 लाख**)	3
	डीएसटी, एसईआरबी, आईआईटीएम, एनएचएआई, सीएसआईआर	4 (चल रही)
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	**03**
	कुल बजट	**रु. 62.96 लाख**
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	4
4	**पुस्तक अध्याय**	14

गणित विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

गणित विभाग की स्थापना1959 में आरईसी श्रृंखला के पहले संस्थान, क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय वारंगल (आरईसीडब्ल्यू) की स्थापना के साथ हुई थी । गणित विभाग अभियांत्रिकी और विज्ञान कार्यक्रमों के यूजी व पीजी छात्रों के अध्यापन में कार्यरत है । विभाग में उच्च शिक्षित, प्रेरित और अनुभवी फ़ैकल्टी हैं, जो पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं और शोध परियोजनाओं को कार्यान्वित करते हैं । यह विभाग दो वर्षीय एम.एससी. अनुप्रयुक्त गणित और दो वर्षीय एम.एससी. गणित व वैज्ञानिक कंप्यूटिंग पाठ्यक्रम प्रदान करता है । गणित विभाग बी.टेक. के लिए गणित में मौलिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है । स्नातकोत्तर स्तर पर, यह विभाग एम.टेक., एम.सी.ए., एम.बी.ए. के सभी कार्यक्रमों के लिए अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए विविध पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यूजी, पीजी और पीएच.डी. के सभी कार्यक्रमों के लिए स्वतंत्र ऐच्छिक भी प्रदान करता है । यह विभाग नियमित व अंशकालिक दोनों आधार पर और गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी) के तहत भी गणित में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है । यह विभाग भारत में गणित के लिए एकमात्र क्यूआईपी केंद्र है । अक्टूबर 2022 तक 124 पीएच.डी. प्रदान की गई हैं ।

गणित विभाग शोध में सक्रिय रूप से कार्यरत है और इसके पास कई प्रायोजित आर&डी परियोजनाएं हैं । शोध क्षेत्रों में शामिल हैं - संख्यात्मक विश्लेषण, तरल यांत्रिकी, कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी, परिमित तत्व विधि, प्रचालन अनुसंधान, फ़ज़ी सेट्स व सिस्टम्स, गणितीय मॉडलिंग, बीजगणितीय कोडिंग सिद्धांत, क्रिप्टोग्राफी, अवकल समीकरण । इस विभाग के पास भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन हैं ।

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से, गणित में 5-वर्षीय एकीकृत एम.एससी. उपलब्ध कराया गया है, जिसमें उम्मीदवारों को प्रवेश जेईई मुख्य परीक्षा के माध्यम से दिया गया है । यह पाठ्यक्रम एनईपी 2020 मानकों पर आधारित है । इस पाठ्यक्रम के पहले तीन वर्ष गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विभागों द्वारा साझा किए जाते हैं । पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य सक्षम विज्ञान शिक्षक, वैज्ञानिक और शोधकर्त विकसित करना है । एकीकृत एम.एससी. से बाहर निकालने के लिए दो विकल्प हैं, छात्र के अनुरोध के आधार पर एवं सभी पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करने पर छात्र को तीसरे वर्ष के अंत में बी.एससी. और चौथे वर्ष के अंत में बी.एससी. ऑनर्स डिग्री के साथ बाहर निकलने की अनुमति है ।

एम.एससी. गणित के दोनों वर्गों के कार्यक्रमों को नियमित कठोर सिद्धांत पाठ्यक्रमों सहित प्रत्येक सेमेस्टर में एक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम के साथ डिजाइन किया गया है । ये पाठ्यक्रम गणितीय अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की भावना पैदा करते हैं और शोध गतिविधियों के लिए उत्साह भी पैदा करते हैं । टीम भावना

प्रोत्साहित करने और छात्रों के मौखिक संचार कौशल को बेहतर करने पर विशेष जोर दिया जाता है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायता करता है।



सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**60**
	अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	58
	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	2
	राष्ट्रीय सम्मेलन	
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2020-21)**	**3**
	डीबीटी, एसईआरबी, डीआरडीओ	1
	चल रही परियोजनाएं (रु. **63 लाख**)	3
	डीबीटी, एसईआरबी, आईआईटीएम, एनएचएआई, सीएसआईआर	2
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	6
4	**पुस्तक अध्याय**	2
5	**पेटेंट्स**	

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता व पदभार ग्रहण करने का दिनांक	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	प्रोफे. रमना मूर्ति जे.वी. प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी. 09.06.1993	द्रव गतिकी, एचएएम, क्षोभ विधियां	
2.	प्रोफे. रेड्डी वाई.एन. प्रोफेसर	पीएच.डी. 01.07.1992	संख्यात्मक विश्लेषण	
3.	प्रोफे. काशी विश्वनाथम के. एन.एस. प्रोफेसर	पीएच.डी. 30.9.1991	संख्यात्मक विश्लेषण, परिमित तत्व विधियां, इष्टमीकरण तकनीकें	
4.	प्रोफे. देबाशीष दत्ता प्रोफेसर	पीएच.डी. 19.8.1993	प्रचालन अनुसंधान, सांख्यिकी और गणितीय मॉडलिंग	
5.	प्रोफे. श्रीनिवासाचार्या डी. प्रोफेसर	पीएच.डी.	तरल यांत्रिकी; कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी; माइक्रोपोलर व युगल प्रतिबल तरल; संवहन ऊष्मा और द्रव्यमान अंतरण; जैव यांत्रिकी; सरंध्र माध्यम से प्रवाह	

6.	डॉ. हरि पोन्नम्मा रानी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी. 21.01.2008	अरैखिक गतिकी, परिमित अंतर विधियां, परिमित आयतन विधियां, कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी, अस्थिरता और भंवर विश्लेषण, ऊष्मा और द्रव्यमान अंतरण समस्याएं ।	
7.	डॉ. पी. मुथु एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 06.02.2008	कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी (सीएफडी); जैव यांत्रिकी; गणितीय मॉडलिंग; द्रवगतिकी स्नेहन; गणितीय जीवविज्ञान	
8.	डॉ. बेनर्जी बाबू ए. एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 21.07.2008	द्रव गतिकी (भूभौतिकीय तरल गतिकी)	
9.	डॉ. आर.एस. सेल्वराज एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 15.01.2007	बीजगणितीय कोडिंग सिद्धांत (यह सूचना सिद्धांत की एक शाखा है; यह एक गणितीय विधा है जिसके लिए रैखिक बीजगणित और सार बीजगणित आवश्यक होगा)	
10.	डॉ. प्रणिता जे. एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 27.07.2006	तरल गतिकी; ऊष्मा अंतरण; सरंध्र माध्यम	
11.	डॉ. चौ. रामरेड्डी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 09.12.2013	तरल गतिकी, संवहन ऊष्मा और द्रव्यमान अंतरण, सरंध्र माध्यम, कम्प्यूटेशनल विधियां और इनका स्थायित्व	

12.	डॉ. डी. भार्गवी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 07.05.2012	कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी, सरंध्र माध्यम से संख्यात्मक ऊष्मा अंतरण	
13.	डॉ. सत्यनारायण एंगु एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 10.7.2018	आंशिक अवकल समीकरण	
14.	डॉ. वाई. श्रीनिवास राव असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 18.4.2018	सार्वजनिक कुंजी क्रिप्टोग्राफी और इसके अनुप्रयोग (कुंजी वितरण, क्लाउड सुरक्षा, सुरक्षित डेटा साझाकरण और क्लाउड से डेटा पुनर्प्राप्ति, ब्लॉकचेन सुरक्षा)	
15.	डॉ. कलाधर के. असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 29.11.2019	द्रव गतिकी, सामग्रीसूची प्रबंधन, जैव-गणित	
16.	डॉ. दीपिका नीला असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 18.12.2019	द्रवगतिकी स्थिरता; सरंध्र माध्यममें संवहन	
17.	डॉ. त्रिवेणी प्रसाद शुक्ला असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 11.11.2019	अर्धरैखिक आंशिक अवकल समीकरण, अरैखिक तरंगें	

18.	डॉ. श्रीनिवास जांगिली असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 29.11.2019	ऊष्मा अंतरण विश्लेषण, विश्लेषणात्मक व अर्द्ध-विश्लेषणात्मक विधियां	
19.	डॉ. जगन्नाथ राय असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 13.11.2019	बहु-मानदंड और बहु-उद्देश्य निर्णय लेना, पोर्टफोलियो चयन, फ़ज़ी इष्टतमीकरण	

वित्तपोषित शोध परियाजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक एवं पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या
1.	घूमने वाली डिस्क के कारण प्रेण्ड्ट्ल ईयरिंग नैनोतरल प्रवाह और ऊष्मा अंतरण पर विभिन्न थर्मो-भौतिक प्रभावों का अध्ययन **प्रोफे. डी. श्रीनिवासाचार्या**	18.30 लाख	डीएसटी	डीएसटी-एफएसईआर, परियोजना नं. एसईआरबी/एफ/5959/ 2020-2021 दिनांक 21 दिसंबर 2020
2.	एनआईटीडब्लू - आरएसएम परियोजना, अनिश्चित प्रतिमान में टिकाऊ लॉजिस्टिक प्रबंधन का बहु-मापदंड इष्टतमीकरण	रु. 5,00,000/-	एनआईटीडब्ल्यू - आरएसएम परियोजना	
3.	आयताकार माइक्रोचैनल्स के माध्यम से गैर-न्यूटोनियन तरल के इलेक्ट्रोस्मोटिक प्रवाह के ऊष्मा अंतरण अभिलक्षणों का अन्वेषण	रु. 5,00,000/-	एनआईटीडब्ल्यू - आरएसएम परियोजना	
4.	अर्ध बहुपद समय एल्गोरिथ्म का उपयोग कर जीएफ़(2एन) पर असतत लघुगणक समस्या को हल करने का डिजाइन और कार्यान्वयन ।	24.97956 लाख	डीआरडीओ	डीआईआर/एमईडी& एएमपी; सीओएस/ एसएजी/ पी(सीएआरएस)/21-22/ 007 दिनांक 03.03.2022
5.	असमांगी बर्गर्स समीकरणों के समाधान पर **डॉ. ई. सत्यनारायण**	20 लाख	सीएसआईआर	सीएसआईआर और संख्या 25(0302)/19/ईएमआर-II

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. ओम प्रकाश मीणा (रोल नंबर 717160) ने "सिमिलरिटी एण्ड नॉन- सिमिलरिटी सलूशन्स फॉर मिक्स्ड कन्वेक्शन फ़्लो एक्रास वर्टिकल वेज़ एण्ड कोन" शीर्षक पर डॉ. जे. प्रणिता के मार्गदर्शन में सितंबर, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
2. कोरागोनी नरेश (रोल नंबर 716184) ने "न्यूमेरिकल एनालिसिस ऑफ नेचरल कन्वेक्टिव फ़्लो पास्ट वर्टिकल सिलेंडर एण्ड इनसाइड द केविटी" शीर्षक पर डॉ. एच.पी. रानी के मार्गदर्शन में मार्च, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
3. कलाकुंतला सीता रमना (रोल नंबर 718070) ने "बायो-कन्वेंशन फ्लो ऑफ़ ए नैनोफ्लुइड पास्ट एन इनक्लाइन्ड वेवी सरफेस" शीर्षक पर प्रोफे. डी. श्रीनिवासाचार्या के मार्गदर्शन में अगस्त, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
4. वनचार्ला पुजिता (रोल नंबर 716047) ने "मैथमेटिकल मॉडल्स ऑफ साइनोवियल जॉइंट लुब्रिकेशन" शीर्षक पर डॉ. पी. मुथु के मार्गदर्शन में जुलाई, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
5. अभिनव श्रीवास्तव (रोल नंबर 718064) ने “पावर-लॉ फ्लूइड फ्लोज ओवर ए ट्रंकेटेड कोन इन ए नॉन-डार्सी पोरस मीडियम” शीर्षक पर डॉ. सीएच. रामरेड्डी के मार्गदर्शन में अक्टूबर, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
6. दीपक बर्मन (रोल नंबर 717158) ने "लीनियर स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ विस्कस एण्ड नैनोफ्लूइड फ्लोज इन हॉरिजॉन्टल/वर्टिकल चैनल्स” शीर्षक पर में प्रोफे. डी. श्रीनिवासाचार्या के मार्गदर्शन में जून, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की ।

भौतिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

भौतिकी विभाग की स्थापना 1959 में आरईसी श्रृंखला के पहले संस्थान, क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय वारंगल (आरईसीडब्ल्यू) की स्थापना के साथ हुई थी। भौतिकी विभाग अभियांत्रिकी और विज्ञान पाठ्यक्रमों के यूजी व पीजी छात्रों के अध्यापन में कार्यरत है। इस विभाग में उच्च शिक्षित, प्रेरित और अनुभवी फ़ैकल्टी हैं, जो पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं और शोध परियोजनाओं को कार्यन्वित करते हैं। भौतिकी विभाग फोटोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन में विशेषज्ञता के साथ तीन वर्षीय एम.एससी. (टेक) अभियांत्रिकी भौतिकी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विभाग शोध कार्य में सक्रिय रूप से लगा हुआ है और इसके पास कई प्रायोजित आर&डी परियोजनाएं हैं। शोध के क्षेत्रों में शामिल हैं - नैनोपदार्थ, ग्लास व जैवपदार्थ, चुम्बकीय पदार्थ, बायो-पॉलिमर, फोटोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन, पारदर्शी चालक ऑक्साइड, लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले, ऑर्गेनिक एलईडी और हाइब्रिड सौर सेल। भौतिकी विभाग के पास प्रतिष्ठित उद्योगों और बीईएलL, सीएसआईओ, ईएलओआईआरए आदि जैसे आर&डी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से, भौतिकी में 5-वर्षीय एकीकृत एम.एससी. पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा, जिसमें उम्मीदवारों को प्रवेश जेईई मुख्य परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम एनईपी 2020 के मानकों पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम के पहले तीन वर्ष गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विभागों द्वारा साझा किए जाते हैं। पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य सक्षम विज्ञान शिक्षकों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का विकास करना है। पाठ्यक्रम से बाहर निकालने के लिए दो विकल्प हैं, पहला तीसरे वर्ष के अंत में बी.एससी. अभियांत्रिकी भौतिकी और दूसरा चौथे वर्ष के अंत में बी.एससी. ऑनर्स।



फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता व पदभार ग्रहण करने का दिनांक	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. टी. वेंकटप्पा राव, प्रोफेसर और अध्यक्ष	पीएच.डी. 16.01.2008	पदार्थ विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और फाइबर ऑप्टिक्स सेंसर	
2.	प्रो. दिनकर दंताला	पीएच.डी. 30.12.1995	ऑप्टिकल फाइबर सेंसर्स, पदार्थ विज्ञान	
3.	डॉ. बी. शोभा, प्रोफ़ेसर	पीएच.डी. 3 जून 1992	सेंसर्स और इंस्ट्रूमेंटेशन, पदार्थ विज्ञान	
4.	डॉ. अब्दुल अज़ीम	पीएच.डी. 17.09.2008	कांच विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी, ऑप्टिकल सिस्टम डिजाइनिंग, कांच और कांच सिरेमिक के ऑप्टिकल गुणधर्म, संदीप्त पदार्थ और उपस्कर, ऊतक अभियांत्रिकी के लिए जैवपदार्थ, ड्रग डिलीवरी और बायोइमेजिंग अनुप्रयोग	
5.	डॉ. पी. श्याम प्रसाद प्रोफेसर	पीएच.डी. 21.01.2008	कांच विज्ञान और अभियांत्रिकी: ऊतकअभियांत्रिकी और फोटोनिक अनुप्रयोगों के लिए कांच	

6.	डॉ. सौरभ रॉय	पीएच.डी. 18.06.2012	ऑप्टिकल वेवगाइड्स, फाइबर ऑप्टिक उपस्कर और सेंसर्स, फोटोनिक्स, ऑप्टिकल सिस्टम डिज़ाइन	
7.	डॉ. के. थंगाराजू प्रोफेसर	पीएच.डी. 10.10.2014	कार्बनिक और हाइब्रिड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपस्कर	
8.	प्रोफे. हरनाथ दिवि	पीएच.डी. 11.07.2018	फोटोनिक पदार्थ; नैनोपदार्थ; संदीप्त पदार्थ उपस्कर; मध्यसरंध्र पदार्थ; एरोजेल्स; फ्रैक्टल्स; सोल-जेल प्रौद्योगिकी; ऊर्जा संचयन; दाबविद्युत उपस्कर	
9.	डॉ. कुसुम कुमारी	पीएच.डी. 13.08.2011	क्वांटम पदार्थ, कार्बनिक अर्द्धचालक, हाइब्रिड सौर सेल, ऊर्जा भंडारण उपस्कर	
10.	डॉ. डी. पॉल जोसेफ एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी. 24.10.2013	पारदर्शी चालक महीन फिल्में, सौर सेल, चुम्बकत्व और अतिचालकता	
11.	डॉ. वी. जयलक्ष्मी	पीएच.डी. 15.05.2014	लिक्विड क्रिस्टल, नैनोपदार्थ, बायोसेंसर, जैवभौतिकी, माइक्रोफ्लूइडिक्स	

12.	डॉ. आर. राकेश कुमार	पीएच.डी. 21.05.2018	ऊर्जा संचयन, ऊर्जा भंडारण, नैनोजनरेटर्स, नैनोपदार्थ, नैनोवायर्स ग्रोथ, 2डी पदार्थ	
13.	डॉ. सूर्या के. घोष असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 13.11.2019	सांख्यिकीय यांत्रिकी, कोमल पदार्थ, जैवभौतिकी, कम्प्यूटेशनल भौतिकी	
14.	डॉ. हितेश बोरकर असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 11.11.2019	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी	
15.	डॉ. के. उदय कुमार	पीएच.डी. 31.10.2019	महीन फिल्में; इलेक्ट्रोक्रोमिक्स; पारदर्शी चालक आक्साइड; ऊर्जा संचयन पदार्थ और उपस्कर	
16.	डॉ. आलू बोड़ा असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी. 01.11.2019	सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी	
17.	डॉ. विजय कुमार	पीएच.डी. 28.11.2019	मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, ऑप्टिकल कोणीय संवेग, ऑप्टिकल संचार, फाइबर ऑप्टिक्स, नैनो-ऑप्टिक्स	

वित्तपोषित शोध परियाजनाएं

क्रम संख्या	शीर्षक एवं पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या	2021-2011 में प्राप्त किश्त	योग
8.	व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए पूरी तरह से जैव-आधारित व बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर और बांस फाइबर कंपोजिट का विकास । डॉ. टी. वी. अप्पा राव	34.542	एमबीडीबी	एमडी/एमबीडीबी/सीआर-86/18-19/589 दिनांक 22.04.2019	11,27500/-	11,27500/-
9.	दीर्घावधि ग्रेटिंग अंकित अल्प मोड ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग कर ऑप्टिकल वोर्टेक्स बीम का अचल उत्पादन डॉ. सौरभ राय	39.5 लाख	एसईआरबी डीएसटी	सीआरजी/2019/006569, दिनांक 20.02.2020	14,65,454/-	
10.	दक्ष यूवी फोटोडिटेक्टर अनुप्रयोगों के लिए विलयन प्रक्रमित Alq3/ZnO संकर महीन फिल्मों पर आयन आरोपण, आईयूएसी दिल्ली		आईयूएसी (यूजीसी)	उपयोगकर्ता परियोजना	NA	NA
11.	संकेतक और सामरिक सड़क सुरक्षा चिह्न अनुप्रयोगों के लिए दुर्लभ-मृदा मुक्त दीर्घकालीन संदीप्त संदीपकों का विकास, प्रोफे. डी. हरनाथ (पीआई)	32.588 लाख	एसईआरबी - डीएसटी	सीआरजी/2021/007142 दिनांक 07.03.2022	18,61,500/-	18,61,500/-
12.	पेरोवस्काइट सौर सेल कार्यनिष्पादन में सुधार के लिए सीवीडी विकसित MoS2 अतिमहीन परतों के साथ अंतरापृष्ठ अभियांत्रिकी	37.53 लाख	डीएसटी-टीएमडी - एसईआरआई 2016-2021	डीएसटी/टीएमडी/एसईआरआई/एस56 (सी)	5.85 लाख	5.85 लाख
13.	लिक्विड क्रिस्टलों का उपयोग कर अल्ज़ाइमर के बायोमार्कर का लागत प्रभावी लेबल रहित संसूचन की डिजाइन और विकास - डॉ. वी. जयलक्ष्मी	37.4 लाख	डीबीटी	बीटी/पीआर 35841/एमईडी/32/745/2020	34.7 लाख	34.7 लाख
14.	जटिल परिवेश में गतिकी: एकल कण से विशाल पॉलिमर तक डॉ. सूर्या के. घोष (पीआई)	17 लाख	डीएसटी	एसआरजी/2020/001606	5.64 लाख	5.64 लाख

15.	कम्प्यूटेशनल संरचना-आधारित औषधि डिजाइन डॉ. सूर्या के. घोष (सह-पीआई)	37 लाख	एक्सएसईडीई, यूएसए और माइक्रोसॉफ्ट एज्यूर, यूएसए	MCB200218 (एचपीसी कंसोर्टियम प्रोजेक्ट)	NA	NA
16.	नैनोसंरचनाओं का उपयोग कर मशीन लर्निंग सहायित स्ट्रक्चर्ड लाइट डीमल्टिप्लेक्सिंग डॉ. विजय कुमार	17.8 लाख	एसईआरबी	एसआरजी/2021/001375	रु. 1147044/-	

पेटेंट

क्रम संख्या	स्वीकृत करने का दिनांक	पेटेंट शीर्षक	पेटेंट आवेदक का (के) नाम	पेटेंट नं.	विभाग	पेटेंट राष्ट्र	पेटेंट स्थिति
5.	अक्टूबर 2021	कैल्शियम सिलिकेट बेस्ड नैनो क्रिस्टलाइन सिरेमिक : ए कॉस्ट इफेक्टिव मेथड फॉर द प्रिपरेशन यूजिंग नेचरल रिसोर्सेस	डॉ. पी. अब्दुल अज़ीम, पी. श्रीनाथ, के.वी.जी. रेड्डी	376586	भौतिकी	भारत	स्वीकृत

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. टी. रमेश (रोल नं. 714051) ने "डेवेलपमेंट ऑफ नॉवेल पोरस कार्बन्स यूजिंग एग्रीकल्चरल बायोमास फॉर हाई परफ़ोर्मेंस एण्ड कॉस्ट इफेक्टिव इलेक्ट्रोड्स फॉर सुपरकैपेसिटर एप्लीकेशन" शीर्षक पर प्रोफे. एल. राम गोपाल रेड्डी के मार्गदर्शन में अक्टूबर, 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

2. लालसिंह गुगुलोथ (रोल नं. 715084) ने "स्टडीज़ ऑन फोटोफिजिक्स एण्ड चार्ज कैरियर डायनामिक्स ऑफ ग्रैफेन ऑक्साइड एण्ड टर्नरी ब्लेन्ड बेस्ड पॉलिमर सोलर सेल्स" शीर्षक पर डॉ. कुसुम कुमारी के मार्गदर्शन में सितम्बर 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

3. वी.डी.आर. पवन (रोल नं. 701640) ने "स्टडीज़ ऑन मोड प्रोपेगेशन एण्ड रिलेटेड फिनोमेनान इन फोटोनिक क्रिस्टल वेवगाइड्स" शीर्षक पर प्रोफे. सौरभ रॉय के मार्गदर्शन में जून, 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

4. एन. पुरुषोत्तम रेड्डी (रजि.नं. 717052) ने "डोनर डोप्ड BaSnO3, SnO2 मेटल ऑक्साइड फोटोएनोड्स एण्ड प्रिकली पीयर फ्रूट एक्सट्रेक्ट फोटोसेंसिटाइज़र अल्टर्नेटिव्स फॉर डाई सेंसिटाइज़्ड सोलर सेल" शीर्षक पर डॉ. डी. पॉल जोसेफ के मार्गदर्शन में मार्च, 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

5. एम.के. गुप्ता को "इम्प्रूवमेंट इन द परफ़ोर्मेंस ऑफ लेजर-बेस्ड रोटेशन सेंसर यूजिंग डिफरेंट नैनो फिनिशिंग ऑन ग्लास एण्ड ग्लास सिरेमिक" पर प्रोफे. दिनाकर दांताला के मार्गदर्शन में दिसंबर 2021 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

6. एम.गोपाला कृष्ण मूर्ति "मेकैनाइज़ेशन ऑफ कोरिओलिस वाइब्रेटरी गायरोस्कोप बेस्ड ऑन कंट्रोल एल्गोरिथ्म कंप्रेहेंशन एण्ड वैक्यूम सीलिंग फॉर एयरोस्पेस एप्लीकेशन्स" पर प्रोफे. दिनकर दांताला के मार्गदर्शन में सितंबर 2022 में पीएच.डी. प्रदान की गई।

7. विष्णु विकेश जायसवाल (रजि.नं. 718163) ने "स्टडीज़ ऑन मल्टी-कलर एमिटींग लॉन्ग आफ्टरग्लो फास्फर्स फॉर डिस्प्ले, सिक्योरिटी एण्ड बायोलॉजीकल एप्लीकेशन्स" शीर्षक पर प्रोफे. डी. हरनाथ के मार्गदर्शन में 09 अक्टूबर 2021 को अपनी पीएच.डी. पूरी की।

8. एम. नागराजू (रोल नं. 716187) ने "स्टडी एण्ड इवैल्यूएशन ऑफ पॉलीएनिलिन-रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड कंपोजिट्स एण्ड पोरस कार्बन इलेक्ट्रोड मटीरियल्स फॉर सुपरकैपेसिटर्स " शीर्षक पर प्रोफे. एल. राम गोपाल रेड्डी और डॉ. कुसुम कुमारी के पर्यवेक्षण में जुलाई 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

9. श्री ज्ञानेश्वर दासी (रोल नं. 716054) ने “सोलुशन प्रोसेस्ड Alq3/ZnO हाइब्रिड थिन फिल्म्स एण्ड स्ट्रेटेजी टु इम्प्रूव ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परफ़ोर्मेंस” शीर्षक पर प्रोफे. के. थंगराजू के मार्गदर्शन में 13 जून 2022 को अपनी पीएच.डी. पूरी की।

10. श्री श्रीनाथ पलाकुर्ती (रोल नं. 716288) ने “कैल्शियम सिलिकेट बेस्ड बायोसेरामिक्स डिराईव्ड फ्रॉम नेचरल रिसोर्सेस फॉर टिशू इंजीनियरिंग” शीर्षक पर प्रोफे. पी. अब्दुल अज़ीम और प्रोफे. के. वी. जी. रेड्डी के मार्गदर्शन में 29 सितंबर 2021 को अपनी पीएच.डी. पूरी की।

स्थापित किए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

1. बड़े क्षेत्रफल के नमूनों के प्रतिरोध को मापने के लिए रैखिक चार प्रोब उपकरण खरीदा और भौतिकी विभाग में स्थापित किया गया।
2. प्रशीतित अपकेंद्रित्र; 21000 आरपीएम, रेमी इंस्ट्रूमेंट्स।
3. अल्ट्रासोनिकेटर, मेसर्स: एथेना टेक्नोलॉजी – रु. 29500/- प्लान-जनरल इक्विपमेंट (पी845)" - भौतिकी विभाग 2021-2022.
4. स्पिन कोटर, मैसर्स: एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एमएसई) – रु.1,56,188 "प्लान-जनरल इक्विपमेंट (पी845)" - भौतिकी विभाग 2021-22.
5. यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, मेटलर टोलेडो - यूवी5, रु. 7,50,000/- "प्लान-जनरल इक्विपमेंट (पी845)" - भौतिकी विभाग 2021-22.
6. जीटा पोटेन्शियल एण्ड पार्टिकल साइज़ एनेलाइजर, मॉडल का नाम: लाइटसाइज़र 500, रु. 28,00,000.00, "प्लान-जनरल इक्विपमेंट (पी845)" - भौतिकी विभाग 2021-22.
7. CO2 इनक्यूबेटर, रु. 500000/- डीबीटी परियोजना से, 2021.

सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**116**
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	116
	प्रभाव कारक के बिना अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	
	राष्ट्रीय सम्मेलन	
	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	5
	राष्ट्रीय सम्मेलन	5
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	**4**
	डीबीटी, एसईआरबी, डीआरडीओ	4
	चल रही परियोजनाएं (रु. 4.84 करोड़)	11
	बीआरएनएस	1
	एफ़आईएसटी परियोजना ((रु. 2.5 करोड़)	1
	राष्ट्रीय बांस मिशन	1
	डीएसटी, एसईआरबी, आईआईटीएम, एनएचएआई, सीएसआईआर	7
	चल रही परियोजनाओं की कुल संख्या	**10**
	कुल बजट	**रु.** 5.87 करोड़
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	10
4	**पुस्तक अध्याय**	10
	प्रकाशित की गई पुस्तकें	
5	**फाइल किए गए पेटेंट्स**	
	स्वीकृत / प्रदान किए गए पेटेंट्स	1

रसायन विज्ञान विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रम

वर्ष 1959 में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय वारंगल (आरईसी) के अभिन्न अंग के रूप में स्थापित रसायन विज्ञान विभाग, अपनी स्थापना के समय से ही, संस्थान में अकादमिक रूप से सर्वाधिक सक्रिय विभागों में से एक के रूप में माना जाता है । विभाग में 18 फ़ैकल्टी सदस्य , 57 शोधार्थी एवं 100 से अधिक एम.एससी. छात्र हैं । यह विभाग सात बी.टेक. कार्यक्रमों को रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम प्रदान करता है और कार्बनिक रसायन विज्ञान व विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ दो एम.एससी., रसायन विज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है । विभाग ने करोड़ों रुपये की कई प्रायोजित शोध परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है और लगभग 15 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं पर कार्य चल रहा हैं । यह विभाग कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक एवं विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान के समकालीन विषयों में अत्याधुनिक शोध कर रहा है । यह अपने शोध पत्रों को अति उच्च प्रभाव कारक के जर्नल्स में प्रकाशित करता रहा है । अब तक विभाग ने 150 से अधिक छात्रों को पी.एचडी. उपलब्ध कराई है और विभिन्न सुप्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नल्स में 1100 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं । विभाग में विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे 400 MHz एनएमआर, एचआरएमएस, बीईटी, गैस क्रोमेटोग्राफी, एचपीएलसी, एफ़टीआईआर, यूवी - विजिबल एनआईआर, फ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, कंप्यूटेशनल कैमिस्ट्री सॉफ्टवेयर आदि उपलब्ध हैं । अनुवर्ती शिक्षा और आउटरीच गतिविधियों के भाग के रूप में, इस विभाग ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन *(कॉन्फ्रेंसेस)*, संगोष्ठियां *(सेमिनार्स)* और कार्यशालाएं *(वर्कशॉप्स)* आयोजित की हैं । इसके साथ ही, कई फ़ैकल्टी अपनी आउटरीच गतिविधियों और विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में भागीदारी के लिए भी जाने जाते थे । यह विभाग शिक्षण, अनुसंधान और स्नातक छात्रों के प्लेसमेंट में उत्कृष्ट है ।

परिदृष्टि (विज़न)

रासायनिक विज्ञान एवं संबद्ध क्षेत्रों में ज्ञान के एक सशक्त केंद्र के रूप में सेवा करने के लिए अग्रसर ताकि रासायनिक शिक्षा, रासायनिक शोध, रासायनिक उद्योग और रसायन विज्ञान के समाज के साथ सभी इंटरफेस में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करते हुए संस्थान के विज़न को कई स्तंभों में से एक के रूप में बनाए रखा व मजबूत किया जा सके ।

लक्ष्य (मिशन)

नवाचारी, उद्यमी व पर्यावरण अनुकूल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रासायनिक विज्ञान के स्नातक विकसित करने के लिए बुनियादी एवं अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान में समग्र गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करना ।

तकनीकी शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में अभियांत्रिकी छात्रों को रसायन विज्ञान, केंद्रीय विज्ञान की प्रासंगिक मूलभूत एवं अनुप्रयुक्त विशेषताएं प्रदान करना ।

रासायनिक उद्योग एवं सामाजिक सेवा क्षेत्रों को रासायनिक एवं संबद्ध विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में नवाचार व शोध द्वारा पर्यावरण अनुकूल और हरित रासायनिक प्रोटोकॉल की दिशा प्रोत्साहित करना ।

शिक्षार्थी-केंद्रित एवं आत्म निर्भर भारत आधुनिक शिक्षा व शोध के माध्यम से बुनियादी और उन्नत रसायन विज्ञान में मानव संसाधन और वैज्ञानिक जनशक्ति की देश की जरूरतों को पूरा करना।

शोध रुचि के क्षेत्र:

कार्बनिक संश्लेषण, विद्युतरसायन, संसूचक, ऊर्जा प्रणाली, अंतरापृष्ठोय रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान, औषधि अन्वेषण, उत्प्रेरण, स्व-संयोजन, पदार्थ रसायन विज्ञान, विश्लेषणात्मक अभिकर्मक व क्रोमैटोग्राफी, उपसहसंयोजी रसायन विज्ञान, पर्यावरण रसायन विज्ञान, जैव-कार्बनिक रसायन विज्ञान, कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान, नैनोपदार्थ, विशाल आणविक रसायन विज्ञान, अभिकलनात्मक रसायन विज्ञान।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:

यूजी पाठ्यक्रम: अभियांत्रिकी की सभी शाखाओं के लिए रसायन विज्ञान सिद्धांत और प्रयोगशाला; रासायनिक अभियांत्रिकी के लिए औद्योगिक कार्बनिक रसायन सिद्धांत एवं एमएमई के लिए पॉलिमर प्रौद्योगिकी।

पांच वर्षीय एकीकृत एम.एससी. प्रोग्राम: जेईई मेन्स के माध्यम से 60 छात्रों को प्रवेश - गणित (20), भौतिकी (20) व रसायन विज्ञान (20). पहले तीन वर्ष के दौरान सामान्य पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम: रसायन विज्ञान विभाग कार्बनिक रसायन विज्ञान व विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ दो द्वि -वर्षीय (4-सेमेस्टर) एम.एससी. रसायन विज्ञान कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें प्रत्येक संकाय में प्रवेश क्षमता 30 है। इन कार्यक्रमों में प्रवेश परास्नातक के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेएएम) के आधार पर होता है, यह एक अखिल भारतीय परीक्षा है जिसे राष्ट्रीय समन्वय बोर्ड - गेट, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय की ओर से भारतीय विज्ञान संस्थान और सात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से प्रशासित और आयोजित किया जाता है और आईआईटीs व आईआईएसईआरs द्वारा संचालित किया जाता है।

डॉक्टरेट (पीएच.डी.) कार्यक्रम: रसायन विज्ञान विभाग के सभी फ़ैकल्टी सदस्य पंजीकृत शोधार्थियों को अनुसंधान मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जिससे रसायन विज्ञान की सभी शाखाओं में और रसायन विज्ञान के अत्याधुनिक अंतर-विषयिक क्षेत्रों में पीएच.डी. डिग्री प्रदान की जाती है।

संस्थान में पूर्णकालिक और बाह्य पीएच.डी., दोनों प्रवेश हैं। सभी पूर्णकालिक शोधार्थियों को या तो संस्थान फैलोशिप या प्रोजेक्ट फैलोशिप या निजी जेआरएफ/एसआरएफ फैलोशिप के माध्यम से वित्तीय सहायता मिलती है जबकि बाह्य (अंशकालिक) पीएच.डी. स्कॉलर वे होते हैं जो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं या प्रतिष्ठित औद्योगिक आर&डीसंगठनों में काम करते हैं। विभाग ने अब तक 150 से अधिक पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की हैं और 50 से अधिक पीएच.डी. स्कॉलर पंजीकृत हैं।

सारांश

क्रमांक	गतिविधि	संख्या
1	**प्रकाशन (विद्वत समीक्षित जर्नल/सम्मेलन) (स्कोपस / एससीआई)**	**103**
	प्रभाव कारक के साथ अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं	103
2	**वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं/स्पार्क परियोजनाएं (2021-22)**	**2**
	डीबीटी, एसईआरबी, डीआरडीओ	6
	चल रही परियोजनाएं (रु. 6.8 करोड़)	12
	एफ़आईएसटी परियोजना ((रु. 2.5 करोड़)	1
	राष्ट्रीय बांस मिशन	
	डीएसटी, एसईआरबी, आईआईटीएम, एनएचएआई, सीएसआईआर	4
3	**पीएच.डी. प्रदान की**	5
4	**पुस्तक अध्याय**	10
	प्रकाशित की गई पुस्तकें	
5	**फाइल किए गए पेटेंट्स**	**3**
	स्वीकृत / प्रदान किए गए पेटेंट्स	2
	कुल पेटेंट्स	5

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	पदभार ग्रहण का दिनांक	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	डॉ. के. लक्ष्मा रेड्डी, पीएच.डी. (काकतीया विश्वविद्यालय) प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.		उपसहसंयोजी और पर्यावरण रसायन विज्ञान	
2.	डॉ. वी. राजेश्वर राव, पीएच.डी. (काकतीया विश्वविद्यालय) प्रोफेसर (एचएजी)	पीएच.डी.	14.06.95	संश्लेषण कार्बनिक रसायन विज्ञान, संकर प्राकृतिक उत्पादों का संश्लेषण, जीवविज्ञानी रूप से सक्रिय हेटेरोसायक्लिक यौगिकों का संश्लेषण, नए जैवसक्रिय अणुओं के लिए एमसीआर विधियां व स्टिरियोसिलेक्टिव संश्लेषण	
3.	डॉ. के. वी. गोबी, पीएच.डी. (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय), प्रोफेसर	पीएच.डी.	03.03.2008	विद्युतरसायनी जैवसंसूचक, ईंधन सेल इलेक्ट्रो-उत्प्रेरक	
4.	डॉ. पी. वी. श्रीलक्ष्मी, पीएच.डी. (आईआईसीटी, हैदराबाद), प्रोफेसर	पीएच.डी.	01.11.2006	जैवकार्बनिक रसायन विज्ञान, ड्रग डिलीवरी/जीन डिलीवरी	
5.	डॉ. विष्णु शंकर, पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली), प्रोफेसर	पीएच.डी.	28.07.2008	नैनोकम्पोजिट पदार्थ, पर्यावरण उपचार और फोटोउत्प्रेरण	

6.	डॉ. डी. काशीनाथ, पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.		कार्बनिक संश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान	
7.	डॉ. एन. वेंकटत्री, पीएच.डी. (सीएसआईआर- एनसीएल, पुणे) प्रोफ़ेसर	पीएच.डी.	13.08.2008	पदार्थ रसायन विज्ञान, विषमांगी उत्प्रेरक, जैवपदार्थ और विद्युत रसायन विज्ञान	
8.	डॉ रघु चिट्टा, पीएच.डी. (विचिता स्टेट यूनिवर्सिटी), एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	30.05.2018	पदार्थ रसायन विज्ञान, सौर ऊर्जा, कीमोसेंसर	
9.	डॉ. बी. श्रीनिवास, पीएच.डी. (हैदराबाद विश्वविद्यालय), एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	24.09.2013	कार्बनिक संश्लेषण, विशाल आणविक रसायन विज्ञान, क्रिस्टल अभियांत्रिकी और बहुरूपता	
10.	डॉ. के. हरि प्रसाद, पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर), एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	06.12.2013	कार्बनिक संश्लेषण, कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान	
11.	डॉ. एस. नागराजन, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय), एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.	23.04.2018	कार्बनिक संश्लेषण, कार्बनिक पदार्थ, आणविक स्व-संयोजन	

12.	डॉ संतोष पेंटा, (एनआईटी वारंगल), एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.		कार्बनिक संश्लेषण, फार्मास्युटिकल महत्व की ड्रग डिज़ाइन, उत्प्रेरण, आयनिक तरल, C-H सक्रियण	
13.	डॉ. एम. राघसुधा, पीएच.डी. (उस्मानिया विश्वविद्यालय) असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	11.04.2018	पदार्थ रसायन विज्ञान, चुम्बकीय नैनोपदार्थ, फोटोउत्प्रेरण, उत्प्रेरण	
14.	डॉ. सी. जुगुन प्रकाश, पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे), असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	26.04.2018	औषधीय अकार्बनिक और जैव-विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान	
15.	डॉ रविंदर पवार, पीएच.डी. (सीएसआईआर. सीएलआरआई), असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		कम्प्यूटेशनल व सैद्धांतिक रसायन विज्ञान	
16.	डॉ. मुकुल प्रधान, पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर), असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.	02.12.2019	नैनोपदार्थ, ऊर्जाउपकरण, विद्युतरसायनी व एसईआरएस संसूचक	
17.	डॉ. जी. राजेशखन्ना, पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास), असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		नैनोपदार्थ, ऊर्जा भंडारण व रूपांतरण प्रणाली, विद्युतउत्प्रेरण, विद्युतरसायनी संसूचक	

18.	डॉ. वी. राजेशकुमार, पीएच.डी. (नेशनल चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी), असिस्टेंट प्रोफेसर	पीएच.डी.		कार्बनिक संश्लेषण, धातु उत्प्रेरण और हरित रसायन	

वित्तपोषित शोध परियोजनाएं

1. डॉ. हरि प्रसाद कोकटला को रु. 41.2 लाख मूल्य की "कार्बनिक अणुओं के चयनात्मक फ्लोरिनेश के लिए रोंगलाइट-प्रेरित क्रमागत C1-होमोलोगेशन/फ्लोरिनेशन रणनीति", नामक परियोजना डीएसटी-एसईबी से प्रस्तावों के लिए विशेष आमंत्रण योजना के तहत (चयनात्मक फ्लोरिनेशन रणनीतियां) मिली है, भूमिका: प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2022-25.

2. डॉ. एस. नागराजन को 38.06 लाख रुपये मूल्य की "शर्करा-आधारित प्राकृतिक सैफ्लोफ्लेवोनेसाइड्स और उनके हेटेरोसायक्लिक अनुरूप का संश्लेषण और कैंसररोधी गतिविधि" नामक परियोजना प्राप्त हुई है । वित्तपोषण एजेंसी: एसईआरबी-सीआरजी; स्वीकृति नं. सीआरजी/2018/001386 दिनांक 07.03.2019); अवधि: 2019-2022; भूमिका: प्रधान अन्वेषक ।

3. डॉ. एस. नागराजन को 49.8 लाख रुपये मूल्य की "पौधों की बीमारियों की प्रत्यक्ष जांच के लिए नैनोसेल्यूलोज आधारित पॉलीडाय-ऐसेटिलीन से आणविक स्व-संयोजन का उपयोग कर प्रिंट करने योग्य नैनोसेंसर पैच का विनिर्माण" नामक परियोजना प्राप्त हुई है । वित्तपोषण एजेंसी: एमएचआरडी-स्पार्क; स्वीकृति नं. एसपीएआरसी/2018-2019/पी263/एसएल दिनांक 31.05.2019, अवधि: 2019-2023; भूमिका: प्रधान अन्वेषक ।

4. प्रोफे. पी. वी. श्रीलक्ष्मी को 41.9 लाख रु. मूल्य की "गैर-वायरल जीन डिलीवरी के लिए हेटेरोसायक्लिक आधारित पेप्टिडोमिमेटिक्स" नामक परियोजना मिली है । वित्तपोषण एजेंसी: एसईआरबी-सीआरजी, स्वीकृति नं. सीआरजी/2018/001049 दि 20.03.2019); अवधि 2019-2022; भूमिका: प्रधान अन्वेषक

5. डॉ. राजेशखन्ना गद्दाम (रसायन विज्ञान विभाग) को 25.5 लाख रु. मूल्य की "जल विद्युत अपघटन द्वारा हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए धातु-कार्बनिक-फ्रेमवर्क-व्युत्पन्न हाइब्रिड कम्पोजिट पदार्थ के रूप में द्वि-कार्यात्मक इलेक्ट्रोड का विकास" नामक परियोजना प्राप्त हुई है । वित्तपोषण एजेंसी: एसईआरबी-एसआरजी; स्वीकृति नं. एसआरजी/2021/001028 दिनांक 02.11.2021); अवधि: 2021-2023; भूमिका: प्रधान अन्वेषक ।

6. डॉ. हरि प्रसाद कोकटला को डीएसटी-एसईबी-ईईक्यू से 41.0 लाख रु. मूल्य की "रॉन्गलाइट/आण्विक ऑक्सीजन: सूर्य के प्रकाश में कार्बनिक सबस्ट्रेट्स के ऑक्सीकरण के लिए एक मंद और हरा अभिकर्मक" नामक परियोजना मिली है । (फाइल नंबर ईईक्यू/2018/001257,18.3.2019) अवधि: 2018 - 2021; भूमिका: प्रधान अन्वेषक ।

7. डॉ. रघु चिट्टा को "एकल प्लेटफॉर्म पर पैनक्रोमेटिक फोटोसेंसिटाइज़र - सस्ता धातु

उत्प्रेरक को एकीकृत करने के लिए हेक्साबेंज़ोकोरोनिन एक बहुमुखी टेम्पलेट के रूप में: कुशल फोटो-संचालित जल ऑक्सीकरण के लिए एक लागत प्रभावी उत्प्रेरक का अभिनव वर्ग", डीएसटी एसईआरबी कोर शोध अनुदान, रु. 44 लाख ।

8. डॉ. रघु चिट्टा, श्रीरामगोपाल नरहरिशेट्टी और प्रोफे. नारायणराव के सहयोग से हैदराबाद विश्वविद्यालय में "बहुआयामी स्पेक्ट्रोस्कोपी" इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय । 55 लाख रु.।

9. डॉ. श्रीनिवास बासवोजु, सीएसआईआर-ईएमआर (II) परियोजना 31.06.2021 को पूरी हुई, जिसका शीर्षक था "थायएज़ोलिडिनोन-टेट्राज़ोलोपीरिमिडीन हाइब्रिड अणु के रूप में कैंसररोधी एजेंटों के रूप में डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन", 15.46 लाख रु.

10. डॉ. रविंदर पवार को डीएसटी-एसईबी-ईईक्यू से 47.68 लाख रु. मूल्य की "कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) को उपयोगी रसायनों में रूपांतरण के लिए नैनोरिएक्टरों की डिजाइनिंग" नामक परियोजना मिली (फाइल नं. ईईक्यू/2019/000656, 27 दिसंबर, 2019); भूमिका: प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2019-2022.

11. डॉ. रविंदर पवार को डीएसटी-एसईबी-ईसीआरए से 41.16 लाख रु. मूल्य की "मेटल फ्लैटलैंड्स (परमाणु रूप से महीनद्वि-विमीय धातुएं): डिजाइनिंग, गुणधर्म व अनुप्रयोग" नामक परियोजना मिली, (फाइल नं. ईसीआर/2018/002346, 20 मार्च, 2019); भूमिका: प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2019-2022.

12. डॉ. वी. राजेशकुमार को डीएसटी-एसईआरबी एसआरजी से रु. 25,00,344 मूल्य की "इंडोल फ़्यूज़्ड बेंजोथायएज़ेपिन्स और बेंजोथायजेपीन्स के संश्लेषण के लिए रणनीति और उनकी जैविक गतिविधि का अन्वेषण" नामक परियोजना मिली (फाइल नं. एसआरजी/2020/001836, 13 नवंबर, 20); भूमिका: प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2020-2022.

13. डॉ. मुकुल प्रधान को डीएसटी-इंस्पायर से 35,00,000 रु. मूल्य की "जैव अणुओं और विषाक्त धातु आयनों के एसईआरएस आधारित सेंसिंग के लिए अभिनव जैव-अनुकूल नैनोकम्पोजिट्स" नामक परियोजना प्राप्त हुई, (फाइल संख्या: इंस्पायर फैकल्टी अवार्ड/2016/डीएसटी/इंस्पायर/04/2015/003227) भूमिका: प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2016-2022.

14. प्रो. एन. वेंकटश्री को डीएसटी-इंस्पायर से 24 लाख रु. मूल्य की "द्वि-धात्विक मध्यसरंध्री पदार्थों द्वारा फोटोउत्प्रेरित पर्यावरण उपचार" नामक परियोजना मिली, (इंस्पायर अवार्ड/2017/डीएसटी/इंस्पायर/03/2017/160382); प्रधान अन्वेषक, अवधि: 2017-2022

,

क्रम संख्या	शीर्षक एवं पीआई का (के) नाम	कुल स्वीकृत राशि (लाख रु.)	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना संख्या	2021-2011 में प्राप्त किश्त	योग
1.	कार्बनिक अणुओं के चयनात्मक फ्लोरिनेश के लिए रोंगलाइट-प्रेरित क्रमागत C1-होमोलोगेशन/फ्लोरिनेशन रणनीति	41.250	एसईआरबी	एससीपी/2022/000273 दि. 31.10.2022		18.4
2.	शर्करा-आधारित प्राकृतिक सैफ्लोफ्लेवोनेसाइड्स और उनके हेटेरोसायक्लिक अनुरूप का संश्लेषण और कैंसररोधी गतिविधि	38.06	एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार	सीआरजी/2018/001386 दि. 07.03.2019	9,00,000/-	9,00,000/-
3.	पौधों की बीमारियों की प्रत्यक्ष जांच के लिए नैनोसेल्यूलोज आधारित पॉलीडाय- ऐसेटिलीन से आणविक स्व-संयोजन का उपयोग कर प्रिंट करने योग्य नैनोसेंसर पैच का विनिर्माण	49.8	एमएचआरडी-स्पार्क	स्पार्क/2018.2019/प263/एसएल दि. 31.05.2019	-	-
4.	गैर-वायरल जीन डिलीवरी के लिए हेटेरोसायक्लिक आधारित पेप्टिडोमिमेटिक्स पीआई: प्रोफे. पी. वी. श्रीलक्ष्मी	41.9	एसईआरबी	सीआरजी/2018/001049	8,00,000	8,00,000
5.	रॉन्गलाइट/आण्विक ऑक्सीजन: सूर्य के प्रकाश में कार्बनिक सबस्ट्रेट्स के ऑक्सीकरण के लिए एक मंद और हरा अभिकर्मक	41.9	एसईआरबी	ईईक्यू/2018/001257	8,00,000	
6.	एकल प्लेटफॉर्म पर पैनक्रोमेटिक फोटोसेंसिटाइज़र - सस्ता धातु उत्प्रेरक को एकीकृत करने के लिए हेक्साबेंज़ोकोरोनिन एक बहुमुखी टेम्पलेट के रूप में: कुशल फोटो-संचालित जल ऑक्सीकरण के लिए एक लागत प्रभावी उत्प्रेरक का अभिनव वर्ग	44.03	एसईआरबी	डीएसटी-एसईआरबी सीआरजी/2018/002661	7,50,000	
7.	इंडोल फ़्यूज़्ड बेंजोथायएज़ेपिन्स और बेंजोथायजेपीन्स के संश्लेषण के लिए रणनीति और उनकी जैविक गतिविधि का अन्वेषण पीआई: डॉ. वी. राजेशकुमार	25	एसईआरबी	एसआरजी/2020/001836	6,00,000	

पेटेंट्स

क्रम संख्या	फाइल करने का दिनांक	पेटेंट शीर्षक	पेटेंट आवेदक का (के) नाम	पेटेंट नं.	विभाग	पेटेंट राष्ट्र	पेटेंट स्थिति
1.	21.08.2021	फरनेसोल-बेस्ड कैटायनिक लिपिड्स फॉर केरिंग न्यूक्लिक एसिड्स इन टु डिजायर्ड सेल लाइन्स	वेंकटेश रावुला, श्रीलक्ष्मी वी. पत्री	एयू2021 106376 ए4	रसायन विज्ञान	ऑस्ट्रेलिया	स्वीकृत
2.	17.09.2022	ए मेथड फॉर सिंथेसिस एण्ड डेवलपमेंट ऑफ द थेरेप्यूटिक एजेंट्स ट्रीटिंग ट्यूबरक्लोसिस यूजिंग क्विनोलिनिल स्पिरोक्विने ज़ोलिनोनऑकसेडिएज़ोल्स	श्रीनिवास बसावोजू, अल्लाका भार्गव साईं, इस्तर्ला मधु रेखा, धर्मराजन श्रीराम, गामिदी रामकृष्णा	2022 41053187	रसायन विज्ञान	भारत	प्रकाशित
3.	17.09.2022	एन इम्प्रूव्ड प्रोसेस फॉर सिंथेसिस ऑफ पोरस क्रिस्टलाइन सिलिको एलुमिनोफॉस्फेट मॉलीक्युलर सिव्स थ्रु नॉन-एक्वस मीडिया	एन. वेंकटत्री, और एस. सुरेश	2022 41053195	रसायन विज्ञान	भारत	फाइल किया
4.	26.11.2021	सिंथेसिस ऑफ ग्रेफाइटाइज्ड कार्बन फ्रॉम बायोमास यूजिंग फोकस्ड सनलाइट इन ए न्यूली डिज़ाइन्ड रिएक्शन सेट अप फॉर एनर्जी स्टोरेज एप्लीकेशन	मुकुल प्रधान, एस. रुद्र, आर. चक्रवर्ती	2021 41054738	रसायन विज्ञान	भारत	फाइल किया

पीएच.डी. शोध मार्गदर्शन

1. अल्लाका भार्गव साईं (रोल नं. 701641) ने डॉ "सिंथेसिस एण्ड एंटी-ट्यूबरकुलर एक्टिविटी ऑफ हेटेरोसायक्लिक एण्ड स्पाइरो कम्पाउंड्स" शीर्षक पर डॉ. बी. श्रीनिवास के मार्गदर्शन में अप्रैल 2022 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
2. वी.वी.एन. फणिकुमार (रोल नं. 701450) ने "इंवेस्टिगेशन ऑन नेचरल एण्ड सिंथेटिक पॉलिमर्स एज एन एक्वस बाइंडर फॉर एनोड्स ऑफ लिथियम-आयन बैटरीज (एलआईबी)" शीर्षक पर प्रोफे. के. वी. गोबी के मार्गदर्शन में अप्रैल 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।
3. कुमारी शेखर (रोल नं. 716060) ने "डेवलपमेंट ऑफ़ हाइब्रिड ग्रेफाइटिक कार्बन नैनोकम्पोजिट्स एज़ सेंसिंग प्लेटफ़ॉर्म फॉर फ़ार्मास्यूटिकल ड्रग्स इन-विट्रो इन

बायोलॉजिकल फ्लुइड" शीर्षक पर प्रोफे. के. वी. गोबी के मार्गदर्शन में जुलाई 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

4. सुरेश सिलिवेरी (रोल नं. 716192) ने " डेवलपमेंट ऑफ़ नॉवेल स्ट्रैटजीस फॉर रेपिड सिंथेसिस ऑफ सिलिकोएलुमिनोफॉस्फेट मॉलीक्युलर सिव्स इन नॉन-एक्वस एण्ड कैटेलिटिक एप्लीकेशन स्टडीज़ ऑन मेटल सपोर्टेड SAPO-35" शीर्षक पर प्रोफे. एन. वेंकटथरी के मार्गदर्शन में जुलाई 2021 में अपनी पीएच.डी. पूरी की।

स्थापित किए गए नए लैब उपकरण/सॉफ्टवेयर/वर्कस्टेशन

1. तरल नाइट्रोजन संयंत्र खरीदा और स्थापित किया गया।
2. 400 मेगाहट्र्ज एनएमआर उपकरण के लिए तेल मुक्त स्क्रॉल कंप्रेसर खरीदा और स्थापित किया।
3. डॉ. रघु चिट्टा, डीएसटी एसईआरबी अनुदान डीएसटी/सीआरजी/2018/002661 के तहत इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (सीएच इंस्ट्रूमेंट्स) प्राप्त किया गया।
4. डॉ. बी. श्रीनिवास, टीईक्यूआईपी-III अनुदानों के तहत 400 MHz NMR इंस्ट्रूमेंट के लिए सॉलिड-स्टेट प्रोब खरीदा गया।
5. डॉ. रविंदर पवार, डीएसटी एसईआरबी अनुदान ईसीआर/2018/002346 के तहत 3 नोड क्लस्टर खरीदा गया।
6. डॉ. रविंदर पवार, डीएसटी एसईआरबी अनुदान ईसीआर/2018/002346 के तहत वीएएसपी सॉफ्टवेयर खरीदा गया।
7. डॉ. रविंदर पवार, डीएसटी एसईआरबी अनुदान ईईक्यू/2019/000656 के तहत 4 कंप्यूटिंग नोड्स क्लस्टर खरीदे गए।
8. डॉ. रविंदर पवार, डीएसटी एसईआरबी अनुदान EEQ/2019/000656 के तहत एएसएम-एससीएम सॉफ्टवेयर खरीदा गया।
9. डॉ. मुकुल प्रधान, डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी अनुदान डीएसटी/इंस्पायर फैकल्टी अवार्ड/2016/डीएसटी/ इंस्पायर/04/2015/003227 के तहत इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (सीएच इंस्ट्रूमेंट्स) खरीदा गया।

प्रबंध विद्यालय / *स्कूल ऑफ मैनेजमेंट*









प्रबंध विद्यालय

टेक्नो मैनेजमेंट की जरूरत को समझते हुए संस्थान ने अभियंताओं के लिए विशेष रूप से एक व्यापक एमबीए कार्यक्रम तैयार किया है । इस प्रकार 2020 में एनआईटी वारंगल में "प्रबंध विद्यालय (एसओएम)" की उत्पत्ति हुई । प्रबंध विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे एमबीए कार्यक्रम विशेष रूप से अभियांत्रिकी स्नातकों के लिए हैं । यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम आठ त्रेमासिकों में चलता है । इस कार्यक्रम में विपणन प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, प्रचालन प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन के संबद्ध क्षेत्रों के विशिष्ट कार्यक्षेत्रों में व्यापक ऐच्छिक विषय हैं । छात्रों को प्रथम वर्ष के पश्चात आठ सप्ताह की अवधि के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाता है, एवं उनके अंतिम त्रेमासिक के दौरान बारह सप्ताह की अवधि का परियोजना कार्य दिया जाता है । प्रबंध विद्यालय अकादमिक एवं प्रायोगिक व्यवसाय उन्मुख विषयवस्तु का सुसंतुलित संयोजन प्रदान करता है । वीडियो सामग्री, डेटाबेस जैसे कौशल, केस स्टडी, शोध परियोजनाएं एवं अन्य टूल्स की व्यापक शृंखला से युक्त अद्यतित पाठ्यक्रम का लक्ष्य है व्यवसाय वास्तविकता की समझ बढ़ाना एवं समस्या निवारण कौशल सिखाना । विद्यालय को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस से मान्यता प्राप्त है एवं इसमें उल्लेखनीय नियोजन हो रहा है । विद्यालय में वाई-फाई सुविधा के साथ पूरी तरह वातानुकूलित अध्ययन कक्ष हैं ।

फ़ैकल्टी विवरण



प्रोफे. एम. रविंदर रेड्डी
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र,
ग्रामीण विपणन



डॉ. के. पद्मा
एसोसिएट प्रोफेसर
अर्थशास्त्र, वित्तीय प्रबंधन



डॉ. पी. रामलाल
एसोसिएट प्रोफेसर
मानव संसाधन प्रबंधन,
सॉफ्ट स्किल्स, कॉर्पोरेट ट्रेनिंग



डॉ. वी. रमा देवी
एसोसिएट प्रोफेसर
संगठनात्मक व्यवहार एवं
मानव संसाधन प्रबंधन



डॉ. जी. सुनिता
असिस्टेंट प्रोफेसर
व्यवहारवादी वित्त,
वित्तीय बाजार



डॉ. एस.एल. तुलसी देवी
असिस्टेंट प्रोफेसर
कॉर्पोरेट फाइनेंस,
वित्तीय अर्थमिति



डॉ. फ्रांसिस सुधाकर
असिस्टेंट प्रोफेसर
उपभोक्ता व्यवहार एवं
औद्योगिक विपणन



डॉ. के. लक्ष्मीनारायण
असिस्टेंट प्रोफेसर
सूचना प्रणाली, सामाजिक तकनीकी
प्रणाली एवं ई-गवर्नेंस



डॉ. पी. रामचन्द्र गोपाल
असिस्टेंट प्रोफेसर
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन,
सस्टेनेबिलिटी, प्रचालन प्रबंधन



डॉ. टी.राहुल
असिस्टेंट प्रोफेसर
मार्केटिंग रिसर्च, बिजनेस एनालिटिक्स

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

एनआईटी वारंगल में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग 2009 में शुरू किया गया था । यह विभाग यूजी/पीजी व पीएच.डी. स्तरों पर छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अंग्रेजी संवाद एवं दो विदेशी भाषाओं में बुनियादी से उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करता है । इसके अतिरिक्त, यह विभाग नियमित, अंशकालिक एवं स्व-वित्त मोड के माध्यम से ईएलटी, ब्रिटिश साहित्य एवं अमेरिकी साहित्य के व्यापक क्षेत्रों में शोध कार्यक्रम भी संचालित करता है । इस विभाग में उच्च शिक्षित एवं प्रतिबद्ध फ़ैकल्टी सदस्य हैं जो सुविख्यात हैं एवं राज्य स्तर के विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों में कई बोर्डों के सदस्य हैं ।

पिछले शैक्षणिक वर्ष में एनईपी दिशानिर्देश 2020 के अनुसार मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ने मौजूदा कोर्स के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है एवं यूजी / पीजी / पीएच.डी. स्तरों पर 16 नए कोर्स तैयार किए हैं । पाठ्यक्रम संशोधन के रूप में यह विभाग वर्तमान में यूजी स्तर पर “प्रोफेशनल कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर एसटीईएम “शीर्षक से एक लघु कार्यक्रम भी प्रदान करता है ।

एच&एसएस विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं जीवन कौशल प्रदान करने के लिए लगातार सफलता प्राप्त कर रहा है और यह छात्रों को व्यक्तिगत, शैक्षणिक एवं पेशेवर मोर्चों पर सफल करता है; छात्रों को इंडस्ट्री रेडी करने के उद्देश्य से विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों के माध्यम से गहन चिंतन को प्रोत्साहित करता है; मानविकी के उन्नत क्षेत्रों में शोध को प्रोत्साहित करता एवं सुगम बनाता है ।

फ़ैकल्टी विवरण

क्रम संख्या	संकाय सदस्य का नाम व पदनाम	उच्चतम योग्यता	शोध रुचि के क्षेत्र	फोटोग्राफ
1.	**डॉ .के. माधवी रेड्डी**	पीएच.डी.	अकादमिक लेखन कौशल, नियत-टास्क आधारित ईएसपी पाठ्यक्रम डिजाइन करना, बहुल बुद्धिमता - विजुयल साक्षरता, प्रौद्योगिकी का उपयोग कर शिक्षण, पठन व लेखन, शिक्षार्थी योजनाएं व शैली	
2.	**डॉ .एम. राजा विश्वनाथन** **असिस्टेंट प्रोफेसर - ग्रेड I**	पीएच.डी. (ईएलटी)	द्विभाषिकता एवं द्विभाषी शिक्षा, अकादमिक लेखन, क्रिटिकल शिक्षाशास्त्र, भाषा शिक्षण में सिद्धान्त, अमेरिकी साहित्य, ब्रिटिश साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय लेखन	
3.	**डॉ .बी. स्पुर्ती** **असिस्टेंट प्रोफेसर - ग्रेड II**	पीएच.डी.	भाषा सीखने, सामग्री व भाषा एकीकृत लर्निंग के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, शिक्षक शिक्षा और चिंतन, टास्क आधारित भाषा शिक्षण, शिक्षा में वर्चुअल वास्तविकता,भाषा शिक्षा के लिए वर्चुअल लैब्स	
4.	**डॉ .पी .मधुमति** **असिस्टेंट प्रोफेसर - ग्रेड II**	पीएच.डी.	शिक्षक शिक्षा, ईएलटी, ईएपी, वर्चुअल शिक्षा, सांस्कृतिक अध्ययन	
5.	**डॉ .आर .वेन्नेला** **असिस्टेंट प्रोफेसर - ग्रेड II**	पीएच.डी.	द्विभाषिक शिक्षा,कोशनिर्माण विज्ञान, समाज-भाषा विज्ञान	

वित्तपोषित शोध परियोजनाएं (स्पार्क आदि सहित)

डॉ. आर. वेनेला, प्रमुख अन्वेषक, परियोजना शीर्षक: " कम संसाधन वाले ईएसएल संदर्भों के लिए पायलेट अंग्रेजी-तेलुगु द्विभाषी शैक्षणिक चित्र शब्दकोश संसाधन और शिक्षक संसाधन पुस्तक का विकास करना", वित्तपोषित रु. 5.16 लाख (हॉर्नबी ट्रस्ट, यूनाइटेड किंग्डम: 2021 - 22).

डॉ. अमोल पदवाड़ (अंबेडकर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली), डॉ. कृष्णा के. दीक्षित (अंबेडकर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली), डॉ. अतानु भट्टाचार्य (गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय), डॉ. आर. वेन्नेला, असिस्टेंट प्रोफेसर, एच&एसएस विभाग, एनआईटीडब्ल्यू, परियोजना शीर्षक: "ऐतिहासिक समय में पाठ्यपुस्तकें: ऐतिहासिक अन्वेषणों की स्थिति की समीक्षा", वित्तपोषित 5.14 लाख रुपये (हॉर्नबी ट्रस्ट, यूनाइटेड किंगडम: 2021 - 22).

शारीरिक शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा एवं युवाओं की फिटनेस को उनकी शिक्षा योजनाओं में एक निश्चित स्थान दिया गया था। जीवविज्ञानियों, फिजियोलॉजिस्ट्स और मनोवैज्ञानिकों की खोज ने मानव शरीर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी भागों की मांसपेशियों को उनके प्राकृतिक विकास और स्वास्थ्य के लिए सक्रिय करने की आवश्यकता की पुष्टि की है। निष्क्रियता को शारीरिक तंदुरुस्ती के लिए हानिकारक माना जाता है। चिकित्सकों सहित कुछ प्राधिकारियों का सुझाव है कि व्यायाम दुनिया में सबसे सस्ती निवारक दवाई है। शारीरिक शिक्षा के शोधकर्ता इस बात से सहमत हैं कि एक कार्यात्मक शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के लिए शारीरिक श्रम आवश्यक है। शारीरिक फिटनेस हमें इष्टतम शारीरिक स्वास्थ्य और एक पूर्ण जीवन का आनंद लेने की क्षमता का आधार है। तकनीकी नवाचारों के वर्चस्व की दुनिया में काम करने के लिए शायद हमें उच्च स्तर के शारीरिक फिटनेस की जरूरत नहीं है, परंतु हमारे शरीर को ठीक से काम करना के लिए नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि आवश्यक है।

नीति निर्माताओं ने विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा और शारीरिक शिक्षा को शैक्षिक गतिविधियों का एक अनिवार्य और बहुत महत्वपूर्ण भाग माना है। इस बात की सर्वसम्मत स्वीकारोक्ति है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है और इसलिए शारीरिक और मानसिक विकास साथ-साथ होते हैं। खेलकूद और खेलों में भाग लेने से प्रतिभागी के स्वास्थ्य में सुधार होता है और उसके प्रेरक गुणों और प्रतिक्रियाओं में सुधार होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि खेलकूद और खेलों में सक्रिय भागीदारी खेलभावना, निष्पक्षता और टीम-भावना की मनोवृत्ति को बढ़ावा देती है। लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह माना जाता रहा है कि यदि विद्यालय और महाविद्यालय खेलकूद और खेल के माध्यम से रचनात्मक और स्वस्थ तरीके से युवाओं के लिए सुविधा उपलब्ध नहीं कराते हैं तो युवाओं को सुस्ती की आदत बन जाती है।

वर्तमान में, शिक्षा के आधुनिक विचारक जोर देते हैं कि सबसे अच्छा व्यक्ति वह है जो शारीरिक रूप से फिट है, मानसिक रूप से स्वस्थ्य व तेज, भावनात्मक रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से अच्छी तरह से समायोजित है। शैक्षिक प्रक्रिया से संबंधित असंख्य नए तथ्यों में से यह तथ्य कि मनुष्य को शारीरिक शिक्षा के सुनियोजित पाठ्यक्रम की आवश्यकता है, बहुत विचारणीय है। इसके बाद यह अनिवार्य हो जाता है कि शारीरिक शिक्षा की विधा को उचित परिप्रेक्ष्य में रखा जाए और बड़े पैमाने पर मानवता के कल्याण के लिए इसका अच्छी तरह से अध्ययन किया जाए। इसे पृष्ठभूमि के रूप में रखते हुए इस प्रतिष्ठित संस्थान में शारीरिक शिक्षा विभाग को मजबूत करने का विचार किया गया जिससे छात्रों को अपने स्वास्थ्य और सहनशक्ति में सुधार करने का अवसर मिल सके, ताकि वे उन कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें जो उन्हें संस्था छोड़ने के बाद उन्हें उपलब्ध होते हैं।

फ़ैकल्टी विवरण



डॉ. पी. रविकुमार
प्रोफेसर



डॉ. आर. दयानिधि
प्रोफेसर



डॉ. पी. मधुसूदन रेड्डी
प्रोफेसर

शारीरिक शिक्षा विभाग में निम्नलिखित इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं हैं :

इंफ्रास्ट्रक्चर इनडोर सुविधाएं

- 2 टेबल टेनिस हॉल
- 1 शतरंज और 1 कैरम हॉल ।
- 1 योगा हॉल
- 1 मेडिटेशन हॉल
- 3 शटल बैडमिंटन कोर्ट
- 2 जिम हॉल
- 3 संकाय कक्ष
- 2 स्टोर रूम
- 1 लड़कों का गेम्स रूम

स्टेडियम में

- फ्लड लाइट्स के साथ बहुउद्देशीय खेल मैदान सुविधा जिसमें मानक 400 मीटर ट्रैक फ्लड लाइट्स के साथ मौजूद है ।
- खो-खो ग्राउंड, फुटबॉल, क्रिकेट मैदान और फ्लड लाइट्स के साथ 2 कृत्रिम टर्फ नेट प्रैक्टिसिंग क्रिकेट पिच
- स्टेडियम में पर्याप्त बैठक क्षमता की दर्शक दीर्घाएं और एक पैदल ट्रैक भी
- 2 कृत्रिम टॉप सर्फ़ेस बास्केटबॉल कोर्ट, फ्लड लाइट्स और बैठक दीर्घाओं के साथ
- 2 वॉलीबॉल कोर्ट 5 टेनिस कोर्ट (2 कृत्रिम, 1 कंक्रीट और 2 क्ले कोर्ट),
- 2 बॉल बैडमिंटन कोर्ट, फ्लड लाइट्स के साथ

छात्रावास ब्लॉकों में और उसके आसपास इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं

- 2 शटल कोर्ट और अल्ट्रा मेगा हॉस्टल के अंदर 1 टेनिकोइट कोर्ट
- अल्ट्रा मेगा हॉस्टल पर 2 क्ले वॉलीबॉल कोर्ट और बास्केटबॉल कोर्ट अल्ट्रा मेगा हॉस्टल के पास
- किसी भी प्रकार के खेलकूद और खेल खेलने के लिए फ्लड लाइट्स के साथ बहुउद्देशीय ग्राउंड (अल्ट्रा-मेगा हॉस्टल के पीछे की ओर)
- जिम सुविधाएं - मेगा हॉस्टल में 2 कॉमन हॉल और अल्ट्रा मेगा ब्लॉक में 2 कमरे, DASA हॉस्टल में 1 हॉल
- 15 टेबल टेनिस टेबलें जिन्हें नीचे दिए विवरण के अनुसार विभिन्न छात्रावासों में रखा गया है :
  - अल्ट्रा मेगा हॉस्टल में 4 टेबल टेनिस
  - मेगा हॉस्टल में 3
  - 2 TT टेबलें DASA छात्रावास, 14^{th} ब्लॉक, 13^{th} ब्लॉक, 12^{th} ब्लॉक 11^{th} ब्लॉक, 2^{nd} ब्लॉक व 1^{st} ब्लॉक में

गर्ल्स हॉस्टल में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं

- 1 कंक्रीट बास्केटबॉल कोर्ट जिसे कृत्रिम टॉप और फ्लड लाइट सुविधा के साथ अपग्रेड करना प्रस्तावित है
- 1 वॉलीबॉल कोर्ट
- महिला हॉस्टल में 2 जिम कमरे
- 1 टेनिकोइट कोर्ट
- 2 टेबल टेनिस टेबल

विभाग प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए मैन्डेट कोर्स के रूप में अतिरिक्त अकादमिक गतिविधि (ईएए) कार्यक्रम आयोजित करता है।

शारीरिक शिक्षा विभाग का रूटीन कार्यक्रम

- शारीरिक रूप से फिट और स्वस्थ्य रहने के लिए संस्थान में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा का उपयोग करने के लिए छात्रों और स्टाफ समुदाय की मदद करना।
- हर वर्ष 21 जून को भव्य स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस का आयोजन करना।
- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का अनेकों शारीरिक शिक्षा गतिविधियों के साथ उपयुक्त तरीके से आयोजन करना।
- विभिन्न खेलकूद और खेलों में इंटर एनआईटी या इंटर यूनिवर्सिटीज और अन्य विभिन्न खुले टूर्नामेंट जैसे बाह्य प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए संस्थान की टीमें तैयार करना।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स:

हमारे कैंपस में आयोजित 60वां ओपन नेशनल रेस वॉकिंग इवेंट में 20 किमी, 35 किमी और 50 किमी पुरुष और महिला इवेंट हुए। हमारे प्रिय निदेशक ने कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और विजेताओं को पदक वितरित किए। कुलसचिव ने विजेताओं को मेडल भी प्रदान किए। कार्यक्रम 16-18 सितंबर 2021 के दौरान सुबह 5.00 बजे से 11.30 बजे तक हुए।

अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं पूर्व-छात्र *(एलुमनाई)* गतिविधियां

स्पार्क (एसपीएआरसी - स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडेमिक एण्ड रिसर्च कोलाबोरेशन / शैक्षणिक व अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना):

स्पार्क पहल का प्रमुख उद्देश्य है विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में अथवा मानव जाति विशेष रूप से भारत के लिए प्रत्यक्ष सामाजिक प्रासंगिकता के क्षेत्रों में भारतीय शोध समूहों का विश्व के अग्रणी विश्वविद्यालयों में शीर्ष शोध समूह के साथ सशक्त शोध सहयोग स्थापित करना । सशक्त संयुक्त शोध से मूर्त परिणाम प्राप्त होना चाहिए जिसमें बड़ी संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन, प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का समाधान, विशिष्ट पाठ्यक्रमों का विकास, उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्य पुस्तकें और शोध मोनोग्राफ, शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों व शोधकर्ताओं से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, मजबूत द्विपक्षीय सहयोग, और भारतीय संस्थानों की बेहतर वैश्विक प्रतिष्ठा व रैंकिंग शामिल होना चाहिए । संस्थान से प्रोफे. एन. सुब्रमण्यम स्पार्क के नोडल समन्वयक हैं । यह संस्थान स्पार्क के तहत ताइवान के लिए भी नोडल समन्वयक है ।

इस संस्थान को यूएसए, यूके, ताइवान, सिंगापुर, इज़राइल और कनाडा के शीर्ष विश्वविद्यालयों के सहयोग से स्पार्क के तहत 10 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं । **इन 10 परियोजनाएं का बजट रु. 5,21,65,195/- (पांच करोड़ इक्कीस लाख पैसंठ हजार एक सौ पंचानवे रु. मात्र है)**

ज्ञान / *जीआईएएन* (ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडेमिक नेटवर्क / अकादमिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल):

ज्ञान, एक से दो सप्ताह की अवधि के अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुछ प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और औद्योगिक विशेषज्ञों को भारतीय संस्थानों में लाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी के भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में आगमन में वृद्धि करना ।
- हमारी फैकल्टी को अत्याधुनिक क्षेत्रों में ज्ञान व शिक्षण कौशल सीखने और साझा करने का अवसर प्रदान करना ।
- हमारे छात्रों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी से ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना ।
- अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी के साथ संभावित सहयोगी अनुसंधान के लिए अवसर सृजित करना ।
- शैक्षणिक संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की भागीदारी और उपस्थिति बढ़ाना ।
- विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए सहयोगात्मक लर्निंग प्रक्रिया के माध्यम से विशिष्ट क्षेत्रों में परस्पर संवाद करने व विषयों को सीखने का अवसर देना ।
- भारतीय उद्योग के तकनीकी व्यक्तियों को समझ में सुधार करने और प्रासंगिक क्षेत्रों में उनके ज्ञान को अद्यतन करने का अवसर प्रदान करना ।
- दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को भारत से संबंधित समस्याओं पर काम करने के लिए प्रेरित करना ।
- वीडियो और प्रिंट दोनों के माध्यम से आला क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यक्रम सामग्री विकसित करना

जिसका उपयोग छात्रों और शिक्षकों के एक बड़े निकाय द्वारा किया जा सकता है।

- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय हित के उभरते विषयों में नई शैक्षणिक विधियों का दस्तावेजीकरण व विकास करना।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एनआईटी वारंगल, देश के सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करने वाले संस्थानों में से एक माना गया है। संस्थान में 76 पाठ्यक्रम पूरे किए गए और इन पाठ्यक्रमों की अत्यधिक सराहना की गई और 2021 - 2022 के दौरान 8 पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई है और इन्हें 2023 में संचालित करने की योजना है।

इरास्मस+ - आगत शिक्षण स्टॉफ (इनकमिंग टीचिंग स्टॉफ)

अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए हमारी रणनीतिक योजना के अनुसार सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला यूनिवर्सिटी कई देशों में भागीदार संस्थानों के साथ 2016 से प्रमुख कार्रवाई 1 (केए107) के तहत इरास्मस+ इंटरनेशनल क्रेडिट मोबिलिटी (आईसीएम) में भाग लेती है।

इरास्मस+ आईसीएम छात्रों को अध्ययन करने और स्टॉफ को यूरोप से परे साझेदार उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ विनिमय के माध्यम से पढ़ाने या प्रशिक्षित करने के अवसर प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से, स्नातक छात्र एक सेमेस्टर के लिए विनिमय करते हैं जिसके लिए क्रेडिट प्राप्त होती है, पीएच.डी. छात्र कम से कम 3 महीने के लिए एक शोध विनिमय कर सकते हैं, और विश्वविद्यालय **स्टॉफ** एक सप्ताह विदेश में अंतरराष्ट्रीयकरण पर शिक्षण या प्रशिक्षण दे सकते हैं। 2021 - 2022 दो प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और पूरे किए गए हैं।

पूर्व छात्र गतिविधियां

- 1982-86 बैच के भूतपूर्व छात्रों ने 13 मार्च, 2022 को संस्थान को एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दान की।
- श्री एन. वेणु, 1988 बी.टेक. ईईई भूतपूर्व छात्र ने 25.11.2022 को संस्थान को 8 सीटर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सौंपा।
- डिजाइन थिंकिंग और टिंकरिंग लैब के लिए सुधाकर राव 1982 बैच द्वारा एक करोड़ का दान दिया गया।
- 1995 बैच - भूतपूर्व छात्र सहायता कोष की शुरुआत की (32,25,000/- दान किया)
- 1997 बैच - पूर्व छात्र सहायता कोष की शुरुआत की (75,00,000/- दान किया)
- 1996 बैच - एनआईटीडबल्यू इनोवेशन इग्निशन फंड का लक्ष्य रु. 2023 के अंत तक 30 लाख रु. कॉर्पस और 2025 के अंत तक इस फंड को 5 करोड़ से अधिक का कॉर्पस बनाने का लक्ष्य है।
- 1970 बैच - 12 से 14 अगस्त, 2022 के दौरान स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन आयोजित किया गया था।
- 2002 सिविल एफ़डीएच बैच - 20 वर्षों का पुनर्मिलन 14 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया था।
- 1995 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन 12 से 14 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था।
- 1996 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन 22 - 24 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था।

- 1997 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन 15 से 16 दिसंबर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था
- 1980 बैच - रीयूनियन - 17 दिसंबर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था
- 1972 बैच की स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन का आयोजन 09-11 दिसंबर, 2022 के दौरान किया गया था।
- 1973 बैच स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन 22-24 दिसंबर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
- एनआईटीडबल्यूएए वारंगल चैप्टर परिवार मिलन 12 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया था।
- एनआईटीडबल्यूएए हैदराबाद चैप्टर परिवार मिलन चैप्टर 20 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया था।
- विशिष्ट पूर्व भूतपूर्व छात्र पुरस्कार 2021 व 2022 समारोह 10 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया था।



डीएए - 2021 के पुरस्कार विजेता



डीएए – 2022 के पुरस्कार विजेता



भूतपूर्व छात्र लाइफटाइम अचीवमेंट - 2021 के पुरस्कार विजेता



भूतपूर्व छात्र लाइफटाइम अचीवमेंट - 2022 के पुरस्कार विजेता

वर्ष 2018 - 2022 के लिए अमित श्रीवास्तव स्मृति भूतपूर्व छात्र नेटवर्किंग (एएसएमएएन) पुरस्कार 09 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया



09 अक्टूबर, 2022 को आयोजित एनआईटीडबल्यू फ़ैकल्टी पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र





1982-86 बैच के पूर्व भूतपूर्व छात्रों द्वारा उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस का दान

श्री एन वेणु ने 8 सीटर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) 25.11.2022 को संस्थान को सौंपा



पुनर्मिलन



1996 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन



1995 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन



2002 सिविल एफ़डीएच बैच



1970 बैच - रजत जयंती पुनर्मिलन

केंद्रीय शोध मापयंत्रण सुविधा (सीआरआईएफ़)



सीआरआईएफ के बारे में:

केंद्रीय शोध मापयंत्रण सुविधा (सीआरआईएफ़) शैक्षणिक एवं औद्योगिक शोध के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक सेवाएं प्रदान करने के लिए एक एकीकृत सुविधा है । सीआरआईएफ़ शोधार्थियों के अंतरराष्ट्रीय मानकों अनुरूप शोध परिणामों को सामने लाने के ध्येय-वाक्य के साथ काम करता है । केंद्रीय सुविधा अंतर्विषयी शोध को प्रोत्साहित कर विभाग की आवश्यकताओं को एक छत के नीचे पूरा करती है । विभिन्न संस्थानों से विज्ञान और अभियांत्रिकी की विभिन्न शाखाओं के छात्र यहां शोध और प्रयोग के लिए आते हैं, जिससे एक उत्साही बहु-विषयी परिवेश बनता है । सीआरआईएफ़ लगभग 28000 वर्गफीट के फर्श क्षेत्रफल युक्त G+1 भवन है । सीआरआईएफ़ की संस्थागत वेबसाइट पर वेब उपस्थिति है और इसे https://www.nitw.ac.in/path/?dept=/nitwcentres पर देखा जा सकता है

सीआरआईएफ़ टीम



डॉ. टी. कृष्णा साई,
प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी



श्री वी. सुधाकर,
तकनीकी अधिकारी



श्री हरीश मदुपु,
तकनीकी अधिकारी



श्री डी. रविकुमार,
तकनीकी अधिकारी



श्रीमती जी.एस.आर. संजीवनी,
तकनीकी अधिकारी

सीआरआईएफ़ की गतिविधियां

- स्तूती-21 (एसटीयूटीआई-21), एक डीएसटी परियोजना जिसमें विज्ञान के छात्रों के लिए 12 जागरूकता कार्यक्रम हैं, फरवरी 2022 में विज्ञान सप्ताह के दौरान आयोजित किया गया था।
- सीआरआईएफ़ द्वारा स्तूती-21 के तहत देश भर के विभिन्न संस्थानों के फैकल्टी, शोधार्थी और पोस्टडॉक्टोरल फेलो के लिए 22 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एनआईटी वारंगल, जेएनटीयू हैदराबाद, उस्मानिया विश्वविद्यालय, वीएनआईटी नागपुर, एनआईटी जालंधर, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर, भारतीदासन विश्वविद्यालय- त्रिची, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति, उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान पुणे, और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में 2022 कैलेंडर वर्ष में 14 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। एनआईटी वारंगल, वीआईटी वेल्लोर, सत्यबामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई, केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु, एनआईटी त्रिची, एनआईटी जालंधर, उस्मानिया विश्वविद्यालय और मैंगलोर विश्वविद्यालय में जनवरी और फरवरी 2023 में 8 प्रोग्राम आयोजित करने की योजना है।
- भारत सरकार की स्किल इंडिया-कौशल भारत कुशल भारत पहल के तहत आई-स्टेम ने वारंगल में और उसके आसपास के बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक महीने का कौशल विकास कार्यक्रम स्वीकृत किया है। इसके तहत 30 नवंबर से 30 दिसंबर 2022 तक एक महीने के लिए 10 प्रतिभागियों को एलसीएचआरएमएस, आईसीपी-ओईएस, एक्सआरडी, एसईएम, यूवी-विजिबल-एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और एक्स-बैंड ईएसआर नाम के उन्नत विश्लेषणात्मक मापयंत्रों पर प्रशिक्षित किया गया और उन्हें उनके सैद्धांतिक व प्रायोगिक कार्यनिष्पादन के आधार पर ग्रेड आवंटित किए गए। उनमें से दो को सीधे आई-स्टेम से स्टाइपेंड के साथ 3 महीने के लिए आई-स्टेम इंटर्न के रूप में चुना गया है।
- अत्याधुनिक मापयंत्रों के काम करने की बेहतर समझ के लिए उच्च स्तरीय उपकरणों को खोलकर उनके आंतरिक मॉड्यूल की पहचान करा कर छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए निरस्त किए गए उपकरणों का उपयोग कर एक टूल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है।
- नए भर्ती हुए तकनीकी कर्मचारियों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण के रूप में, जून 2022 में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें प्रयोगशाला सत्रों के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा उपाय, प्रयोगशाला सुरक्षा सावधानियां, नियमित रिकॉर्ड रखरखाव, सीआरआईएफ़ में रखे गए माप उपकरणों और अति उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों का अंशांकन इत्यादि शामिल थे।

केंद्र में उपलब्ध सुविधाएं



लिक्विड क्रोमैटोग्राफी-उच्च विभेदक मास स्पेक्ट्रोमेट्री
मेक: एजिलेंट टेक्नोलॉजीज
मॉडल: क्यूटीओएफ 6530



एक्स बैंड ईएसआर स्पेक्ट्रोस्कोपी
मेकः जेईओएल रेजोनेंस इंक., जापान
मॉडल: जेईएस-एफ़ए100



एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी
मेक: ब्रूकर
मॉडल: एवांस III एचडी 400 मेगाहर्ट्ज



इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा-ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी

मेक: एजिलेंट टेक्नोलॉजीज

मॉडल: 700 सिरीज़



यूवी-विजि एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

मेक: एजिलेंट टेक्नोलॉजीज

मॉडल: कैरी 5000



फ्लोरेसेंस वर्कस्टेशन

मेक:होरिबा इंस्ट्रूमेंट्स इनकॉर्पोरेटेड, यूएसए

मॉडल: एफ़एल-1000



दो पोर्ट वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक (वीएनए)

मेक:: अनरीत्सू

मॉडल: एमएस46122बी



ऐनाकोइक कक्ष

मेक: एंटुपल टेक्नोलॉजीज

चैंबर साइज़: 3x3x2.4 मीटर (ल.चौ.ऊं.)



सीएचएनएस विश्लेषक

मेक:: एलीमेंटर, जर्मनी

मॉडल: यूनिक्यूब+



पीसीबी प्रोटोटाइप मशीन

मेक: एन्थ्यूटेक

मॉडल: ईटीएस-पीसीबीमेट-1500डबल्यू



यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम)

मेक: जिनान परीक्षण उपकरण आईई कॉर्पोरेशन, चीन

मॉडल: डब्ल्यूडब्ल्यूडी-100एस



टीजीडीटीए

मेक: नेटज़्स्च

मॉडल: रेग्युलर्स एसटीए 2500



प्रतिबाधा विश्लेषक

मेक: बायोलॉजिक

मॉडल: एमटीजेड35



ट्राइनोकुलर पोलराइज़िंग माइक्रोस्कोप

मेक: ओलंपस

मॉडल: बीएक्स53



वैक्यूम आर्क मेल्टिंग

मेक: वीईसी सोलूशन्स



डिफरन्शियल स्कैनिंग कैलोरीमीटर

मेक: पर्किन एल्मर

मॉडल: डीएससी8000



स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम)

मेक: टेस्कैन

मॉडल: वीईजीए3 LMU



एक्स-रे डिफ्रेक्शण (एक्सआरडी)

मेक: पैनएनेलिटिकल

मॉडल: एक्स-पर्ट पाउडर



इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन

मेक: ज़हनर

मॉडल: आईएम6ई



स्पेकट्रम विश्लेषक

मेक:: अनरीत्सू

मॉडल: एमएस2720टी



लिक्विड नाइट्रोजन संयंत्र

फोटो गैलरी और न्यूज़ कवरेज







NITW research output grows

HANS NEWS SERVICE
WARANGAL

THE research output of NIT Warangal has shown significant improvement in the recent years.

As per the Scopus database, the number of publications by the faculty and students of NIT Warangal in the current calendar year 2021 has crossed 1,000. This is a remarkable achievement. In 2017, the total number of publications was 540. In the last four years, the output has almost doubled. With the induction of new faculty, the research culture has seen renewed impetus. In the last two recruitments in 2018 and 2019, nearly 150 new faculty members were recruited. All the faculty members were given initial research funding of Rs 3 lakh each to establish their basic research facility. Also, funding was given generously to all the departments to purchase and upgrade the research equipment.

NITW Director Prof. NV Ramana Rao and Registrar S Goverdhan Rao congratulated the entire NITW faculty and students. In addition to completing the academic syllabus and laboratory classes online, the institute has supported and motivated the faculty and students to enhance their research efforts. The institute has also established new Centers of Excellence and a Centralized Research Instrumentation Facility to support multidisciplinary research not only among different departments but also in collaboration with the industry. The institute is also spending huge resources on e-journals, e-books, which can be accessed from any place.

Prof Ramana Rao informed that the curriculum of all the courses has been thoroughly revised in tune with the National Education Policy, 2020 and the intake of PhD scholars has been increased from 150 to 250 from the current academic year. Further new integrated courses in sciences have been introduced.

తక్కువ ఖర్చుతో టచ్‌లెస్ శానిటైజర్ మెషిన్

» అభివృద్ధి చేసిన నిట్ ఉద్యోగి

శంషుగూడ (నిట్‌క్యాంపస్), ఏప్రిల్ 8 : వరంగల్ జాతీయ సాంకేతిక సంస్థ (నిట్) ఈసీఈ విభాగంలో టెక్నికల్ అసిస్టెంట్‌గా పనిచేస్తున్న వి.సుధాకర్ తక్కువ ఖర్చుతో టచ్‌లెస్ శానిటైజర్ మెషిన్‌ను అభివృద్ధి చేశారు. ఆల్ట్రాసోనిక్ సెన్సార్ ఫ్లైట్ కంట్రోలర్, ఎల్‌ఈడీ పోలిసేయిడ్ ఫియరీ ఆధారంగా ఈ మెషిన్‌ను రూపొందించారు. ప్రస్తుత మార్కెట్‌లో టచ్‌లెస్ శానిటైజర్ మెషిన్‌లు రూ. 2వేల పైనే ఉండగా, అధునాతన సాంకేతికతతో రూ.800లకే లభ్యమయ్యే విధంగా ఈ మెషిన్‌ను రూపొందించినట్లు సుధాకర్ తెలిపారు. ఒక లీటర్ నిండిన ఈ మెషిన్‌ను కార్యాలయంలో పాటు ఇళ్లలోనూ సులువుగా వాడుకోవచ్చన్నారు. ఈ సంద



అభివృద్ధి చేసిన టచ్‌లెస్ శానిటైజర్ మెషిన్

ర్భంగా సుధాకర్‌ను గురువారం నిట్ డైరెక్టర్ ప్రొఫెసర్ ఎన్ వీ రమణారావు, రిజిస్ట్రార్ గోవర్ధన్‌లు అభినందించారు.

ఆంధ్రజ్యోతి Fri, 09 April 2021
https://epaper.andhrajyothy.com/c/59667703

తక్కువ ఖర్చుతో 'టచ్ లెస్' శానిటైజర్ పరికరం

కాజీపేట అర్బన్ : కరోనా నివారణ జాగ్రత్తల్లో భాగంగా చేతుంతో తాకకుండానే శానిటైజర్ వేసుకునే పరికరాన్ని నిట్ ఉద్యోగి తక్కువ ఖర్చుతో రూపొందించారు. కాజీపేట నిట్‌లోని ఈసీఈ విభాగం టెక్నికల్ అసిస్టెంట్ వి.సుధాకర్ ఈ పరికరాన్ని రూపొందించగా, డైరెక్టర్ ఎన్వీరమణారావు గురువారం ఆవిష్కరించి మాట్లాడారు. ఈ పరికరం మార్కెట్‌లో రూ.2వేలకు అమ్ముతుండగా, తాను కేవలం రూ.800తో సిద్ధం చేశానని సుధాకర్ తెలిపారు. రిజిస్ట్రార్ గోవర్ధన్ రావు తదితరులు పాల్గొన్నారు.



పరికరం వద్ద డైరెక్టర్, తదితరులు

సాక్షి Fri, 09 April 2021
https://epaper.sakshi.com/c/59667567

NIT-Warangal crossed a milestone in research output

DC CORRESPONDENT
HANAMKONDA, DEC. 27

The National Institute of Warangal has crossed one more milestone in research output with the number of publications by the faculty and students crossing 1,000 in the current calendar year of 2021, informed the Director of the NIT, Prof N.V. Ramana Rao on Monday.

In a statement released here, Prof N.V. Ramana Rao stated that this is the remarkable achievement made by NIT, Warangal. Compared to the previous best of 540 publications in 2017, the output of publications was doubled after four years with the induction of new faculty.

In addition to completing the academic syllabus and laboratory classes online, the institute has supported and motivated the faculty and students to enhance their research efforts.

The institute also established new centers of Excellence and a centralised Research Instrumentation facility to support multidisciplinary research not only among different departments but also collaborating them with several industries along with investing in huge resources on e-journals and e-books so that the faculty and students can access easily from any place.

All the faculty were given initial research funding of Rs 3 lakh each to establish their basic research facilities. Funding was also given generously to all the departments to purchase and upgrade the research equipment.

The curriculum of all the courses has been thoroughly revised in tune with the National Education Policy, 2020, and the intake of PhD scholars has been increased from 150 to 250 from the Current academic year. With the improved vigor and enthusiasm the NIT-Warangal will achieve further milestones to better its ranking, he hoped and congratulated the faculty and students.

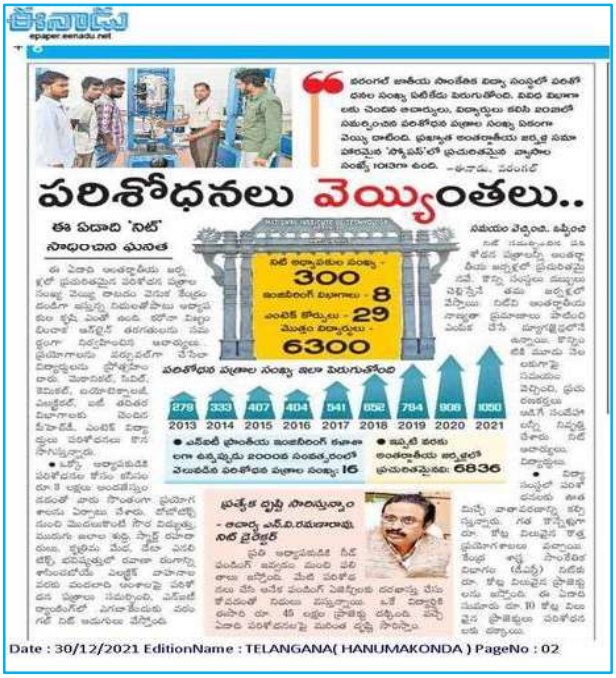
NIT-W SIGNS MoU WITH POSOCO OF BANGALORE

DC CORRESPONDENT
WARANGAL, DEC.10

The National Institute of Technology (NIT) Warangal and Southern Region Load Dispatch Center, POSOCO (Power System Operation Corporation Limited) Bangalore signed a Memorandum of Understanding (MoU) to cooperate and collaborate with each other for academic and research purposes in Hanamkonda of Warangal district on Friday.

The director of the NITW, Prof. N.V. Ramana Rao and the executive director of the POSOCO V. Suresh signed MoU papers online.

Speaking on the occasion, Prof. Ramana Rao said that the MoU which will be in force for five years would help both the institutes to engage in collaborative research projects on the areas of power grid system management.





Over 1,000 NIT Warangal students land lucrative jobs

P LAXMA REDDY
Warangal

A total of 1,016 students from the National Institute of Technology, Warangal (NITW) landed jobs in different companies including multi-national firms this academic year through campus placements. While 839 students bagged jobs in the last academic year, this year the number crossed the 1,000 mark.

Due to the pandemic, the campus drives were conducted virtually. Nearly 250 companies visited the campus this year to hire talented students. In all, over 630 B.Tech and over 370 post-graduate students got placed in different companies. The top job offers were bagged by Gaurav Singh and Priyansh Maheshwari of B.Tech (CSE) final year,

Two students get placed with DE Shaw for Rs 62.5L each per annum. In all, over 630 B.Tech and 370 PG students got placed

who got placed with DE Shaw which offered them a salary package of Rs 62.5 lakh per annum each. Debrup Mondal was also offered Rs 57.5 lakh per annum by DE Shaw, while 15 students were placed in Microsoft which offered a salary package of Rs 45 lakh per year. While 50 students secured jobs in Oracle with a package ranging from Rs 27 lakh to Rs 32 lakh per year, 24 students got jobs in Qualcomm with a package of Rs 25 lakh to Rs 32 lakh per annum. "The number of students who got packages with more than Rs 20 lakh per annum is 220, and the average package is Rs 14.5 lakh per annum," said NITW Director N V Ramana Rao. A total of 630 out of 700 eligible B.Tech students got placed, while 386 out of 677 eligible P.G students (Includes M.Tech, MBA, MCA, M.Sc) got placed, and more than 450 pre-final year students received internship offers from different companies. "The stipend varies from Rs 20,000 to Rs 1.60 lakh," said Centre for Career Planning and Development, Head Dr Kiran Kumar K. Some top recruiters included DE SHAW, Microsoft, Meshoo, Arcesium, Oracle, Service now, Uber, Qualcomm, GoldmanSachs, Amazon, Adobe, among others.



Telangana boy secures top rank in GATE '22

EXPRESS NEWS SERVICE
@ Hyderabad

A BTech Chemical Engineering student from National Institute of Technology (NIT), Warangal, T Mani Sandeep Reddy has secured all India first rank in Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE) 2022. The Indian Institute of Technology (IIT), Kharagpur declared the GATE 2022 results on Thursday.


Sandeep Reddy

Speaking to *Express*, a delighted Sandeep Reddy said: "I am feeling very happy that I achieved top rank in the national level exam. I prepared myself for GATE with the help from my professors who guided me in the right way."

He also revealed that during campus selection he got offers from GAIL and other oil and gas companies. "I now have to take a call on whether to go in for masters or accept a job offer to gain experience," he said.

In addition to the GATE 2022 results, IIT Kharagpur also issued stream-specific qualifying and cut-off marks of students who took the examination. The cut-off marks for Chemical, Biotechnology, Computer Science, ECE, Electronics and Communication Engineering Streams are now available at gate.iitkgp.ac.in

నిట్‌లో 1016 మందికి ప్లేస్ మెంట్స్

కాజీపేట, వెలుగు: వరంగల్ నిట్ లో 1016 మంది స్టూడెంట్లకు ప్ లభించినట్లు డైరెక్టర్ ఎన్వీ రమణారావు తెలిపారు. గురువారం నిట్‌లోని అంబేద్కర్ ఆడిటోరియంలో నిర్వహించిన అభినందన సభలో ఆయన మాట్లాడారు. నిట్‌కు చెందిన 630 మంది బీటెక్, 386 మంది పీజీ స్టూడెంట్లకు అంతర్జాతీయ కంపెనీల్లో ఉద్యోగాలు వచ్చాయన్నారు. గౌరవ్ సింగ్, ప్రియాన్ష్ మహేశ్వర్ అనే స్టూడెంట్లకు అత్యధికంగా ఏడాదికి రూ.62.5ల క్షల వేతనానికి ఎంపికయ్యారన్నారు.

THE HANS INDIA

12th edition of CURA held at NIT Warangal



HANS NEWS SERVICE
WARANGAL



THE 12th edition of CURA, the national level management meet of School of Management, National Institute of Technology, Warangal inaugurated on Friday, by the chief guest Prof. NV Ramana Rao, Director NITW.

Guest of honours Prof. P. Ravi Kumar, Dean students' affairs, N. Jayaram Vice president, TCS and Prof. M. Ravinder Reddy, Head of the Department, SOM.

Prof. NV. Ramana Rao, Director, addressed about the event, followed by Prof. P. Ravi Kumar and Mr. N. Jayaram. The head of SOM described the philosophy as well as the history of CURA during his address and Dr. Rahul Thengada took the event further with his perspective about how CURA has evolved with time.

CURA consists of more than 10 management competitions, workshops and plethora of keynote speakers who share their experience with students from all walks of life and has been an integral part of NITW fests from the past 12 years.

The event kicked off at 9 am hold in a virtual mode in line with the Covid 19 guidelines. The inaugural event lasted till 9:30 am and was celebrated with gaiety. Over 250 participants were present from different corners of the country.

26/01/2022 WARANGAL Pg 02

కృత్రిమ మేధ.. క్యాంపస్‌కు భద్రత



కెమెరా ముందుకు రాగానే ముఖాలు, పేర్లతో సహా తెర్పై వివరాలు ఇలా కనిపిస్తాయి

ఆనాపు, వరంగల్

క్యాంపస్‌లో విద్యార్థుల భద్రతకు కళాశాలు ఎంతో ప్రాధాన్యం ఇస్తుంటాయి. వారు అర్ధరాత్రి బయటకు వెళ్లినా, అపరిచితులు లోనికి ప్రవేశించినా గేటు వద్ద సెక్యూరిటీ సిబ్బంది కారణాలు తెలుసుకొని వివరాలు నమోదు చేస్తుంటారు. అలాంటిది మానవ ప్రమేయం లేకుండా క్యాంపస్‌లోకి ఎవరు, ఎప్పుడు వచ్చారనే వివరాలు పక్కాగా తెలుసుకునేందుకు వరంగల్ ఎన్‌ఐటీ సరికొత్త ప్రయోగానికి శ్రీకారం చుట్టింది. కృత్రిమ మేధ (ఆర్టిఫీషియల్ ఇంటలిజెన్స్) సాంకేతికతను ఉపయోగించి "ఫేస్ డిటెక్షన్ చేసేందుకు ఎలక్ట్రానిక్స్ అండ్ కమ్యూనికేషన్స్ ఇంజినీరింగ్ ఆచార్యుడు రవి కుమార్ మార్గదర్శనంలో ఈసీఈ మూడో సంవత్సరం చదువుతున్న ముగ్గురు విద్యార్థులు సరికొత్త ప్రయోగం చేస్తున్నారు.

100 మందిపై ప్రయోగం..

కృత్రిమ మేధ ద్వారా ముఖాలను గుర్తించేందుకు క్యాంపస్‌లో పదమంది విద్యార్థుల వివరాలు తీసుకున్నారు. తొలుత వారి ఫొటోలు, పేర్లను సంగణకంలో నమోదు చేశారు. ప్రధాన ద్వారం ముందు ఏర్పాటుచేసే కెమెరా ముందుకు రాగానే వారి ముఖాలను గుర్తించి పేర్లతో సహా తెర్పై వివరాలు కనిపిస్తాయి. అలా ఆ విద్యార్థి ఎన్ని సార్లు బయటకెళ్లారు, ఏ సమయంలో వెళ్లారనేది తెలిసిపోతుంది. విద్యార్థులు నియమిత సమయాల్లో కాకుండా తరగతి వేళలు, అర్ధరాత్రి బయటకెళితే వారి మొబైల్‌కు అలర్ట్ వస్తుంది. మానవ ప్రమేయం లేకుండా వారిని కృత్రిమ మేధ ద్వారా గుర్తించే విధంగా సాఫ్ట్‌వేర్‌ను మలిచారు. రూ.400 కెమెరా దానికి ఒక తెర ఉన్న సంధానించి ఈ విధానంలో ముఖాలను గుర్తించవచ్చని రవికుమార్ తెలిపారు. కరోనా తర్వాత చాలా కార్యాలయాల్లో వేళ్ల ద్వారా పనిచేసే బయోమెట్రిక్ హాజరు యంత్రాలను వినియోగించడం లేదు కాబట్టి 'ఏఐ' ద్వారా ముఖాలను గుర్తించి హాజరు కోసం కూడా వాడుకోవచ్చు. ఈ విధానంలో కెమెరా ముందుకు ఒకేసారి ముగ్గురు వచ్చినా పనిచేయగలుగుతుంది. ఈ ప్రాజెక్టులో భాగంగా ఆన్ని ప్రాంతాల వారిని గుర్తించేందుకు వివిధ దేశాలకు చెందిన 13 వేల మంది దేశాను తీసుకున్నట్లు విద్యార్థులు వివరించారు. క్యాంపస్‌లోకి రోజుకు ఎంత మంది కొత్తవాళ్ల వచ్చారన్న దేశా కూడా వారి ముఖాలతో సహా తెలుసుకోవచ్చు. క్యాంపస్ భద్రతకు ఐ ఎంతో ఉపయుక్తం కానుంది.


ప్రాజెక్టు చేపడుతున్న ఈసీఈ విద్యార్థులు

గ్రీన్ క్యాంపస్!

వావ్ మియావాకీ..
నిట్‌లో మినీ ఫారెస్ట్

- 2019లో శ్రీకారం..
  2 ఎకరాల్లో 4 వేల మొక్కలు
- హరితహారంలో భా.
  2 లక్షల వృక్షాలు
- ఆహ్లాదకర వాతావరణం
  ఉంటుందన్న విద్యార్థులు

బహుళ అంతస్తులు, మిద్దెలు, మేడలు, గజం జాగా ఉన్నా.. సిమెంట్ పూత పూసేస్తున్నాం, అద్దుగా ఉన్నాయని చెట్లను తెగనరుకుతున్నాం. ఈ కరుణంలో గ్రేటర్‌కు జీవవిరిబూడేందుకు నిట్‌లో చిట్టడవి రూపుదిద్దుకుంది. 'మియావాకీ ఫారెస్ట్' పేరుతో నిట్ క్యాంపస్‌లో మూడేళ్లగా అవిచ్ఛిన్న యజ్ఞం జరుగుతోంది. తక్కువ స్థలంలో వేలాది మొక్కలను ప్రాణ ప్రతిష్ఠ జరుగుతోంది. ఆ గ్రీన్ క్యాంపస్ ముచ్చట్లు ఈ వారం 'సెల్ఫీ' నుండే స్పెషల్.

- కాజీపేట అర్జున్



నిట్ క్యాంపస్‌లోని మియావాకీ ఫారెస్ట్

సారకత్తర నిద్రలో.. క్యాంపస్ సెంట్రల్‌లో సేనానీ ఇన్‌స్టిట్యూట్ ఆఫ్ టెక్నాలజీ (నిట్)ది ప్రపంచంలోకే ప్రత్యేక స్థానం. ఓవైపు నగరాన్ని చుట్టేశాయి. ఇసుకుర ణులు దేస్తూనే.. ఎంతలేదిపోతున్న అడవులను పెంపొందించేందుకు నిట్‌లో మియావాకీ ఫారెస్ట్ పేరుతో సూతన ఒరవడికి శ్రీకారం చుట్టారు. 2019 ఆగష్టు 15న స్వాతంత్ర్య దినోత్సవాన్ని పురస్కరించుకుని మియావాకీ ఫారెస్ట్‌ను ప్రారంభించారు. మియావాకీ ఫారెస్ట్‌లో తక్కువ స్థలంలో ఎక్కువ మొక్కల నాటడం ప్రధాన లక్ష్యం. అప్పటినుంచి ప్రతీ శనివారం నిట్ వరంగల్ క్యాంపస్‌లో రెండు ఎకరాల్లో ఆబలికాల సొజన్యంతో నిట్ యాజమాన్యం, విద్యార్థులు మొక్కలు నాటడం ప్రారంభించారు. ఐదేళ్ల వరకు 4వేల మొక్కలు నాటి చిట్టడవిని రూపొందించారు.

ఎవరీ మియావాకీ!

జపాన్‌కు చెందిన వృక్ష శాస్త్రజ్ఞుడు అకిరా మియావాకీ. ఇయన తక్కువ స్థలంలో ఎక్కువ మొక్కలను నాటే అడవిని సృష్టించి నూతన ఒరవడికి నాంది పలికారు. అకిరా మియావాకీ సూత్రికతో.. నిట్ క్యాంపస్‌లోని అంబేద్కర్ లర్నింగ్ సెంటర్ ఆడిటోరియం ఖవరణలో మొక్కలు నాటుతూ వస్తున్నారు. ప్రస్తుతం మినీ ఫారెస్ట్‌గా ఇది ఆవతరించింది.

ఆక్సిజన్ అందించే మొక్కలే ఎక్కువ!

నిట్ క్యాంపస్ 250 ఎకరాల్లో విస్తరించి ఉంది. మూతన భవనాల నిర్మాణంలో కొన్ని చెట్లను నరకడం అనివార్యమైంది. వాటి స్థానంలో వాతావరణ సమతుల్యానికి మియావాకీ ఫారెస్ట్‌ను ఏర్పాటు చేశాం. ప్రస్తుతం క్యాంపస్ లోపని మొక్కలలో ఆక్సిజన్‌ను అధికంగా విడుదల చేసే మొక్కలనే నాటాం.


మినీ ఫారెస్ట్‌లో చదువుకుంటున్న విద్యార్థులు

ఫారెస్ట్‌లో దాదాపు 12రకాల మొక్కలు, అల్ల నేరేడు, మోదుగు, కామంచి, కాకి, వేప, రాగి చెట్లు, ఆక్సిజన్‌ను ఎక్కువగా విడుదల చేసే మొక్కలను నాటాము.

6 వేల మొక్కలే లక్ష్యం

మియావాకీ ఫారెస్ట్‌లో నాటిన మొక్కలను క్రమం తప్పకుండా ఎంపిక చేసి నిట్ క్యాంపస్‌ను మరో 2 లక్షల ప్రాంతాలకాన్ని రాష్ట్ర ప్రభుత్వం అందించిం


ఏపుగా ఎదిగిన మొక్కలు

ది మరికొన్ని రోజుల్లో 6 వేల మొక్కలు నాటడమే లక్ష్యంగా ముందుకు సాగుతున్నట్లు నిట్ యాజమాన్యం తెలుపుతోంది.

ఆహ్లాదానికి చిరునామా..

నిట్ విద్యార్థులు మియావాకీ ఫారెస్ట్‌లో గడిపే రోజు ఆహ్లాదాన్ని పొందుతున్నారు. విద్యార్థులు వాకింగ్ చేస్తూ, చెట్ల కింద చదువుకుంటూ చక్కని ఓటిలో సేదతీరుతున్నారు.

వాతావరణ సమతుల్యానికి



వాతావరణ సమతుల్యాన్ని కాపాడేందుకు విద్యార్థులకు ఆహ్లాదకర వాతావరణాన్ని అందించేందుకు మూడేళ్ల క్రితం మియావాకీ ఫారెస్ట్‌కు శ్రీకారం చుట్టాం. రెండేళ్లల్లో ఫారెస్ట్‌ను ఏర్పాటు చేసి మొక్కలు నాటాం. భవిష్యత్‌లో క్యాంపస్‌లోని ఖాళీ స్థలాల్లో గుర్తించి మొక్కలు పెంచుతాం.

- ఎన్.వి.రమణారావు, నిట్ రైజిస్ట్రార్

అడవిలో వెళ్లిన అనుభూతి



మియావాకీ ఫారెస్ట్‌లోకి వెళ్తే అడవిలోకి వెళ్లిన అనుభూతి కలుగుతోంది. మియావాకీ ద్వారా మొక్కల పెంపకం, సంరక్షణ గురించి తెలుసుకున్నాం. ఫారెస్ట్‌ను అభివృద్ధి చేసేందుకు అవిరామ కృషి చేస్తాం.

- వి.పీతాంబర్, ఫీహెచ్‌డీ స్కాలర్

ఇంటి ఆవరణలో పెంచుతా..



తక్కువ స్థలంలో ఎక్కువ మొక్కలు నాటే మియావాకీ ఫారెస్ట్‌ను ఏర్పాటు చేసుకున్న ట్లుగానే.. ఐటీ ఆవరణలోనూ పెంచుకోవాలనే ఆలోచన వచ్చింది. వాతావరణ కాలుష్య సమస్యలకు చెక్ పెట్టేందుకు పాల్స్ ఏర్పాటు చుంటి పరిష్కారం.

- వినోదాయాదవ్, ఫీహెచ్‌డీ స్కాలర్

సాక్షి Sun, 03 April 2022
https://epaper.sakshi.com/c/67210059



ఈ రోడ్డుపై నీళ్లు నిలవవు!

వరంగల్ నిట్‌లో 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' రోడ్డుపై పరిశోధన • లోతట్టు, ముంపు ప్రాంతాల్లో ప్రయోజనం

కాజీపేట అర్జున్: ఏ చిన్నపాటి వాన కురిసినా రోడ్డుపై నీళ్లు నిలుస్తాయి. వచ్చిపోయే వాహనాలతోపాటు పాదచారులకూ నరకమే. అదే భారీ వర్షాలు కురిస్తే రోడ్డుపై నీళ్లతోపాటు లోతట్టు ప్రాంతాలు ముంపునకు గురవుతుంటాయి. ఇలాంటి పరిస్థితికి చెక్ పెట్టేందుకు తోడ్పడే 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' రోడ్డు, పేవ్‌మెంట్ల నిర్మాణంపై వరంగల్ నిట్ నిపుణులు పరిశోధన చేస్తున్నారు. నీరు నిలవకుండా ఎప్పటికప్పుడు ఇంకిపోయే ఈ తరహా రోడ్డును.. విదేశాల్లో చలుచోట్ల పార్కింగ్ స్థలాలు, ఉద్యానవనాలు వంటి రోట్ల ఇప్పటికే వినియోగిస్తున్నారు. దీనిని మన పరిస్థితులకు అనుగుణంగా అభివృద్ధి చేయడంపై నిట్ సివిల్ విభాగం ట్రాన్స్‌పోర్ట్ డివిజన్ ప్రొఫెసర్ ఎస్.శంకర్, పీహెచ్‌డీ స్కాలర్ గుమ్మడి చిరంజీవి పరిశోధన చేస్తున్నారు. 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' రోడ్డు/పేవ్‌మెంట్లతో నీరు నిల్వ ఉండకపోవడం వల్ల దోమలు, ఇతర కీటకాలు వృద్ధి చెందవని.. రోగాలు ప్రబలకుండా ఉంటాయని వారు చెప్తున్నారు.


నిట్‌లో 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' శాంపిల్

ఎప్పటికప్పుడు నీటిని వీల్చేనుకుని..

- సురక్షితమైన ప్రయాణానికి వీలు కల్పించే తారు, సీసీ రోడ్డు మాదిరిగానే 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' రోడ్డు ఉంటుంది. సాధారణంగా తారు, సీసీ రోడ్డును నాలుగు దశల్లో మట్టి, కంకర, తారు లేదా సిమెంట్ వినియోగించి నిర్మిస్తారు. ఇవి పూర్తిగా గట్టి పొరలా ఉండిపోయి.. లోతట్టు ప్రాంతాల్లో నీళ్లు నిలుస్తాయి.
- 'పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్' పేవ్‌మెంట్/రోడ్డును 16 దశల్లో వేర్వేరుగా నిర్మిస్తారు. వివిధ పరిమాణాల్లో ఉన్న కంకరను వినియోగిస్తారు. రోడ్డు దృఢంగా ఉంటూనే.. పెద్ద సంఖ్యలో చిన్నచిన్న రంధ్రాలు ఏర్పడేలా చూస్తారు. నీటి ప్రవాహానికి తగినట్టుగా రంధ్రాలు ఉండేలా చూస్తారు.
- వాహనాలు వడినప్పుడు ఈ రోడ్డు నీటిని పీల్చుకుని భూగర్భంలోకి పంపేస్తాయి. వెంట వెంటనే నీళ్లు ఇంకిపోవడం వల్ల నిల్వ ఉండటం, ముంపునకు కారణం కావడం వంటివి ఉండవు.
- పట్టణాల్లో ఇలాంటి రోడ్డు/పేవ్‌మెంట్లను నిర్మించినప్పుడు వాటి దిగువ నుంచి నీళ్ల డ్రైనేజీల్లోకి వెళ్లిపోయేలా ఏర్పాట్లు చేస్తారు. దానితో ఎంతగా వానపడ్డా నీళ్ల నిలవవు.

ముంపు నివారణ కోసం..

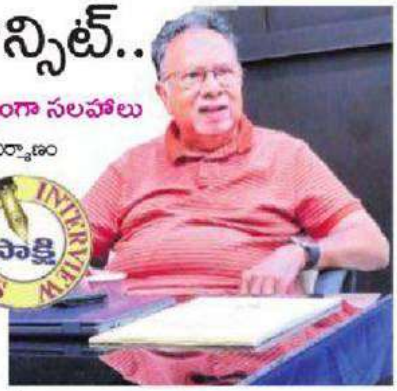


నిట్ వరంగల్ క్యాంపస్‌లో తొలిత పోరస్ ఆస్ఫాల్ట్ రోడ్డును 50 మీటర్ల మేర ఏర్పాటు చేయనున్నాం. దానిని పరిశీలించి అవసరమైన మార్పులు చేస్తాం. గ్రేటర్ వరంగల్‌లో వాన ముంపును నివారించేందుకు ఈ విధానాన్ని అందజేస్తాం. సైడ్ డ్రైయిన్స్ లేని ప్రాంతాల్లో, ముంపునకు గురయ్యే ప్రాంతాల్లో ఈ రోడ్డును వేయడం వల్ల ఎంతో ప్రయోజనం ఉంటుంది. - శంకర్, ప్రొఫెసర్, సివిల్ విభాగం

టార్గెట్.. ట్రాన్సిట్..

2040 ట్రాన్సిట్ ఓరుగల్లే లక్ష్యంగా సలహాలు

- ప్రజా రవాణాతోనే మెరుగైన సమాజ నిర్మాణం
- 50 ఏళ్లుగా ట్రాన్స్‌పోర్ట్ రంగంలో సూచనలు
- ట్రాఫిక్ సెన్స్‌తో ఇంధన ఆదా, సురక్షిత ప్రయాణం
- 'సాక్షి'తో అట్లాంటిక్ ట్రాన్స్‌పోర్టేషన్ ఇంజనీర్స్ సంస్థ అధ్యక్షుడు డాక్టర్ మూర్తి బీఏ.బొండాడ



కాజీపేట అర్బన్: మెరుగైన ప్రజా రవాణా వ్యవస్థకు ఓరుగల్లు లక్ష్యంగా నిట్ వరంగల్ వేదిక కానుంది. టార్గెట్-2040 ట్రాన్సిట్(రవాణా) కోసం మున్సిపల్, కుడా అధికారులకు సలహాలు, సూచనలు అందజేసేందుకు యూఎస్ గవర్నమెంట్ సౌజన్యంతో ఫుల్‌బ్రైట్ సంస్థ, నిట్ వరంగల్ అనుసంధానంగా ఫుల్‌బ్రైట్ స్పెషల్ ప్రోగ్రాం చేపట్టనున్నారు. ఈ మేరకు అట్లాంటిక్ ట్రాన్స్‌పోర్టేషన్ ఇంజనీర్స్ సంస్థ అధ్యక్షుడు డాక్టర్ మూర్తి పీఏ.బొండాడ 'సాక్షి'తో శనివారం తన మనోభావాలను పంచుకున్నారు. కాజీపేట నుంచి వరంగల్ వరకు గల 12 కిలో మీటర్ల నిడివిని తొలుత అధ్యయనానికి తీసుకున్నారు. ట్రాన్సిట్ ఓరుగల్లుగా తీర్చడమే లక్ష్యంగా యూఎస్ నుంచి నిట్ వరంగల్‌లో 42 రోజులపాటు ఇంటర్న్‌షిప్ ప్రోగ్రాం చేపట్టారు. ఆ వివరాలన్నీ ఆయన మాటల్లోనే...

కాకినాడ నుంచి యూఎస్‌లోని హ్యూస్టన్ వరకు..

ఏపీలోని కాకినాడకు చెందిన నేను కాకినాడలో ఉన్నత విద్య పూర్తి చేశాను. పీఆర్ కళాశాలలో సివిల్ ఇంజనీరింగ్ పూర్తి చేసి.. ఆంధ్రా, కడప, అనంతపురం పాలిటెక్నిక్ కళాశాలల్లో ప్రొఫెసర్‌గా సేవలందించాను. థ్రివుల్ ఐటీ ఫరగ్‌పూర్‌లో సిటీ ప్లానింగ్‌లో పని చేస్తున్న తరుణంలోనే 1969లో కాకినాడ నుంచి యూఎస్‌లోని హ్యూస్టన్‌కు ప్రయాణం ప్రారంభించాను. ట్రాన్స్‌పోర్ట్ అండ్ ట్రాఫిక్ ఇంజనీరింగ్‌లో మాస్టర్, పీహెచ్‌డీ పూర్తి చేశాను. 1972 నుంచి 2022 వరకు అమెరికాలోని పలు ప్రాంతాలకు ట్రాన్స్‌పోర్ట్ రంగంలో యూఎస్ గవర్నమెంట్‌కు సూచనలు అందజేస్తున్నాను.

లాంగ్ రేయిన్ ట్రాన్స్‌పోర్ట్ విధానంతో...

అమెరికాలో ప్రతి ఇంటికి కారు ఉంటుంది. ప్రజా రవాణా వ్యవస్థ(బస్సు) సౌకర్యం ఉన్నా మినియోగం తక్కువ. దీన్ని మెరుగుపర్చేందుకు లాంగ్ రేయిన్ ట్రాన్స్‌పోర్ట్ విధానంపై సూచనలు అందజేస్తూ.. పర్యవేక్షణ కొనసాగిస్తున్నా. ప్రస్తుతం వివిధ రకాల వాహనాలపై ప్రయాణం చేసే వారిని అధ్యయనం చేస్తున్నా. 30 ఏళ్లకు నాటి జనాభాకు అనుగుణంగా లాంగ్ రేయిన్ ట్రాన్స్‌పోర్ట్ విధానంతో మెరుగైన రవాణా, ప్రయాణ వ్యవస్థ సాధ్యమవుతుంది.

ట్రాఫిక్ సెన్స్ కల్పించాలి...

పాలకులు ప్రజా రవాణా సౌకర్యం కల్పించాలి. రహదారులపై సైకిల్ ట్రాక్, వాకింగ్ ట్రాక్, బస్సు, కారు, టూ వీలర్లకు అనుగుణంగా మార్కింగ్ ఏర్పాటు చేయాలి. ఆయా మార్కింగ్‌లకు అనుగుణంగా ప్రయాణం చేసేలా ట్రాఫిక్ సెన్స్ కల్పించాలి. తద్వారా సురక్షితమైన ప్రయాణంతోపాటు ఇంధనం ఆదా అవుతుంది. వాహన కాలుష్యం తగ్గుతుంది.

అమెరికాలో సిటీ యాక్ట్...

అమెరికాలో కాళ్లు లేకున్నా కారు మాత్రం ఉంటుంది. ఇంటికో కారుండటం వల్ల పార్కింగ్, ట్రాఫిక్ సమస్య ఏర్పడుతుంది. దీంతో కంప్లీట్ సిటీ యాక్ట్ పేరిట సైకిల్ ట్రాక్, వాకింగ్ ట్రాక్, బస్సు, కారు, టూవీలర్ ట్రాక్ ఏర్పాటు చేస్తున్నారు. ఎక్కువగా కారు ట్రాక్‌లను గతంలో ఏర్పాటు చేయగా.. ప్రస్తుతం వాటిని తొలగించి కంప్లీట్ సిటీ యాక్ట్ అమలు చేస్తున్నారు.

26న కుడా అధికారులతో...

నిట్ వరంగల్ విద్యార్థులతో 42 రోజులపాటు ఇంటరాక్ట్ అవడంతోపాటు అధ్యయనం చేయిస్తా. ఈనెల 19న రాష్ట్రస్థాయిలో ట్రాఫిక్, కుడా, మున్సిపల్ అధికారులతో సమావేశం ఏర్పాటు చేసి సూచనలు, సలహాలు స్వీకరిస్తాం. ఈనెల 26న కుడా అధికారులతో బేజీ అయిన తర్వాత ట్రాన్సిట్ ఓరుగల్లుకు సూచనలు చేస్తా.

అందరికీ అనుగుణంగా ప్రజా రవాణా వ్యవస్థ

సామాన్యుడి నుంచి ఉన్నత స్థాయి వారికి అనుగుణంగా ప్రజా రవాణా వ్యవస్థను అందజేయాలి. ఇందుకోసం బస్సులు పెంచాలి. ప్రజా అవసరాలకు అనుగుణంగా బస్సులను కారు మాదిరిగా ఆకర్షణగా, స్థాయిలు పెంచడం వల్ల ప్రతి ఒక్కరూ ఎక్కేందుకు ఆసక్తి చూపుతారు. కారు, టూవీలర్ కంటే బస్సు ప్రయాణం సురక్షితం. దీంతో ప్రజలకు ఇంధనం ఆదా.. ప్రభుత్వానికి ఆదాయం పెరుగుతుంది. ప్రభుత్వాలు ప్రత్యేక నిధులు కేటాయించి ట్రాఫిక్ సెన్స్‌ను పెంచేందుకు ట్రాక్‌లు, ప్రజా రవాణాకు బస్సు సౌకర్యం పెంచాలని ఆశిద్దాం.

సాక్షి Sun, 10 July 2022
https://epaper.sakshi.com/c/69086931









संस्थान सूचना सलाहकार समिति (आईआईएसी) के सदस्य

क्रम संख्या	विभाग	विभाग सूचना प्रभारी का नाम	पदनाम	मोबाइल नंबर	ईमेल
1.	सलाहकार (क्यूए&एए)	डॉ.एस.श्रीनिवास राव	प्रोफ़ेसर	8332969313	Advisor_qaaa@nitw.ac.in sneni@nitw.ac.in
2.	एसोसिएट डीन (अकादमिक ऑडिट)	डॉ.के.थंगाराजू	प्रोफ़ेसर	8332969720 8332969476	asd_aa@nitw.ac.in
3.	सिविल	डॉ. आर. रमेश नायका	असिस्टेंट प्रोफेसर	9962262909	ramesh.ni@nitw.ac.in
4.	विद्युत	डॉ. टी. विनय कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर	9885281148	vinayakumar@nitw.ac.in
5.	यांत्रिक	डॉ. वी.पी. चंद्रमोहन	प्रोफ़ेसर	8332969329	vpcm80@nitw.ac.in
6.	ईसीई	डॉ. जी. अरुण कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर	9477304602	g.arun@nitw.ac.in
7.	एम&एम	डॉ. जी. ब्रह्मराजू	एसोसिएट प्रोफेसर	8332969389	gbraju@nitw.ac.in
8.	रासायनिक	डॉ. संपत कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर	8497968889	pskr@nitw.ac.in
9.	सीएसई	डॉ. संघरत्ना जी.	असिस्टेंट प्रोफ़ेसर	7013306805	sanghu@nitw.ac.in
10.	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. सौम्या लिप्सा	असिस्टेंट प्रोफेसर	7978293479	slrath@nitw.ac.in
11.	गणित	डॉ. वाई. श्रीनिवास राव	असिस्टेंट प्रोफेसर	9494776866	ysr@nitw.ac.in
12.	भौतिकी	डॉ. जयलक्ष्मी	एसोसिएट प्रोफेसर	8332969477	jayalakshmiv@nitw.ac.in
13.	रसायन विज्ञान	डॉ.के. हरिप्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर	9550803036	harikokatla@nitw.ac.in
14.	एसओएम	डॉ.पी.आर.सी.गोपाल	असिस्टेंट प्रोफेसर	9843716992	prcgopal@nitw.ac.in
15.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	डॉ मधुमति पी.	असिस्टेंट प्रोफेसर	9943401929	madhumathi.p@nitw.ac.in
16.	कॅरियर योजना और विकास केंद्र	डॉ.एम.जे. डेविडसन	अध्यक्ष, (सीसीपीडी)	9490165357	ccpd_hod@nitw.ac.in
17.	सामान्य समन्वयक-I	डॉ.एस.विद्यासागर	एसोसिएट प्रोफ़ेसर	9490164976 8332969463	vidyasagars@nitw.ac.in
18.	सामान्य समन्वयक -II	डॉ. टी. राहुल	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसओएम	8978264848	rahult@nitw.ac.in

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
वारंगल
तेलंगाना राज्य

वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक लेखा

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

31.03.2022 की स्थिति पर समेकित तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

(राशि रुपयों में)

निधि के स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आधारभूत / पूंजीगत निधि (कॉर्पस / कैपिटल फंड)	1	7,454,140,780	6,536,016,324
नामित / उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियां	2	1,018,386,229	977,921,270
वर्तमान देयताएं व प्रावधान	3	516,153,072	888,623,868
योग		**8,988,680,081**	**8,402,561,462**
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4		
- मूर्त (प्रत्यक्ष) परिसंपत्तियां		4,397,266,611	4,403,002,761
- अमूर्त (परोक्ष) परिसंपत्तियां		40,384,757	19,091,933
- प्रगति रत पूंजीगत कार्य		-	-
निवेश	5		
- दीर्घकालिक		-	-
- अल्पकालिक		742,624,039	743,795,144
निवेश – अन्य	6	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	3,415,410,500	2,950,049,786
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	392,994,174	286,621,838
योग		**8,988,680,081**	**8,402,561,462**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणियां	24		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

31.03.2022 की स्थिति पर तुलन पत्र (बैलेंस शीट) का अंशलेख बनी अनुसूचियां (शेड्यूल्स)

अनुसूची 1 – आधारभूत निधि/पूंजीगत निधि (कॉर्पस /कैपिटल फंड)	महाविद्यालय	शोध	योग
वर्ष के आरंभ में शेष	6,505,554,232	30,462,092	6,536,016,324
जोड़ें : आधारभूत / पूंजीगत निधि में अंशदान	126,004,544	-	126,004,544
जोड़ें : टीएलसी (शोध) से प्राप्त अंशदान	67,820,222	-	67,820,222
जोड़ें : यूजीसी / भारत सरकार व राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान, पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक	-	-	-
जोड़ें : उद्दिष्ट निधि से खरीदी गई आस्तियां	-	-	-
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से खरीदी गई आस्तियां जो संस्था के स्वामित्व में हैं	-	-	-
जोड़ें : दान में प्राप्त / उपहार में प्राप्त आस्तियां	-	-	-
जोड़ें : अन्य अनुवृद्धि (एडिशन)	410,772,448	-	410,772,448
जोड़ें : आय व व्यय लेखा से अंतरित की गई व्यय से अधिक आय	277,939,623	35,587,619	313,527,242
योग	**7,388,091,069**	**66,049,711**	**7,454,140,780**
घटाएं : अप्रयुक्त पूंजीगत अनुदान	-	-	-
घटाएं : आय व व्यय लेखा से अंतरित की गई आय से अधिक व्यय का घाटा एवं भविष्य निधि से आहरण	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	**7,388,091,069**	**66,049,711**	**7,454,140,780**

अनुसूची 3 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	महाविद्यालय	शोध	योग
A. वर्तमान देयताएं			
1. स्टॉफ द्वारा जमा			
- स्टॉफ क्वार्टर्स के लिए प्रतिभूति जमा	64,794	-	64,794
2. छात्रों द्वारा जमा			
- प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय जमा	20,127,625	-	20,127,625
- छात्रावास जमानत राशि जमा	446,664	-	446,664
- एनआईटी सहकारी भंडार जमा	6,618,304	-	6,618,304
3. विविध लेनदार (ऋणदाता)			
a) माल एवं सेवाओं के लिए	-	-	-
b) अन्य	-	-	-
4. अन्य जमा (ईएमडी, प्रतिभूति जमा सहित)			
- ईएमडी,/ प्रतिभूति जमा	23,280,036	-	23,280,036
- अन्य जमा	8,906,598	-	8,906,598
- किराया एवं अन्य सेवा प्रभार के लिए जमा	2,000	-	2,000
- आईसीसी आर&डी लेखा	11,000	-	11,000
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ़,टीडीएस, डबल्यूसी कर, सीपीएफ़, जीआईएस, एनपीएस)			
a) अतिदेय	-	-	-
b) अन्य			

- बिक्री कर (सेल्स टेक्स)	294,218	-	294,218
- व्यायासायिक कर (प्रोफेशनल टेक्स)	615,702	-	615,702
- आय कर (इन्कम टेक्स)	2,230,164	-	2,230,164
- एलआईसी (एसएसएस)	36	-	36
- जीएलआईएस	343	-	343
- एनपीएस योजना में स्टॉफ का अंशदान	(184,223)	-	(184,223)
- श्रम आयुक्त (सीईएसएस)	792,563	-	792,563
- भविष्य निधि अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	27,623	-	27,623
- कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ़)	528,899	-	528,899
- सलाभ सिक्का ढलाई (सिगनिओरेग) प्रभार	303,924	-	303,924
- सांविधिक देयताएं	-	220,426	220,426
- जीएसटी - टीडीएस	482,584	-	482,584
- आईसीसी – जीएसटी	3,152,399	-	3,152,399
6. अन्य वर्तमान (करंट) देयताएं			
a) वेतन	-	-	-
b) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तियां	-	271,957,048	271,957,048
c) प्रायोजित अध्येतावृत्तियों व छात्रवृत्तियों से प्राप्तियां	762,420	-	762,420
d) अप्रयुक्त अनुदान	70,368,084	-	70,368,084
e) अग्रिम अनुदान	-	-	-
f) अन्य निधियां	-	-	-
g) अन्य देयताएं	-	-	-
- अन्य देयताएं - अग्रिम/एफ़डीडी/एलसी/उचंत (सस्पेंस)	-	-	-
- बकाया देयताएं	105,143,842	-	105,143,842
योग (A)	**243,975,599**	**272,177,474**	**516,153,072**
B. प्रावधान			
1. कराधान के लिए	-	-	-
2. उपदान (ग्रेच्युटी)	-	-	-
3. अधिवार्षिता / पेंशन	-	-	-
4. संचयित अवकाश नकदीकरण	-	-	-
5. व्यापार वारंटी / दावे	-	-	-
6. अन्य (विवरण दें)	-	-	-
सुरक्षा सेवाएं	-	-	-
योग (B)	-	-	-
योग (A + B)	**243,975,599**	**272,177,474**	**516,153,072**

अनुसूची 3(c) – भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त हुई अनुदान जिसका उपयोग नहीं हुआ

उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों से किया गया निवेश	महाविद्यालय	शोध	योग
A. योजनागत अनुदान : भारत सरकार			
आगे लाया गया शेष (बैलेंस B/f)	481,140,532	-	481,140,532
जोड़ें : इस वर्ष में प्राप्तियां	126,004,544	-	126,004,544
योग (a)	607,145,076	-	607,145,076
घटाएं : धन वापसी	-	-	-
घटाएं : राजस्व व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
घटाएं : पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	205,611,631	-	205,611,631
घटाएं : पिछली अवधि समायोजन	331,165,361		331,165,361
योग (b)	536,776,992	-	536,776,992
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (a – b)	70,368,084	-	70,368,084
B. यूजीसी अनुदान : योजनागत			
आगे लाया गया शेष (बैलेंस B/f)	-	-	-
जोड़ें : इस वर्ष में प्राप्तियां	-	-	-
योग (a)	-	-	-
घटाएं : धन वापसी	-	-	-
घटाएं : राजस्व व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
घटाएं : पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
योग (b)	-	-	-
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (a – b)	-	-	-
C. यूजीसी अनुदान : गैर-योजनागत			
आगे लाया गया शेष (बैलेंस B/f)	-	-	-
जोड़ें : इस वर्ष में प्राप्तियां	-	-	-
योग (a)	-	-	-
घटाएं : धन वापसी	-	-	-
घटाएं : राजस्व व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
घटाएं : पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
योग (b)	-	-	-
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (a – b)	-	-	-
D. राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान			
आगे लाया गया शेष (बैलेंस B/f)	-	-	-
जोड़ें : इस वर्ष में प्राप्तियां	-	-	-
योग (a)	-	-	-
घटाएं : धन वापसी	-	-	-
घटाएं : राजस्व व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
घटाएं : पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	-	-	-
घटाएं : पिछली अवधि समायोजन	-		-
योग (b)	-	-	-
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (a – b)	-	-	-
कुल योग (A+B+C+D)	**70,368,084**	**-**	**70,368,084**

अनुसूची – 4 : अचल आस्तियां	महाविद्यालय	शोध	योग
भूमि	1	-	1
साइट विकास	-	-	-
भवन	3,747,153,309	-	3,747,153,309
सड़कें एवं सेतु	12,058,394	-	12,058,394
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-
मल-जल निकास एवं जल निकास व्यवस्था (सिवरेज़ एवं ड्रेनेज़)	-	-	-
विद्युत संस्थापन (इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन) एवं उपस्कर	17,000	-	17,000
संयंत्र एवं मशीनरी	-	-	-
वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपस्कर	543,230,863	-	543,230,863
कार्यालय उपस्कर	-	-	-
ऑडियो-वीडियो उपस्कर	-	-	-
कम्प्यूटर्स एवं पेरीफेरल्स	39,870,892	-	39,870,892
फर्नीचर, फिक्सचर एवं फिटिंग्स	47,515,381	-	47,515,381
वाहन	1,427,145	-	1,427,145
पुस्तकालय पुस्तकें एवं जर्नल्स	5,993,625	-	5,993,625
कम मूल्य आस्तियां	1	-	1
योग (A)	**4,397,266,611**	**-**	**4,397,266,611**
प्रगतिरत पूंजीगत निर्माण-कार्य **(B)**	-	-	-

अमूर्त / अप्रत्यक्ष आस्तियां	महाविद्यालय	शोध	योग
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	726,107	-	726,107
ई – जर्नल्स	39,658,650	-	39,658,650
पेटेंट्स	-	-	-
योग (C)	40,384,757	-	40,384,757
कुल योग (A+B+C)	**4,437,651,368**	**-**	**4,437,651,368**
पिछला वर्ष			

अनुसूची - 5 : उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों से किया गया निवेश	महाविद्यालय	शोध	योग
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-	-
4. शेयर्स	-	-	-
5. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड	-	-	-
6. बैंकों में मीयादी जमा	682,624,039	-	682,624,039
7. अन्य (विवरण दिया जाए)	60,000,000	-	60,000,000
योग	**742,624,039**	**-**	**742,624,039**
अनुसूची - 6 : निवेश - अन्य	**महाविद्यालय**	**शोध**	**योग**
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-	-

4. शेयर्स	-	-	-
5. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड	-	-	-
6. अन्य (विवरण दिया जाए)	-	-	-
योग	-	-	-

अनुसूची - : 7 वर्तमान परिसंपत्तियां	**महाविद्यालय**	**शोध**	**योग**
1. स्टॉक			
a). स्टोर्स एवं स्पेयर्स			
- स्टोर्स एवं स्पेयर्स	-	-	-
- खुदरा औज़ार	-	-	-
- प्रकाशन	-	-	-
- प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य एवं ग्लासवेयर	-	-	-
- निर्माण सामग्री	-	-	-
- विद्युत सामग्री	-	-	-
- स्टेशनरी	-	-	-
- जल प्रदाय सामग्री	-	-	-
2. विविध देनदार (ऋणी)			
a). ऋण जो छह माह से अधिक अवधि तक बकाया है	-	-	-
b). अन्य			
- एलसी उचंत (सस्पेंस)	3,386,798	-	3,386,798
- एफ़डीडी / FDD's	19,624,179	-	19,624,179
- प्राप्य शुल्क	-	-	-
- योजनागत अनुदान व गैर-योजनागत प्राप्य अनुदान	-	-	-
3. नकदी एवं बैंक शेष राशि			
a). हाथ में नकदी शेष राशि (चेकों/ड्राफ्टों व अग्रदाय सहित)			
- मुख्य नकदी शेष	-	-	-
- फुटकर नकदी शेष	-	-	-
- विभाग के पास अग्रदाय	590,000	-	590,000
b). अनुसूचित बैंकों के पास			
- चालू खातों में	698,057,564	-	698,057,564
- मीयादी जमा खातों में – एसटीडीआर	1,555,629,030	173,322,381	1,728,951,411
- बचत खातों में	856,990,774	107,809,774	964,800,548
c). गैर-अनुसूचित बैंकों के पास			
- चालू खातों में	-	-	-
- मीयादी जमा खातों में	-	-	-
- बचत खातों में	-	-	-
4. पोस्ट ऑफिस – बचत खाता	-	-	-
योग	**3,134,278,345**	**281,132,155**	**3,415,410,500**

अनुसूची - : 8 ऋण, अग्रिम एवं जमा	महाविद्यालय	शोध	योग
1. कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज मुक्त)			
a). वेतन	-	-	-
b). त्योहार	-	-	-
c). छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी)	1,932,846	-	1,932,846
d). अन्य (विवरण दिया जाए)	-	-	-
2. कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज युक्त)			
a). वाहन ऋण	-	-	-
b). आवास ऋण	-	-	-
c). अन्य (विवरण दिया जाए)	-	-	-
3. नकदी या वस्तु या मूल्य के रूप में प्राप्य अग्रिम व अन्य राशियां			
a). पूंजीगत लेखा पर	-	-	-
b). आपूर्तिकर्ताओं को	-	-	-
c). अन्य	-	19,026,452	19,026,452
4. पूर्वदत्त व्यय			
a). बीमा	-	-	-
b). अन्य व्यय	-	-	-
5. जमा			
a). टेलीफोन	27,200	-	27,200
b). पट्टा (लीज़) किराया	-	-	-
c). विद्युत	10,429,651	-	10,429,651
d). एआईसीटीई, यदि लागू हो	-	-	-
e). अन्य (विवरण दिया जाए)			
- अन्य विभाग के पास जमा (संलग्नक के अनुसार)	457,990	-	457,990
- अन्य विभाग / ठेकेदार, सीपीडबल्यूडी सहित	255,345,888	-	255,345,888
6. उपचित आय			
a). उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधि से निवेश पर	29,603,788	-	29,603,788
b). निवेशों पर – अन्य	11,074,486	2,187,983	13,262,469
c). ऋण एवं अग्रिमों पर	-	-	-
d). अन्य (अप्राप्त देय आय सहित)	26,877,560	-	26,877,560
7. यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य अन्य चालू आस्तियां			
a). प्रायोजित परियोजनाओं के नामे बाकी	149,735	35,880,595	36,030,330
b). प्रायोजित अध्येतावृत्ति व छात्रवृत्ति के नामे बाकी	-	-	-
c). वसूलीयोग्य अनुदान	-	-	-
d). यूजीसी से अन्य प्राप्य	-	-	-
8. प्राप्त होने योग्य दावे	-	-	-
योग	**335,899,144**	**57,095,030**	**392,994,174**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	**9**	466,009,899	406,204,662
अनुदान / सब्सिडी	**10**	1,877,979,000	1,997,272,000
निवेश से आय	**11**	117,625,081	68,473,922
अर्जित ब्याज	**12**	-	-
अन्य आय	**13**	174,443,683	24,448,458
पूर्व अवधि आय / समायोजन	**14**	-	-
योग (A)		**2,636,057,663**	**2,496,399,042**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	**15**	1,434,094,669	1,328,730,613
अकादमिक व्यय	**16**	388,218,424	361,420,284
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	**17**	125,400,155	112,413,209
परिवहन व्यय	**18**	1,998,376	1,990,051
मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)	**19**	117,455,346	84,190,537
वित्तीय लागत	**20**	-	-
मूल्यह्वास	**4**	238,365,602	203,452,947
अन्य व्यय	**21**	388,161	7,648,208
पूर्व अवधि व्यय	**22**	16,609,688	1,282,917,741
योग (B)		**2,322,530,421**	**3,382,763,590**
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (A – B)		313,527,242	(886,364,548)
नामित निधि में / से अंतरण		-	-
भवन निधि		-	-
अन्य, यदि कुछ है - आईआरजी में अंतरण			
सामान्य निधि में ले जाई गई बचत (घाटा) शेष राशि		**313,527,242**	**(886,364,548)**
लेखा टिप्पणियां	**22**		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

वर्ष 2021-22 के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा का अंशलेख बनी अनुसूचियां (शेड्यूल्स)

9 - अकादमिक प्राप्तियां

छात्रों से प्राप्त शुल्क	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
A. अकादमिक			
1. शिक्षा शुल्क	437,799,249	-	437,799,249
2. प्रवेश शुल्क	27,673,500	-	27,673,500
3. नामांकन शुल्क	-	-	-
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	-	-	-
5. प्रयोगशाला शुल्क	-	-	-
6. आर्ट व क्राफ्ट शुल्क	-	-	-
7. पंजीकरण शुल्क	-	-	-
विदेशी छात्र	-	-	-
पीजी छात्र	-	-	-
8. पाठ्य-विवरणिका (सिलेबस) शुल्क	-	-	-
9. महाविद्यालय संसाधन निधि	-	-	-
योग (A)	**465,472,749**	**-**	**465,472,749**
B. परीक्षा			
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	-	-
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	-	-	-
3. अंकसूची, प्रमाणपत्र शुल्क	-	-	-
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	-	-
योग (B)	**-**	**-**	**-**
C. अन्य शुल्क			
1. पहचान पत्र शुल्क	537,150	-	537,150
2. अर्थदंड / विविध शुल्क	-	-	-
3. चिकित्सा शुल्क	-	-	-
4. परिवहन शुल्क	-	-	-
5. छात्रावास शुल्क	-	-	-
योग (C)	**537,150**	**-**	**537,150**
D. प्रकाशनों की बिक्री			
1. प्रवेश फॉर्म की बिक्री	-	-	-
2. पाठ्य-विवरणिका व प्रश्न बैंक आदि की बिक्री	-	-	-
3. प्रवेश फॉर्म सहित विवरण पुस्तिका की बिक्री	-	-	-
योग (D)	**-**	**-**	**-**
E. अन्य अकादमिक प्राप्तियां			
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-	-	-
2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टॉफ कॉलेज)	-	-	-
योग (E)	**-**	**-**	**-**
कुल योग (A+B+C+D+E)	**466,009,899**	**-**	**466,009,899**

अनुसूची 10– अनुदान / आर्थिक सहायता (प्राप्त हुए अप्रतिसंहरणीय अनुदान)	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
आगे लाया गया शेष	-	-	-
जोड़ें : इस वर्ष की प्राप्तियां	1,877,979,000	-	1,877,979,000
योग	**1,877,979,000**	**-**	**1,877,979,000**
घटाएं : यूजीसी को धन वापसी	-	-	-
शेष	1,877,979,000	-	1,877,979,000
घटाएं : पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त किया गया (A)	-	-	-
शेष	1,877,979,000	-	1,877,979,000
घटाएं : राजस्व व्यय में प्रयुक्त किया गया (B)	1,877,979,000	-	1,877,979,000
योग	**-**	**-**	**-**

अनुसूची 11 – निवेशों से प्राप्त आय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
1. ब्याज			
a) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-
b) अन्य बॉण्ड्स / डिबेंचर्स पर	-	-	-
2. मियादी जमाओं पर ब्याज	77,488,889	34,263,400	111,752,289
3. मियादी जमाओं / कर्मचारियों को ब्याज युक्त अग्रिमों पर उपचित आय किन्तु देय नहीं	-	-	-
4. बचत बैंक खातों पर ब्याज	4,160,412	1,712,380	5,872,792
5. अन्य (विवरण दें)	-	-	-
योग	**81,649,301**	**35,975,780**	**117,625,081**

अनुसूची 12 – अर्जित ब्याज

विवरण	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	-	-	-
2. ऋणों से			
a) कर्मचारी / स्टॉफ	-	-	-
b) अन्य	-	-	-
3. ऋणियों एवं अन्य प्राप्य राशियों से	-	-	-
योग	**-**	**-**	**-**

अनुसूची 13 – अन्य आय

विवरण	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
A. भूमि एवं भवन से आय			
1. छात्रावास के कमरों का किराया	12,532,650	-	12,532,650
2. लाइसेंस शुल्क	2,966,408	-	2,966,408
3. ऑडिटोरियम / खेल मैदान / कन्वेन्शन सेंटर आदि का किराया प्रभार	-	-	-
4. वसूला गया विद्युत प्रभार	14,354,933	-	14,354,933
5. वसूला गया जल प्रभार	85,260	-	85,260
योग (A)	**29,939,251**	**-**	**29,939,251**
B. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	-	-	-
C. कार्यक्रमों के आयोजन से आय			
1. वार्षिक समारोह / स्पोर्ट्स कार्निवाल से सकल प्राप्तियां	-	-	-
घटाए: वार्षिक समारोह/स्पोर्ट्स कार्निवाल पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-	-
2. पार्टियों से सकल प्राप्तियां	-	-	-
घटाएं : पार्टियों पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-	-
3. शैक्षणिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	-	-	-
घटाएं : भ्रमणों पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-	-
4. अन्य (विवरण दिया जाए व पृथक से प्रकट किया जाए)	-	-	-
योग (C)	**-**	**-**	**-**
D. अन्य			
1. परामर्श सेवा (कंसल्टेंसी) से आय	2,845,053	-	2,845,053
2. आरटीआई शुल्क	-	-	-
3. रॉयल्टी से आय	-	-	-
4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती)	-	-	-
5. विविध आय(निविदापत्र, रद्दीकागज आदि की बिक्री से)	-	-	-
6. परिसंपत्तियों के विक्रय / निपटान से लाभ	-	-	-
a) स्वाधिकृत परिसंपत्तियां	-	-	-
b) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त हुई परिसंपत्तियां	-	-	-
7. संस्थाओं, कल्याण निकायों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त अनुदान / दान	-	-	-
8. अन्य			
- अतिथि गृह से प्राप्त किराया	1,104,741	-	1,104,741
- अन्य विविध आय	140,554,638	-	140,554,638
योग (D)	**144,504,432**	**-**	**144,504,432**
कुल योग (A+B+C+D)	**174,443,683**	**-**	**174,443,683**

अनुसूची 14 – पिछली अवधि की आय

विवरण	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
1. अकादमिक प्राप्तियां	-	-	-
2. निवेशों से प्राप्त आय	-	-	-
3. ब्याज आय	-	-	-
4. आय व व्यय विनियोग लेखा (पिछली अवधि का समायोजन)	-	-	-
5. अन्य आय	-	-	-
योग	**-**	**-**	**-**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

वर्ष 2021-22 के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा का अंशलेख बनी अनुसूचियां(शेड्यूल्स)

अनुसूची 15 - स्टॉफ भुगतान एवं लाभ	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
a) वेतन एवं मजदूरी	896,271,766	-	896,271,766
b) भत्ते एवं बोनस – शिक्षणेतर स्टॉफ को बोनस	-	-	-
c) भविष्य निधि में अंशदान	-	-	-
d) अन्य निधि में अंशदान (विवरण दें)	-	-	-
e) स्टॉफ कल्याण खर्चे	23,819,531	-	23,819,531
f) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ	405,495,210	-	405,495,210
g) छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी) सुविधा	7,391,991	-	7,391,991
h) चिकित्सा सुविधा	-	-	-
i) संतान शिक्षा भत्ता	8,218,120	-	8,218,120
j) मानदेय	-	-	-
k) अन्य (विवरण दें)	-	-	-
- स्टॉफ एवं छात्रों की सुविधाएं	-	-	-
- अर्जित अवकाश (ईएल) नकदीकरण	512,996	-	512,996
- समयोपरि (ओवर टाइम) भत्ता	-	-	-
- छुट्टी नकदीकरण	19,382,090	-	19,382,090
- वेतन बकाया राशि (एरियर)	-	-	-
- दैनिक मजदूरी / समेकित / आउटसोर्सिंग प्रभार	73,002,965	-	73,002,965
योग	**1,434,094,669**	**-**	**1,434,094,669**

अनुसूची 16 – अकादमिक व्यय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
a) प्रयोगशाला व्यय	-	-	-
b) फ़ील्ड कार्य / संगोष्ठियों (कॉन्फ्रेंसेस) में सहभागिता	-	-	-
c) सम्मेलनों/कार्यशालाओं (सेमिनार्स/वर्कशॉप्स) पर व्यय	924,521	-	924,521
d) विजिटिंग फ़ैकल्टी को भुगतान - विशेष संकाय व भत्ते की आकस्मिकता	24,631,163	-	24,631,163
e) परीक्षा	-	-	-
f) छात्र कल्याण व्यय	-	-	-
g) प्रवेश व्यय	-	-	-
h) दीक्षांत समारोह व्यय	-	-	-
i) प्रकाशन	-	-	-
j) वज़ीफ़ा (स्टाइपेंड) / आर्थिक-सह-मेरिट छात्रवृति	362,662,740	-	362,662,740
k) अभिदान व्यय	-	-	-
l) अन्य (विवरण दें)	-	-	-
- पेशेवर विकास भत्ता	-	-	-
योग	**388,218,424**	**-**	**388,218,424**

अनुसूची 17 – प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
A. बुनियादी संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर)			
a) विद्युत एवं पानी	19,686,439	-	19,686,439
b) जल प्रभार	6,800,423	-	6,800,423
c) बीमा	-	-	-
d) किराया, दर एवं कर (संपत्ति कर सहित)	1,031,776	-	1,031,776
B. संचार (कम्युनिकेशन)	-	-	-
e) डाक-शुल्क एवं टेलीग्राम	-	-	-
f) टेलीफोन, फ़ैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	2,167,979	-	2,167,979
C. अन्य	-	-	-
g) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1,146,906	-	1,146,906
h) यात्रा एवं वाहन भत्ता	7,315,194	-	7,315,194
i) अतिथि सत्कार	-	-	-
j) लेखा परीक्षक (ऑडिटर) का पारिश्रमिक	490,000	-	490,000
k) व्यावसायिक प्रभार – विधिक प्रभार (लीगल चार्जेस)	682,900	-	682,900
नीचे ले जाया गया शेष	**39,321,617**	**-**	**39,321,617**
ऊपर से लाया गया शेष	39,321,617	-	39,321,617
l) विज्ञापन एवं प्रचार	1,919,219	-	1,919,219
m) पत्रिकाएं (मैगज़ीन्स) एव जर्नल्स	-	-	-
n) अन्य (विवरण दें)	-	-	-
- डीओसी – आकस्मिक व्यय	10,231,948	-	10,231,948
- सुरक्षा कर्मचारी वेतन (अस्थायी स्टॉफ)	39,393,514	-	39,393,514
- संरक्षणता प्रभार	12,998,557	-	12,998,557
- अतिथि गृह प्रभार	1,485,646	-	1,485,646
- अन्य विविध व्यय	20,049,654	-	20,049,654
- भविष्य निधि पर ब्याज	-	-	-
योग	**125,400,155**	**-**	**125,400,155**

अनुसूची 18 – परिवहन व्यय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
1. वाहन (शेक्षणिक संस्थान के स्वामित्व में)	1,989,731	-	1,989,731
a) परिचालन व्यय	-	-	-
b) मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर एंड मैंटेनेंस)	8,645	-	8,645
c) बीमा व्यय	-	-	-
2. किराए / पट्टे (लीज़) पर लिए गए वाहन	-	-	-
a) किराया / पट्टा व्यय	-	-	-
3. वाहन (टैक्सी) भाड़ा व्यय	-	-	-
योग	**1,998,376**	**-**	**1,998,376**

अनुसूची 19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर एंड मैंटेनेंस)	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
a) भवन	116,594,797	-	116,594,797
b) फर्नीचर एवं फिक्सचर	-	-	-
c) संयंत्र एवं मशीनरी	-	-	-
d) कार्यालय उपस्कर	860,549	-	860,549
e) कंप्यूटर्स	-	-	-
f) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपस्कर	-	-	-
g) ऑडियो वीडियो उपस्कर	-	-	-
h) सफाई सामान एवं सेवाएं	-	-	-
i) पुस्तक बाइंडिंग प्रभार	-	-	-
j) बागवानी	-	-	-
k) संपदा रखरखाव (एस्टेट मैंटेनेंस)	-	-	-
l) अन्य (विवरण दें)	-	-	-
योग	**117,455,346**	**-**	**117,455,346**

अनुसूची 20 – वित्तीय लागत	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
a) बैंक प्रभार	-	-	-
b) अन्य (विवरण दें)	-	-	-
योग	**-**	**-**	**-**

अनुसूची 21 – अन्य व्यय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
a) अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज / अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-	-
b) वसूली न किए जा सकने वाला बट्टे खाते डाला गया शेष	-	-	-
c) अन्य संस्थानों / संगठनों को अनुदान / आर्थिक सहायता (सब्सिडी)	-	-	-
d) अन्य (विवरण दें)	-	388,161	388,161
योग		**388,161**	**388,161**

अनुसूची 22 – पिछली अवधि व्यय	महाविद्यालय	अनुसंधान	योग
1. स्थापना व्यय	-	-	-
2. अकादमिक व्यय	-	-	-
3. प्रशासनिक व्यय	-	-	-
4. परिवहन व्यय	-	-	-
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर एंड मैंटेनेंस)	-	-	-
6. अन्य – औद्योगिक परामर्श केंद्र	16,609,688	-	16,609,688
योग	**16,609,688**	**-**	**16,609,688**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I प्रारंभिक शेष			**I व्यय**		
a) हाथ में नकदी			a) स्थापना व्यय	1,434,094,669	1,328,730,613
- मुख्य रोकड़ बही	-	-	b) अकादमिक व्यय	388,218,424	361,420,284
- फुटकर रोकड़ बही	-	-	c) प्रशासनिक व्यय	125,400,155	112,413,209
- विभाग के पास अग्रदाय	330,000	330,000	d) परिवहन व्यय	1,998,376	1,990,051
- शुल्क खाता (नकदी)	-	-	e) मरम्मत एवं अनुरक्षण	117,455,346	84,190,537
b) बैंक में शेष राशियां			f) पूर्व अवधि व्यय	-	-
- चालू खातों में	474,707,608	312,145,233			
- जमा खातों में	-	-	**II उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों में भुगतान**		
- बचत खातों में (अन्य)	34,031,157	95,525,363	- उद्दिष्ट निधि	204,959,162	180,023,116
- शुल्क बैंक खाता (चालू)	119,743	1,732,548	- प्रतिभावृत्ति निधि	2,530,742	545,560
- ईएमडी (चालू)	13,939	13,566	- PF अभिदान		-
- कोटक महिंद्रा बैंक (चालू)	4,885,738	2,092,764	**III प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं में भुगतान**	134,261,112	168,725,107
II प्राप्त अनुदान					
a) भारत सरकार से			**IV प्रायोजित फ़ेलोशिप/ छात्रवृत्तियों में भुगतान**	-	-
- पूंजीगत निधि के लिए	126,004,544	60,000,000			
- राजस्व व्यय के लिए	1,877,979,000	1,997,272,000	**V किए गए निवेश एवं जमा**		
- पिछले वर्ष का प्राप्य	-	-	a) उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधि से	-	80,000
b) राज्य सरकार से	-	-	b) स्वयं की निधियों से	180,430,131	-
c) अन्य स्रोतो से - टीएलसी	-	32,400,000			
III अकादमिक प्राप्तियां (संलग्नक अनुसार)	485,499,854	410,950,112	**VI अनुसूचित बैंक में मीयादी जमा**	2,103,413,337	1,326,587,159
IV उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधि से प्राप्तियां			**VII अचल आस्तियोंव प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों में व्यय**		
- उद्दिष्ट निधि	245,786,296	215,921,520	a) अचल परिसंपत्तियां	205,611,631	2,944,296,404
- प्रतिभावृत्ति निधि	-	80,000	b) प्रगतिरत पूंजीगत कार्य	-	-
V प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं से प्राप्तियां	295,522,155	82,834,602	**VIII सांविधिक भुगतानों सहित अन्य व्यय**		
			- सांविधिक देयताएं	282,427,784	240,388,421
VI प्रायोजित फ़ेलोशिप/ छात्रवृत्तियों से प्राप्तियां	-	-	**IX धन वापसी एवं अनुदान**	-	-

VII निवेशों पर आय			**X जमा एवं अग्रिम**		
- उद्दिष्ट प्रतिभावृत्ति निधि से	2,577,140	489,252	- अन्य जमा	37,940,209	10,914,617
- अन्य निवेशों से	-	-	- अग्रिम लेखा	178,468,860	194,697,119
VIII प्राप्त ब्याज			**XI अन्य भुगतान**		
- बैंक जमा पर	111,752,289	68,473,922	- बकाया देयताएं	90,368,127	90,070,600
- ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	- क्रय लेखा	40,433,729	24,363,187
- बचत बैंक खाते पर	5,872,792	-	- आईआरजी में अंतरित	-	-
			- आरएस उचंत व ब्याज अंतरण	388,161	8,408,078
IX नकदीकृत किए गए निवेश	-	-	- पूर्व अवधि मदें	484,554,012	
			- बकाया प्राप्य	26,877,560	
			- एसटीडीआर पर प्राप्य ब्याज	2,187,983	
X अनुसूचित बैंक मे मीयादी जमा का किया गया नकदीकरण	2,960,471,784	940,844,102			
XI अन्य आय (पीपीआई सहित)					
- एल & बी से आय	16,603,799	1,034,587	**XII अंतिम शेष**		
- अन्य आय	138,349,929	18,668,421	**a) हाथ में नकदी**		
			- मुख्य रोकड़ बही	-	-
XII जमा एवं अग्रिम			- फुटकर रोकड़ बही	-	-
- अन्य जमा	16,933,107	18,609,661	- विभाग के पास अग्रदाय	590,000	330,000
- अग्रिम लेखा	14,471,966	1,640,766,673	- शुल्क लेखा (नकदी)	-	-
XIII सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			**b) बैंक शेष**		
- सांविधिक देयताएं	263,091,901	239,842,494	- चालू खाते में	685,108,246	474,707,608
- विविध प्राप्तियां	-	-	- जमा खाते में	-	-
XIV कोई अन्य प्राप्तियां			- बचत खाते में (अन्य)	108,465,235	34,031,157
- क्रय लेखा	40,765,027	21,472,072	- शुल्क बैंक खाता (चालू खाता)	556,512	119,743
- भवन निर्माण हेतु SBI जमा	-	-	- ईएमडी खाता	14,320	13,939
- बकाया देयताए	105,143,842	90,368,127	- कोटक महिंद्रा बैंक -शुल्क खाता	216,835,313	4,885,738
- प्रगतिरत कार्य	-	1,340,065,228	- इंडियन ओवरसीज बैंक-SB	639,500,000	-
- पूर्व अवधि मदें	484,554,012		- कोटक महिंद्रा बैंक - सीए	12,378,486	-
योग	**7,705,467,621**	**7,591,932,247**		**7,705,467,621**	**7,591,932,247**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची	सामान्य निधि	योग	पिछला वर्ष
आय				
अकादमिक प्राप्तियां	**9**	466,009,899	466,009,899	406,204,662
अनुदान / सब्सिडी	**10**	1,877,979,000	1,877,979,000	1,997,272,000
निवेश से आय	**11**	81,649,301	81,649,301	66,370,772
अर्जित ब्याज	**12**	-	-	-
अन्य आय	**13**	174,443,683	174,443,683	24,448,458
पूर्व अवधि आय / समायोजन	**14**	-	-	-
योग (A)		**2,600,081,883**	**2,600,081,883**	**2,494,295,892**
व्यय				
स्टॉफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	**15**	1,434,094,669	1,434,094,669	1,328,730,613
अकादमिक व्यय	**16**	388,218,424	388,218,424	361,420,284
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	**17**	125,400,155	125,400,155	112,413,209
परिवहन व्यय	**18**	1,998,376	1,998,376	1,990,051
मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)	**19**	117,455,346	117,455,346	84,190,537
वित्तीय व्यय	**20**	-	-	-
मूल्यह्वास	**4**	238,365,602	238,365,602	203,452,947
अन्य व्यय	**21**	-	-	-
पूर्व अवधि व्यय	**22**	16,609,688	16,609,688	1,282,917,741
योग (B)		**2,322,142,260**	**2,322,142,260**	**3,375,115,382**
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (A – B)		277,939,623	277,939,623	(880,819,490)
नामित निधि में / से अंतरण		-	-	-
भवन निधि		-	-	-
अन्य, यदि कुछ है		-	-	-
केंद्रीय भंडार			-	-
निर्माण सामाग्री			-	-
सामान्य निधि में ले जाई गई बचत (घाटा) शेष राशि		**277,939,623**	**277,939,623**	**(880,819,490)**
लेखा टिप्पणियां	**22**			

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I प्रारंभिक शेष			**I व्यय**		
a) हाथ में नकदी			a) स्थापना व्यय	1,434,094,669	1,328,730,613
- मुख्य रोकड़ बही	-	-	b) अकादमिक व्यय	388,218,424	361,420,284
- फुटकर रोकड़ बही	-	-	c) प्रशासनिक व्यय	125,400,155	112,413,209
- विभाग के पास अग्रदाय	330,000	330,000	d) परिवहन व्यय	1,998,376	1,990,051
- शुल्क खाता (नकदी)	-	-	e) मरम्मत एवं अनुरक्षण	117,455,346	84,190,537
b) बैंक में शेष राशियां			f) पूर्व अवधि व्यय	-	-
- चालू खातों में	474,707,608	312,145,233			
- जमा खातों में	-	-	**II उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों में भुगतान**		
- बचत खातों में (अन्य)	638,058	620,996	- उद्दिष्ट निधि	204,959,162	180,023,116
- शुल्क बैंक खाता (चालू)	119,743	1,732,548	- प्रतिभावृत्ति निधि	2,530,742	545,560
- ईएमडी (चालू)	13,939	13,566			
- कोटक महिंद्रा बैंक	4,885,738	2,092,764	**III प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं में भुगतान**	-	-
II प्राप्त अनुदान					
a) भारत सरकार से			**IV प्रायोजित फ़ेलोशिप/ छात्रवृत्तियों में भुगतान**	-	-
- पूंजीगत निधि के लिए	126,004,544	60,000,000			
- राजस्व व्यय के लिए	1,877,979,000	1,997,272,000	**V किए गए निवेश एवं जमा**		
b) राज्य सरकार से	-	-	a) उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधि से	-	80,000
c) अन्य स्रोतो से - टीएलसी	-	32,400,000	b) स्वयं की निधियों से	-	-
III अकादमिक प्राप्तियां (संलग्नक अनुसार)	485,499,854	410,950,112	**VI अनुसूचित बैंक में मीयादी जमा**	2,103,413,337	1,326,587,159
IV उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधि से प्राप्तियां			**VII अचल आस्तियोंव प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों में व्यय**		
- उद्दिष्ट निधि	245,786,296	215,921,520	a) अचल परिसंपत्तियां	205,611,631	2,944,296,404
- प्रतिभावृत्ति निधि	-	80,000	b) प्रगतिरत पूंजीगत कार्य	-	-
V प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं से प्राप्तियां	-	-	**VIII सांविधिक भुगतानों सहित अन्य व्यय**		
			- सांविधिक देयताएं	262,615,783	240,248,122
VI प्रायोजित फ़ेलोशिप/ छात्रवृत्तियों से प्राप्तियां	-	-	**IX धन वापसी एवं अनुदान**	-	-

VII निवेशों पर आय			**X जमा एवं अग्रिम**		
- उद्दिष्ट प्रतिभावृत्ति निधि से	2,577,140	489,252	- अन्य जमा	37,940,209	10,914,617
- अन्य निवेशों से	-	-	- अग्रिम लेखा	105,828,854	187,728,640
VIII प्राप्त ब्याज			**XI अन्य भुगतान**		
- बैंक जमा पर	77,488,889	66,370,772	- बकाया देयताएं	90,368,127	90,070,600
- ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	- क्रय लेखा	40,433,729	24,363,187
- बचत बैंक खाते पर	4,160,412	-	- पूर्व अवधि मदें	484,554,012	-
			- बकाया प्राप्य	26,877,560	
IX नकदीकृत किए गए निवेश	-	-			
X अनुसूचित बैंक मे मीयादी जमा का किया गया नकदीकरण	2,810,873,922	940,844,102			
XI अन्य आय (पीपीआई सहित)			**XII अंतिम शेष**		
- एल & बी से आय	16,603,799	1,034,587	**a) हाथ में नकदी**		
- अन्य आय	138,349,929	18,668,421	- मुख्य रोकड़ बही		
			- फुटकर रोकड़ बही	-	-
XII जमा एवं अग्रिम			- विभाग के पास अग्रदाय	-	-
- अन्य जमा	16,933,107	18,609,661	- शुल्क लेखा (नकदी)	590,000	330,000
- अग्रिम लेखा	12,054,340	1,603,395,337	- ईएमडी	-	-
XIII सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			**b) बैंक शेष**		
- सांविधिक देयताएं	262,469,255	239,420,887	- चालू खाते में	685,108,246	474,707,608
			- जमा खाते में	-	-
XIV कोई अन्य प्राप्तियां			- बचत खाते में (अन्य)	655,461	638,058
- क्रय लेखा	40,765,027	21,472,072	- शुल्क बैंक खाता (चालू खाता)	556,512	119,743
- भवन निर्माण हेतु SBI जमा	-	-	- इंडियन ओवरसीज बैंक-SB	639,500,000	-
- बकाया देयताए	105,143,842	90,368,127	- कोटक महिंद्रा बैंक -चालू खाता	12,378,486	
- प्रगतिरत कार्य	-	1,340,065,228	- ईएमडी खाता	14,320	13,939
- पूर्व अवधि मदें	484,554,012	-	- कोटक महिंद्रा बैंक – बचत खाता	216,835,313	4,885,738
योग	**7,187,938,453**	**7,374,297,185**		**7,187,938,453**	**7,374,297,185**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम – III
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	**9**	-	-
अनुदान / सब्सिडी	**10**	2,802,750	10,460,119
निवेश से आय	**11**	-	-
अर्जित ब्याज	**12**	-	-
अन्य आय	**13**	-	255,025
पूर्व अवधि आय	**14**	-	-
योग (A)		**2,802,750**	**10,715,144**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	**15**	657,000	673,857
अकादमिक व्यय	**16**	-	-
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	**17**	2,462,250	9,787,294
परिवहन व्यय	**18**	-	-
मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)	**19**	-	-
वित्तीय लागत	**20**	-	-
मूल्यह्वास	**4**	-	-
अन्य व्यय	**21**	-	-
पूर्व अवधि व्यय	**22**	-	-
योग (B)		**3,119,250**	**10,461,151**
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (A – B)		(316,500)	253,993
नामित निधि में / से अंतरण		-	-
भवन निधि		-	-
अन्य, यदि कुछ है			
सामान्य निधि में ले जाई गई बचत (घाटा) शेष राशि		**(316,500)**	**253,993**
लेखा टिप्पणियां	**22**		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम – III
31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I आरंभिक शेष :			**I व्यय**		
a) हाथ में नकदी			a) स्थापना व्यय	657,000	673,857
b) बैंक में शेष			b) अकादमिक व्यय	-	-
- एसबीआई NITW चालू खाता	3,087,429	2,833,436	c) प्रशासनिक व्यय	2,462,250	9,787,294
II प्राप्त अनुदान :			d) परिवहन व्यय		
a) भारत सरकार-एमएचआरडी अनुदान	-	-	e) मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)		
b) भारत सरकार - एमएचआरडी अग्रिमों के लिए	-	30,000	f) पूर्व अवधि व्यय		
c) भारत सरकार - एमएचआरडी राजस्व अनुदान	2,802,750	10,460,119			
III अकादमिक प्राप्तियां	-	-	**II उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों में किया गया भुगतान**		
IV उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों के लिए प्राप्तियां	-	-	- उद्दिष्ट निधि	-	-
V प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं हेतु प्राप्तियां	-	-	- प्रतिभावृत्ति निधि	-	-
VI प्रायोजित अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों हेतु प्राप्तियां	-	-	**III प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं पर भुगतान**	-	-
VII निवेशों से आय			**IV प्रायोजित अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों पर भुगतान**	-	-
- उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों से	-	-	**V किए गए निवेश एवं जमा**		
- अन्य निवेशों से	-	-	a) उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों से	-	-
VIII अर्जित ब्याज			b) स्वयं की निधियों से	-	-
- बैंक जमाओं पर	-	-	**VI अनुसूचित बैंकों में मीयादी जमा**	-	-
- ऋणों एवं अग्रिमों पर	-	-	**VII अचल परिसंपत्तियों व प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर खर्च**		
- बचत बैंक खाते पर	-	-	a) अचल परिसंपत्तियां	-	-
IX नकदीकृत निवेश	-	-	b) प्रगतिरत पूंजीगत निर्माण कार्य	-	-
X अनुसूचित बैंकों से नकदीकृत की गई मीयादी जमा	-	-	**VIII सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	-	-

XI अन्य आय (पीपीआई सहित)			**IX धन वापसी एवं अनुदान**	-	-
- एल&बी से आय	-	-	**X जमा एवं अग्रिम**		
- **अन्य आय**	-	-	- ईएमडी	-	-
○ निविदा अनुसूची विक्रय से	-	-	- अग्रिम खाता	210,000	30,000
○ प्रशिक्षण/पंजीकरण शुल्क संग्रहण से	-	255,025	- एनपीआईयू - अग्रिम समायोजन	-	30,000
XII जमा एवं अग्रिम			**XI अन्य भुगतान**		
- ईएमडी	-	-	- व्यावसायिक कर	4,050	4,200
- अग्रिम खाते	210,000	30,000	- टीडीएस	120,728	-
- एनआईटी वारंगल	-	-	**XII अंतिम शेष**		
XIII सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	120,728	-	a) हाथ में नकदी		
XIV कोई अन्य प्राप्तियां	4,050	4,200	b) बैंक में शेष - एसबीआई एनआईटीडब्ल्यू चालू खाता	2,770,929	3,087,429
	6,224,957	**13,612,780**		**6,224,957**	**13,612,780**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम – III
31 मार्च, 2022 की स्थिति पर तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
निधि के स्रोत			
आधारभूत / पूंजीगत निधि (कॉर्पस / कैपिटल फंड)	**1**	2,770,567	3,087,067
नामित / उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियां	**2**	-	-
वर्तमान देयताएं व प्रावधान	**3**	362	210,000
योग		**2,770,929**	**3,297,067**
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	**4**		
- मूर्त (प्रत्यक्ष) परिसंपत्तियां		-	-
- अमूर्त (परोक्ष) परिसंपत्तियां		-	-
- प्रगतिरत पूंजीगत कार्य		-	-
निवेश	**5**		
- दीर्घकालिक		-	-
- अल्पकालिक		-	-
निवेश – अन्य	**6**	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां	**7**	2,770,929	3,087,429
ऋण, अग्रिम एवं जमा	**8**		209,638
योग		**2,770,929**	**3,297,067**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**23**		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणियां	**24**		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
भविष्य निधि लेखा
31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आरंभिक शेष			**जीपीएफ़ अग्रिम / आहरण**	58,068,090	28,429,039
a) हाथ में नकदी	-	-	**सीपीएफ़ अग्रिम / आहरण**	-	-
b) बैंक में शेष			**एनपीएस टियर II**	42,212,439	36,345,198
- एसबीआई बचत खाते में	17,608,436	6,688,783			
जीपीएफ़ अभिदान	35,335,587	39,255,047	**विश्वविद्यालय अंशदान आहरण**	59,097,304	50,867,059
सीपीएफ़ अंशदान	-	-			
सीपीएफ़ विश्वविद्यालय अंशदान (एनपीएस)	57,430,832	50,607,298	**अनुसूचित बैंकों में मीयादी जमा**	153,750,336	-
एनपीएस टियर II खाता	41,022,088	36,147,865	**बैंक प्रभार / विविध प्रभार**	-	-
अनुसूचित बैंकों में मीयादी जमा का नकदीकरण	167,003,055	-	**अंतिम शेष**		
प्राप्त ब्याज			a) हाथ में नकदी	-	-
a) एसटीडीआर पर ब्याज	-	-	b) बैंक में शेष	5,576,941	17,608,436
b) बचत बैंक खाते पर ब्याज	305,112	550,739	- एसबीआई बचत बैंक खाता		
	318,705,110	**133,249,732**		**318,705,110**	**133,249,732**

31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

)राशि रुपयों में(

व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	आय	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ब्याज जमा किया गया			**बचत बैंक खाते सहित निवेशों पर अर्जित ब्याज**	305,112	550,739
- जीपीएफ़ खाते में	16,149,999	19,254,287	जोड़ें:03/2022 को उपचित ब्याज	16,292,593	7,800,900
- सीपीएफ़ खाते में	-	-	जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	10,482,468
- विश्वविद्यालय अंशदान (एनपीएस) में	-	-	जोड़ें : ब्याज पर वसूला गया कर - ली जाने वाली धन वापसी	-	-
- एनपीएस टियर II खाता	-	-	घटाएं : 03/2021 के लिए उपचित ब्याज	-	-
बैंक प्रभार / विविध व्यय	-	-			
व्यय से अधिक आय	447,706	-	**आय से अधिक व्यय**	-	420,180
	16,597,705	**19,254,287**		**16,597,705**	**19,254,287**

भविष्य निधि लेखा
31 मार्च 2022 की स्थिति पर तुलन-पत्र) बैलेंस शीट(

देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
जीपीएफ़					
आरंभिक शेष	350,731,908	320,651,613	**निवेश**	326,147,197	329,348,869
घटाएं: मार्च 2021 का अभिदान	-	-			
जोड़ें: वर्ष के दौरान अभिदान	35,335,587	39,255,047	**मार्च, 2022 की स्थिति पर उपचित ब्याज**	14,042,446	7,800,900
जोड़ें: मार्च 2022 का अभिदान	-	-			
जोड़ें: जमा ब्याज	16,149,999	19,254,287	**मार्च, 2021 का देय अभिदान**		
घटाएं: अग्रिम /आहरण	(58,068,090)	(28,429,039)			
जोड़ें: जीपीएफ़ अग्रिम	1,312,700				
अंतिम शेष	**345,462,104**	**350,731,908**	- जीपीएफ़	-	-
सीपीएफ़					
आरंभिक शेष	-	-	- सीपीएफ़	-	-
घटाएं: मार्च 2021 का अभिदान	-	-			
जोड़ें : वर्ष के दौरान अभिदान	-	-	- सीपीएफ़ में देय यूसी	-	-
जोड़ें : मार्च 2022 का अभिदान	-	-			
जोड़ें : जमा ब्याज	-	-	- एनपीएस टियर II	-	-
घटाएं : अग्रिम /आहरण	-	-			
अंतिम शेष	**-**	**-**	निवेश से अर्जित ब्याज परवसूला गया कर जिसकी धनवापसी आयकर विभाग से लंबित है	-	-
एनपीएस टियर II खाता					
आरंभिक शेष	1,394,849	1,592,182			
घटाएं: मार्च 2021 का अभिदान	-	-			
जोड़ें: वर्ष के दौरान अभिदान	41,022,088	36,147,865			
जोड़ें: मार्च 2022 का अभिदान	-	-			
जोड़ें : जमा ब्याज	-	-	**बैंक में नकदी**		
घटाएं : अग्रिम /आहरण	(42,212,439)	(36,345,198)	- एसबीआई बचत बैंक खाता	5,576,941	17,608,436
अंतिम शेष	**204,498**	**1,394,849**			
विश्वविद्यालय अंशदान (NPS)			- प्राप्य जीपीएफ़ अग्रिम	1,312,700	
आरंभिक शेष	2,438,370	2,698,131			
घटाएं: मार्च 2021 का अभिदान	-	-			
जोड़ें: वर्ष के दौरान अभिदान	57,430,832	50,607,298			
जोड़ें: मार्च 2022 का अभिदान	-	-			
जोड़ें: जमा ब्याज	-	-			
घटाएं: अग्रिम /आहरण	(59,097,304)	(50,867,059)			
अंतिम शेष	**771,898**	**2,438,370**			
आरक्षित ब्याज					
आरंभिक शेष	193,078	613,258			
जोड़ें: व्यय से अधिक आय	447,706	(420,180)			
अंतिम शेष	**640,784**	**193,078**			
	347,079,284	**354,758,205**		**347,079,284**	**354,758,205**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
अनुसंधान योजनाएं लेखा
31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I आरंभिक शेष :			**I व्यय**		
a) हाथ में नकदी			a) स्थापना व्यय	0	0
b) बैंक में शेष - एसबीआई NITW बचत खाता	33,393,099	94,904,367	b) अकादमिक व्यय	0	0
II प्राप्त अनुदान :			c) प्रशासनिक व्यय	0	0
a) भारत सरकार- एमएचआरडी अनुदान	0	0	d) परिवहन व्यय	0	0
b) भारत सरकार- एमएचआरडी सीओई अनुदान	0	0	e) मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)	0	0
III अकादमिक प्राप्तियां	0	0	f) पूर्व अवधि व्यय	0	0
IV उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों के लिए प्राप्तियां	0	0	**II उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियों पर किया गया भुगतान**		
V प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं हेतु प्राप्तियां	295,522,155	82,834,602	- उद्दिष्ट निधि	0	0
VI प्रायोजित अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों हेतु प्राप्तियां	0	0	- प्रतिभावृत्ति निधि	0	0
VII निवेशों से आय			**III प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं पर भुगतान**	134,261,112	168,725,107
- उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों से	0	0	**IV प्रायोजित अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों पर भुगतान**	0	0
- अन्य निवेशों से	0	0	**V किए गए निवेश एवं जमा**		
VIII अर्जित ब्याज			a) उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधियों से	0	0
- बैंक जमाओं पर	34,263,400	2,103,150	b) स्वयं की निधियों से	180,430,131	0
- ऋणों एवं अग्रिमों पर	0	0	**VI अनुसूचित बैंकों में मीयादी जमा**	0	0
- बचत बैंक खाते पर	1,712,380	0	**VII अचल परिसंपत्तियों व प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर खर्च**		
IX नकदीकृत निवेश	0	0	a) अचल परिसंपत्तियां	0	0
X अनुसूचित बैंकों से नकदीकृत की गई मीयादी जमा	149,597,862		b) प्रगतिरत पूंजीगत कार्य	0	0
XI अन्य आय (पीपीआई सहित)			**VIII सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
- एल&बी से आय	0	0	- आय कर	216,200	23,999
- अन्य आय			- व्यावसायिक कर	151,350	116,300
XII जमा एवं अग्रिम			- जीएसटी / टीडीएस	19,444,451	0
- एनआईटी वारंगल	0	0	**IX धन वापसी एवं अनुदान**	0	0
- अग्रिम खाते	2,357,776	37,371,336	**X जमा एवं अग्रिम**		
- एफ़डीडी/एलसी उचंत/ पीबीजी	59,850	0	- एनआईटी वारंगल	0	0
			- अग्रिम खाते	1,732,166	6,968,479

XIII सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			- एफ़डीडी	0	0
- आय कर	184,299	91,967	- एलसी उचंत खाता	70,907,840	0
- व्यावसायिक कर	146,350	119,500	**XI अन्य भुगतान**		
- विविध प्राप्तियां	0	0	- अनुसंधान परियोजनाओं में अंतरित ब्याज	388,161	7,648,208
- जीएसटी / टीडीएस	291,997	210,140	- आरएस उचंत खाता	0	759,870
			- आईओबीएसबी पर प्राप्य ब्याज	2,187,983	
			XII अंतिम शेष		
XIV कोई अन्य प्राप्तियां	0	0	a) हाथ में नकदी	0	0
			b) **बैंक में शेष**		
			- एसबीआई NITW बचत खाता-शोध	50,958,161	33,393,099
			- एसबीआई NITW बचत खाता-एसईआरबी	56,851,613	0
	517,529,168	**217,635,062**		**517,529,168**	**217,635,062**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
अनुसंधान योजनाएं लेखा
31 मार्च, 2022 की स्थिति पर तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

(राशि रुपयों में)

निधि के स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आधारभूत / पूंजीगत निधि (कॉर्पस / कैपिटल फंड)	1	66,049,711	30,462,092
नामित / उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधियां	2	-	-
वर्तमान देयताएं व प्रावधान	3	272,177,474	225,006,591
योग		**338,227,185**	**255,468,683**
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4		
- मूर्त (प्रत्यक्ष) परिसंपत्तियां		-	-
- अमूर्त (परोक्ष) परिसंपत्तियां		-	-
- प्रगतिरत पूंजीगत कार्य		-	-
निवेश	5		
- दीर्घकालिक		-	-
- अल्पकालिक		-	-
निवेश – अन्य	6	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	281,132,155	175,883,211
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	57,095,030	79,585,472
योग		**338,227,185**	**255,468,683**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणियां	24		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
अनुसंधान योजनाएं लेखा
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	**9**	0	0
अनुदान / सब्सिडी	**10**	0	0
निवेश से आय	**11**	35,975,780	2,103,150
अर्जित ब्याज	**12**	0	0
अन्य आय	**13**	0	0
पूर्व अवधि आय	**14**	0	0
योग (A)		**35,975,780**	**2,103,150**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	**15**	0	0
अकादमिक व्यय	**16**	0	0
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	**17**	0	0
परिवहन व्यय	**18**	0	0
मरम्मत एवं अनुरक्षण (रिपेयर व मैंटेनेंस)	**19**	0	0
वित्तीय लागत	**20**	0	0
मूल्यह्वास	**4**	0	0
अन्य व्यय	**21**	388,161	7,648,208
पूर्व अवधि व्यय	**22**	0	0
योग (B)		**388,161**	**7,648,208**
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (A – B)		35,587,619	-5,545,058
नामित निधि में / से अंतरण		0	0
भवन निधि		0	0
अन्य, यदि कुछ है		0	0
सामान्य निधि में ले जाई गई बचत (घाटा) शेष राशि		**35,587,619**	**-5,545,058**
लेखा टिप्पणियां	**22**		

अनुसूची *(शेड्यूल)* : 23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां :

1. **<u>लेखा तैयार करने का आधार</u> :**

   जहां अन्यथा बतलाया नहीं गया है को छोड़कर, लेखा अवधिगत लागत परिपाटी के तहत आम तौर पर लेखांकन की उपचय विधि के आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. **<u>राजस्व मान्यता</u> :**

   2.1 बैंक जमाओं पर प्राप्त ब्याज और सरकारी अनुदानों सहित सभी राजस्व एवं व्यय का उपचय आधार पर लेखांकित किए गए हैं।

   2.2 डाकघर और दुकानों से एकत्र किए गए किराए को नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।

3. **<u>अचल आस्तियां एवं मूल्यह्वास</u> :**

   3.2 अचल आस्तियों का अंकन अधिग्रहण की लागत पर किया गया है जिसमें आवक माल ढुलाई, शुल्क व कर और अधिग्रहण, स्थापना व कमीशनन से संबंधित आकस्मिक व प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं ।

   3.3 इस वर्ष के दौरान संस्था ने 20.56 करोड़ रु. की राशि पूंजीकृत की है।

   3.4 अचल आस्तियों का अंकन लागत पर किया गया है। संदर्भित वर्ष के दौरान क्रय की गई आस्तियों पर मूल्यह्वास को लेखा पुस्तकों में एमएचआरडी द्वारा निर्धारित दरों पर मूल्यह्वास की सीधी रेखा पद्धति से दिखाया गया है।

   3.5 वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास की बकाया राशि वर्ष 2020-21 के लिए रु. 1.66 करोड़ की राशि वर्ष के दौरान लेखा पुस्तकों में दर्शाई गई थी और महालेखाकार के लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुसार इसे पूर्व अवधि के खर्चों के तहत वर्ष 2020-21 के दौरान वार्षिक खातों में दिखाया गया था।

4. **<u>स्टॉक</u> :**

   रसायनों, ग्लासवेयर, प्रकाशनों एवं भंडार सामग्रियों की खरीद पर किए गए व्यय को राजस्व व्यय के रूप में लिखांकित किया गया है, सिवाय इसके कि 31 मार्च को लिए गए शेष माल स्टॉक के मूल्य को, विभागों से प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित राजस्व व्यय को घटाकर, इनवेंटरी के रूप में दिखाया गया है। 31 मार्च को शेष माल स्टॉक NIL है।

5. **<u>सेवानिवृत्ति लाभ</u> :**

   सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया गया है।

6. **<u>निवेश</u> :** - NIL -

7. **<u>उद्दिष्ट / प्रतिभावृत्ति निधि</u> :** वर्ष के दौरान संस्थान को विभिन्न उद्दिष्ट/प्रतिभावृत्ति निधि के लिए 111.79 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है और वर्ष के दौरान 49.34 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है ।

8. **आधारभूत निधि (*कॉर्पस फंड*) / अन्य निधि :** मार्च-2022 के अंत में आधारभूत / पूंजीगत निधि का अंतिम शेष 677.15 करोड़ रुपये है ।

9. **<u>सरकारी एवं यूजीसी अनुदान</u> :**

9.1 सरकारी अनुदान एवं यूजीसी अनुदान को प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है । हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त हुई है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त हुई है, अनुदान उपचय आधार पर लिखांकित की गई है और इसके बराबर की राशि को अनुदानदाता से वसूलीयोग्य के रूप में दिखाई गई है ।

9.2 पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, (उपचय आधार पर) सरकारी अनुदान एवं यूजीसी से मिलने वाले अनुदान को पूंजीगत निधि में अंतरित किया गया है ।

9.3 राजस्व व्यय के लिए सरकारी एवं यूजीसी अनुदानों को (उपचय आधार पर), उपयोग की गई सीमा तक, उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वे प्राप्त हुए हैं ।

9.4 अप्रयुक्त अनुदान (इन अनुदान से भुगतान किए गए अग्रिमों सहित) को आगे ले जाया गया है और तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) में देयता के रूप में दिखाया गया है ।

10. **<u>उद्दिष्ट निधियों का निवेश एवं ऐसे निवेशों पर उपार्जित ब्याज की आय</u> :**

संस्थान ने निवेश पृथक से किए हैं और इस तरह के उद्दिष्ट निधियों पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज 350.23 लाख रुपये है ।

11. **<u>प्रायोजित परियोजनाएं</u>** :

वर्ष के दौरान विभिन्न एजेंसियों से विभिन्न अनुसंधान योजना के एवज में 29.55 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है और विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन में 13.42 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है ।

12. **<u>आयकर</u> :**

संस्थान की आय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23c) के तहत आयकर से मुक्त है । इसलिए लेखा में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है ।

13. **<u>भूमि</u> :**

कुल 248 एकड़ भूमि एनआईटीडबल्यू के नियंत्रण में है । संस्थान के पास उपलब्ध कुल भूमि में से निम्नलिखित विभागों/संस्थाओं को पट्टे पर दी गई भूमि इस प्रकार है -

a. टीएसएनपीडीसीएल, वारंगल को 4000 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

b. डीजीएम, बीएसएनएल, वारंगल को 1446 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

c. एसबीआई, एनआईटी शाखा को 1255 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

d. डाकघर अधीक्षक, हनमकोंडा को 816 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

e. आयुक्त, जीडबल्यूएमसी को 1750 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

f. जिला शिक्षा अधिकारी, वारंगल को 510.26 वर्ग मीटर भूमि पट्टे पर दी गई

g. शेष भूमि एनआईटी, वारंगल के पास उपलब्ध है ।

अनुसूची *(शेड्यूल)* 24 : लेखा पर आकस्मिक देयताएं एवं टिप्पणियां :

इस अनुसूची में शामिल किए जाने वाले मदों को नीचे सूचीबद्ध किया गया है :

A. आकस्मिक देयताएं :

.1	संस्था पर वह दावा जिसे ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	--NIL--
.2	गारंटी एवं साख पत्रों का बकाया	--NIL--
.3	अन्य मद जिनके लिए संस्था आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	--NIL--

B. लेखों पर टिप्पणियां

.1	पूंजीगत खाते पर प्रतिबद्धताएं प्रदान नहीं की गई	यह अनुबंधों/व्यवस्थाओं के संदर्भ में उत्पन्न होगा, जिसके अनुसार संपत्तियों के अधिग्रहण/निर्माण के लिए राशि का भुगतान तब करना होगा जब वे क्रियान्वित होंगे । राशि, निवल अग्रिमों का खुलासा किया जाना आवश्यक है-- NIL--
.2	शैक्षिक संस्थानों को निम्नलिखित जानकारी सार्वजनिक डोमेन पर डालना हिए ताकि अन्य सभी हितधारकों को शैक्षिक संस्थानों की क्षमता एवं सामर्थ्य का विहंगम दृश्य मिल सके ।	
i).	छात्रों की संख्या	6792
ii).	शिक्षकों की संख्या	321
iii).	भवन निधि लेखा से प्राप्ति और उसमें से किया गया व्यय	--NIL--
iv).	खेल गतिविधियों से प्राप्ति और उसमें से किया गया व्यय	एकत्र की गई राशि : 59,39,000/- रुपये किया गया व्यय : 2,30,087/- रुपये

v).	सह-पाठयक्रम (कोकरीकुलम) गतिविधियों से प्राप्ति और उन पर किया गया व्यय	एकत्र की गई राशि : 8,61,550/- रुपये किया गया व्यय : 31,722/- रुपये
vi).	विकास शुल्क लेखा से प्राप्ति और इस मद पर किया गया व्यय	--NIL--
vii).	चिकित्सा खर्च के लिए संग्रह और इस मद पर किया गया व्यय	एकत्र की गई राशि : 62,76,500/- रुपये किया गया व्यय : 6,92,135/- रुपये
viii).	ईपीएफ़ व ईएसआई जैसे सांविधिक देय का अनुपालन	अनुपालन किया गया
ix).	शिक्षकों का वेतन ढांचा	

उपरोक्त जानकारी की गणना प्रति छात्र आधार पर भी की जा सकती है।

3. **संबंधित पक्ष का प्रकटीकरण : संबंधित पक्ष के साथ वित्तीय वर्ष के दौरान कोई लेनदेन नहीं किया गया।**

4. वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखा पर एजी ऑडिट टिप्पणियों के अनुसार संस्थान के खातों में पारित लेखा प्रविष्टियां पिछले वर्षों से संबंधित हैं और 48,45,54,012/- रुपये की प्रविष्ठी प्राप्ति और भुगतान खाते में अलग से दिखाई गई हैं।

5. एजी लेखापरीक्षा सलाह के अनुसार संस्थान ने इस वर्ष के दौरान 31.03.2021 तक विभिन्न वित्तपोषित खातों में रु. 7,47,82,810/- की राशि अंतरित की है । इसके अलावा संस्थान ने 2,57,10,703/- रुपये की राशि भी अनुसंधान लेखा – उपरिप्रभार से संस्थान के लेखा में अंतरित की है। इन राशियों को संस्थान के विविध आय मद में शामिल किया गया था।

6. इसके अलावा अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति उप-योजना नाम के वित्तपोषित लेखा के तहत दिखाई देने वाली डेबिट शेष राशि रु.73,61,163/- को विविध खर्चों में शामिल किया गया था।

संख्या : PDA(C)/CEA/UNIT-1/NITW/SAR 2021-22/2022-23/58 दिनांक 31.10.2022

सेवा में

सचिव,
भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय,

महोदय,

विषय : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के वर्ष 2021-22 के लेखा पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट ।

******

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के वर्ष 2021-22 के लेखा पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट, संबंधित संलग्नक एवं वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ, संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित की जाती है ।

कृपया पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने की तारीख सूचित करें ।

संलग्नकों के साथ इस पत्र की प्राप्ति की पावती देने का कष्ट करें ।

भवदीय

संलग्न : यथोपरि

(हस्ताक्षरित)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

संख्या : PDA(C)/CEA/UNIT-1/NITW/SAR 2021-22/2022-23/59 दिनांक 31.10.2022

प्रतिलिपि : प्रोफे. रामना राव, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखा की एक प्रति (अंग्रेजी संस्करण) सहित – इस अनुरोध के साथ कि वर्ष 2021-22 के अनुमोदित वार्षिक लेखा का हिन्दी संस्करण (दो सेट्स) इस कार्यालय में प्रस्तुत करें ।

संलग्न : यथोपरि

हस्ताक्षरित
(च. वी. साई प्रसाद)
निदेशक / केंद्रीय व्यय लेखापरीक्षा
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के वित्तीय लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट *(ऑडिट रिपोर्ट)*

हमारे द्वारा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्तव्य , शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 की धारा 22(2) के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल (एनआईटीडबल्यू) के 31 मार्च 2022 की स्थिति पर संलग्न तुलनपत्र (*बैलेंस शीट*), उक्त दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय व व्यय लेखा और प्राप्तियां व भुगतान लेखा की लेखापरीक्षा (ऑडिट) की गई । यह वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है । हमारा उत्तरदायित्व लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है ।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मापदंडों से संगतता आदि के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (सीएजी) द्वारा केवल लेखांकन प्रशोधन (*ट्रीटमेंट*) पर की गई लेखांकन संबंधी टिप्पणियां ही शामिल हैं । विधि, नियमों एवं विनियमों (उपयुक्तता एवं नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियों को, यदि कुछ है, अलग से निरीक्षण प्रतिवेदनों / सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से प्रतिवेदित किया गया है ।

3. हमने लेखापरीक्षा, सामान्य रूप से भारत में मान्य लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार किया है । इन मानकों के लिए आवश्यक है कि लेखापरीक्षा को इस प्रकार नियोजित एवं निष्पादित किया जाए कि, हमें यह उचित आश्वासन प्राप्त हो कि वित्तीय विवरण किसी भी गंभीर मिथ्यावर्णन से मुक्त हैं । लेखापरीक्षा में नमूना आधारित परीक्षण, राशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय कथनों का प्रकटीकरण शामिल होते हैं । प्रयुक्त किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करना साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी लेखापरीक्षा में शामिल है । हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है ।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

   i. हमारे द्वारा वे सभी जानकारियां और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारे सर्वोत्तम ज्ञान व विश्वास के अनुसार हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजन हेतु आवश्यक थे ।

   ii. इस रिपोर्ट से सम्बद्ध तुलनपत्र *(बैलेंस शीट)* और आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय शिक्षा संस्थानों के लिए लेखा के निर्धारित प्रारूप में बनाए गए हैं ।

   iii. हमारी राय में संस्थान ने आवश्यकता के अनुरूप उचित लेखा पुस्तकें और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का उचित व्यवस्थापन किया है, जैसा कि इन लेखा पुस्तकों का हमारे द्वारा परीक्षण से प्रकट होता है ।

   iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

A. समेकित तुलनपत्र (*बैलेंस शीट*)

A.1 निधि के स्रोत

A.1.1. आधारभूत/पूंजीगत निधि (*कॉर्पस/ कैपिटल फंड*) – रु. 745.41 करोड़

A.1.1.1. इस वर्ष के दौरान विद्युत अधिष्ठापनों से संबंधित रु. 5.98[1] करोड़ के कार्य पूरे किए गए थे। हालांकि, इन्हें पूंजीकृत नहीं किया गया था। इसके परिणामस्वरूप पूंजीगत निधि और अचल संपत्तियों को रु. 5.98 करोड़ की सीमा तक कम बताया गया। इसके कारण मूल्यह्रवास का भी रु. 1.46[2] करोड़ की सीमा तक कम बताया गया।

A.1.1.2. वर्तमान देयताएं और प्रावधान - रु. 51.62 करोड़

A.1.1.2.1 रु. 3.12 करोड़ की राशि को विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं (अनुसूची 3(a)) के तहत व्यय के रूप में दिखाया गया था, जिसमें से वर्ष के दौरान रु. 2.45[3] करोड़ का निवेश किया गया था। परियोजना व्यय के रूप में निवेश के गलत चित्रण के परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को कम बताया गया और निवेश भी कम बताया गया।

A.1.1.2.2 संस्थान के उपरिव्यय प्रभार (ओवरहेड) से संबंधित रु. 64.04 लाख की राशि (अनुसूची 3(a) प्रायोजित परियोजनाएं की क्रम संख्या 41) को शीर्ष आय के तहत दर्ज करने के बजाय वर्तमान देनदारियों के तहत दिखाया गया था। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को रु. 64.04 लाख की सीमा तक अधिक दिखाया गया व उसी सीमा तक आय कम दिखाई गई।

A.2 निधियों के उपयोग

A.2.1. अचल संपत्ति - रु. 443.77 करोड़

A.2.1.1. पूंजीगत व्यय से संबंधित रु. 2.12 करोड़[4] की राशि को राजस्व के रूप में माना गया और "मरम्मत और अनुरक्षण" (अनुसूची-19) के तहत दिखाया गया। इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों को रु. 2.12 करोड़ की सीमा तक कम बताया गया, जिससे पूंजीगत निधि को उसी सीमा तक कम दर्शाया गया। इसके परिणामस्वरूप मूल्यह्रास भी रु. 8.14 लाख[5] कम दर्शाया गया।

A.2.1.2. भंडारण सरणी आदि की खरीद के लिए खर्च की गई रु. 59,46,175 की राशि को अचल संपत्ति में नहीं जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों को रु. 59,46,175 की सीमा तक कम बताया गया और इस प्रकार पूंजीगत निधि को समान सीमा तक कम दर्शाया गया। मूल्यह्रास भी रु. 8.45 लाख (रु. 6,39,120 और रु. 2,06,293) कम बताया गया।

---

1 आवश्यक विद्युत आपूर्ति और सौर पीवी उत्पादन के लिए सब-स्टेशन उपकरण और डीजी सेट प्रदान करना, रु. 3,20,00,000 मूल्य का विद्युत कार्य; पदार्थ एवं धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में और रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग भवन में रु. 1,45,36,000 मूल्य का एयर कंडीशनिंग और विज़ुअल सिस्टम प्रदान करना; रु. 1,03,81,785 लागत का एसटीपीआई सेंटर में इंडोर सब-स्टेशन के पास एक 250 KVA डीजी सेट, संस्थान कैंटीन में मुख्य सब-स्टेशन के पास एक 250 KVA डीजी सेट और एक 500 KVA शुष्क प्रकार सब-स्टेशन प्रदान करना; और छात्र छात्रावास ब्लॉक -6, 7 और 8 में रु. 28,98,939 लागत की LAN वायरिंग प्रदान करना ।

2 रु. 93,07,200 और रु. 53,12,288

3 अनुसूची-3(ए) की क्रम संख्या 237,287,288,.291,302,305,306,318,320 और 414 में उल्लिखित रु. 2,44,65,038

4 शैक्षणिक भवन में पैरापेट की दीवार के ऊपर रु. 13,20,140 की एसएस रेलिंग पाइप प्रदान करना; रु. 22,63,276 से फैकल्टी क्लस्टर का निर्माण; गंगा और गोदावरी रसोई का नवीनीकरण रु. 22,10,380; रु. 12,94,298 की राशि से मिट्टी की खुदाई, केबल बिछाना; स्ट्रीट लाइटिंग, केबल, पोल आदि की आपूर्ति और स्थापना रु.1,17,17,860; और रु. 24,06,418 की लागत से विद्युत अभियांत्रिकी विभाग लैब (पुराना भौतिकी भवन) का नवीनीकरण।

5 रु. 1,15,876 और रु. 6,98,736

A.2.1.3. प्रायोजित परियोजना निधि से खरीदी गई रु. 92.03[6] लाख की संपत्ति का पूंजीकृत नहीं किया गया था । इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों और पूंजीगत निधि को भी उसी सीमा तक कम बताया गया । मूल्यह्रास को भी रु. 7.64[7] लाख कम बताया गया ।

A.2.1.4. तरल नाइट्रोजन संयंत्र की स्थापना के लिए विभागीय योजना अनुदान से अनुसंधान परियोजना निधि में अंतरित रु. 12.41 लाख की राशि को संयंत्र को पूरा किए बिना गलत तरीके से पूंजीकृत किया गया था । इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों और पूंजीगत निधि प्रत्येक को रु. 12.41 लाख अधिक बताया गया । मूल्यह्रास भी रु. 99,280 अधिक बताया गया था ।

A.2.1.5. उपभोग्य सामग्रियों (Ti6A14V पाउडर) के लिए खर्च की गई रु. 2,19,388 की राशि को वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण (अचल आस्तियां - अनुसूची 4) के तहत गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया था । राजस्व व्यय को पूंजी के रूप में गलत वर्गीकृत करने के कारण अचल संपत्तियों को रु. 2.19 लाख की सीमा तक अधिक बताया गया और पूंजीगत निधि को इसी सीमा तक अधिक बताया गया । मूल्यह्रास को भी रु. 89,983 अधिक बताया गया ।

A.2.1.6. ई-जर्नल्स के लिए अग्रिम भुगतान से संबंधित रु. 28,99,889 की राशि इसमें शामिल नहीं है, जिसे गलती से छात्र पुस्तकालय शुल्क - नामित/ उद्दिष्ट / बंदोबस्ती निधि (अनुसूची-2) के तहत राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया गया था । इस कारण अचल संपत्तियों और पूंजीगत निधि को रु. 28,99,889 कम बताया गया ।

A.2.2. पूंजीगत – प्रगतिरत कार्य – NIL

A.2.2.1. सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत किए गए फॉर्म-65 के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए रु. 1,79,48,879 की राशि खर्च की गई थी । हालांकि, इसे प्रगतिरत कार्य के तहत नहीं दिखाया गया था । इसके परिणामस्वरूप प्रगतिरत कार्य (अनुसूची-4) को रु. 1.79 करोड़ तक कम बताया गया और ऋणों, अग्रिमों और जमा राशि को इतना ही अधिक बताया गया ।

A.2.3. चालू आस्तियां - रु. 341.54 करोड़

A.2.3.1. प्रशिक्षण और नियोजन केंद्र से संबंधित रु. 75,00,000 की सावधि जमा राशि को वार्षिक लेखा में शामिल नहीं किया गया था । इसके परिणामस्वरूप निवेश रु. 75.00 लाख कम बताया गया और नकदी और बैंक शेष को समान सीमा तक अधिक बताया गया ।

A.2.3.2. कलाम अतिथि गृह से संबंधित कोटक महिंद्रा बैंक खाते के अंतिम शेष की राशि रु. 4,25,169 को वार्षिक लेखा में शामिल नहीं किया गया था । इसे लेखा में लेखांकित किया जाना चाहिए ।

---

[6] रु. 84,86,852 और रु. 7,16,394

[7] रु. 7,06,668 और रु. 57,311

B. आय एवं व्यय लेखा

B.1. व्यय – रु. 232.25 करोड़

B.1.1. विभिन्न अन्य श्रेणी की वस्तुओं की खरीद के लिए किए गए रु. 3.94[8] करोड़ के व्यय को 8 प्रतिशत के मूल्यह्रास की दर के साथ "वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण" के अंतर्गत गलत वर्गीकृत किया गया था। इसके परिणामस्वरूप मूल्यह्रास को रु. 47.15[9] लाख और व्यय को इतनी ही राशि से कम दर्शाया गया।

C. सामान्य

1. वार्षिक लेखा (अनुसूची 5) के अनुसार निवेश रु. 74,26,24,039 था। यद्यपि, एफडी के भौतिक सत्यापन पर यह रु. 73,56,62,250 पाया गया था। इस अंतर का समाधान करने की जरूरत है।

2. 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के वार्षिक लेखा के अनुसार अनुसंधान निधि से संबंधित निवेश रु. 17,33,22,3813 था। यद्यपि, एफडी के भौतिक सत्यापन पर, यह रु. 17,47,32,869 पाया गया। इस अंतर का समाधान करने की जरूरत है।

3. यूजी और पीजी के अंतिम वर्ष के छात्रों से प्राप्त होने वाले शिक्षण शुल्क रु. 88,30,550 की राशि को वार्षिक लेखा में लेखांकित नहीं किया गया था और इस आशय की लेखांकन नीति को लेखा टिप्पणियों में प्रकट नहीं किया गया था।

4. निवेश पर अर्जित ब्याज और उपार्जित ब्याज के संबंध में वार्षिक लेखा और बही खातों के अनुसार पाए गए निम्नलिखित अंतरों का समाधान करने की आवश्यकता है।

अनुसूची संख्या	मद	वार्षिक लेखा के अनुसार (रु.)	बही खातों के अनुसार (रु.)
अनुसूची-8	निवेश पर अर्जित ब्याज और उपार्जित ब्याज	4,28,66,257	2,94,55,030
अनुसूची-11	निवेश पर अर्जित ब्याज और उपार्जित ब्याज	11,17,52,289	8,20,32,609
अनुसूची-13	अन्य विविध आय	14,05,54,638	14,05,54,257

5. निवेश से होने वाली आय रु. 2,50,85,055 दर्शाना चाहिए था। यद्यपि, अनुसूची 11 के अनुसार इसे रु. 2,45,09,691 दिखाया गया था। इस विसंगति का समाधान करने की जरूरत है।

---

[8] रु. 3,20,36,396 और रु. 73,30,428

[9] रु. 38,09,764 और रु. 9,05,401

6. "वर्तमान देनदारियां और प्रावधान" के तहत निम्नलिखित राशियों को पांच साल से अधिक समय से लंबित दिखाया गया है (पिछले एसएआर में टिप्पणी की गई थी) । संस्थान ने तो लंबित देनदारियों के निपटान के लिए पहल की है और न ही इसे अनुसूची-24 "लेखा पर टिप्पणियां" के तहत प्रकट किया है ।

वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	अनुसूची-3 के अनुसार विवरण (रु.)	से लंबित
स्टॉफ क्वार्टर के लिए स्टॉफ से जमा	64,794	2016-17
प्रयोगशाला और पुस्तकालय जमा	2,01,27,625	2016-17
छात्रावास अवधान राशि जमा	4,46,664	2016-17
किराए और अन्य सेवा प्रभारों के लिए जमा	2,000	2016-17
आईसीसी आर&डी लेखा	11,000	2016-17
बिक्री कर	2,94,218	2017-18
सलाभ मेडल ढलाई प्रभार	3,03,924	2017-18

7. **अनुसूची-23 (महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां)**

(1) पैरा 7 – उद्दिष्ट / बंदोबस्ती निधि: वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त और व्यय की गई राशि क्रमशः रु. 11.79 करोड़ और रु. 49.34 करोड़ के रूप में बताई गई थी । यद्यपि, वार्षिक लेखा के अनुसार ये क्रमशः रु. 17.66 करोड़ और रु. 16.86 करोड़ - अनुसूची-2 (नामित / उद्दिष्ट / बदोबस्ती) थे। बंदोबस्ती निधि) थे । इसके अलावा, ऐसी उद्दिष्ट निधियों पर ब्याज रु. 3.50 करोड़ दिखाया गया था जबकि अनुसूची-2 के अनुसार यह रु. 3.24 करोड़ था । इसका सुधार करने की जरूरत है ।

(2) आधारभूत निधि / अन्य निधियां: मार्च-2022 के अंत तक आधारभूत / पूंजीगत निधि का अंतिम शेष रु. 677.15 करोड़ दिखाया गया था जबकि अनुसूची-1 के अनुसार, यह रु. 738.81 करोड़ दिखाया गया था । इसका सुधार करने की जरूरत है ।

8. संस्थान के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के लिए उपदान (ग्रेच्युटी), अवकाश नकदीकरण और अधिवर्षिता पेंशन का प्रावधान एएस 15 के अनुसार नहीं किया गया था ।

9. उपयोग प्रमाणपत्र के अनुसार रु. 9,90,54,329 का उल्लेख सीपीडबल्यूडी को असमायोजित अग्रिमों के रूप में किया गया था, जबकि सीपीडब्ल्यूडी अग्रिमों का बहीखाता शेष रु. 15,11,52,329 था । तथापि, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत किए गए फॉर्म-65 के अनुसार, कुल जमा राशि रु. 10,12,60,007 दर्ज की गई थी, जिसमें से रु. 1,79,48,879 की राशि को वर्ष 2021-22 के कार्यों के लिए व्यय दिखाया गया था और शेष राशि रु. 9,13,35,605 थी । इन विसंगतियों के समाधान की जरूरत है ।

10. टीईक्यूआईपी कार्यक्रम

i) टीईक्यूआईपी निधियों से क्रय की गई अचल संपत्तियों को मुख्य महाविद्यालय लेखा में अंतरित नहीं किया गया है, हालांकि टीईक्यूआईपी कार्यक्रम बंद कर दिए गए थे (जैसा कि नीचे विवरण दिया गया है) । इसके अलावा, खरीदी गई अचल संपत्तियों को संपत्ति की विभिन्न श्रेणी में गलत वर्गीकृत किया गया था ।

कार्यक्रम	कार्यक्रम बंद करने का दिनांक	इस कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध संपत्तियां
टीईक्यूआईपी-I	इस कार्यक्रम को बंद करने का दिनांक ऑडिट को उपलब्ध नहीं कराया गया था ।	17,24,52,821
टीईक्यूआईपी-II	11.12.2018	8,90,04,289
टीईक्यूआईपी-II सीओई	11.12.2018	1,89,04,353
टीईक्यूआईपी-III	31.01.2022	2,98,76,977 (क्रय की गई अचल संपत्तियों की कुल राशि को वार्षिक लेखा में दिखाया गया था)

ii) संस्थान ने टीईक्यूआईपी-I कार्यक्रम के तहत खरीदी गई अचल संपत्तियों और कार्यक्रम के बंद होने की तारीख का विवरण प्रस्तुत नहीं किया । अब तक संपत्ति का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है, जबकि उपरोक्त कार्यक्रम बंद कर दिए गए थे ।

iii) टीईक्यूआईपी-III निधि से संबंधित रु. 27,70,279.50 (एसबीआई, एनआईटी शाखा, वारंगल के चालू खाता संख्या 37583198741 के तहत) की राशि को मुख्य खाते में अंतरित नहीं किया गया था, जबकि कार्यक्रम वर्ष 2021-22 (यानी 31.01.2022 को) के दौरान बंद कर दिया गया था ।

11. अनुसूची 7 में दिखाए गए एलसी उचंत के तहत विविध देनदारों और एफडीडी के लिए रु. 2,30,10,977 (रु.33,86,798 + रु.1,96,24,179) की चालू संपत्ति के विवरण सत्यापन के लिए ऑडिट करने के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए थे ।

12. वर्ष 2020-21 के लिए एसएआर/प्रबंधन पत्र में शामिल टिप्पणियों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है

i) वर्ष 2020-21 से संबंधित विभिन्न अनुभागों/विभागों से देय बकाया अग्रिमों में ऋणात्मक शेष संशोधित नहीं किए गए थे । इसी ऋणात्मक शेष राशि वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखा में आगे ले जाया गया था ।

ii) सांविधिक देनदारियां जैसे जीएसटी-टीडीएस, आईसीसी-जीएसटी, प्रयोगशाला और पुस्तकालय जमा, छात्रावास अवधान राशि जमा आदि जो पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं, उनका समाधान करना चाहिए और उन्हें या तो सरकारी खाते में जमा किया जाना चाहिए या अनुसूची-

24 लेखा पर टिप्पणियां के तहत टिप्पणी बनाते समय प्राप्ति में लिया जाना चाहिए । इस संबंध में, संस्थान ने कार्रवाई शुरू नहीं की और आगे की प्रक्रिया के लिए लंबित है ।

iii) संस्थान ने अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित क्र.सं. 177, 178, 262,288, 318 और 320 में उल्लिखित राशियों का समाधान नहीं किया है । इसका समाधान वर्ष 2021-22 के दौरान भी नहीं किया गया है ।

iv) संस्थान ने प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति के लिए रु. 1,44,76,575 की राशि के गलत चित्रण के संबंध में पूर्व अवलोकन में संशोधन नहीं किया है । वर्ष 2021-22 के दौरान भी, संस्थान ने "प्रायोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां" के बजाय "अन्य छात्रवृत्तियां" के तहत रु. 1,14,98,406 की प्राप्ति और रु. 1,180,89,832 के व्यय (पृष्ठ 73) को दर्शाया है ।

v) संस्थान ने एएस 15 के रूप में सेवानिवृत्ति के लिए उपदान (ग्रेच्युटी), अवकाश नकदीकरण और अधिवर्षिता पेंशन का कोई प्रावधान नहीं किया है ।

vi) संस्थान ने आधारभूत निधि की रु. 6.49 करोड़ की विसंगति को दूर नहीं किया और कहा कि यह प्रक्रियाधीन है ।

vii) टिप्पणी A.2.1.(2020-21) के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई - स्पार्क-उपरिव्यय और आकस्मिकता से संबंधित रु. 6.78 लाख का आय शीर्ष अंतरण ।

D. अनुक्रिया का अभाव

ड्राफ्ट एसएआर 29.9.2022 को संस्थान को 10 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के अनुरोध के साथ जारी किया गया था । यद्यपि, संस्थान को अनुस्मारक जारी करने के बाद भी आज दिनांक (27.10.2022) तक जवाब प्राप्त नहीं हुए हैं ।

E. प्रबंधन पत्र

उन कमियों को जो पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के ध्यान में लाया गया है ।

F. सहायता अनुदान

इस वर्ष के दौरान प्राप्त रु. 200.40[10] करोड़ और पिछले वर्ष की रु. 181.17 करोड़ की अप्रयुक्त शेष राशि सहित कुल रु. 381.57 करोड़ की सहायता अनुदान में से संस्थान ने रु. 208.36[11] करोड़ राशि का उपयोग किया जिससे 31 मार्च 2022 तक रु. 173.21 करोड़ की अप्रयुक्त शेष राशि बची ।

---

[10] प्राप्त अनुदान: पूंजीगत - रु. 12.60 करोड़, राजस्व- रु. 187.80 करोड़ कुल = रु. 200.40 करोड़

[11] व्यय पूंजीगत - अनुसूची-3(सी) रु. 20.56 करोड़, राजस्व-अनुसूची-10- रु. 187.80 करोड़

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा लेखा-बहियों से मेल खाते हैं।

vi. हमारी राय में और हमारी श्रेष्ठ जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और लेखों पर दी गई टिप्पणियों एवं ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित मामलों के अधीन, सामान्य तौर पर भारत में मान्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप एक सत्य और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते हैं :

a. जहां तक कि इसका संबंध 31 मार्च 2022 की स्थिति में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के मामले में तुलन-पत्र से है ; और

b. जहां तक कि इसका संबंध उक्त दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए **बचत** के आय व व्यय लेखा से है।

हस्ताक्षरित

(अनिंद्या दासगुप्ता)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल

तेलंगाना - 506004



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल

तेलंगाना - 506004

Website: https://www.nitw.ac.in